



No Ja

The Gazette of S

India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

o. 27]

मई विस्त्री, शनिवार, जुलाई, 6, 1985/आषाढ 15, 1907 NEW DELHI, SATURDAY, JULY 6, 1985/ASADHA 15, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ र ख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

A greate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) नई दिल्ली, 28 जून, 1985

का. आ. 3077.—केन्द्रीय सरकार दरगाह ख्वाजा साहेब अधिनियम, 1955 (1955 का 36) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री शाह हुसेन अहमद सज्जादा नणींन दरगाह मख्दूम अब्दुल हक रूदौली जिना बाराबंकी उत्तर प्रदेश जो एक हनफी मुसलमान हैं को. दरगाह समिति, अजमेर के सदस्य के रूप में तुरन्त प्रभावी रूप से नियक्त करती है।

[सं. 11/(1)/84-वक्फ] क. सुब्रमणियन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (l.egislative Department) New Delhi, the 28th June, 1985

S.O. 3077.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Dargah Khawaja Saheb Act, 1955 (36 of 1955), the Central Government hereby appoints Shri Shah Hussain Ahmad. Saijada Nashin, Dargah Makhdum Abdul Haq.. Rudauli, District Barabanki, Uttar Pradesh, a Hanafi, Musli, m. a° a n°mber of the Dargah Committee, Ajmer, with immediate effect

• [No. 11(1)/84-Wakf] K. SUBRAMANIAN, Jt. Secy. कामिक ग्रौर प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रासय

(पेंशन और पेंशनभोगी झत्याण विभाग) नई दिल्ली, 19 जून, 1985

का. आ. 3078:—-राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों या प्रयोग जरते हुए अभिदायो भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 का और संशोधन करने के लिए िमनलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :--

- (1) इर निजमों का संक्षिण्त नाम प्रधिदायी भविष्य निधि (भारत) संकोधन निजम, 1985 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. म्रिविदायी भिविष्य निधि नियम (भारत), 1962 की म्रिनुस्वी के पैरा 2 के अंत में किन्तु प्रथम परन्तुक से पहले निमालिखित प्रविष्ट रखी जाएगी, म्रार्थात :----

"श्रद्यक्ष, संघ लों सेवा श्रायोग, नई दिल्ली" [संख्या एफ 13(1)-पेंन/85 (सी०पी०एफ०)]

टिप्पणी:---ग्रिभदायी भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 (31-3-1973 तक शुद्धकृत) 1973 में प्रकाणित

- हुए ये। तत्पश्चात इन नियमों का संशोबा निमा-लिखित ग्रिधसूचनाओं द्वारा निया गया :---
- 16(2) —ई.वी. 73, तारीख 18.9.1973
- 2. एफ. 32(3)—-ई.वो. 67 सी.पी.एफ तारोख 26.10.1973
- 3. एफ. 32(3)——ई.बी 67 सीपीएफ तारीख 22-12-73
- 4. एफ 2(2) -- ई.वी. (बी) 71 तारीख 29.5.1974
- 5. एफ 13(1)——ईवी(बी) 73 सीपीएफ तारीख 28-6-74
- 6. एफ 13(3)--ई वी(बी) 74 सी पी एफ तारीख 5-10-74
- 7. एफ 16(2)--ई वी(बी) 72 तारीख 9-10-74
- 8. एफ 13(4) --ईवी(बी) 74 तारीख 10-10-74
- 9. एफ 2(62)--(1) ई. वी.(बी) 71 सी पी एफ तारीख 14-10-74
- 10. एफ 24017/1/75-ई. वी. (बी) तारीख 28-2-75
- 11. एफ 13(3) -- ई. वी. (बी) 75 तारीख 28-4-75
- 12. एफ 2(62)(1)---ई. वी.(बी) 71 तारीख 18-7-75
- 13. एफ 13(4) ई. वी. (बी) 75 तारीख 28-10-75
- 14. एफ 10(3)--ई. वी.(बी) 75 तारीख 12-1-76
- 15 एफ 13(1)--ई. वी. (बी) 76 तारीख 27-1-76
- 16. एफ 13(5)--ई. वी. (बी) 75 तारीख 15-5 76
- 16 एफ 13(5)--ई. वी. (बी) 75 तारीख 15-5-76
- 17. एफ 13(6)—ई.वी. (बी) 76 तारीख 30-6-76
- 18. एफ 13(7)--ई. वी.(बी) 76 तारीख 26-7-76
- 19. एफ 13(3)--ई. वी. (बी) 76 मीपीएफ तारीख 17-11-76
- 20. एक 13(8)——ई. वी. (बो) 76 सी पी एक तारीख़ 10-12-76
- 21. एफ 16(4) ई. वी. (बी) 76 सो पी एफ तारीख 17-12-76
 - 22 एफ 10(8) --ई. वी. (बी) 76 सी पो एफ वारीख 19-2-77
- 23 एफ 13(9) -- ई. बी. (बी) 76 सी पी एफ तारीख 25-2-77
- 24. एफ 13(11) ई. वी. (बी) 76 सी पी एफ तारीख 28-4-77
- 25. एफ 13(10)---ई. बी.(बी) 76 सी पी एफ तारीख 5-9-77
- 26. एफ 13(4) --ई. वी. (बी) 76 सी पो एफ ; रोख 18-10-77
- 27. एफ 13(10)--ई.वी.(बी) 76 ती. पी. एक. तारीख 21-1-78

- 28. एफ 13(7) ई. वो०(बी) 77 सी. पी. एफ. तारीख 23-1-78
- 29. एफ 20(25) -- -ई. वी. (बी) 77 सी. पी. एफ. तारीख 13-3-78
- 30. एफ 13(5)--ई. वी. (बी) 77 सी. पी. एफ तारीख 30-3-78
- 31. एफ 13(7)—ई. वी.(बी) 77 सी. पी. एफ. तारीख 22-4-78
- 32. एफ 13(11) --ई. वी.(बी) 78 प्री. पी. एफ. तारीख 30-5-79
- 33. एफ 17(5)--ई. वी. (बी) 78 सी. पी. एफ. तारीख 18-6-79
- 34 एफ 19(15) पेंन 76 -- सी. पी. एफ. तारोख 9-8-79
- 35. एफ 9(2)--ई. बी. (बी) 73 7/रोख 13-11-79
- 36. एक 10(10) - र्वेन 79 हो. पी. एक. तारोख 3-3-80
- 37 एफ 20 (22) -ई. वो. (बी) ते : 79 ती. पी. एफ. तारीख 18-4-80
- 38. एफ 13(6) --वेंत 79 सी. पो. एक. क्षारीख 18-4-80
- 39. एफ 16(2) -- रेंग 79 सी. ग. एक. हिरोख 12-6-80
- 40. एफ 2(1)--पेन 77सी.पी. एफ. तारीख 1-10-80
- 41. एक 16(3)—वेंन 79 सो. पा. एक. क्षारोख 13-10-80
- 42. एक 10(2) - मेंन 81 सी. पी. एक. तारीख 21-12-81
- 43. एफ 13(3) ---पेंन 83 सी . पी. एफ. तारीखा 30-4-83
- 44. एफ 19(2) पेंच 80 सी. पो. एक. तारोख 10-5-83
- 45. एफ. 16(3) ~पेंन 79 सी. पी. एफ. तारीख 18-5-83ं
- 46 एफ 19(1) -- पेंन 83 सी. पी. एफ. तारीख 20.5.83
- 47. एफ 20(10)---81---पेंशन एक तारीख 30.7.83

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(Department of Pension & Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 19th June, 1985

- S.O. 3078.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Constributory Provident Fund Rules (India), 1962, namely :
 - 1. (1) These rules may be called the Contributory Prodent Fund (India) Amendment Rules, 1985.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Coneributory Provident Fund Rules (India), 1962, in para 2 of the Fifth Schedule, the following entry shall be inserted at the end but before the first proviso therein, namely:—

"Chairman, Union Public Service Commission, New Delhi."

[No. F. 13(1)-Pen.|85-CPF]

NOTE. The Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, (corrected upto 31-3-1973) were published in 1973. Rules were subsequently amended vide the Notifications mentioned below:—

- 1. 15(2)-EV|73 dated 18-9-1973
- 2. F. 32(3)-EV|67|CPF dated 26-10-1973
- 3. F. 32(3)-EV[67-CPF dated 22-12-1973
- 4. F. 2(2)-EV(B)|71 dated 29-5-1974
- 5. F. 13(1)-EV(B)-73-CPF dated 28-6-1974
- 6. F. 13(3)-EV(B)-74-CPF dated 5-10-1974
- 7. F. 16(2)-EV(B)|72 dated 9-10-1974
- 8. F. 13(4)-EV(B)|74 dated 10-10-1974
- 9. F. 2(62)(1)-EV(B)-71-CPF dated 14-10-1974
- 10. F. 24017|1|75-EV(B)-71-CPF dated 28-10.1975
- 11. F. 13(3)-EV(B)|75 dated 28-4-1975
- 12. F. 2(62)(i)-EV(B)|71 dated 18-7-1975
- 13. 13(4)-EV(B)/75 dated 28-10-1975.
- 14. F. 10(3)-EV(B)|75 dated 12-1-1976
- 15. F. 13(i)-EV(B)|76 dated 27-1-1976
- 16. F. 13(5)-EV(B)|75 dated 15-5-1976
- 17. F. 13(6)-EV(B)|76 dated 20-6-1976
- 18. F. 13(7)-EV(B)|76 dated 26-7-1976
- 19. F. 13(3)-EV(B)|76-CPF dated 17-11-1976
- 20. F. 13(8)-EV(B)|76-CPF dated 10-12-1976
- 21. F. 16(4)-EV(B)/76-CPF dated 17-12-1976
- 22. F. 10(8)-EV(B)|76-CPF dated 19-2-1977
- 23. F. 13(9)-EV(B)/76-CPF dated 25-2-1977
- 24. F. 13(ii)-EV(B)/76-CPF dated 28-4-1977
- 25. F. 13(10)-EV(B)|76-CPF dated 5-9-1977
- 26, F. 13(4)-EV(B)/76-CPF dated 18-10-1977
- 27. F. 13(10)-EV(B)|76-CPF dated 21-1-1978
- 28. F. 13(7)-EV(B)|77-CPF dated 23-1-1978
- 29. F. 20(25)-EV(B)[77-CPF dated 13-3-1978
- 30. F. 13(5)(B)/77-CPF dated 30-3-1978
- 31. F. 13(7)-EV(B)|77-CPF dated 22-4-1978
- 32. F. 13(ii)-EV(B)|78-CPF dated 30-5-1979
- 33. F. 17(5)-EV(B)|78-CPF dated 18-6-1979
- 34. F. 19(15)-Pen|76-CPF dated 9-8-1979
- 35. F. 9(2)-EV(B)|78-CPF dated 13-11-1979
- 36. F. 10(10)-Pen|79-CPF dated 3-3-1980
- 37. F. 20(22)-EV(B)|Pen|79-CPF dated 18-4-1980
- 38. F. 13(6)Pen|79-CPF dated 18-4-1980
- 39. F. 16(2)-Pen|79-CPF dated 12-6-1980
- 40. F. ii(i)-Pen|77-CPF datad 1-10-1980
- 41. F. 16(3)-Pen|79-CPF dated 13-10-1980
- 42. F. 10(2)-Pen[81-CPF dated 21-12-1981
- 43. F. 13(3)-Pen/82-CPF dated 30-4-1983
- 44. F. 19(2)-Pen 80-CPF dated 10-5-1983
- 45. F. 16(3)-Pen|79-CPF dated 18-5-1983
- 46. F. 19(1)-Pen|83-CPF dated 20-5-1983
- 47. F. 20(10)-Pen/81-CPF dated 30-7-1983.

- का. आ. 3079:—-राष्ट्रपति संविधात के मनुक्छेद 309 के परन्तुन द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए साधारण पविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, धर्यात :—
- (1)इन नियमों का संक्षिण्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय हेका) दूसरा संशोधन नियम,
 1985 है।

(2) ये राजपद्ध में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में पांचवी मनुसूची के पैरा 2 के अंत में किन्तु प्रथम परन्तुक से पहले निम्निलिखित प्रविष्टि भन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थातः—

"श्रष्टयक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग, नई दिल्ली।" [सं. 13(1) - पेंशन-85-जी.पी.एफ] एन. एस. शंहरन, ग्रवर सचिव

टिप्पणी:— साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 था. आ. सं. 3000 तारीख 1-12~1960 के रूप में प्रकाशित किए गए थे, इन नियमों का तीसरा पुनः मुद्रण (30.11.1978 के गूडकृत) 1979 में छपा था। तस्पश्चात इन नियमों ा संशोधन नीचे विणत अधिसूचनाओं द्वारा िया गया :---

- 1 एफ. 13(8)/77—ई. बी. (बी), तारीख 13.12.1978
- 2. एफ. 13(5)/78--ई. बी. (बी), ताराख 23.4.1979
- 3. एफ. 13(11)/78--ई. वी. (बी), तारीख 30.5.1979
- 4. एफ. 13(7)/78--ई. बी. (ब़ी), तारीख 18.6.1979
- 5. एफ. 17(5)——ई. वी. (बो)/78, तारोख 18.6.1979
- 6 एफ. 19(15)---पेंशन/76 (जी.पी.एफ) तारोख 3.3.1980
- 7. एफ. 9(2)—ई. वी. (बी)/78—जी. पी. एफ, तारीख 13.11.89
- एफ. 10(10)/-पेंशन/79--जी. पी. एफ. तारीख
 3.3.1980
- 9 एफ. 20(22)—ई.बी.(बी)/पेंशन/79—जी. पी. एफ. तारीख 18.4.80
- 10. एफ: 13(6)/वेंगन/77--- जी. पी. एफ. सारीब 18.4.1980

- 11. एफ. 16(2) विंशंन/79—जी. पी. एफ., तारीख 12.6.1980
- 12. एफ. 11(1)/पेंगन/77—जी. पी. एफ., तारीख 1.10.1980
- 13. एफ. 16(3) विंशन / 79——जी. पी एफ. तारीख 13.10.1980
- 14. एफ. 10(2) विंशन/81—जी. पी. एफ, तारीख 21.12.81
- 15. एफ 13(1)/पेंगन/82--तारीख 8.9.1982
- 16. एफ. 13(3)/पेंशन/83—जी.पी. एफ., तारीख 30.4.1983
- 17. एफ. 19(2)/पेंशन/80-जी० पी. एफ., तारीख 10.5.1982
- 18. एफ. 16(3)/पेंशन/77—जी. पी. एफ., तारीख 19.5.1983
- 19. एफ. 13(2)/80/पेंशन, तारीख 20.5.1983
- 20. एफ. 19(1)/पेंशन/83--जी. पी. एफ, तारीख, 20.5.1983
- 21. एफ सं.20(10)/81/पेंशन एकक---जी. पी. एफ, तारीख 30.7.83
- 22. एफ. 13(1)/84--पेंशन, तारीख 19.3.1984
- 23. एफ. 13(4)/84--पी. यू. (जी. पी. एफ.) तारीख 26.6.1985
- S.O. 3079.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Service) Rules, 1969, namely—1. (1) Thes rules may be called the General Provident Fund

1. (1) Thes rules may be called the General Provident Fun (Central Services) Second Amendment Rules, 1985.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in para 2 of the Fifth Schedule, the following entry shall be inserted at the end but before the first proviso therein, namely:—

"Chairman Union Public Service Commission, New Delht."

[No. F. 13(1)-Pen./83-GPF] N. S. SANKARAN, Under Secy.

NOTE: General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, were published as S.O. No. 3000 dated 1-12-1960. The Third reprint (corrected upto 30-11-1978) of the rules was printed in 1979. The rules were subsequently amended vide notifications mentioned below:—

- 1. F. 13(8)|77-EV(B), dated 13-12-1978.
- 2. F. 13(5)|78-EB(B), dated 23-4-1979.
- 3. F. 13(11)|78-EV(B) dated 30-5-1979
- 4. F. 13(7)|78-EV(B), dated 18-6-1979.
- 5. F. 17(5)|EV(B)|78, dated 18-6-1979.
- 6. F. 19(15)|Pen|76(GPF) dated 9-8-1979.
- 7. F. 9(2)-EV(B)|Pen|78-GPF, dated 13-11-79.
- 8. F. 10(10)-Pon 79-GPF, dated 3-3-1980.
- 9. F. 20(22)-EV(B)|Pen|79-GPF, dated 18-4-1980.
- 10. F. 13(6)-Pen 79-GPF, dated 18-4-1980.
- 11. F. 16(2)-Pen 79-GPF, dated 12-6-1980.
- 12. F. 11(1)-Pen|77-GPF, dated 1-10-1980,
- 13. F. 16(3)-Pen/79-GPF, dated 13-10-1980.
- 14. F. 10(2)-Pen 81-GPF, dated 21-12-1981
- 15. F. 13(1)-Pen|82, dated 8-9-1982.
- 16. F. 13(3)-Pen|82-GPF, dated 30-4-1983.
- 17. F. 19(2)-Pen|80-GPF, dated 10-5-1983.
- 18. F. 16(3)-Pen|77-GPF, dated 19-5-1983.

- 19. F. 13(2)/80-Pen, dated 20-5-1983.
- 20. F. 19(1)-Pen 83-GPF, dated 20-5-1983.
- 21. F. No. 20(10)|81-Pension Unit-GPF, dated 30-7-1983
- 22. F. 13(1)-Pen|84, dated 19-3-1984.
- 23. F. 13(4)[84-PU(GPF) dated 26-2-1985.

विरंत मंत्रालय

(राज्स्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 मप्रैल, 1985

(भायकर)

का. भा. 3080 --- भायकर भिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 - छ की उपधारा (2) (ख) के द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्दारा, "दि श्ररूलिभगु श्ररासली श्वरं मंदिर, औजिण्डियापत्सु, वानुर तालुक" को समस्त तिमलनाडु राज्य में विख्यात सार्वजिनक पूजास्थल के रूप में भिधिसूचित करती है।

[सं. 6197 / फा. सं. 176/2/85—आ. क. (नि.-1)] भार. के. तिवारी, भवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th April, 1985 (INCOME-TAX)

S.O. 3080.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Arulmigu Arasaleaswarar Temple, Ozundiappattu, Vanur Taluk" as a place of public worship renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 6197|F. No. 176|2|85-IT(A1)] R. K. TEWARI, Under Secy.

(भ्रायकर)

ना. भा. 3081— श्रायकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (3) के मनुसरण में और भारत सरकार राजस्व विभाग की दिनांक 18 मार्च, 1983 की श्रिधसूचना सं. 5131/ फा. सं. 398/7/83— श्रा. क. (ब.) का श्रिधलंगन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा, श्री पी. के. विश्वास को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपितत श्रिधकारी हैं, उकत श्रिधनियम के अंतर्गत कर वसूली श्रिधकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए श्रिधकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री पी. के, विश्वास द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से लागू होगी: ।

[सं. 6226 (फा. सं. 398/4/85——आर. क. ब.)] बी. ई. ग्रस्तैक्जेंडर, ग्रवर समिव

New Delhi, the 18th May, 1983

INCOME-TAX

S.O. 3081.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 5131 (P. No. 398)783-

IT(B) dated the 18-3-83, the Central Government hereby authorises Shri P. K. Biswas, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri P. K. Biswas takes over charge as Tax Recovery Officer.

> [No. 6226|F. No. 398|4|85-IT(B)] B. E. ALEXANDER, Under Secy.

(ब्यय विभाग)

नई विस्त्री, 21 जून, 1985

का. मा. 30 82-राष्ट्रपति संविधान के मनुष्छेद 77 के खंड (3) के श्रनुसरण में वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथति

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वित्तीय शक्तियीं का पूर्त्यायोजन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1985 हैं।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त
- 2. विसीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 के नियम 18 के उपनियम (1) में, दूसर परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा :--

"परन्तु यह और कि मंजूर की गई स्कीम के मूल प्राक्कलनों से 20 प्रतिशत या दो करोड़ रुपये तक इनमें से जो भी कम हो, से अधिक व्यय की मंजूरी के लिए विस्त मंद्रालय का प्रनुमीदन प्रपेक्षित नहीं होगा अब तक कि स्कीम या परियोजना में सारभूत परिवर्तन न किया गया हो:

टिप्पण : विश्वीय मधित्यों का प्रत्योजन नियम 1979 भारत के राजपन्न भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 22 जुलाई 1978 में ग्रधिसूचता सं. का. आ. 2131 द्वारा प्रकाशित किए गए और पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए:-

- ग्रिधिसूचना सं.का.ग्रा. 1887 तारीख (1)9.6,1979
- (2)मं.का.भा. 2942 तारीख 1.9.1979
- सं.का.भा, 2611 तारीख 4.10.1980 (3)
- सं.मा.का. 2164 तारीख 15.8.1981 (4)
- (5) सं.ग्रा.का. 2304 तारीख 5.9.1981
- सं. आ. सा. 3073 तारीख 4.9.1982 (6)
- सं.का.भा. 4171 तारीख 1.12 1982 (7)
- (8)सं.का.भा. 1312 तारीख 26. 2. 1983
- सं.का.मा. 2502 तारीख (9)
- (10)सं.का.या. 22 तारीख 5.1.1985
- (11) मुद्धि पन्न सं.का.मा. 1958 तारीख 11.5.1985

[सं. एफ 1(11)-ई-II (ए)/81] रा. ल. चीधरी, प्रवर सन्विध

4.8.1984

(Department of Expenditure) New Delhi, the 21st June, 1985

- S.O. 3082.—In pursuance of clause (3) of article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, namely :
- 1. (1) These rules may be called the Delegation of Financial Powers (Second Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In Sub-rule (1) of rule 18 of the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely :
 - "Provided further that the approval of the Finance Minis-try shall not be required to sanction excess expenditure over the original estimates of a sanctioned scheme upto twenty percent or rupees two crores, whichever is less, unless the scheme or project has been substantially altered."
- NOTE: The Delegation of Financial Powers Rules, 1978 published vide Notification No. S.O. 2131 appearing in Part II, Section (3), Sub-Section (ii) of the Gazette of India dated July 22, 1978 subsequently amended by :
 - (i) Notification No. SO 1887, dated 9-6-1979.
 - (ii) Notification No. S.O. 2942 dated 1-9-1979.
 - (iii) Notification No. SO 2611, data 4-10-1980.
 - (iv) Notification No. SO 2164, dated 15-8-1981.
 - (v) Notification No. SO 2304 dated 5-9-1981.
 - (vi) Notification No. SO 3073, dated 4-9-1982.
 - (vii) Notification No. SO 4171, dated 11-12-1982.
 - (viii) Notification No. SO 1314, dated 26-2-1983.
 - (ix) Notification No. SO. 2502, dated 4-8-1984.
 - (x) Notification No. SO 22, dated 5-1-1985.
 - (xi) Corrigendum No. SO 1958, dated 11-5-1985.

[No. F 1(11)-E. II(A) /81] R. L. CHAUDHRY, Under Secv.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 जून, 1985

- का. आ. 3083-- सिक्का निर्माण प्रधि रियम, 1906 1906 का 3) की घारा 7 के साथ पठित धारा 21 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करले हुँए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा निम्नलिखित नियम बमाती है, ग्रयति :---
- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों को सिक्का निर्माण ("विकास के लिए वानिकी" के लिए निर्मित 75 प्रतिमत सांबा और 25 प्रतिमत निकल वाले 25 पैसे के स्मारक सिक्कों का मानक भार और उपकार) नियम 1985 कहा जाएगा।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त हो जाएगें।
- 2. विषय वस्तु "Forestry for Development" सहित निर्मित 25 पैसे के सिक्कों का मानक भार और अनुमत उपचार: सिक्का निर्माण ग्रधिनियम 1906 (1906 का 3) की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रावधानों के प्रधीन "विकास के लिए वानिकी" के स्मारक कें रूप में निर्मित 25 पैसे कें गोल आकार के सिक्के का मानक भार और इस प्रकार का सिक्का बनाने के लिए अनुमत उपचार निम्नलिखित सारणी में बिनिर्विष्ट किये गये के अनुसार होंगें। :---

		सारणी	
सिक्केका. मृल्यवर्ग	मानक भार	अनुमत	न उपचार
1/2444	η(\	संरचना में	मानक वजन में
25 पैसे	2, 5 ग्राम	तांबा और निकल दोनों के जिक्कों के लिए 1/100 वां भाग जमा या घटा अर्थात् तांबे में 74 प्रतिशत से 76 प्रतिशत तक और निकल में 24 प्रतिशत से 26 प्रतिशत तक अंतर हो सकता है।	अर्थात् भार में 2.4375 से 2.5625 तक परिवर्तन हो

, ,

(Department of Economic Affairs) New Delhi, the 11th June, 1985

- S.O. 3083 —In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 21, read with section 7, of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Coinage (Standard Weight and Remedy of the commemorative coin of 25 paise containing copper 75 per cent and nickel 25 per cent coined for "Forestry for Development') Rules 1985".
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Standard weight and remedy allowed on the 25 paise coins coined with the theme "Forestry for Development"—
 The standard weight of the round shaped coin of 25 paise, coined under the provisions of sub-section (1) of section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), in commemoration of "Forestry for Development", and the remedy allowed in the making of such coin shall be as specified in the table below:—

Table

Denomi-	Standard	Remedy allow	ved
nation weight In c	In composition	In standard weight	
25 Paisc	2 . 5 grms.	1/100th plus or minus both for copper and nickel that is to say copper could vary from 74% to 76% and Nickel from 24% to 26%	1/40th plus or minus that is to say the weigh could vary from 2.4375 grammes to 2.5625 grammes

[No. F. 1/31/82-Coin]

का. शा. 3084—सिकका निर्माण अधिनियम, 1906(1906 का 3) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुअ, केन्द्रीय सरकार एतदहारा यह निश्चित करती है की केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी किये जाने के लिए टकसाल में निम्नलिखित मूल्यवर्ग के के 8 सिक्के निर्मित किये जाएगें और इस प्रकार सिक्के निम्नलिखित परिमाप, डिजाइन और धारिवट संरचना के अनुह्रप होंगें :—

सिक्के का	भाकार और बाहरो दांतो की धारियक संरचणा							
मूल्य वर्ग	व्यास	्संख्या						
25 पैसे	गोलाकार 19 मिलीमोटर	100 तांबीनिकल ताबा 75 प्रतियत निकल 25 प्रतियत						

ভিসা**ছ**ন

मुख्य भाग :— सिक्के के मुख भाग पर प्रशीक स्तंभ का सिहं शोर्ष होगा जिसके साथ हिदों में लेख 'सत्यमेव जयते' नीचे अंकित होगा और ऊपरी बांई सतह पर पार्थ्य में शब्ध "भारत" होगा और उपरी वांई सतह पर शब्द "India' होगा। इस पर मृल्यवर्ग "25" अंतर्राष्ट्रीय अंकों में होगा जिसकी संख्या निचली बांई सतह पर पार्थ्य में हिदों में शब्द "पैसे" और निचली दाई सतह पर शब्द "Paise" होगा।

पृष्ठ भागः सिक्के के इस भाग में विषय वस्तु "forertry for Development" होगा। सिक्के के केंद्र पर एक वृक्ष होगा। भीर नीचे वृक्ष के बाई और एक प्रामीण महिला होगी और वृक्ष के वाई और एक खुआ हिरण तथा उड़ता हुन्ना पक्षी होगा और वृक्ष के नीचे अंतराष्ट्रीय अंकों में वर्ष "1985" होगा। हिन्दों में लेख "विकास के लिये वानिकी" पार्थ्व में उपरी सतह पर होगा और "forestry for Development" दांई सतह पर होगा।

[एफ. 1/31/82-कोइन] मी. जी. पथरीज, ग्रवर सचिव

S.O 3084.—In exercise of the powers conferred by subsection(1) of section 6 of the Coinage Act, 1906(30 of 1906), il Central Government hereby determines that the coin of the following denomination shall also be coined at the Mint issue under the authority of the Central Government and the such coin shall conform to the following dimension, design a metal composition, namely:—

Denomi- nation of the coin	Shape and out- side diameter	Number of serrations	Metal composition
25 Paise	Çircular 19 mm.	. 100	Cupro-nickel- Copper-75% Nickel 85%

.. DESIGN

cOBVERSE: This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar with the legend "सत्यमंत्र अयते" in Hindi inscribed below flanked on the left upper periphery with the word "भारत" in Hindi and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value "25" in international numerals flanked on the left I wer peaipeery with the word "पेसे" in Hind and on the right lower peripeery the word "PAISE"

REVERSE: This face of the coin shall have the theme "FORESTRY FOR DEVELOPMENT". In the centre there shall be a tree and below at left side of the tree there shall be rural women and at the right side of the tree there shall be a standing door and a flying bird and below the tree there shall be the year "1985" in international numberals. The inscription "विकास के लिये बॉनिकी" in Hindi shall be flanked on the upper periphery and "FORESTRY FOR DEVELOPMENT" on the lower periphery.

[F.No. 1/31/82-COIN] C.G. PATHROSE, Under Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 28 मई, 1985

का. 3085:—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976कः 21) की धारा 11 की उप-धारा (क) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री ध्यान स्वरूप को तुलसी ग्रामीण बैंक, बांदा (उत्तरप्रदेश) का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 26 अप्रैल, 1985 का से प्राराभ होकर 30 अप्रैल 1988 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित स्रती है जिसके दौरान श्री ध्यान स्वरूप अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं. एफ. 2(92)/84-आर.आर.बी.]

(Banking Division)

New Deihi, the 28th May, 1985

S.O. 3085.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Dhyan Swarup as the Chairman of the Tulsi Gramin Bank, Banda (UP) and specifies the period commencing on the 26th April 1985 and ending with 30th April 1988 as the period for which the said Shri Dhyan Swarup shall hold office as such Chairman.

INo. F. 2(92)/84-RRB]

नई दिल्ली, 12 जून **198**5

का.आ.3086:—प्रादेशिक ग्रामीण वैंक अधितियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा 2 द्वारा प्रवत्त मिक्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री आर. पी. सिंह को जिनकी धारा 11 की उपधारा (i) के अंतर्गत इससे पहले 3 वर्ष के लिए नियुक्ति की अविधि 31-3-85 को समाप्त हो गई थी, दिनांक 1 अप्रैल, 1985 को मुरू होने वाली और 25 अप्रैल, 1985 को समाप्त होने वाली अविध के लिए तुलसी ग्रामीण बैंक, बांदा के अध्यक्ष के रूप में पूरा नियुक्त करता है।

[संख्या एफ. 2/92/84-आर. आर. बा.] च. वा. मीरचन्दानी, निदेशक

New Delhi, the 12th June, 1985

S.O. 3086.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government reappoints Shri R. P. Singh as the Chairman of Tulsi Gramin Bank, Banda whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of Section 11 and expited on 31-3-85 for a period commencing from 1-4-85 and ending with 25-4-85.

[No. F. 2-92/84-RRB] C. MIRCHANDANI, Director

नई दिल्ली, 18 जून, 1985

का. आ.-3087 बैंक कारो विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार भारतीय रिजयं बैंक को सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है की बैंक कारी विनियमन (सहकारी सिनित्यमं) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंक कारो विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा की सहकारो सिनित्यों पर लागू है) की धारा 31, के उपबंध उस सीमा तक अनंतशयनम कोपारेटिय बैंक लिमिटेड वियेन्द्रम पर लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध 30 जून, 1984 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये उभके तुलत-पन्न एवं लाभ हानि विवरण और उस पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के समाचार पन्न में प्रकाणित होने से है।

[एफ संख्या-8-5/85/ए.सी.] श्रमर सिंह, श्रवर संचिव

Ne Delhi, the 18th June, 1985

S.O. 3087.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Cooperative Societies) read with Rule 10 of the Banking Regulation (Cooperative Societies) Rule 1966, shall not apply to the Ananthasayanam Cooperative Bank Ltd. Trivandrum, as far as they relate to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended 30 June 1984 together with the auditor's report in a news paper.

[F. No. 8-5|85-AC] AMAR SINGH, Under Secy.

केन्द्रीय अत्पादक शुल्क समाहर्ता का कायांक्य केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

ग्रधिसूचना सं. 1/केन्द्रीय उत्पाद शुरूक 1985 कलकत्ता. 15 मई, 1985

का. श्रा. 3088 — केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं नरेन्द्र कुमार वाजपेयों, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकत्ता—1 इसके द्वारा निम्नलिखित तालिका के कालम 3 में दिखाये गये श्रधिकारियों को श्रपने संबंधित कार्यक्षेत्र

में उक्त तालिका के कालम 1 में धताय गये केन्द्रोय उत्पाद गुरुक नियम 173 एल. 173एम. तथा 192 के अंतर्गत समाहर्ता की शक्तियों और कालम 2 में व्यक्त शक्तियों के स्वरूप को कालम 4 में दी गई शतीं तथा सीमाओं के श्रनुसार प्रयोग करने की प्राधिकृत करती हूं।

केन्द्रीय उत्पाद शुरुक नियम	प्रदत्त शक्ति का स्थळप	श्राधिकारीगन जिनकों प्रदश्त किया गया	
1	2	3	4
	(1) वस्तुओं को गोदाम—भाड़ा को शिथिल करने की गर्भित		
	(2) वस्तुओं को वापस लेने की अवधी बढाने क शक्ति (3) समाहर्ता के प्रतिरिक्त शक्तिय	ो - सहायक समाह	्त
192	ग क्ति	उस्लिखित प्रधि कारी प्रन्यथा महायक समाहर्ता	
	(2) सुरक्षा एवं बन्ध रकत की निर्धारित तथा अनुमित को जारी बरनेकी गक्ति	क [ा] री	

यह स्पष्ट किया जाता है कि समाहर्ता की ग्रिक्षिस्थाना सं 1 (केंद्रीय उत्पाद गुल्क/1984) विनांक 1-7-84 के ग्रिक्षीय उत्पाद गुल्क/1984) विनांक 1-7-84 के ग्रिक्षीन नियम 173एल, 173एम तथा 192 के संबंध में ग्रिक्षिकारियों को समाहर्ता की जो गक्तियां दी गर्यो हैं उनका अंगोधन प्रत्येक नियम के सामने उल्लिखन सीमा तक कर दिया गया है।

[मी. मं. IV(8)1-के.उ./85] नरेन्द्र कुमार वाजपेयी, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

CENTRAL EXCISE

Instruction No. 1/Central Excise/1985

Calcutta the 15th May, 1985

S.O.3038.—In exercise of the powers conferred upon me by Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I, N.K. Bajpai

Collector of Central Excise, Calcutta-I Calcutta, do hereby authorise the officers shown in Column 3 of the following table to exercise within their respective jurisdiction the powers of the Collector under the Central Excise Rules, 173L, 173M and 192 enumerated in column 1 and the nature of power specified in column 2 of the said Table subject to the limitations and conditions set out in column 4 thereof.

Central Excise Rules.	Nature of power delegated.	Officers to whom delegated.	Limi- tations & condi- tions.
1	2	3	4
173Land 173M	(i) Power to relax storage of goods.	Additional Collector/Dy. Collector.	
	(ii) Power to extend the period for returns of goods.	Dy. Collector,	
	(iii) Collector's other powers.	Asstt. Collector,	
192	(i) Power to grant permission.	Officer mentioned in remission Notification; otherwise Asstt. Collector.	
	(ii) Power to issue licence & fixing of bond amount and security.	Licensing Authority	,

2. It is state 1 that the delegation of Collector's powers to the Offcers in respect of the Rules 173L & 173 M and 192 under Collector's Notification No. I/Central Excise/1984 cated 1-7-84 have been modified to the extent mentioned against each Rule.

[C.No. 1V(8)1-CE/85] N.K. BAJPAI, Collector

आदेश

नई विल्लों, 15 जून 19**%** 5

का. आ.3089 - सूखे हुए कार्क के पंख और सूखे हुए मछली के अवड़ों को निर्मात स पूर्व क्यालिटा निर्मेद्रण और मिरोक्षण के अप्रीन लाने के लिए काम्यम प्रस्ताव निर्मात (क्यालिटी निर्मेद्रण और निर्मेद्रायण) निर्मा 1964 के निर्मा 11 के उप निर्मा (2) का ओक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 4379 तारीख 29 नवस्वर, 1984 के अधीम भारत के राज्यव भाग-2 खंड-3 उपखंड (ii) ताराख 15 दिसम्बर 1984 में प्रकाशित किए गए थी जिनमें ऐसे समा स्थितियों से जिनमें उससे प्रभावित होने की सभावना था उक्त आदेश के राज्यव में प्रकाशन की ताराख से पैतालीस दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव मीर्ग जाए थी:

और उक्त राजपत की प्रतियां जनता को 18-12-84 को उपलब्ध करा दो गईथी।

और केन्द्रोय सरकार ने उक्त प्रारूप प्रस्ताव पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

अत. अब केन्द्रीय सरकार का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरोक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 5054 तारीख 29 नवम्बर 1969 की उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकमण से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है, कि निर्यात निरीक्षण परिषद परामर्श करने के परचात यह राय होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, वह:—

- (1) अधिसूचित करती है कि सूखे हुए गार्क के पंच और सूखे हुए मछली के जबडे निर्यात से पूर्व क्वालिटो नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे;
- (2) इस आदेण के उपबंध में दिए गए विनिर्देशों को सूखे हुए शार्क के पंचों और सूखे हुए मछली पंजडों के लिए मानक विभिदेंगों के रूप में भान्यका देती है;
- (3) यह विनिदिष्ट करसी है कि सूचे हुए कार्क के पंखों और सूखे हुए मछली के जबडों का नियति (क्वालिटी-नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1985 में दिए गए निरीक्षण का प्रकार निरीक्षण का ऐसा प्रकार होगा जो निर्यात से पूर्व ऐसे सूखे हुए शार्क के पंखों और सूखे हुए मछली के जबडों को लागू किया जाएगा;
- (4) ऐसे मूखे हुए शार्क के पंखों और सूखे हुए मछली के जबडों के अंतरिष्ट्रीय क्यापार के वौरान निर्यात

को तय तक प्रतिषिद्ध करती है अब तक कि उसके साथ उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन मुम्बई, कलकता, कोचान, दिल्लों और मद्रास में स्थापित निर्योत निरोक्षण अभिकरणों में से किमी एक द्वारा आरो जिया गया इस आशय का प्रमाण पत्न न हो कि उक्त सूखे हुए शार्क के पंख और सूखे हुए मछली के जबहें उप-पैरा (2) के अधीन मान्यताप्राप्त मानक विनिर्वेशों के अनुरूप है और निर्यात योग्य है।

- 2 इस आदेश को कोई भी बात, भावी श्रेताओं के लिए जल, भूमि या बायु मार्ग द्वारा सूखे हुए शार्क के पंखों और सूखे हुए मछलों के जबड़ों के नमूनों के रूप में नियित को लागू नहीं होगी, परन्तु यह तब जब कि प्रत्येक ऐसे नमूनों का कर 2 किलोग्राम में अधिक न हो।
- 3. इस आदेश के प्रयोजन के लिए, (क) "सूखें हुए शार्क पंख" से अभिप्रेत है खाद्य शार्कों के पृष्ठ पंख, उदरपंख, क्कीय पंख या रोढ़ की हड्डी सहित पूंछ पंख।
- (च) ''सूखे हुए मछलो के जबडें'' स अभिन्नेत हैं मछलियों की निम्नलिखित जातियों के सुखे बायु आशय अर्थात:
 - (1) मुर्यमसोक्स टेलबीनाइड्स विशेष (एल/विलंकू विम)
 - (2) मीयूडोसीएना विशेष (ज्यू मछली/कथालाई/गोल)
 - (3) पोलीनीमस, पोलीडैनटीलस विशेष (छेड/मछली/ काला/डारा)
 - (4) आटोलियाइड्स बुनीअस (जांयट क्रोकर/पन्ना/कोटे)
 - (5) एरियस, टैकिसरस विशेष (कास्ट मछली/कलक पिटारा/सिंगाला)
 - (७) लेट्स, पसमोपरका विशेष (बैकटी/जायट/पर्च/ बैगसी पर्च)
 - (7) मौरिका विशेष (लिआई मछली)

50 सेंब्मीब से अपर

उपावंध इत. सूचो हुए झाइनै के पंखों के नियो विनिर्देश

माभान्य लक्षण:—मूखे हुए शार्क के पंख ताजे खाद्य शार्कों से तैयार किये जायेंगे । मामग्री ममूजित कप मे सुजाई आयेगी उचित रूप मे फर्ज़दी, कीट और कुटकी बाधा† से मुक्त होगी यह किसी वृदयमान संदूषण मे भी मुक्त होगी । इस सामग्री को नैयार करने में खाद्य शार्क के पृष्ठ, उदर, बक्षीय और पुण्ठीय (पूंछ) पंखों का उपयोग किया जायेगा । कटे हुए सिरों पर अधिक माम मही होगा । नियतिकर्ता द्वारा यथाभोभिन पुण्ठीय (पूंछ) पंखा रोढ़ की हब्बी सहित/रहित होंगे।

गंध सें॰मी॰ में लम्बाई पर साझारित आकार, श्रेणियां प्रकार 🕂 रीड़ की हड़ बी सहित रीड़ की हड़बी रहित†† पुट्ठीय उदर और वजीय पुण्छीय पंच तयापुरूकीय पंच मुखे मांस को विशिष्ट गंध 20 सें॰मी॰ से कम लक्षण जातियों का सफेद, (j) सफ़्रेव (रंजो और विभीकी) 10 सें भी कसे कम काला या धब्बेदार, पीला/ किसीभी अपराज गंध से पीला-सा सफेद रंग मुक्त होगी। 20 सें ज्मी क से अधिक और 30 सें ज्मी क से कम 10 सें ब्मी बसे अधिक और 20 सेंब्मी बसे कम (ii) कालायाधम्बेदार 30 सें जिल मी जिल्ला अधिक और 40 में जिला के कम 20 सेंब्मी । से अधिक तथा 30 सेंब मी । से कम (iii) पीला/पीला -सा सफेद (इलूपा) 40 सें अधिक और 50 सें अभि कम 30 में • मी • से अधिक और 40 में • मी • से कम

40 से ०मी० टे सधिक

टिप्पण :--- †† अगले उच्यसर या निम्नतर श्रेणी या दोनों के लिये भार के आधार पर 5 प्रतिशत सहिष्णुता अनुकात की आयेगी।

परिभाषाः

- (1) पृष्टीय, उदर, वक्षीय पंखों को ऊपरी या अग्रवर्ती कोने से कटे हुए सिरों के अग्रभाग तक और पुच्छीय पखों को रीज़ की हहुड़ी के बिलकुल नोक से कटे हुए सिरो तक मापा जायेंगा।
- (ii) निरीक्षण के प्रयोजन के लिये काले में धव्वेदार किस्मों सिंहत बसर-मा काला सम्मिलित होगा।
- (iii) बक्षीय पंदों की दणा में पंक्षों के साह्य या ऊपरी ओर के रंग पर विचार किया जायेगा।
- (iv) रजों में केवल विशेष राइनकोबेटस ओजेंडेसिस के पंखे होगे।

ो यदि निर्यात आदेश में विनिद्दिष्ट रूप में यह उल्लिखित हो कि केला को कुटकी या अन्य बाधा के लिये कोई आपत्ति नहीं है को इस अनुबंध को शिथिल कर दिया जायेगा।

ख. सृत्वे हुए मछली के जबड़ों के लिये विनिर्देश

सामान्य लक्षण :—मूखे हुए मछली के जबड़े विदेशी केताओं की अपेक्षानुसार टुकड़े, फांक या किसी अन्य रूप में होंगे। एल मछली के जबड़े नियासकर्ता ज्ञारा घोषित रूप में वायु सहित/रहित होंगे। सामग्री अच्छी प्रकार से सूखी हुए होंगी, एक दूसरे से चिपकी हुए नहीं होंगी। और किसी भी दृश्यमान संदूषण से सुक्त होंगी। सामग्री में एक विशेष गंध होगी और दुगंध से मुक्त होंगी।

		†प्रकार और आव	कार श्रेणियां† प्रति	किलोग्राम (गणना)			
सभी प्रकार के मछली जबड़ों के लिये रंग पर आधारिक क्वालिटी श्रेणियां	एल /विलक् /थेम	ज्यू मछली/ कथलाई/घोल/	श्रेष्ठ मछली/ काला/ग्रारा	जायंट क्रोकर/ पश्चा/कोटे	— केट मछली केलक/ पोटेरा/सिंगला	वेकटी जायंट/ पर्च वेक्यू सी पेर्च	लिना डं मछली
क. श्रेणी रक्त के धब्बों से किचित साफ होगा	 ा 5 और कम 16—-30	15 और कम	 15 और कम	 7 और कम 8 15	40 और कम 41—-100	12 और कम	 15 औ र क म
सा. श्रेणी मामूली रूप से रसत के धक्बे	31—45 45 और अधिक	1625	1 6 2 5	16 और अधिक	101 और अधिक	13 और अधिक	18 और बधिक
ग. श्रेणी व्यापक रूप से रक्त के धक्के होंगे	टुकड़	26 और अधिक टुकड़े	26 और अधिक] टुकडे	टुकड़े	दुकड़े	टू क हे	<i>हु</i> क हे

सूखे हुए मध्ली के जबकों की सभी श्रेणियों में अगले उच्चतर या निम्नतर आकार श्रेणियों या दोनों के लिये 5 प्रतिशत की सहिब्गुता अनुझात की जायेगी।

परिभाषाएं: उत्पर विये गये प्रकार निम्नलिखिन जातियों के हैं :--

- (क) एल/विलक्/वेम (मुख्यमसोकस टेलबोनुपाइड दूस)
- (ख) ज्यु मछली/कथलाई/गोल (सीयुडोसीएना विणेष)
- (ग) थेड मछली/काला/डारा (पोलिनिमस, पोलीडैस्टीलस विशेष)
- (घ) आयंट क्रोकर/पन्ना/कोटं (ओटीलीथायडस ब्रेनीअस)
- (क) कैट मछली/केलरु/पिटारा/सिगला (एरियल विशेष टेकीसरस विशेष)
- (च) धेकेटी/ज्वायंट पर्च/वेश्यू सी पर्च (लेंटस विशेष, पममोपरका विशेष)
- (छ) लिजाई मछली (सीरीडा विशेष)

MINISTRY OF COMMERCE ORDER

New Delhi, the 15th June, 1985

S.O. 3089.—Whereas certain proposals for subjecting dried shark fins and dried fish maws to quality control and inspection prior to export were published as required by subrule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II Section 3, Sub-section (ii), dated the 15th December, 1984 under the order of the Government of India, Ministry of Commerce No. S.O. 4379, dated the 28th November, 1984, inviting the objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within fortyfive days from the date of publication of the said order in the official gazette;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on 18th December, 1984.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft proposal have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) and in supersession of the order of the government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 5054, dated the 29th December, 1969, except as respect things done or omitted to be done before

such supersession, the Central Government after consulting the Export Inspection Council being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of export trade of India hereby:—

- notifies that dried shark fins and dried fish maws shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) recognises the specifications as set out in Annexure to this order as the standard specifications for such dried shark fins and dried fish maws;
- (3) specifies that the type of inspection set out in the Export of Dried Shark Fins and Dried Fish Maws (Quality Control and Inspection) Rules, 1985 shall be the type of inspection which shall be applied to such Dried Shark Fins and Dried Fish Maws prior to export;
- (4) prohibits the export, in the course of international trade of such dried shark fins and dried fish maws, unless the same are accompanied by a certificate issued by any of the export inspection agencies established at Bombay, Calcutta. Cochin, Delhi and Madras, under section 7 of the said Act to the effect that the said dried shark fins and dried fish maws conform to the standard specifications as recognised under sub-paragraph (2) and are export-werthy.

[†] केंद्रा और विकेता के बीच करार के अनुसार अधिमुलित आकार श्रेणी से मिन्न अन्य कोई आकार श्रेणी अनुज्ञात होंगी।

- 2 Nothing in this order shall apply to export by sea, land or air of dried shark fins and dried fish maws as samples to the prospective buyers, provided that each such sample does not weigh more than two kilograms.
- 3. For the purpose of this order (a) "dried shark fins" means the dorsal fins, ventral fins, pectoral fins or the tail fins with or without back bone, of edible sharks.
 - (b) "dried fish maws" means the dried air blalder of the following species of Fishes namely:-
 - (i) Muraemesox talabonoides sp. (Eel/Vilanku/Vam)
 - (ii) Pseudosciaena sp. (Jew fish/kathalai/Ghol)

- Polydactifus sp. (Thread fish/kala/ Polynemus, Dara)
- (iv) Otolithoides brunneus (Giant croaker/Panna/Kote)
- Areus, Tachysurus sp. (Cast fish/Kalru/Petara/ Singala)
- (vi) Lates, Pasmoperca sp. (Bekti/Giant perch/waiget sea perch)
- (vii) Saurida sp. (Lizard fish).

ANNEXURE

A. SPECIFICATIONS FOR DRIED SHARK FINS

General Characteristics: Dried Shark Fins shall be prepared from fresh edible sharks. The materials shall be proper y cried and reasonal by free from fungal, insect and mite infertation.* It shall also be free from any visible contamination. In the preparation of this material the dottal, ventral, pectoral and caudal (tail) fins or ecible sharks shall be used. Take shall be no excess flesh on the cut ends. The candal (tail) fins shall be with/without back bone as declared by the experter.

	Size Grades base	ed on length in cm.		-	
TYPES	**Dorsa, Ventral & pectoral and also Caudal Fins without backbone	**Causa Fins with back bone.	Cojour	Odour	
(i) Waite (Ranjo & Vichidi.) (ii) Black or spotted	Below 10 cms. Above 10 cms. & below 20 cms.	Below 20 cms. Above 20 cms. & below 30 cms.	Characteristic white, black or spotted, yellow	Characteristic odour, of dried meat shall be tree	
(iii) Yellow/Yellow White (Illupal)	Above 20 cms. & below 30 cms. Above 30 cms. & below 40 cms. Above 40 cms.	Above 30 cms. & below 40 cms. Above 40 cms. & below 50 cms. Above 50 cms.	yellowish white colour of the species.	from any off odour	

NOTE: **A tolerance of 5% by weight of the next higher or lower grade or both shall be permitted.

Definitions : it DVP fine shall be measured from upper or anterior corner to frontage of cut ends, and Caucal Fine from extreme tip of backbone up to cut ends.

- (ii) For the purpose of inspection, black shall include greyish black including the spotted varieties.
- (iii) In the case of pictural fine, colour of the other or upper side of the fine shall be taken into consideration.
- (iv) 'Ranjo' shall consist of fins of Rhyncobatus ojeddensis sp. only.

*In case the export order specifically mentions that the buyer coes not have any objection for mite or other infestation this stipulation shall be relaxed.

B. SPECIFICATION FOR DRIED FISH MAWS

General Characteristics: Dried Fish Maws shall be in split, chunk or any other form as required by the foreign buyer. Eel Fish M ws shall be with/without air as declared by the exporter. The material shall be well dried, not sticking treach other and free from any visible contamination. The material shall have a characteristic odour and shall be free from any bad odour.

Quality grades based on colour for all types of Fish Maws		Types and size grades *(count) per kilogram							
			Eel/Vilanku/ Vam	Jew Fish/ Kathlai/ Cnol	Thread Fish Kela/Dara	Giant Croaker/ Panna/Kote	Cat Fish Kelry/ Petera/ Singala	Bekti/ Giant perch Waigeu Sea perch	Linard Fish
A	Grade	Clear to slightly blood stained	15 & below 16—30	15 & below	15 & below	· -	40 & below 41—100	12 & below	15 & below
В	Grade	Moderately blood stained	31—45 45 & above	16-25	16-25	16 & above	101 & above	13 & above	16 & above
С	Grade	Extensively blood stained	Broken	26 & above Broken	26 & above Broken	Broken	Broken	Broken	Broken

A tolerance of 5% for next higher or lower size grades or both shall be permitted in all grades of Dried Fish Maws Definitions: The types given above are of the following species:—

- (a) Eel/Vilanku/Vam (Muraemesox talaboides)
- (b) Jew Fish/Kathalai/Ghol (Pseudosciaena sp.)
- (c) Throad Fish/Kala/Dara (Polynomus, Polydactiluts sp.)
- (d) Giant Croaker/Panna/Kote (Otolithoides brunneus)
- (c) Cat Fish/Kolru/Petara/Singala (Arous sp., Tachysurus sp.)
- (f) Bekti/Giarto perch/Waigen Sea perch (Lates sp., Pasmoperca sp.)
- (g) Lizard Fish (Saurida sp.)

"Any other size grade other than the notified size grade shall be permitted as agreed to between the buyer and the seller

- मा. आ. 3090 केन्द्रोय सरकार, निर्यात (क्वा-लिटी नियंत्रण और निरोक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 मा 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग मरते हुए, आर सारत सरकार के भूतपूर्व विदेण व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 5055, ताराख 29-12-1969 को उन बातों के सिवाय अधिकान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकमण से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है, निम्निश्चित नियम बनाती है, अर्थात्:—
- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारूप :--(1) ईन नियमों का मिलत नाम सूखे हुए णार्क के पंखों और सूखे हुए मछलं के जबड़ों का नियति (स्वालिटो नियंत्रण और निरोक्षण) नियम, 1985 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन को ताराख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. परिभाषाएं:---इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अत्प्रेत न हो, ----
 - (1) "अधिनियम" से नियति (क्वः लिटा नियंत्रण और निरोक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिन्नेत है;
 - (2) 'अिल्करण' से अधिनियम की धारा 7 के अबीन मुम्बई, कलकत्ता, कीचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित निर्यात निराक्षण अभिकरण अभिनेत हैं,
 - (3) "परिवद्" में अधितियम को घारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरोक्षण परिषद् अस्त्रित है;
 - (4) "सूखे हुए गार्क के पख" से अस्प्रित है खादा गार्की के पृष्ट पंख, उदर पंख, वक्षीय पंख या राढ़ का हुड़ड़ों सहित या रहित पुछ पंख;
 - (5) "सूर्व हुए मछली के जबके" से अभिन्नेत हैं मछलियों का निम्नलिखित जातियों के सूर्व वायु, आणय अयति :---
 - (i) मुरयमशोकस टेलबोन।इड्स विशेष (एल/विलक्ं) वैम)
 - (ii) संध्यूडोनांएका विशेष (ज्यू मळलं/क्यालाई/ धोल)
 - (iii) पोलोनोमस, पोलीडेकटीलस विशेष (श्रेड/मळलो/ काल:/डारा)
 - (iv) ओटोलिथाइड्स बुनीअस (जांयट काकर/पन्ना/ कोटे)

- (v) एरियस, टेकीसरस विशेष (कास्ट मछली/कलर विदास/सिन्ता)
- (vi) लेट्स पसमीपरका विशेष (बैंकटं/ांयट पर्च/
- (vii) सौरिडा निशेष (लिजार्ड मछला)
- 3. निरंक्षण का आधार: निर्मात के लिए आशियत मूखे हुए मार्क के पंखों और मूखें हुए मछलं के अबड़ों का निरंक्षण इस दृष्टि से किया आंएगा कि मूखे हुए शार्क के पंख और मूबे हुए मछलं के अबड़ों अधिनियम, को धारा 6 के अबान केन्द्रोग सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है।
- 4. निरोक्षण की प्रक्रिया:— (1) सूखे हुए आर्क के पखों और सूखे मछलों के जबडों का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता, निर्यात किए आने के लिए आश्रायित परेषण की विणिष्टियां देते हुए अधिकरण के निकटतम कार्यालय की आबेदन देगा ताकि वह ऐसे परेषण की परोक्षा इस दृष्टि सं कर सके कि परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देणों के अनुरूप है।
- (2) उप नियम (1) के अधीन प्रत्येक आवेदन लवाम के लिए निर्यातकर्ता के परिसर से परेषण के भेजे जाने की प्रत्याशित तारीखा से कम से कम पांच दिन पहले किया जाएंगा।
- (3) उप नियम (2) में निर्दिष्ट भावेदन प्राप्त होने पर भ्रभिकरण परिषद् द्वारा इस निमित्त समय-समय पर जारी किए गए भनुदेशों के भनुसार भूखे हुए भाक के पंखों और सृखे हुए मछली के जबड़ों के परेषण का निरीक्षण इस दृष्टि से करेगा कि वह श्रधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के श्रधीन मान्यताप्राप्त या निर्यात संविदा में भनु- बद्ध विनिर्देशों की श्रपेक्षाओं का भनुपालन करता है।
- (4) निर्यातकर्ता भ्रभिकरण को ऐसा निरीक्षण करने के लिए सभी भ्रावश्यक मुविधाएं देगा।
- 5. प्रमाणीकरण:——(1) यदि परेषण का निरीक्षण के पश्चास् अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि वह अधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के अधीन मान्यताप्राप्त या निर्यात संविदा के अनुबंद विनि—र्देशों के अनुस्प है और उसे इन नियमों के अनुसार पैक

- और चिन्हित किया गया है तो वह निरीक्षण की तारीख से तीन दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पन्न जारी करेगा कि परेषण निर्यात योग्य है।
- (2) जहां अभिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता है वहां वह तीन दिन की उक्त प्रविध के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार कर देगा और इंकार किए जाने की संसूचना उसके कारणों सहित निर्यातकर्ता को देगा।
 - 6. निर्यात के लिए पैंकिंग और चिन्हित किया जाना :
- (1) सूखे हुए भाकें के पंख और खुखे हुए मछली के जबड़े नियानकर्ना और विदेशी केता के बीच करार की गई रीति से पैक किए जाएगें।
- (2) उप नियम (1) में निर्दिष्ट किसी करार के प्रभाव में सामग्री ग्रन्छी बौरियों में पैक की जाएगी।
- (3) प्रस्येक पैक्षेज पर निम्नलिखित विशिष्टियां सहित ग्रमिट स्याही से चिन्हित किया जाएगा या उस पर लेखल लगाया जाएगा, ग्रथांतः—
 - (क) उत्पाद का नाम;
 - (ख) ग्रन्तरवस्तु का गृद्ध भार;
 - (ग) कूल भार;
 - (भ) शिपिंग चिन्ह; और
 - (४) गंतव्य पत्तन।
- 7. निरीक्षण का स्थान:——(1) इन नियमों के प्रयो-जन के लिए निरीक्षण निर्यातकर्ता के परिसर में किया जाए-गा जिसमें अच्छे प्रकाश की व्यवस्था होगी और उसे स्वच्छ और स्थास्थयप्रद दशाओं में रखा जाएगा तथा उसमें तोलने, पैक करने और निरीक्षण के लिए भी ग्रावश्यक सुविधाएं होंगी।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट परिसर में निरीक्षण के मितिरिक्त, भ्रभिकरण को यह मिधिकार होगा कि वह परेषण का क्वालिटी का भण्डारकरण भ्रभिवहन में या पत्तनों पर पुनः निर्धारण क², जैसा वह इन नियमों के प्रयोजनों को क्रियान्वित करने के लिए भ्रावण्यक समझे।
- (3) उप नियम (2) में निर्दिष्ट किसी भी प्रक्रम पर, प्रधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के प्रधीन मान्य-ताप्राप्त या निर्यात संविदा में अनुबंध विनिर्देशों के प्रनुरूप परेषण के न पाए जाने की दशा में नियम 5 के प्रधीन जारी किया गया प्रमाण-पत्न वापस ने लिया जाएगा।
- 8. निरीक्षण फीस:—इन नियमों के प्रधीन प्रति परेषण न्युनतम 50/- रूपये के प्रधीन रहते हुए परेषण के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से फीस निरीक्षण के रूप में ग्रसिकरण को दी जाएगी।

- 9. श्रपील:—(1) ग्रभिकरण द्वारा नियम 5 के ग्रधीन प्रमाण पत्न जारी करने से इंकार करने से व्यथित द्वोई नि—
 यांकर्ता, उसके द्वारा ऐसे इंकार की संसूचना प्राप्त होने के दस दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन लिए नियुक्त विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें कम से कम तीन तीन श्रधिक सात व्यक्ति होंगे, श्रदील कर सकेगा।
- (2) विशेषज्ञों के पैनल के कुल सदस्यों के कम से कम दो तिहाई गैर सरकारी सदस्य होंगें।
- (3) श्रपील उसकी प्राप्त से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फार खार 6 (5)/84 ई आई एण्ड ई पी] सीर बीर क्यारेती, संयुक्त निदेशक

- S.O. 3090.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) and in supersession of the notification of the Government of India, in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 5055, dated 29th December, 1969, except as respect things done or or extend to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Dried Shark Fins and Dried Fish Maws (Quality Control and Inspection) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :---
 - (1) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 - (2) "agency" means the export inspection agencies established at Bombay, Calcutta, Delhi, Cochin and Madras under section 7 of the Act;
 - (3) "Council means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
 - (4) "dried shark fins" means the dorsal fins, ventral fins, pectoral fins or the tail fins with or without back bone, of edible sharks;
 - (5) "dried fish maws" means the dired air bladder of the following species of Fishes namely:—
 - (i) Muraemesox talabonoides sp. (Eel/Vilanku/Vam)
 - (ii) Pseudosciaena sp. (Jew filhs/Kathalai/Ghol)
 - (iii) Polynemus, Polydactilus sp. (Thread fish/Kala/Dara)
 - (iv) Otolithoides brunneus (Giant croaker/Panna/Kote)
 - (v) Areus, Tachysurus sp. (Cat fish/Kelru/Petara/Singala)
 - (vi) Lates, Pasmoperca sp. (Bekti|Gaint perch|Waigeu sea perch)
 - (vii) Saurida sp. (Lizard fish).
- 3. Basis of inspection.—Inspection of dried shark fins and dried fish maws intended for export shall be carried out with a view to seeing that dried shark fins and dried fish maws conform to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.
- 4. Procedure of inspection.—(1) An exporter intending to export dried shark fins and dried fish maws shall submit an application to the nearest office of the agency, giving particulars of the consignment intended to be exported, to enable it to examine such consignment or cause the same to be examined and to see whether the same conforms

to the specifications referred to in rule 3.

- (2) Every application under sub-rule (1) shall be made not less than five days before the anticipated date of despatch of the consignment from the exporter's premises for shipment.
- (3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the agency shall inspect the consignment of dried shark fins and dried fish maws as per the instructions issued by the Council in this behalf with a view to seeing that the same complies with the requirements of the specifications recognised under clause (c) of section 6 of the Act or as stipulated in the export contract.
- (4) The export shall provide all necessary facilities to the agency to enable it to carry out such inspection.
- 5. Certification.—(1) If after inspection of the consignment, the agency is satisfied that the same conforms to the specifications recognised under clause (c) of section 6 of the Act or as stipulated in the export contract and has been packed and marked according to these toles, it shall issue a certificate within three days from the date of inspection declaring the consignment as exportworthy.
- (2) Where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of three days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.
- 6. Packing and marking for export.—(1) The dried shark fins and dried fish maws shall be packed in a manner as agreed to between the exporter and the foreign buyer.
- (2) In the absence of any agreement referred to in subrule (1), the material shall be packed in sound gunny bags.
- (3) Each package shall be marked with indelible ink or labelled with the following particulars, namely:
 - (a) Name of the product;
 - (b) Not weight of the contents;
 - (c) Gross weight;
 - (d) Shipping mark; and
 - (e) Port of destination.
- 7. Place of inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the exporters, premises, which shall be well lighted and maintained in sanitary and hygienic conditions and shall also have necessary facilities for weighing, packing and inspection.
- (2) In addition to the inspection at the premises referred to in sub-rule (1), the agency shall have the right to reassess the quality of the consignment in the storage in transit or at the ports, as it may consider necessary to carry out the purposes of these rules.
- (3) In the event of the consignment being found not conforming to the specifications recognised under clause (e) of rule 6 of the Act or as stipulated in the export contract, at any of stages referred to in sub-rule (2), the certificate issued under rule 5 shall be withdrawn.
- 8. Inspection fee.—A fee at the rate of 0.4 per cent the f.o.b. value of the consignment subject to a minimum of Rs. 50 per consignment shall be paid to the agency as inspection fee under these rules.
- 9. Appeal.—(1) Any exporters aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under rule 5 may within ten days of the receipt of the communication for such refusal by him, prefer an appeal to a panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons, appointed for the purpose by the Central Government.
- (2) At least two-third of the total members of the panel of Experts shall consist of non-officials.
- (3) The appeal shall be disposed off within fifteen days of its receipt.

[F. No. 9]5]84-EI & EP] C. B. KUKRETI, Joint Director

श्रादेश

नई दिल्लं , 6 जुलाई, 1985

का०ग्रा० 3091.—केन्द्रीय सरकार की, निर्यात (क्वा-लिटी नियंत्रण और निरीक्षण) ग्रधिनियम, 1963, (1963 का 22)की धारा 6 द्वारा प्रदत्त मित्यों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना ग्रावश्यक तथा समीचीन है कि काजू की गिरियों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरी-क्षण किया जाए :—

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिद्धिष्ट प्रस्ताव बनाए है तथा उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज दिया है;

- म् अतः अव, केन्द्रीय सरकार उक्त उपनियम के अनुसरण में काजू की गिरियों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० काण्य्रा० 1022 और 1023 तारीख 26 मार्च 1966, का० आ० सं० 275 और 276 तारीख 28 जनवरी, 1978 को अधिकांत करते हुए, उक्त प्रस्तावों को उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।
- 2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उनत प्रस्तावों के बारे में कोई श्राक्षेप या सुझाव देना चाहता है तो वह उसे इस श्रादेश के राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन के भीतर भारतीय निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टायर, 11वीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

पस्ताद

- (1) ग्रधिंसूचित करना है कि काजू की गिरियां निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ग्रधींन होंगी।
- (2) इस ग्रादेण के उपाबंध I और II में दिए गए काजू की गिरियों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1985 के प्राष्ट्रप के ग्रनुसार, क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो नियंति से पूर्व ऐसी काजू की गिरियों को लागू होगा।
- (3) इस श्रादेश को भ्रनुसूची में दिए गए विनिर्देशों को काजू की गिरियों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना।
- (4) अंताराष्ट्रीय व्यापार में ऐसी काजू की गिरियों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) श्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी भी प्रभिकरण द्वारा जारी किया गया इस श्राशय का प्रमाण-पत्न न हो कि ऐसी काजू की गिरियां मानक विनिर्देणों के श्रमुक्षप है और निर्यात योग्य है।

- 3. इस ग्रादेश की कोई भी बात भावी केताओं को भूमि, समुद्र या वायु मार्ग द्वारा काजू की गिरियों के वास्त— विक नमूनों के निर्यात की लागू नहीं होगी परन्यु यह तब जब कि ऐसे नभूनों का पोत पर्यन्त निःशृल्क मूल्य 250 रूपए से ग्राधिक न हो।
- 4. प्ररिभाषाएं:--इस आदेश में "काजू की गिरियों" से ऐसी सभी प्रकार की काजू की गिरियां जो बिना भुनी हुई, भुनी हुई, साबुस टुकड़ों में, सिकी हुई तथा नमक लगाई हुं है श्रभिप्रेत हैं।

अनुसूची काजू को गिरियों के लिए विनिर्देश

सामान्य विशेषताएं. ~कालू की गिरियां, कालूओं को मृतकर छिलका उतारकर और छीलकर (ऐनाकाडियम अविसर्वेटस नितेअस) से ∤प्राप्त की काऐग्री।
 विशिष्ट विशेषताएं.

(क) बाजू की गिरियों— मकेंद्र माधुन

भेणी अभिजान	व्यापारिकः नाम	रंग/विशेषसाएं	काउंट/454 ग्रा म माप विवरण	अधिकतम आद्रता	ट्ट हुए टुकड़े	्रं एनएसएमजी एनएनजी अधिनतम %	टि प्पण <i>ा</i>
1		3	4	5	6	7	8
बन्द्-180	सफेद साबृत	वंश मफेद पीला/ हल्का सलेटी	120-180	5	5	5 (एनएसर्ज ⁾ तथा एस डब्ल्ब्	गिरियाँ प्रसन, कोट, सति, फकूंदी, विकृत ग्रेषिता जुड़े हुए बीजावरण
		विशेष आकार				के साम)	आपत्तिकनक आह्य पदार्थी से पुर्ण-
कल्यू- ३१०	यथोक्त	य योक् त	200-210	"	11	"	क्षया रहित होंगो। यदि छिलन यर
बल्यू - 240	यपोक्त	यभोकत	230-240	"	n	11	मुरक्तापन गिरो के विशेष
डब्स्यू 280	<i>ययो</i> क्त	ययोक्त }	260-280	"	11	17	आकार पर प्रमाव नहीं पड़ता है
बन् ल्यू-320	यचोक्त	ययोक्त	300-320	1,	"	2)	तो छिलो हुई और माग्त मुरक्षाई
च न्त्यू- 400	ययोक्त	ययोक् त	350-400	11	"	77	हुई निरियां भी अनुमत है।
बक्ल्यू 450	यथोक्त	यथीव त	400-450	"	"	11	——थ योक्त ⊸—
डब्ल्यू ~ 500	यथोक त	य चोक् त	450-500	"))	"	
•			ख मुलसी हुई।	कार्जुकी गि	रेवांसाबुत		
एस बब्ल्य्	मुलस [े] हुई	सुष्क/ बो रमा भें	~~	5	5	5 (एनएसएसजी	गिरियाँ बसन, कोट, वानि फर्मूदी
	संबुह	भूनने या सुखाने				तथा एस ४स्त्यू	विकृत संधिता, जुड़े हुए चीथा-
	•	के समय अधिक				केसाम)	वरण, आपत्तिभनक बाह्य पदार्थी से
		गर्मीके कारण					पूर्णतया रहित होती यदि छिलत
		गिरियाँ सुलसो					मुरक्षाएकन से गिरी के विक्रोब
		हुई/हल्की या				•	आकार पर प्रमाव नहीं पड़ता है।
		गहरी हो सकती					लो छिती हुई और भागन मुरशाई
		हैं।					हुई विदिशों भार अपूना है।
एस इब ल्यू + 180	यथोक त	ययोक्त	170-180	1)	n	u	च च चारा = -
एस इक्ल्यू 210	यथोक्त	यथो व त	200-156	11	"	1.5	-÷ वनो∓(
एस डब्स्यू 240	यथो म त	ययोक्त	320-240	1)	17	19	प्थाक्त
एस डब्ल्यू 280	ययोक्त	यभोक्स	260-280	"	77	71	यमीक्त
एस डरू यू – 320	ययोक्त	यथामस	300-320	"	11	17	ययोक्त
एस डब्स्यू- 400	यथोक्त	यथीकत	350-400	".	"1	"	यथीकत →-
एस र ब्ल्यू – 450	मधोक् त	ययोक्त	400-450	n	1)	n	यशांका
एस डब्स्यू → 500	यथोक्त	ययोक्त	450 500	"	n	"	यभोका
12017 000	,,		ग क्षेत्रर्दकाः।	त को विदिय	स <i>ा</i> वत		
एस डब्स्यू	भुनो हुई	गिरियौ ज्यादा	- <i>-</i> .	5	5	५ (इ.स. सब्स्यू)	गिरियो ग्रसन कीट, क्षति, फफूंदी,
	साबुत घटिया	भुनो हुई कच्छी मुरकाई हुई (पी बल) चिलीदार	री-				विक्रत संधिना, गुड़े हुए बीजवरण, आपत्तिजनक बाह्य पदार्थों से पूर्णतय संक्षित होशी
		(करनोरम)र ग	<u>-</u>				
		हीन तथा हल्की					
		नीली हो सकती					
		₹ 1					

1	2	3	4	5	6	7	8
की , बक्त्यू	हेत्र	गिरियाँ अधिक		5	5		गिरिया, ग्रसन, कीट, कति फणुंदी
U	सीवत	भूनी हुई गहर ी,					विकृत संधिमा, जुड़े हुए अंजावरण
		भूरी, गाढ़ी मीली,					आपत्तिजनक बाह्य पदायाँ से पूर्णतम
		विसीवार रंगहीन					रहिन होंगी।
		वाले धक्यों वाली					
		हो सकती है।					
							
- ∧-	#7 11	सफेद/पीला दंत	घ नाजूनी गिर्			п	गिरियों ग्रसन, कोंट क्रानि, फफूंदी
ब ि.	बट्स			5	5	5 (एसकी)	विक्रम संधिता जुड़े हुए बीजाबरण
		सफेद हरका सलेटी				(प्राचा)	आपस्तिजनक बाह्य पदायाँ से पूर्णतय
		आडी तिर छी टूटी					रहित होंगी। यदि छिलन/मूरझाण
		हुई (समान स्प					पन से गिरी के विशेष आकार प
		या असमान) तवा	_				
		प्राकृतिक रूप से	-				प्रभाव नहीं पड़ता है तो छिलं ह
		जुड़ी हुई गिरियाँ					और भागतः मुस्साईहुई गिरिय भीअनुमत्हैं।
	٠	-2-42		_	*		निरियौ ग्रसन, कोट, क्वति, फर्मूची
₹च .	टुका ई	बफेव/पीला वं ती }		5	5	5 (777 777)	विकृत गंधिता, जुड़े हुए बीकाबर
		सफेद या हरूना				(एस.एस.)	ावकृत गावता, जुङ् हुए काजानर आपत्तिजनक, बाह्य पदार्थी से पूर्ण
		सलेटी/प्राकृतिक					
v		स्प में लंबाई में					तया रहित होंगी। यदि छिच्छ
	•	टूटी हुई गिरियाँ					मुरझाएपन से गिरी के विशे
•							आकार पर प्रभाव नहीं पड़ता
,							तो छिनो हुई और सागतः मुरज्ञा हुई गिरियौं भी अनुमत है।
· ,		2 12	00.433			1	_
एस , यव्स्यू वी	सफेद बड़े	सक्द/पीला दर्श।	गिरियौँ यो से	5	~-	5	मभोनत
	ट् <i>षा</i> इ	सफोद या शुल्का	अधिक टुकड़ों में			(एसपी . तया	
		सन्ने टी	टूटी हुई और 4			एस अब्द्यू पो के	
	•		छिद्रों वाली ∕16			सम्ब	
		• '	एस बब्ल्यू जी				
		:	छलनी 4.75				
	•	•	मि .मी . आईएस				
			छमनी से नही				
	•	•	निकस मर्केगी				
एस . स्टब्स्यू .	छोटे मफेद	सफेब/पीला दंती सकेद	धा एल, डब्ल्यू, में	वर्णित से	5	<u> </u>	एस एस गिरियांग्रस न कीट श्राटि
	टुकड़ें	हलका/सलेटी।	छोटी दूटी हुई			र्पा	तथा बीबी फफूंदी विकृत गंधिता
	•		किंतुजी 6			के	सा ण) जुड़े हुए . <i>बी</i> जावरण
			स बाल्यु				आपश्चित्रनक अन्धापद
			2 80 मि.				थौं से पूर्णतया रहित
			पुस छ लन <i>ि</i>				होंगा। यदि छिलन/मुर
			सकें।				झाएपन से निरा के विशे
							आकारपर प्रश्व नह
							पड़ता है तो छिली
							हुई और भागतः मुर
				,	•		भाई हुई गिरियां भं
							अनुमत है।
		_	•				
मी, बी	बेंबी बिट्स	सफेव/पीला दंती	एस रब्स्यू पी		5		(क।जूका गिरियां ग्रसन कीट क्षारि
		सफेद/इल्का स्लेटी	छो टी टूटी हु			परि	अपर) फफूंदी विश्वत गृंधिस जुः
			और प्लूमूल				हुए बीजाबरण आपत्ति
			ভিত্ৰী ৰালী	24 एस			अनक बाह्य पदार्थी
			डम्स्यूजी र	इसन् ो/170			पूर्णतया रहित होगी
			मि. मी.				
			छलनी से				

1	2	3	4 5		6	7	8
			ङक.जूको गिरियांभुने	हुए टुकड़े			
एम बी	भुने हुए बट्म	आईं। तिरछी टूटी हुई गिरियां (समान रूप तथा असमान रूप में) तथा प्रकृतिक रूप से जुड़ी हुई। गिरियां/ शुष्क/बोरमा में भूनने या सुखाने के समय अधिक गर्मी के दौरान गिरियां भुनी हुई/हल्की गहरी हो सकतीं है	5		5	5 (डिंग्बेंग)	गिरियां ग्रसन कीट, क्षिति फफ्ंदी, विकृत गंधित जुड़े हुए बीजावरण अपितजनक बाह पदार्थों से पूर्णतय रहित होंगी। या छिलन/मुरझाएपन गिरी के विशेष आका पर प्रभाव नहीं पड़ता तो छिली हुई औ भागतः मुरझाई हु गिरियां भी अनुम
एस. सी .	भुने हुए टुकड़े	प्राकृतिक रूप से लंबाई में टूटो हुई गिरियां/शुष्क/ बोरमा में भूनने, सुखाने, के समय अधिक गर्मी के दौरान गिरियां भुन्नी हुई/हुल्की गहरी हो सकती है।	en gar	. 5	5	5 (डी एस)	गिरियां ग्रसन कीट क्षति फफ्ंदी, विक्रत गंधिता जुड़े हुए बीजावरण आपत्तिजनक बाह पदार्थों से पूर्णता रहि होगो। यदि छिलन् मुरझाएपन से गिरी विशेष आकार प प्रभाव नहीं पड़ता है। छिलो हुई अंकुरभाग मुरझाई हुई गिरिष् की अनुमत होंगी।
एस.पी <i>.</i>	भुने हुए ट्रुकड़े	र्षाष्क/बोरमा में भूतने/ सुखाने के समय अधिक गर्मी के दौरान गिरियां भुनो हुई हल्की/गहरी हो सकती है।	टुकडे जो 4 छिद्रो व 16 एस डब्ल्यू/जी छर मी. अर्द्ध एस छलनीसे न निकल सकें	ग नी 5.475	 मि . (एस पी एस तथा एस एस पी माथ)	5	गिरियां ग्रसन कीट सिंह फफूंदी विकृत गंधित जुड़े हुए बीजाबर अयितजनक बाह्य पदार से पूर्णतया रहिन होंगी यदि छिजन/मुरझाए पन से गिरो के विशे आकार पर प्रभाव ना पड़ता है तो छिली हु और मुरझाई हुई गिरि की अनुमत होंगी।
एस एस पी	भुने हुए छोटे टुः	कर्डे -यथोक्त- '	भुने टुकड़े से छोटे टुकड़े जो 6 छिद्रों वाली/20 एस. डब्ल्यूजी. छलनी 2.80मि.मी. छलनी से न निकल सकें।			5 (डी एम पी)	-प्रयोक्तर-
		ारियां (खराब टुकड़े) ा शुष्क/बोरमा में भुनते/ सुखाने के समय अधिक गर्मी के दौरान गिरियां भुनो हुई/हल्की गहरी हो मकती है।	टुकडो में टूटी हुई गिरियां जो 4 छिद्रों वाली/ 16 ए डब्ल्यू जी. छलनी/4.75मि.मी, आईए छलनी से न	5		(डो . पी .	गिरियां ग्रमन कोट क्षति फफ्ंदी, विकृत ्रॉिंघता . जुडे हुए, बीकावरण आपत्तिजनक बाह्यपदार्थ से पूर्णतया रहित होंगी
डी.पी.	डेजर्ट टुकडे	गिरियां गहरो भुनो हुई गाढ़े भूरे, गाढ़े नोले, चित्तोदार रंगक्कीन और काले धब्बों से युक्त हो सकती है।				5 (डी. एस पी.)	गिरियां ग्रमन कीट अति, फफ्ंदी, विकृत गंधिता जुड़े हुए बीजावर आपत्तिजनक बाह् पदार्थों से पूर्णतया रहित होगी।

1		3	4	5	6	7		8
की, एस, पं≀.	इ लर्ट इ हि ट्वाइ	-यथोक्प-	एस. डब्स्यू 2.80 मि	हुई गिरियां ों बार्लः/20 जी: छलनी भी , आई से न निकल	5		2 (छोटे टुकड़े) गिरियां ग्रमन, कीट, क्षति, फफूरी, विकृत गंधिता, जुड़े हुए बज्जावरण, आपत्तिजनक बाह्य पदा- थीं से पूर्णतया रहित होंसी
ही. भी .	हेजर्ट बट्म	आईं निरष्ठी हुई हुई गिरिया (समान रूप तथा अस- मान रूप में) तथा प्राह् तिक रूप में जुड़ी हुई, चिन्तीदार गाढ़े भूरे, रंग ह्योन तथा गाढ़े मील तथ काल घर्कों से युक्त ह सकती है।	- ฮ- เ เ	_			(डीपो तथा डी एसपी के साथ)	-यथीक्स
डी . एस .	डें अर्ट टुकड़े	ट्टो हुई गिरियां प्राकृतिक क्य से ट्टो हुई लंबाई में गिरियां गत्ररी भूनी हु गाढ़ें भूरे, गाढ़े नीले चित्ती दार, रंगहीन तथा काले धम्मों से युक्त हो। सकती है।	ई , -	-	5		5 डी पी तथा(डी.एस. पं.केमःथ)	⊸यथोक्त–

एन. एल. जी.--अगली निम्न श्रेणी का चोतक है। एन. एस. एस. जी.--अगली निम्न श्रेणी के आकार का द्योतक है।

छः भुनी हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों के लिए विनिर्देश:—

छ । कच्ची सामग्री:----

छ 1.1. काजू की गिरियां, जिनमें भुनी हुई, बिना भुनी हुई साबृत गिरियां या टुकड़े सिम्मिलित हैं, भुनने तथा नमक लगाने के लिए प्रयोग, की जाएगी।

छ 1.2 ये किसी भी प्रकार के कीट ग्रसन, फफूंदी, वृद्धि, विकृत गंधिता तथा बीजावरण की उपस्थिति से पूर्ण-तया रहित होगी।

छ. 2 तैयार करनाः

छ.2.1 भुनी हुई नमक लगाई हुई काजू की गिरियां किसी भी सान्यता प्राप्त पकाने वाले बर्तन में उनको भुनकर तथा नमक लगाकर या सुखाकर तैयार की जाएगी।

छ. 2. 2. पकाने के लिए प्रयुक्त बर्तन स्टैलेस स्टील के होंगे।

छ. 3 उत्पाद श्रपेक्षाएं:---

छ.3.1 केना तथा विकेता के बीच की गई संविदा में यथा ग्रनुबंधित श्रेणी श्रिभिधान तब तक श्रनुज्ञात होंगे जब तक कि वे तथ्य या दृब्धंवदेशन न करते हों।

9.3.2 रासायनिक विश्वलेषण किए जाने पर, काजू की गिरियां भूनकर तथा नमक लगाकर तैयार करने के पश्चात् निम्नलिखित सारणी में दिशित स्वीकृत स्तरों के अंतर्गत होंगी।

- मुक्त वसीय श्रमल 0.4 प्रतिशत (ओलिक श्रम्ल के रूप में) निष्कर्षित वसा भार
- 2. पैराक्साइड मूल्य—निष्कणित वसा का 2 एम ई जी/ 0.02 किलोग्राम भुनी हुई और नमक लगी हुई काजू में मुक्त वसा अम्ल और पैराक्साइड मूल्य के प्राक्कलन की पद्धति परिशिष्ट में दी गई निर्धारण पद्धति के श्रनुसार होगी
- छ. 3. 3 परिरक्षी और सुक्षचि कर्मक उसी प्रकार अनुज्ञात होंगे जिस प्रकार वे खाद्य अपिमश्रण निर्वारण अधि-नियम, 1954 के अधीन अनुज्ञय है। छ. 4 पैक करना:
- छ. 4.1 भुनी हुई और नमक लगा हुई काजू की गिरियां केता द्वारा यथा विनिर्दिष्ट आकार और अन्य अपेक्षाओं के उपभोक्ता आधानों में पैक की जाएगी।
- छ. 4. 2 गिरियां संविदा की अपेक्षानुसार पन्नी में भी पैंक की जा सकेगी।
- छ. 4.3 आधान, नए, साफ और अंग रहित या अन्य किसी भी प्रकार की क्षति से रहित होंगे।
- छ. 4. 4 गिरियां वैक्यूम वाले आधानों में या अक्रिय गैस के माध्यम से पैक की जाएंगी।
- छ. 4. 5 केता की पैकिंग अपेक्षाओं के अनुसार आधान गत्ते (कार्ड बोर्ड) के डिब्बों में या विसंक्रामित लकड़ी की पेटियों में पैक किए जाएंगे।

- छ. 4. 6 प्रत्येक डिब्बे या पेटियां पर निम्निसिखत दशनि के लिए चिन्ह लगाए जाएंगे:—~
 - (क) उत्पाद का नाम
 - (ख) विनिर्माता का नाम
 - (ग) पोत परिवहन चिन्ह
 - (घ) किलोग्राम में शुद्ध और कुल भार

छ. 5 मुहर बन्द करनाः

छ. 5. 1 पैंक किए जाने के पश्चात् प्रत्येक परेषण को परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट रूप में उचित रूप से मुहर बन्द किया जाएगा।

काजू की गिरियों के निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण) नियम, 1966 और 1978 के ग्रधिकमण में निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) ग्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के ग्रधीन बनाए जाने का प्रस्तादित नियमों का प्रारुप:

- 1. संक्षिप्त नाम और ग्रारम्भ :-- (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम काजू को गिरियों का निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1985 है।
- (ij) ये राजपत्र में प्रकाशन को तारीखा को प्रवृत्त होंगे ।
- परिभाषाएं :-- इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से भ्रन्यथा श्रपेक्षित न हो :--
 - (क) ''ग्रिधिनियम'' से निर्यात (क्वालिटी नियंच्नण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) ग्रिभिप्रेस हैं;
 - (ख) ''परिषद'' से श्रिधिनियम की धारा 3 के श्रधीन निर्यात स्थापिन निर्यात निरोक्षण परिषद श्रिभित है;
 - (ग) "ग्रभिकरण" से श्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित कोई भी ग्रभिकरण श्रभिप्रेत है।
 - (घ) "काजू की गिरियां" से सभी प्रकार की काजू की गिरियां झुलसी हुई, बिना झुलसी हुई, साबुत, टुकडे,भनी हुई और नमक लगी हुई गिरियां ग्रभिप्रेत है।
- 3. क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण :— निर्यात के लिए श्राणियत काजू की गिरियों का निरीक्षण यह मुनिश्चित करने की दृष्टि से कि काजू की गिरियां; अधिनियम की धारा 6 के श्रधीन मान्यताप्राप्त मानक विनिदेशों के अनुक्ष्य है, या तो,

(क) उपांबध-ड I में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का पालन करते हुए इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के स्रनुसार परिरुपित उत्पादन के निरीक्षण और परीक्षण के स्राधार पर,

या

(ख) यह सुनिश्चित करते हुए कि उत्पाद का प्रसंस्करण उपाबंध—II में विनिर्दिश्ट नियंत्रण के स्तरों दा पालन करते हुए प्रसंस्करण के विभिन्न प्रक्रमों पर नियंत्र णों का प्रयोग करके किया गया है, किया जाएगा।

4 निरीक्षण फीस:

उपावंध—— ि निर्विष्ट प्रक्रिया का पालन करने के लिए 11.34 किलोग्राम के काजू की गिरियों के एक टिन या उसके भाग के लिए प्रस्सी पैसे की दर से फीम और उपाबंध -धि में निर्विष्ट प्रक्रिया का पालन करने के लिए 11.34 किलोग्राम के काजू की गिरियों के एक टिन के लिए पचास पैसे की दर से फीस प्रभारित की जाएगा।

इन नियमों के अधीन प्रत्येक परेषण के लिए 50 रुपए न्यूनतम निरीक्षण फीस के अधीन रहते हुए भुनी हुई तथा नमक लगी हुई काजू की गिरियों का दणा में पोत पर्यन्त नि: शुल्क मूल्य के प्रत्येक 100 रुपए या उसके भाग के लिए पचास पैसे की दर से फीस प्रमारित को जाएगी।

5. ग्रपील:

- (क) ऐसा कोई व्यक्ति जो उपाबंध--II के खंड 2.7.4और 2.7.5 के प्रधान प्रपने एकक के प्रनुपोदन देने या उपाबंध--II के नियम 5 के उपनियम (4) या उपाबंध-II के नियम 2 के उपनियम 5 के अधान निर्यात योग्यना का प्रमाणपत्र जारी करने के प्रभिकरण के इंकार से व्यथित हो तो वह ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर, के ब्रीय सरकार बारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन किन्तु सान मे अनिधिक मदस्यों मे गठित संबंधित विशोपशों के पैनल के संयोजक की प्रपोल कर सकेगा।
 - (ख) विशेषजों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य व्यापार मंदल के सदस्य होंगे।
 - (ग) पैनल को गणपूर्ति तीन से होगे।।
 - (घ) अपील प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी।

अनुमूची,

काम की गिरियों के लिए विनिर्देग]

- 1 सामान्य विभेषताएँ : फाजू की गिरियों, फाजओं को भून कर, छिलका उतार कर और छोलकर (ऐनाफाइयम आक्त डेटन ,लिनेयस) में এছন 🍀 আएगी ।
- 2. विणिष्ट विशेषसाएं :

क. क	जूकी गिरियाँ मफोद	: माबुत	सफेद सार	યુ ત			
श्रेणी अभिद्यान	व्यापारिक नाम	रंग/विशेषताएं	काउंट/ 454 ग्राम माप विवरण	अधिकतम आँद्रना %		हे एकएकएसजी/ एकएलजी अधिकतम %	टिप्पगो
1	2	3	4	5	6	7	8
इक्ट्यू1 80	मफेव सामुत	दस्त सफेद्य पीला/हल्का सलेटी विशेष आकार	120-180	5	5	5 (एनएसएस जीतधाएम. डब्स्यूकेसाथ)	गिरियाँ प्रसन, कीट, सात, फर्फूदी, विक्रुत गंधिता, जुडे हुए बीजावरग आपत्तिजनक बाह् य पवायों से पूर्णतय रहित होंगो। यदि छितत या मुरक्ताएपन से गिरी के विशेष आकार पर प्रभाव नहीं पड़ता है तो छिलो हुई और भागतः मुरक्राई हुई गिरियाँ भी अनुमत हैं।
बब्द्यू – 210	सफेब साबुत	दंत सलेद पीला/सलैटी हत्का दिशेष आकार	200-210	5	5	5 (एनएलएसजी नथा एम डब्ल्यू के साथ)	गिरिया ग्रमन, कोट, क्षति फफ्द्री, विकृत न धिना, जुड़े हुए बोजावरण, आपत्तिजनक बाह्य पवार्षों से पूर्णत्या रिहत होंगों । यदि किनन या मुरक्ताएपन से गिरों के विशेष आकार पर प्रभाव नहीं पड़ता है तो किनो हुई और भागत : मुर साई हुई गिरियां भी अनुमत है।
इल्ल्यू - 240]	ययोक्त	यथोकत	220-240	,,	tt.	n	मधोकन
डक्ल्यू−280	यथोक्त	ययोक्त	260-280	"	"	 D	यथोक्त
भ क्त्यू-320	यथोक्त	यथोक्त	300-320	"	,,	17	ययोक्त
इब् ल्यू-400	यथोक्त'	यथोक्त	350-400	,,	"	,,	यथोक्त
र ब्ल्यू-450	ययोगत	ययोक्त	400-450	"	"	, ,,	
डब्ल्यू 500	यथोमत	यथोनत-	450-500	11	,,	"	
		ख ,	 झुलसो हुई का ज्को	———— गिरियाँ—समाबु	——		
1	2	3	4	5	6 .	7	8
एस डब्स्यू	मुलसो हुई साबुन	शुष्क/बोरमा में भूनने या मुखाने के समय अधिक गर्मी के कारण गिरियाँ भुलसी हुई/ हल्की सी गहरी हो मकती हैं।		5	5	5 (एन एल एस जी तथा एस एम डब्ल्यू के साथ)	गिरियां प्रसन, कोट, सिंह फर्फूदी, विक्कत संविता जुड़े हुए बीजावरण आपस्तिजनक बाह्य पदायों से पूर्णनया । रहित होंगी । यदि छिला या मुरहाएपन से गिरी के विशेष आकार पर प्रभाव नहीं पड़ता है तो छिली हु और भागत : मुरसाध हुई गिरियां मो अनुमार हैं।
एस अ रूपू180	ययोक्त	यथोक्त	170-180	73	,,	77	यथां क्तः
ए स डब्स्यू → 210	य योक्त	यथोमत -	200-210		"	,,	ययोक्त
एस उडस्यू-210 एस उडस्यू-240	यथोक्त यथोक्त	यथोक्त यथोक्त	220-210	"		11	ययोक्त
24 200 A	यथाक्त य थोक्त	यथोक्त यथोक्त	260-280	11	н	" "	यथान्त
TH 397 1-280	97171	17117(1	400-400	"	"	**	
एस डब्स्यू-280 एस डब्स्य-320 र्			200-220			.,	ययोक्त ।
एस डब्स्यू-320	यथोक्त	यथोक्त	300-320 350-400	"	,,	,, ,,	ययोक्त ययोक्त-
_			300-320 350-400 400-450	n n	n n)) N	ययोक्तः ययोक्तः ययोक्तः

ग. डेजर्ट काजू का गिरियाँ---सावुत

1	2	3	-4	5	6	7	8 .
एस एस् डब्ल्यृ	भुन [ि] हुई साबुत घटिया	गिरियाँ ज्यादा भुनी हुई, कच्चो मुरझाई हुई (प्रीवल) चित्तीदार करनोरम (र गहीन) तथा हल्की नीली हो मकती हैं।		, 5	3	5 (डी: डब्ब्यू)	गिरिमौ ग्रना, कीट, स्राति फक्तो, विक्रत संधित जुड़े हुए बीजावरण, अस्तिकार ब्रह्म पदार्थों से पूर्णभेषा रहित्त होस्स
डी डब्स्य्	डेजर्ट साबुत	गिरियाँ अधिक भुनी हुई, गहरी भूरी, गाढ़ी नीली चित्तीदार तथा रंगहीन काले धब्बे वाली हो सकती है।	* 185	5	5		ययो≉न

घ. काजू को गिरियों-सफेद ट्कड़े

1	2	3	4	5	6	7	8
बी	बट्स	सफेद/पीला इंत सफेद हल्का सलेटी आडी तिरछी टूटी हुई (समान रूप से या असमान) तथा प्राकृतिक रूप से जुड़ी हुई गिरियाँ।			5	5 (एस बें [,])	िरियाँ प्रसन, कीट, क्षिति फफूंदी, विकृत गंधिता जुड़े हुए बीजावरग आपतिजनक बाह्य पदार्थों से पूर्णतया रहित होंगो यदि छिलन या मुरजाएपन से गिरी के विशेष आकार पर प्रभाव नहीं पड़ता है तो छिली हुई और भागत: मुरझाई हुई निरियाँ भी अनुमत है।
एस	दुकड़े	मफेद/पीला दंत सफेद या हल्का/मफेदी/प्राक्ट- तिक रूप से लम्बाई में टटी हुई गिरियाँ।		5	5	5 (एस) एस	ययोक्त
एस डब्स्यू पी	बड़े टुकड़े ्	मफेद/दंत सफेद पं.ला या हल्का मलेटी ।	गिरियाँ दो से अधिक दुकड़ों में दुटों हुई और छिद्रों वाली/16 एस इब्स्यूजी छलनी/ 4.75 मि.मी. आई एस छलनी मे नहीं निकल	5 .		ठ (एस पी तथा एस डब्ल्यू पीके माथ)	ं यथोक् र

[PART	II-	-Sec.	3	(ii))]	
-------	-----	-------	---	------	----	--

3544	THE GAZET	TE OF INDIA:	JULY 6, 1985/ASA	ADHA -	15, 190		[FART II—SEC. 5(II)]
1	2	3	4	5	6	7	8
त्म डब्न्यू पी	छोटे सफेद ट्रुक हे	राफोद प ला दंत सफोद या हत्का सलेटः	एस डब्ल्यू प। में बिणन से गिरियां छोटो टूटो हुई किन्तु जो 6 छिद्रों 20 एस डब्ल्यू जा छलने /2.20 मि.मो. श्राई एस से न निकल सकों।	5	_	5(एम एस पे। तथा अ. च. के साथ)	ितरेया प्रसन की इक्षति फर्जुबी विकृत गंजिता, जुड़े हुँग बीजान अरण आपिकितक बाह्म पदार्थी मे पूर्णत्या रहित होंगी। यदि जिलत या मुरक्षाएएथ स गिरी के विभोष आकार पर प्रभाव नहीं पड़का है जो जिली हुई और भागत: मुरक्षाई हुई गिरियां भी अनुमत है।
धी बी	वेबी बिद्ध	सफेद पीला देन सफेद या हल्का मलेटा	छ .स .दू . में] विश्वत से छोट: टुट: हुई शिरियां श्रीर प्तूमुलक जो 10 छिद्रों बाल / 24 एस इड्ल्यू जा छलनं/170 मि . मो . भाई एस छलनं । से न निकल सके।	š		—⊸ । (काजूका पाउडर)	गिरियां ग्रमन, कीट, क्षति; फक्ट्रः विक्रन गंधिना, जुडे हुए बंजावरण, ग्रापिणजनक बाह्य पदार्थी से पूर्णतया रहिन होग.।
			 ः, काजू कः गिरिया—भूतः	हुए दुकड़े			
1		. 3	4		5 	6 7	8
एस बी	भुने हुए बट्स	माई। सिर्फ ट्रंटे। हुई (मिरियां (समान रूप सथा प्रममान रूप में) नया प्राकृतिक रूप में जुड़ें। मुद्दी। पिरियां/ शुष्क/बोरमा में भुनने या मुखाने समय प्रधिक गर्मी के बीरान गिरियां भुन हुई/हुल्की गहरें। हो मकतं। है।	r i		5	5 5 (डेंबें:)	गिरिया ग्रम्स, कींड, क्षिति, फक्ट्रें, विक्रुत गंधिसा, जुड़े हुए ब.जावरण प्रापित्तिनका बाह्रय पदार्थी से पूर्णतया, रहित होगः । यदि छित्रत या मुरझाएपत श्राकार का प्रभाव नहें पड़ना है तो छित्रं हुई ग्रार भागतः मुर झाई हुई गिरियों भी
प्स∵प्सः	भृते हुए ट्कड़े	प्राकृतिक रूप से लम्ब में टूटें हुई गिण्यि गुष्क बोरमा में भुतने मुखान के समय प्रधि गर्मी के दौरान गिरि भुती हुई/हस्कं गहर हो सकते। हैं।	t/ / / श्रक यां	5	3	5 (ंड एस)	, प्रधोकत
एम ,पो .	भूने द्वुए दुक्षदे	णष्क बौरमा में भूनने		5		5 (एत पः एस तथा एस एस के साथ)	

1	2	3	4	5	В	7	8
एस एस पी	भुने छोटे टुकड़े	यधोक्न	भुते दृक्त है से छोटे दुक्त है जो 6 छिद्रों बाली/20 एस उज्याज छलते ! 2.80 मि.स. आई एस छलत से न तिकल सके !	5		<i>5</i> (क्रं≀ ए मप∵)	प्रथोक्त
· · ·	-	च	काजूर्कः गिरियां (ख र			····	
-							
1		3		5	<u>_</u>	7	8
एस पी एम	भुने हुण घटिया दुक्तड़े	णुष्क बोरमा में भूतने गुखाने के समय प्रक्षिक गर्मी के दौरान गिरियां भूत हुई हल्क गहर हो सकत है।	दूकड़ों में द्दा हुई गिरिया 4 छिद्रों बाल, 16 एस डब्ल्यू जो छलन / 4, 75 मि.मा. आई एस छलन। में न निकल सके।	5		(डापातया इटाएम पोके साय)	गिरियां ग्रसन, कट, क्षति, फर्लूट्री निक्कत, गंकिता जुड़े हुए बंजाबरण श्रापत्तिजनक खाह्य पदार्थों से पूर्णतया रहित होगं।।
र्ख। भी	क्रेजर्ट ट् क इ	हल्काभृरागाढाउँन सफेद हल्केसेगाडा न ला,भुनाहुद्धारंग हन जिपन।	यथोक्त	5	-	5 (डीएमपः)	यथो स् न
र्डः। एस पी	छोटे टुकड़े	यशोक्त ृ	दुकड़ों में टूट: हुई गिरियां जो 6 छिद्रों वालं /20 एस डब्ल्यू जा छलन /2.80 मि.स. श्रार्ड एस छलना से न	5	_	~ ्2(कोटे दुकड़े)	य योक्त .
को बी	डेजर्ट बट्स	आड़.' तिरख, ट्टं हुई गिरियां (भमान रूप तथा भसमान रूप में) तथा प्राकृतिक रूप से जुड हुई गिरियां टूट हुई गाढे भूरे, रंगह न तथा गा, निले तथा काले घड्डों से युक्त हों गकत है।		5	5	5 (ष्टः पातथा डोएसपीसू साथ)	यथोक्न
को ,एस .	डेजर्ट ट्रकड़े ,	गिरियां प्राकृतिक हप, में दूट हुई लम्बाई में गिरियां गहर भूत हुई, गढ़े, भूरे, गाढ़े न ले, रंगह न नथा काले धम्बां युक्त हो सकर्त है। ।	 -	5	5	5 (डापातथा डाएसपोके साथ)	गिरियां ग्रमन, कट, क्ष ति, फर्फ्ट्र, विक्कत गंधिसा, जुड़े हुए, वीजावरण, ग्रापत्तिजनक बाह्य पदार्थों से पूर्णतथा रहित होंगी।

एन एस जो सगलो निस्त श्रेणा का द्योतक है। एन एस एस जो सगली निस्त श्रेणों क साकार का द्योतक है।

भूनी हुई तथा नमक लगी हुई काजू की गिरियों के लिए विनिर्देश:--

छ. १ क्चो सामग्री :--

छ.1.1. काजू की गिरियां जिनमें बिना भुनी हुई, भुनी हुई साबुत गिरियां या टुकड़े सिम्मिलित है भूनने तथा नमक लागाने के लिए प्रयोग को जाएगा।

छ.1.2 वे किसी भी प्रकार के कीट ग्रसन फ़फ्रूंदी वृद्धि विकृत गंधिता तथा बीजावरण की उपस्थिति से पूर्णतया रहित होंगी।

छ.2 तैयार करना :---

छ. 2.1 भुनी हुई तथा नमक लगी हुई काजू को गिरिया किसी भी मान्यता प्राप्त वकाने वाले बर्तन में उनको भून कर तथा नमक लगाकर या मुखाकर भुनकर या नमक लगा कर तथार की जाएगी।

छ.2.2 पकाने के लिए प्रयुक्त बर्तन स्टेनजैस स्टील के होंगे ।

छ. ३. उत्पाद श्रपेक्षाएं :---

छ.3.1 केता तथा विकेता के बीच की गई संविदा में यथा श्रनुवंधित श्रेणी श्रिभिधान तब तक अनुशात होंगे जब तक कि वे तथ्यों का दुर्व्यवदेशन न करते हो।

छ.3.2 रासार्थानक विश्लेषण किए जाने पर काजू की गिरियां भून कर तथा नमक लगाकर तैयार करने के पश्चात् निम्नलिखित सारणी में दिशत स्वीकृत स्तरों के अंतर्गत होगी।

- 1. मुक्त वसीय (ग्रम्ल-0.4% औलिक श्रम्ल के रूप में) निष्किपित क्क्षा भार पर
- 2. पैराक्साइड मूल्य--निष्कपित विसा का 2 ए जी, 0.02 कि. ग्राम

भुनी हुई और नमक लगो हुई काजू की गिरियों में मुक्त क्सा अम्ल और पैराक्साइड मूल्य के प्राक्कलन की पद्धति परिशिष्ट में दी गई निर्धारण पद्धति के ग्रनुसार होगी।

छ. परिरक्षी और सुरुचिकर्मक उसी प्रकार ग्रनुज्ञात होंगे जिस प्रकार के खादय ग्रपमिश्रण निवारण ग्रधिनियम, 1954 के ग्रधीन ग्रनुज्ञेय हैं।

छ. 4 पैक करना :--

छ.4.1 भुनी हुई और नमक लगो हुई काजू की गिरियां केता द्वारा यथा विनिर्दिष्ट और ग्रन्थ अपेक्षाओं के उपभोक्ता अवधानों में पैक की जाएगी।

छ.4.2 गिरियां संविदा को अपेक्षानुसार पन्ती में भी पैक की जा सकेगी !

छ.4.3. माधान नए साफ और जंग रहित या ग्रन्य किसी भी प्रकार की क्षति से रहित होंगे। छ 4.4 गिरियां वैक्यूम वाले श्राधानों में या श्रिकिय गैस के माध्यम से पैक की जगएंगे।

छ.4.5 केता को पैकिंग अपेक्षाओं के अनुसार आधार गत्ते (कार्ड बीर्ड) के डिब्बों में या विसंक्षांमित लक्षडी की पेटियों में पैक किए जाएंगे ।

छ 4.6 प्रत्येक डिब्बे था पेटियों पर निम्नलिखित दर्गाने के लिए चिन्ह लगाए जाएंगे ।

- क. उत्पाद का नाम
- ख.विनिर्माता का नाम
- ग् पोत परिवहन चिन्ह
- घ. किलोग्राम में शुद्ध और कुल भार

छ. इ मृहर बंद करना :--

छ.5.1 पैंक किए जाने के पश्चात प्रत्येक परेषण को परिषद द्वारा विनिदिष्ट रूप में उचित रूप से मुहर बंद किया जाएगा।

परिशिष्ट

 भुनी हुई और नमक लगी हुई काजू की गिरियों में पैराक्साइड मूल के प्राक्कलनकी पद्मति :-- मिश्रण में 50 प्राम काजू की गिरियों और पाइउर लें।

250 मि. लीटर के डाटदार शक्वाकार अलास्क में चूरा सामग्री लें और उसमें 150 मि. लीटर क्लोरोफार्म मिलाए फलास्क को रात ार हलित (शेकर) में रखें ग्रगले दिन दूपण के अंतर्गत मसाले को बूचर फ़लास्क में छान लें प्रवशेषों को फ़िर 100 मि॰ लीटर क्लोरोफ़ार्म में में मिला दें और और दो घन्टे के लिए शेकर में रखें। और फिर छान लें संयुक्त क्लोरोफ़ार्म अर्क 250 मि. लीटर तक बनाएं।

निष्कर्षण का 10 मि. नीटर या नगमा 0.5 प्राम वसा वाला यथोचित एनिकोट भाग पूर्व सुखे और तोले गए छोटे दो बीकरों (25 मि. नीटर क्षमता वाले) में निकाला जाए। जिस को जल व बर्तन के उपर रखने से क्लोरोफ़ामें वाष्पित किया जाता है फ़िर डैगिचयों को 700 सेंटीग्रेड वाले वैक्यूम ओवन में स्थामांतरित कर दिया जाए। वैक्यूम के अंतर्गत वाष्पीकरण एक घन्टे के निए किया जाएगा 1 डैगिचयों बाहर निकाल ली जाएगी और शोपित में ठंडो को जाएगी और उन्हें तोला जाएगा। डैगिचयों को फिर ओवन में 30 मिनट के निए रखा जाएगा और फिर उठा निया जाएगा, ठंडा किया जाएगा। और तोला जाएगा। यह प्रक्रिया तब तक दोहराई जाएगी जब तक कि दो परिणाम बाचक तोलीं का अंतर 5 मि. ग्राम से श्रिधक नहीं होगा।

4 ग्राम वसा वाले क्लोरोफ़ार्म निष्कर्षण का एंलिकोट 500 मि. लोटर वाले डाटदार शक्वाकार फ़लास्क में डाला जाएगा और क्लोरोफ़ार्म एसिटिक ऐसिड का 1:2 ब्रनुपास प्राप्त करने के लिए ग्लेसिएल ऐसिड की ध्रपेक्षित माला मिलायी जाएगो । इसमें से संतृष्त पोटाशियम ब्रायोडाईड

घोल या 0.5 मि. लीटर निकाला जाएगा और घोल की कामी बामो की एक मिनट के लिए हिला कर स्थिर रहने विका जाएगा और फ़िर उसमें 50 मि. लोटर ब्राश्रुत जल मिला लिया जाएगः। 10.1 एन सोडियम थायोसलफ़ेट धीरे धीरे मिलाने हुए और निरंतर तथा बलपूर्वक हिलाते हुए इसका श्रन्म।यन करें। श्रन्म।यन लगातार तब तक करते रहें अब तक कि उसका पंक्ति रंग विलकुल लुप्त न हो जाए। एक प्रतिशत स्टार्च सूचक का 0.5 मि. लोटर मिलाएं और अनुम.पन लगातार करते रहें जब तक कि मीला रंग लुप्त न हो जाए।

दिप्पण :---

- (1) प्रतिदिन प्रभिक्षमक का पूर्ण निर्धारण करें पूर्ण अनुमापन 0.1 एन सोडियम बायोसलफ़ोट के के 0.1 मि. लीटर से प्रधिक नहीं होगी।
- (2) अनुमापन आरम्भ करने से पूर्व यदि घोलका रंग हल्का पोला है तो उस अवस्था में स्टार्च मूचक मिलाया जा सकता है
- (3) यदि अनुमापन 0.1 एन सोडियम बायोसलफ़ोट घोल के 0.5 मि. लंटर से कम है तो 0.1 एन सोडियम आयोसलाफ़ेट घोल का प्रयोग करते हुए निर्धारणको दोहराए।

पैराक्स इंड मूल्य निष्नानुसार प्राकृतिक किया जा सकता है।

पैराक्साइड मूल्य प्रति 100 ग्राम वसा के प्रनुसार पैराक्साइड के मि. लीटर मूल्यों के रुप में होगाः

> $(U - बो) \times U + \times 100$ उब्ल्यू

जहां ए= नम्ने का धनुमापन $\mathbf{a}_{1} = \mathbf{u}_{1}$ न्य

एन = बायोसलफ़ेट को साधारणता डब्स्प परिक्षण के लिए लो गई बसा का गर

2. मुक्त वसा श्रम्ल के शाक्कलन की प्रिक्रिया :---लग ग 5 प्राम वाले क्लोरोफ़ार्म के एक एलिकोट को तोलने वाले शक्त्र किल स्कि में डाला जाएगा। जल तापन पर क्लोरोफ़ार्म वाष्पित किया जाएगा । क्लोरोफ़ार्म में श्रवणप वैक्यूम औवन में वैक्यु के ग्रधोन हटा दिए आएगें। फ़लास्क को क्लोरोफ़ार्म रहिन बसा के साथ तोला जाएगा।

फ़िनोलियालिन का सूचक के रूप में प्रयोग करते हुए श्रस्कोहल (श्रामुत) इल्के सोडियम हाईड्रोक्साइड घोल सहिन निष्प्रभावित होगा । 50 मिलो लीटर गर्म वसा में निष्प्रभा-वित श्रत्कोहल मिल:यो आएगो और फ़लांस्क को ग्र**च्छो**। तरह हिलाया जाएगा। 0.1 एन सोडियम हाईड्रोक्साइड सहित अनुमापन सब तक करें अब तक कि गुलाबो रंग जो 30 सेंकेंड के लिए स्थिर है प्रकट न हो।

टिप्पण :- यदि अनुमापन 0.1 एनसोडियम हाईड्रोक्साइड मिली लीटर से कम हो तो 0.02 एन सोडियम घोल 0 5 हाई ब्रोक्साइड घोल प्रयुक्त करते हुए निर्धारण दोहराएं।

मुक्त वर्ताय प्रमल की गणना निमनान्सार का जाएगी: तले के रूप में मुक्त वसीय अम्ल प्रतिगत = ए×एन×28.2

ए = भोडियम हाईड्रोक्साइड घोल का मिलो लोटर एन = लोडियम हाईड्रोक्साइड घोल के सामान्यत तथा डब्ल्यू = परोक्षण के लिए लो गई बसा का

उपाबंध I

परेषणानुसार निरीक्षण का प्रक्रिया

- 1. निरीक्षण का आधार:— (1) काजू की गिरियों का निरीक्षण यह देखने की दृष्टि से किया जाएगा कि वह केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरुप हैं समुचित श्रेणी भ्रभिष्ठान लैबल लगाया गया है।
- (2) काजु की गिरियों का निर्मात करने का इच्छुक व्यक्ति स्वास्थ्यकर परिसर में काजु की गिरियों को भूनकर छिलका उतारकर, सुखाकर और श्रेणी करण करके उनका परेषण इस ढंग से बनाएगा कि परेक्षण मान्यता प्राप्त श्रेणी विनिर्देशों में से किसी के अनुरूप हो।
- (3) उपरोक्त उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट रीति में काजुकी निरियां तैयार करने के पश्चात् निर्यातकर्ता भा. मा. बा. (नवीनतम प्रति) के ग्रनुष्प उन्हें नऐ, साफ मुखे और रिसनसह सहिटन ग्राधानों में पैक करेगा । प्रस्थेक टिन भली प्रकार से बंद किए जाएंगे।और ऐसी रीति से सील किए जाएंगे जो प्रभिकरण द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट की जाए ।
- (4) टिन इस के पश्चात् श्रेणी मिभिधान लेबर्ली से चिन्हित किया जाएगा और नाशीदार तन्तु बोर्ड डिब्बों में पैक किया जाएगा।सीलबंद टिन में पैक करने के लिए प्रयुक्त नालीदार तंतु बोर्ड दोहरी तह के नालीदार तंतु बोर्ड का होगा जो 25 कि. ग्रा. अर्दावस्तु के लिए भा. मा. 2771 भाग -1 (नवीनतम प्रति) के धनुसार उचित होगा।
- (5) श्रेणी ग्रभिदान लैबलों का प्रयोग करने का इण्डुक निर्यातकर्ता ऐसे लेबलों की अपेक्षाओं की स्वीकृति भ्रभिकरण के निकटतम कार्यालय से प्राप्त करेगा।
- (6) एक डिब्बे में केवल एक ही श्रेणी की काजू की गिरियों को पैक किया जाएगा।
- 2. निरीक्षण की प्रकिया :--- (1) काजु की गिरियों का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता निर्यात के लिए भागयित परेषण की विशिष्टियां देते हुए भ्रभिकरण की या

उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत प्रभिकरण के किसी प्रधिकारी को धावेदन देगा।

- (2) उपनियम (1) के प्रधीन प्रावेदन निर्यात के लिए लदान के प्रारम्भ की तारीख से पहले कम से कम सात दिन (भूनी हुई तथा नमक लगी हुई का जुकी गिरियों की दिशा में 15 दिन, पहले दिया जाएगा।
- (3) उप नियम (2) में विनिर्दिष्ट श्रावेदन की प्राप्ति पर ग्रामिकरण निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा इस निमित्त समय समय पर जारी किए गए श्रनुदेणों के श्रनुसार श्रपना बह समाधान करने की दृष्टि से काजुकी गिरियों के परेषण का निरीक्षण करेगा कि परेषण का उपरोक्त नियम 1.1 में निर्दिष्ट नियमों के श्रनुसार श्रेणीकरण किया गया है। निर्यातकर्ता श्रमिकरण को ऐसा निरीक्षण कर सकने के लिए सच्ची श्रावश्यक सुविधाएं देगा।
- (4) यदि निरीक्षण के पश्चात् अभिकरण का यह समाधान हा जाता है कि निर्मात की जाने वाली काजु की गिरियों का परेषण नियम 1 में विनिर्दिष्ट विनिर्देणों की अपेक्षाओं के अनुरुप है तो वह सूचना प्राप्त होने के साल दिन के (भुनी हुई तथा नमक लगी हुई काजु की गिरियों की दशा में 15 दिनों के) भीतर यह घोषित करने वाला प्रमाण-पन्न जारी करेगा कि परेषण निर्यात थोग्य है।
- (5) अब श्रभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है तो वह सात बिन (भुनी हुई और नमक लगी हुई काजु कि गिरियों की दशा में 15 दिनों, की उक्त श्रवधि के भीतर ऐसा प्रमाण पद्म जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित लिखित हुए में नियातकर्ता को देगा।
- (6) प्रमाणन के प्रम्वात् भी भ्रभिकरण को परेक्षण को क्यालिटी भंडारकरण के किसी स्थान पर श्रभिवहन के के बौरान या उसके वस्तुराः लवान से पूर्व पतनों पर पुनः निर्धा-रित करने का श्रधिकार होगा
- (7) यदि इनमें किसी भी प्रक्रम पर यह पाया जाता है कि परेषण मानक जिनिर्देशों के अनुरुप नहीं है तो मूल रुप से जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ने लिया जाएगा ।
- 3. निरीक्षण का स्थान :— इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्यातकर्ता के उस परिसर पर किया जाएगा जहां माल निरीक्षण के लिए प्ररथापित किया जाता है, परन्तु यह तब तक कि परिसर में निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

उपाबंध II

उत्पादन के दौरान क्शालिटी नियंत्रण के लिए प्रसंकरण यूनिटों द्वारा ग्रंपनाएं जाने वाले नियंत्रण स्तर

क्यालिटी निबंत्रण :--- प्रभिकरण द्वारा भ्रनुमोदित केवस प्रसंकरण यूनिटों ही निर्यात के लिए काजु की गिरियों

- का प्रस्संकरण करने के पान होंगें तथा ऐसा भ्रमुमोदन प्राप्त करने के लिए एक यूनिट के पास नीचे विनिर्दिष्ट न्यूनतम सुविधाएं होनी चाहिए:—
- 1. संभरक यूनिट:— सामान्यः ग्राभिकरण द्वारा ग्रनुमोदित केवल संभरण यूनिटं ही निर्मात के लिए कच्ची काजु की गिरियों को प्रंसुस्करण करेगी। यूनिट में विद्यमान कीट विज्ञान संबंधी पहलुओं के प्रति विशेष निर्देश से स्वच्छता और स्वास्थ्यकर दशाओं का न्यायनिर्णयन और निर्मात के लिए काजु की गिरियों के प्रसंस्करण करने के लिए उपलब्ध न्यूनतम सुविधाएं भी उपयुक्ता का निर्धारण करने के लिए संभरक युनिटं/शाखा कारखाने ग्राभिकरण द्वारा मूल्यांकन किए जाने के ग्राधीन होंगे। संभरक यूनिट के पास नीचे विनिर्विष्ट न्यूनतम सुविधाएं होंगी:—
- 1.1 परिवेश और निर्माण:—— (1) यूनिटों का परिवेश प्रसंस्करणकर्ता के वस्तुगत नियंत्रण के ग्रधीन है ऐसा होगा, जिससे स्वच्छता संबंधी कोई समस्या नही होगी।
 - (2) भवन के शेड, संतोषजनक रुप से रखे जाएंगे।
- (3) कार्य करने वाले को संदुषण के किसी भी जोखिम से बचाने के लिए अच्छी दशा में रखा जाएगा।
- 1.2 प्रसंस्करण क्षेत्र: (1) कच्चा गिरो के गोादाम और प्रसंस्करण कक्ष इस प्रकार के होंगे िससे प्रभावणाली प्रति-पीडक के तथा पाडक हरण संक्रियाएं वृधियाएं दो जा सके
- (2) प्रसंस्करण कक्षों में कृतकों, पक्षियों तथा सजातियों का प्रवेश रोकने के लिए व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगो।
 - (3) सभी कार्यक्षेत्रों में अच्छी रोशनी होगी।
- (4) खाद्य उत्पादों के भंडा रक्तरण के लिए प्रयोग किए गए क्षेत्र या कक्ष तथा डिब्बे उनते पृथक और सुभिन्न होंगे, जो अखाद्य सामग्री के लिए प्रयोग किए जाते हैं।
- (5) सभी बर्तन, ट्रे, मेज की सतह, जी सामग्री के संपर्क में आती है प्रयोग से पूर्व, उसके परचास् और प्रयोग के अन्तरालों के दौरान जब भी आवस्यक हो, साफ़ की जाएंगी।
- 1.3 प्रसाधन भुविधाः (1) यूनिट में विधि के अधीन यथा अभेक्षित पर्याप्त प्रसाधन भुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। प्रसाधनों में साबुत तथा पर्याप्त पानं के प्रदाय का प्रबन्ध किया जाएगा।
- 1.4 कार्मिकों का स्वास्थ्य तथा स्वच्छताः (1) संयंत्र का प्रबंध मंडल यह सुनिधिचत करेगा कि किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसके बारे में यह जानकारों हो के वह संचारी रोण से पीड़ित हैं, यूनिट के किसी भी क्षेत्र में गर्य करने की अनुमति न की जाए।
- े (2) प्रसंस्करण क्षेत्र में कार्य शरने वाले सभी व्यक्ति कार्य करते सभय अपनी अस्पधिक सफ़ ई रखेंगे।
- (3) कार्यकर्ता प्रत्येक अनुपरिश्वति के पण्चात् प्रसंस्करण कक्ष में प्रवेण करने से पूर्व अपने हाथ धोर्येंगे।

- (4) प्रसंस्करण कक्षा में किता भी रूप में तंबाकू का चवाना, धूकता तथा प्रयोग प्रतिबिद्ध होणा।
- 1.5 परिवहन अविवादं: (1) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पूर्व प्रसंस्कृत तथा परिकृपित उत्पादों का पैक किए जाने वाले केन्द्रों में पालिथिन के स्तर वाले जंगरहित धातु के डिब्बों में परिवहन किया आता है।
- 1.6 निरोक्षण प्रक्रिया: (1) संभरक यूनिटौं के निर्धा-रण के प्रयोजन के लिए निर्धातकर्ता परिषद् द्वारा विहित प्रोफ़ामों में संभरक यूनिटों के ब्यौरे अभिकरण को लिखित रूप में देगा।
- (2) ऐसी सूचना प्राप्त होने पर आभकरण के अधिकारों यूनिट में प्रमंस्करण के लिए उपलब्ध स्वच्छता तथा स्वास्थ्यकर दशाओं और सुविधाओं का न्यायितर्गयन करने के लिए संभरण यूनिटों मे अधिं।
- (3) यदि यह पाया जाता है कि यूनिट में इन नियमों यथा विनिर्दिष्ट न्यूनतम सृविधाएं उपलब्ध हैं और स्वास्थ्य कर तथा स्वच्छता स्वाएं संतोषजनसा हैं और कोई संदूषण समस्या दिखाई नहीं देतो है नो अभिकरण यूनिट का अनुमोदन कर देना तथा निर्यात के लिए काजू की गिरियों का प्रसंस्करण करने के लिए उसे अनुजात कर देगा।
- (4) यादे यह पाया जाता है कि यूनिट में न्यूनतम स्व-व-छता संबंधो और स्वास्त्रयकर दशाएं नहीं हैं तो प्रसंस्करणकर्ता को उस यूनिट में नियति के लिए काजू को गिरियों का प्रसंस्करण करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएग।
- (5) वह यूनिट जिसका अनुमोदन नहीं किया गया है याजिसका अनुमोदन वापस ले लिया गया है दोशों का सुधार करने के पक्ष्यान् फिर से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए नए सिरे से आवेदन दे सकता है।
- (6) यदि किसी भी समय किसी भी कारण उत्पाद को विनिर्देशों के अनुरूप बनाने में कठिनाई आता है या यदि अभिकरण द्वारा ऐसा निर्देश दिया जाता है तो अभिकरण को सूचना देकर निर्यात के लिए उत्पाद को निर्वावित कर दिया जाएगा परन्तु अभिकरण दोषों का सुधार करने के लिए दो माह की सूचना अवाध देगा।
- (७) निर्यात के लिए प्रसंस्करण केवल तभी पुनः आरम्भ किया जाएगा जब अभिकरण का लिखित अनुमौदन कर दें।
- (8) भूनना, सुखानः, छिलका उतारना, श्रेणोकरण, भंडारकरण इत्यादि जैसी प्रसंस्करण प्रक्रिया यूनिट के अनुभवी कार्मिक के पर्यवेक्षणाधीम स्वास्थ्यकर दणाओं में की जाएगी।
- (9) प्रसंस्करण संक्रियाओं की, जब भी आवश्यक समझा जाए, अशिकरण के अधिकारो जांच करेंगे।
- 1.7 प्रसंस्करण: (1) यह सुनिम्चित किया जाएगा कि आवश्यक प्रतिपीडक तथा पीडकहरण उपाय कालिकतः तथा जब कभी अभिकरण के आधेकारियों द्वारा सुझाव दिया जाए किए जाते हैं।

- 2.0 पैक करने के केन्द्र: सामान्य: अभिकरण द्वारा अनुमोदित पैक किए जाने वाले केन्द्र ही निर्मात के लिए काजू की गिरियों को पैक करने के पात्र होंगे।
- 2.1 ऐसं अनुमोदित पैक किए जाने के केन्द्र केवल अनुमोदित सभरक यूनिटों से हो नियति के लिए पैक को जाने वाली गिरियां प्राप्त करेंगे अुमोदन प्राप्त करते के लिए बैंग करने वाले केन्द्र के पास नोवें विनिद्धिट न्यूनतम सुविवाएं होना चाहिएं।
- 2.2 परिवेश, संनिर्माण तथा अभिव्यासः (1) भवन स्थायी/अर्धस्थायो बनावट का होगा तथा अच्छा दशा में रखा आएगा।
- (2) उस परिसर के जो प्रहसंस्कारणकर्ता के वस्तुमल नियंत्रण के अधीन हैं आसपास किसो भी प्रकार का दलवल कूड़ें का ढेर या पशुप्रह नहीं होगा जो किसी भा प्रकार की सफ़ाई को समस्याओं को उत्पन्न कर सकता है।
- (3) काम करने वाले परिसरों को संदूषण के किती भी जीखिम से बचाने के लिए अच्छा दशा में रखा जाएगा।
- 2.3 प्रसंस्करण क्षेत्र: (1) प्रसंस्करण कक्षों में कीटाणुओं कृतंकों, पक्षियों तथा सभातियों के प्रवेश का निवारण करने के लिए उपाय किए जाएंगे।
 - (2) समी कार्य क्षेत्रों में अच्छो रोशनी होगा।
- (3) खाद्य उत्पादों के भंडारकरण के लिए प्रयोग किए गए क्षेत्र या कक्ष उनसे पृथक और मुभिन्न होंगे जो अबाद्य सामग्रो के लिए प्रयोग किए आते हैं।
- (4) प्रसंस्करण कियाओं के दोरान काम करने के क्षेत्र में से अविषाट सामग्री गंध्य हटाई जाएगी।
- (5) सभी वर्तन है स्था में ज की सतह जो बाजू की गिरी में के सपके में आती हैं प्रयोग के पूर्व पश्चात् और प्रयोग के अन्तरालों के दीरान, जब भी आवश्यकता हो साफ की जाएगी।
- (6) छेन्नों को भरने के लिए प्रयुक्त सभी छोटे पान जैसे ट्रे, बाउल और बर्तन लश्की के अतिरिक्त संभ्ररण सामग्री से बने होंगे तथा उनकी सतह दरारों से मुक्त होंगी।
- (7) प्रसंस्करण संक्रियाओं के दौरान काम करने के क्षेत्रों से अपिषठ सामगी शोध हटाई जाएगी।
- (8) पैकिंग भराई अनुभाग के प्रवेश पर हाथ धोते की सुविधा जैसे हाथ धोने केपान्न, तथा साबुन की सुविधा होंगी।
- 2.4 मणोलरी: (1) पैकिंग केन्द्र के पास 26 ऊंचाई के बैक्यूम की निफालने के योग्य एक विटापैक उपकरण काम करने को अच्छो दणा में होगा। वैक्यूमीकरण के दौरान डिब्बों में से निकालो गई वैक्यूम उपदिणित करने के लिए में जे के साथ विटापैक लगाया जाएगा।
- (2) पैकिंग केन्द्र से भराई अनुभाग में वादीय बाहरी पदार्थ पृथककर्ता (पो एस एम एस) का प्रबंध किया जाएगा जो गिरियों के साथ निद्यमान बाह्य पदार्थ को पृथक् करेगा। काजू की गिरियों को भरने का संपूर्ण कार्य केवल पो एस एम एस द्वारा किया जाएगा।

- (3) स्वास्थ्य दशाओं के अधीन रखे गए पैकिंग केन्द्रों में गिरियों को अनुकूल रखने के लिए आवश्यक शातलन सुविधाएं होंगी।
- 2.5 प्रसाधन सुविधाएं: (1) सफ़ाई संबंधी पर्याप्त प्रसाधन सुविधाओं का प्रबंध किया जाएगा। प्रसाधनों में साबुन तथा पर्याप्त पानी का प्रबंध किया जाएगा।
- 2.6 कर्मचारियों का स्वास्थ्य और स्वच्छता: (1) संयंत्र प्रबंध मंडल यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भो ऐसे व्यक्ति को जिसके बारे में यह जानकारो हो कि वह संवारा रोग से पीड़ित है यूनिट के किसी भी क्षेत्र में काम करने की अनुमति न दो जाये।
- (2) प्रसंस्करण क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी व्यक्ति कार्य करते अपनी अत्यधिक सफाई रखोंगे।
- (3) कार्यकर्ता प्रत्येक अनुपस्थिति के पश्चात् प्रसंस्करण कक्षा में प्रवेश करने से पूर्व अपने हाथ धोयेंगे।
- (4) प्रसंस्करण कक्ष में किसी भी रूप में तंब कु क चवाना, थुकना तथा उसका प्रयोग करना प्रतिषिद्ध होगा।
- (5) प्रसंस्करण कक्ष में खाना रखने वाले डिब्बे नहीं रखे जाएंगे।
- (6) प्रबंध मंडल भराई तथा पैकिंग अनुभागों में कार्य कर रहे कर्मचारियों को स्वच्छ एप्रेन तथा हैड गियर देगा।
- 2.7 पैक करने वाले केन्द्रों का अनुमोदन: (1) निर्यात करने के लिए काजू की गिरियों को पैक करने का इच्छुक प्रसंस्करणकर्ता अपने ऐसा करने के आशय की सूचना लिखित रूप में अभिकरण द्वारा विहित शोफार्मा में देगा।
- (2) ऐसी सूचना प्राप्त होने पर, अभिकरण के अधि-कारी पैकिंग युनिट में यह देखने के लिए जाएंगे कि युनिट में प्रसंस्करण के लिए सुविधाएं उपलब्ध है।
- (3) यदि यह पाया जाता है कि यूनिट में न्यूनतम विहित सुविद्याएं हैं तो युनिट को काजु की गिरियों को निर्यात के लिए पैक करने के लिए अनुमोदित कर दिया जाएगा।
- (4) यदि यह पाया जाता है कि यूनिट में न्युनयूतम विहित सुविधाएं नहीं हैं तो यूनिट को काजू की गिरियों की निर्यात के लिए पैक करने के लिए अनुमोदिस नहीं किया जाएगा।
- (5) किसी यूनिट को दिया गया अनुमोवन कम से कम दो मास की अवधि की सूचना देने के पश्चात् निम्नलिखित कारणों से वापिस ले लिया जाएगा:
 - (i) यदि उपस्कर तथा मशीनरी अच्छी काम करने की दशा में न हों;
 - (ii) यदि युनिट को स्वास्थ्यकर तथा सफाई संबंधी दशाएं संतोषजनक न हों;
- (iii) यदि संभरण यूनिट की स्वच्छता तथा स्वास्थ्यकर दशा संतोषजनक नहीं है तथा अभिकरण के अधिकारियों ने

- कीट कॉट विज्ञान सर्वेक्षण में कीट ग्रसन के मामलों को देखा है;
- (iv) यदि प्रसंस्करणकर्ता ने परिषद् द्वारा जारी किए गए नियमों के उपबंधों का अतिऋमण किया या जानबुझकर अतिऋमण करने का प्रयत्न किया हो।
- (6) प्रसंस्करणकर्ता को अनुमोदन के ऐसे वापस लेने के बारे में लिखित रूप में सूचना दी जाएगी।
- (7) जब विटा पैक मणीन काम करने की विहित दशा में न हो तो यूनिट में विटा पैक कार्य नही किया जाएगा।
- (8) यह यूनिट जिसका अनुमोदन वापिस ले लिय > गया है दोषों को सुधारने के पश्चात् फिर से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए नए सिरे से आवेदन पद्म देगा।
- (9) यदि किसी भी यूनिट को किसी भी समय किसी कारण से अपेक्षाओं की अनुरूपता बनाएं रखनें में कोई किट-नाई हो या अभिकरण द्वारा निर्देश दिया गया हो तो अभि-करण को यूचित करते हुए निर्यात के लिए उत्पादन निलंबित कर दिया जाएगा।
- (10) निर्यात के लिए प्रसंस्करण को केवल तभी पुनः आरम्भ किया जाएगा जब वह लिखित रूप में अभिकरण द्वारा अनुमोदित कर दिया जाएगा।
- 2.8 काजू की गिरियों की पैकिंग सथा भराई: (1) निर्यात के लिए काजु की गिरियों को पैक करने का इच्छुक निर्यातकर्ता उत्पाद के दौरान क्षां लिटी निर्मंबण के मापों के स्तरों का प्रयोग करते हुए इन नियमों में निर्विष्ट काजू की गिरियों की प्रक्रिया के पश्चात् उन्हें भारतीय मानक 916, (नवीनतम प्रति) के अनुरूप नए साफ सूखे और रिसन सह आधानों में पैक करेगा। प्रत्येक टिन भसी प्रकार से बंद किए जाएंगे। और ऐसी रीति से सीलबंद किए जाएंगे जो अभिकरण द्वारा समय-समय पर विनिदिष्ट की जाए।
- (2) दिन इसके पण्चात् श्रेणी का अभिधान, लेबलों से चिहित किया जाएगा तथा नालीदार तंतु बोर्ड के डिब्बों में पैक किया जाएगा। सीलबंद डिब्बों की पैकिंग के लिए प्रयुक्त नालीदार फाइबर बोर्ड वोहरी नालीदार फाइबर बोर्ड का होगा जो भा. मा. 2771, भाग-1 (नवीनतम प्रति) के अनुसार 25 कि. गा. तक भार के लिए उपयुक्त होगा।
- (3) श्रेणी अभिधान लेबलों की प्रयोग करने का इच्छुक निर्यातकर्ता ऐसे लेबलों की अपेक्षाओं की स्वीकृति अभिकरण के निकटतम कार्यालय से प्राप्त करेगा।
- (4) एक डिब्बे में केवल एक ही श्रेणी की काजूकी गिरियों को पैक किया जाएगा।
- 3. संयुक्त युनिट: (1) एक संयुक्त काजू की कारखाने में जिसमें निर्यात के लिए काजु की गिरियों का प्रसंस्करण करने तथा पैक करने की सुविधाएं हैं, अनुमोदन प्राप्त करने के लिए संभरक यूनिट तथा पैकिंग केन्द्र की निर्धारित सुविधाएं होनी चाहिए।

- 4. अभिलेखों का रखा जाना: (1) काजु की गिरियों के प्रसंस्करण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए प्रसंस्करणकर्ता संबंधित परिसरों पर आवश्यक अभिलेख/रजिस्टर रखेगा और ये अभिकरण के अधिकारियों को निरीक्षण के लिए जब भी अपेक्षित हो, उपलब्ध कराए जाएंगे।
- 5. निरीक्षण की प्रित्रया: (1) काजू की गिरियों के परेषण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ती इस निमित्त विहित प्रोफार्मा में अभिकरण को, लिखित रूप में मूचना देगा और ऐसी सूचना के साथ इस आशय का बोषणापत्र भी देगा कि काजू की गिरियों के परेषण का अभिकरण द्वारा इस संबंध में यथा विहित उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंतण उपायों के स्तरों को अपनाते हुए प्रसंस्करण किया गया है।
- (2) ऐसी सूचना लदाई के लिए प्रमाण-पत्न की प्राप्ति की अपेक्षित तारीख से कम से कम पांच कार्य दिवस (भूनी हुई या नमक लगी हुई काजू की गिरियों की दशा में 10 दिन) से पूर्व अभिकरण के कार्यालय को पहुंच जाएगी।
- (3) ऐसी सूचना प्राप्त होने पर अभिकरण सामान्यतः यथा अपेक्षित जांच नमूने लेगा और यदि अभिकरण का समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाला परेषण विनिर्दिष्ट हमानकों के अनुरूप है तो वह निर्यातकर्ता को यह घोषणा करते हुए की परेषण निर्यात करने योग्य है, प्रमाण-पस जारी करेगा।
- (4) जब अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है तो वह ऐसे प्रमाण-पत्न जारी करने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की जाने की सूचना उसके कारणों सहित लिखित रूप में निर्यातकर्ता को देगा।
- (5) निरीक्षण की प्रयोजन के लिए अभिकरण के अधिकारी को संयुक्त अभिलेखों और उन परिसरों तक पहुंच होगी जहां काजु की गिरियों का प्रसंस्करण, पैकिंग तथा भंडारकरण किया जाता है।
- (6) प्रभाणन के पश्चात् भी अभिकरण को परेषण की क्वालिटी भंडारकरण के किसी स्थान पर, अभिवहन के दौरान या पत्तनों पर उसके वस्तुतः लदान से पूर्व पुनः निर्धारित करने का अधिकार होगा।
- (7) यदि इन में से किसी भी प्रक्रम पर यह पाया जाता है कि परेषण मानक विनिर्देशों के अनुरूप नहीं है तो मूल रूप से जारी किया गया निरीक्षण प्रमाण-पत्न वापस ले लिया जाएगा:

[मि. सं. 6 (9)/83/ई आई एंड ई पी] सी बी. कुकरेती, संयुक्त निदेशक

पाद हिप्पण :

का. आ. 1022 और 1023 तारीख 26-3-1966 का. आ. 275 तारीख 28-1-1978

ORDER

New Delhi, the 6th July, 1985

S.O. 3091.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the, Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient to do for the development of the export trade of India that Cashew Kernels should be subjected to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1022 and 1023 dated 26th March, 1966, S.O. No. 275 and 276 dated the 28th January, 1978 relating to Cashew Kernels hereby publishes the said proposals for information of the public tikely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person who desires to make any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within 45 days of the date of publication of this Order in the Official Gazette to the Export Inspection Council of India, Pragati Tower 11th floor, Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

- (1) To notify that Cashew Kernels shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1985 as set out in Annexure: I and II to this Order as the type if quality control and inspection which shall be applied to such Cashew Kernels prior to their export;
- (3) To recognise the specifications as set out in the Schedule to this Order as the standard specifications for Cashew Keinels.
- (4) To prohib't the export, in the course of international trade of such Cashew Kernels unless the same are accompanied by a certificate issued by any of the Agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that such Cashew Kernels conforms to the standard specification and are exportworthy.
- 3. Nothing in this Order shall apply to the export of bonafide samples of Cashew Kernels by land, sea or air to prospective buyers provided that no such samples is in excess of f.o.b. value of Rs. 250.
- 4. Definitions—In this Order "Cashew Kernels" mean—all types of Cashew Kernels unsorched, scorched, wholes, pieces, roasted and salted kernels.

SCHEDULE

Specification for cashew kernels

- 1. General Characteristics: Cashew Kernels shall have been obtained through roasting shelling and peeling cashew nuts (Anacardiumoccidentale Linnaeus)
- 2. Special Characteristics:

A. Cashew Kernels-White wholes

Grade Designa- nation	Trade Name	Colour/Characteristics	Count/454 gm. Size description	Max. Moisture %	Broken Max. %	NLSG/ NLG Max. %	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
W-180	White Wholes	White pale ivory/light ash characteristic shape.	120–180	5	5	5 (NLSG & SW together)	Kernels shall becomplete- ly free from infestation insect damage, mould, rancidity adhering testa
W-210	-do-	-do-	200-210	,,	**	-,,	objectionable extraneous
W-240	-do-	-do-	220-240	••	,,		matter. Scraped and
W-280	-do-	-do-	260-280		,,	**	partially shrivelled ker-
W-320	-do-	-do-	300-320	"	,,	,,	nels also permitted
W-400	-do-	-do-	350-400	,,		,,	provided such scraping/
W-450	-do-	-do-	400-450	23	 »1	"	shrivelling does not affect the characteistic shape of the kernel.
W-500	-do-	-do-	450–500	**	"	**	-do-
		I	3. Scorched Cashew	Kernels—Whole	98		
1	2	3	4	5	6	7	8
sw	Scorched Wholes	Kernels may be scorched/ slightly darkened due to over-heating while roast- ing or drying in drier/ borma.	-	5	5	5 (NLSG & SSW together)	Kernels shall be completely free from infestation, insect damage mould, rancidity, adhering testa and objectionable extranesous matter. Scraped and partially shrivelled kernels also permitted provided such scraping/shrivelling does not affect the characteristic shape of the kernel.
SW-180	-do-	-do-	170-180	,,	,,	,,	-do-
SW-210	-do-	-do-	200-210	,,	,,	,,	-do-
SW-240	-do-	-do-	220-240	,,	"	,,	-do-
SW-280	-do-	-do-	260-280	, ,	"	,,	-do-
SW-320	-do-	-do-	300-320	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	,,	,,	-do-
SW-400	-do-	-do-	350-400	11	11	31	-do-
SW-450	-do-	-do-	400-450	••			-do-
SW-500	-do-	-do-	450-500	"	,,	,,	-do -
		1	C. Desert Cashew	Kernels-Whol	es		•
SSW	Scorched	Kernels may be over	_	` 5	5	5	Kernels shall be com-
	Wholes Seconds	scorched, immature, shrivelled (Pirival) speckled (Karaniram) discoloured and light blue.				(DW)	pletely free frm infesta- tion, insect damage, mould rancidity, adher- ing testa & objectionable extraneous matter.
DW	Desert Wholes	Kernels may be deep scorched deep brown, deep blue, speckled discoloured and black spotted		,,,	"	21	-do-

1	2	3	4	5	5	6	8
В	Butts	White/pale ivory or light ash. Kernels broken cross-wise (evenly or unevenly) & naturally attached.		5	5	5 (SB)	Kernels shall be completely free from infestation, insect damage, mould, rancidity, adhering testa & objectionable extraneous matter. Scraped and partially shrivelled kernels also permitted provided such scraping/shrivelling does not affect the characteristic shape of the kernel.
S	Splits .	White/pale ivory or light ash, kernels, split naturally lengthwise.	_	5	5	5 (SS)	-do-
LWP	Large White Picces	White/pale ivory or light ash.	Kernels broken into more than two pieces and not passing through 4 mesh/ 16 SWG sieve/4.75 mm. I.S. Sieve.	5	_	5 (SP & SWP togethzr)	-do-
SWP	Small White Pieces	-do-	Broken kernels smaller than those described on LWP but not passing through 6 mesh 20 SWG Sieve/2.80 mm. I.S. Sieve.	5	~	5 (SSP & BB together).	∙do-
BB	Baby Bits	White/pale ivory or light ash.	Plumuces and broken kernels smaller than those described as SWP but not passing through a 10 resh 24 SWG Sieve/ 1.70 mm I.S. Sieve. E. Cashew Kerels—Scorch	5 ad Pieces	-	1 (Cashew Poweder)	Kernels shall be com- pletely free from infesta- tior, Irsect damage, mould, rancidity, adher- ing testa and objection able extraneous matter
SB	Scorched Butts	Kernels broken crosswise (evenly or unevenly and naturally attached. Kernels, may be scorched, slightly darkened due to over heating while roasting or drying in the drier/broma.	_	5	5	5 (DB)	Kernels shall be completely free from infestation, insect damage, mould, rancidity, adhering testa and objectionable extraneous matter. Scrapped and partially shrivelled kernels also permitted provided such scraping/shrivelling does not affect the characteristic shape of the kernel.
SS -	Scorched Splits	Kernels split naturally lengtheise, mernels may be scorched/slightly dar- kened due to over heating while roasting or drying indrier/borma.		5	5	5 (DS)	-do
SP	Scorched Pieces	Kernels may be scorched/ slightly darkened due to over-heating while roast- ing or drying in drier/ lorma	through a 4 mesh. 16 SWG Sieve 4.75 mm I.S.	5	-	5 (SPS & SSP together	-do-
SSP	Scorched Small Pieces	-do-	Pieces smaller than SP but not passing through a 6 mesh/20 SWG Sieve 2.80 mm. I.S. Sieve.	5	<u></u> -	,5 (DSP)	-do-

		at a second of	F: Cashew Kernel	s (Dosert	s Pieces)		
1	2	3	4	5	6	7	8
SPS	Scorched Pieces Seconds	Kernels may be over- scorched immature, shri- velled (Pirival) speckled (Karaniram) discoloured and light blue.	Kernels broken into pieces but not passing through a 4 mesh/16 SWG Sieve/together 4.75 mm. I-S. Sieve.	5		5 (DP & DSP	Kernels shall be completely free from infesta- tion, insect damage, mould, rancidity, adher- ing testa and objection- able extraneous matter.
DP	Desert Pieces	Kernels may be deep scorched, deep brown, deep blue, speckled, dis- coloured and black spot- ted.	-do-	5	_	5 (D\$P)	-do-
DSP	Desert Small Pieces	-do-	Kernels broken into pieces but not passing through 6 mesh 20 SWG 2.80 mm. I.S. Sieve.	5	_	2 (Smaller) pieces)	-do-
DB	Desert Butts	Kernels broken crosswise (evenly and unevenly) naturally attached, ker- nels may be deep scorch- ed, speckled, deep brown, discoloured and deep blue & black spotted.		5	5	5 (DP & DSP together)	-do-
D S	Desert splits	Kernels split naturally lengthwise kernels may be deep scorched, deep brown, deep blue, spec- kled, discoloured & black spotted.	-	5	5	5 (DP & DSP together)	•do-

NLG denotes: Next Lower Grade. NLSG denotes: Next Lower Size Grade.

G. SPECIFICATIONS FOR ROASTED & SALTED

CASHEW KERNELS

G.1 Raw Materials:

- G.1.1 Cashew Kernels, which shall include scorehed, unscorched whole or pieces shall be used for roasting and salting.
- G.1.2 They shall be completely free from insect infestation of any kind, fungal growth, rancidity and the presence of testa.

G.2 Preparation:

- G.2.1 Roasted and Salted Cashew Kernels shall be prepared by roasting the Cashew Kernels in any of the recognised cooking media and salting, or through the dry roasting and salting process.
- G.2.2 The cooking utensils used shall be of stainless steel.
- G.3 Product requirements:
- G.3.1 The grade designations as stipulated in the contract between the buyer and the seller shall be allowed unless they make any misrepresentation of the facts.
- G.3.2 The kernels, after the prepartion through roasting and saltnig, on chemical analysis shall be within the acceptance levels shown below:
 - Free fatty acid—0.4% (As oleic) on the weight of extracted fat.
 - Peroxide value—2 meg/0.02 kg. of extracted fat.
 The method of estimation of free fatty acid and peroxide value in roasted and salted Cashew Kernels shall be as per the method of determination given in the Appendix.
- G.3.3 Preservative and flavouring agents shall be permitted as admissible under the prevention of Food Adultration Act, 1954.

G.4 Packing:

- G.4.1 The roasted and salted Cashew Kernels shall be packed in consumer containers of the size and other requirements as may be specified by the buyer.
- G.4.2 The Kernels may also be foil packed if required in the contract.
- G.4.3 The containers shall be new, clean and free from rusting or any kind of damage.
- G.4.4 The kernels shall be packed in the containers undervacuum or in the medium of inert sas.
- G.4.5 The containers shall be packed in cardboard cartons or disinfected wooden cases according to the packing requirements of the buyer.
 - G.4.6 Each carton or case shall be marked to show :--
 - (a) name of the product
 - (b) name of the manufacturer
 - (c) Shipping mark
 - (d) not and gross weight in Kgs.

G 5 Scaling:

().5.1 Each consignment after packing shall be suitably sealed as may be specified by the Council.

Draft rules proposed to be made und x section 17 of Export (Quality Control and Inspection) Act. 1963 (22 of 1963) in Supersession of the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1966 and 1978.

1. Short title and commencement,—(1) These rules may be salled the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1985;

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,
 - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 - (b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
 - (c) "Agency" means any one of the Agencies established under section 7 of the Act at Bombay Calcutta, Cochin, Delhi and Madras;
 - (d) "Cashew Kernels" mean all types of Cashew Kernels scorched, unscorched, wholes, pieces, roasted and salted kernels.
- 3. Quality Control and Inspection.—The inspection of Cashew Kernels intended for export shall be carried out with a view to ensure that Cashew Kernels conform to the standard specifications recognised under section 6 of the Act, either,
 - (a) on the basis of inspection and testing of finished products as per specifications recognised for this purpose by adopting the procedure specified in Annexure-I.

Δt

(b) by ensuring that the product has been processed by exercising the controls at different stages of processing by following the levels of controls as specified in Amexure-II.

4. Inspection Fee.: A fee at the rate of eighty paise for one tin of 11.34 kgs. of Cashew Kernels or part thereof for adopting the procedure specified in Annexure-I and a fee at the rate of fifty paise for one tin of 11.34 kgs. of Cashew Kernels for adopting the procedure specified in Annexure-II shall be charged.

In the case of Roasted and Salted Cashew Keinels a fee at the rate if fifty paise for every Rs. 100 f.o.b. value or part thereof shall be charged subject to a minimum inspection fee of Rs. 50 for every consignment, under these rules.

- 5. Appeal—(a) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to accord approval for his unit under Clause 2.7.4 and 2.7.5 of Annexure-II or to issue a certificate of exportworthiness under sub-rue (4) of rule 5 of Annxure-II or sub-rule 5 of rule 2 of Annexure-I may within fifteen days of receipt of the communication of such refusal by it, prefer an appeal to the Convenor of the concerned Panel of Experts consisting of not less than three, but not more than seven numbers, appointed for the purpose by the Central Government.
- (b) At least two-thirds of the total membership of the Panel of Experts shall consist of trade members.
 - (2) The quorum of the Panel shall be three.
- by (d) The appeal shall be disposed of within 15 days of proits receipt.

 SCHEDULE

Specification for Cashew Kernels

- 1. General Characteristics: Cashew kernels shall have been obtained through roasting shelling and peeling cashew nuts (Anacardium occidentale Linnaeus)
- 2. Special Characteristics :

A. CASHEW KERNELS--WHITE WHOLES

Grade designation	Trade Name	Colour/Characteristics	Count/454 gm. Size description	Max. Moisture	Broken Max.	NLSG/ NLG Max.%	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
W-180	White Wholes	White pale ivory/light ash characteristics shape	120–180	5	5	5 (NLSG & SW together)	Kernels shall be comple- tely free from infesta- tion, insect damage,
W-210	^ -do-	-do-	200-210			_ •	mould, rancidity adhe-
W-240	-do-	-do-	220–240	"	31 21	"	ring testa objectionable extraneous matter.
W-280	-do-	-do-	260-280				Scraped and partially
W-320	-co-	-do-	300-320	,,	"	**	shrivelled kernels also
W-400	-do-	-do-	350-400	"		"	permitted provided
				"	**	"	such scraping/shrivell-
W-450	-do-	-do-	400-450	,,	1)	73	ing does not affect the
W-500	-do-	-do-	450-500	**	"	••	characteristics shape of the kernel.
		B. SCOR	CHED CASHE W K	ERNELS-	-WHO	LES	
SW	Scorched Wholes	Kernels may be scorched slightley darkened due to over-heating while roasting or drying in drier/borma		5	5	5 (NLSG & SSW together)	Kernels shall be completely free from infestation, insect damage, mould, rancidity, adhering testa and objection able extraneous matter. Scraped and partially shrivelled kernels also permitted provided such scraping shrivelling does not affect the characteristic shape of the kernel.
SW-180	-do- -do-	-do- -do-	170-180 200-210	"	,,	**	-do-
SW-210 SW-240	-do-	-do-	220-240	,,	**	**	-do- -do-
SW-280	-do-	-do-	260-280	"	") ·	-do-
SW-320	-do-	-do-	300-320	"	"	"	-do-
SW-400	-do-	-do-	350-400	n	**	31	-do-
SW-450	-do-	-do-	400-450	19	**	1)	-do-
SW-500	-do-	-do-	450-500	99	19		do-

	2	3	4	5	6	7	8
1			<u></u>				
		C. DESSERT CA	SHEW KERNELS—	WHOLES	\$		
SSW	Wholes Second	Kernels may be over- scorched, immature, shrivelled (Pirival) speckled (Karaniram) discoloured & light blue.	_	5	5	5 (DW)	Kernels shall be comple- tely free from infesta- tion, insect damage- mould, rancidity, adhe- ring testa & objectio- nable extraneous matter.
οw	Dessert Wholes	Kernels may be deep scorched deep brown, deep blue, speckled, discoloured & black spotted.	_	5	5		-do-
		D. CASHEV	V KERNELS (WHIT	e piece	S)		
В	Butts	White/pale ivory or light ash. Kernels broken crosswise (evenly or unevenly) & naturally attached.	_	5	5	5 (SB)	Kernels shall be completely free from infestation, insect damage, mould, rancidity, adhering testa & objectionable extraneous matter. Scraped and partially shrivelled kernels also permitted provided such scraping/shrivelling does not affect the characteristics shap of the kernel-
S	Splits	White/pale ivory or light ash, kernels, split naturally lengthwise.		5	5	5 (SS)	-do-
LWP	Large White Pieces	White/plae ivory or light ash.	Kernels broken into more than two pleces and not pass- ing through 4 mesh/ 16SWG Sieve/4.75 mm I.S. Sieve.	5	-	(SP & SWP together)	-do-
SWP	Small White Pieces	-do-	Broken kernels smaller than those described on LWP but not passing through 6 mesh 20 SWG sieve/2.80mm. I.S. Sieve.	5	_	(SSP & BB together)	-do-
BB	Baby Bits	-do-	Plumules and broker kernels smaller than those described as SWP but not pass- ing through a 10 mesh 24 SWG sieve 1.70 mm I.S. Sieve	5	_	(Cashew Powder)	Kernels shall be completely free from infestition, insect damagemould, rancidity, adhering testa objectionab extraneous matter.
		E. CASHEW K	ERNELS-SCORCHI	ED PIEC	ES		
SB	Scorched Butts	Kernels broken crosswise (evenly or unevenly) and naturally attached. Ker- nels may be scorched/		5	5	5 (DB)	Kernels shall be completely free from infestition, insect damage mould, rancidity, adh

SS SP	Scorched Splits Scorched Pieces	slightly darkened due to over-heating while roasting or drying in the drier/borma Kernels split naturally lengthwise, kernels may be scorched/slightly darkened due to over-heating while roasting or drying in drier/borma Kernels may be scorched/		. 5	5	5 (DS)	ring testa & objectionable extraneous matter Scraped & partially shrivelled kernels also permitted provided such scraping/shrivelling does not affect the characteristics shape of the kernel.
	Splits Scorched	lengthwise, kernels may be scorched/slightly dar- kened due to over-heat- ing while roasting or dry- ing in drier/borma Kernels may be scorched/		5	5		-do-
SP							
		slightly darkened due to over-heating while roas- ting or drying in drier/ borma.	Pieces not passing through a 4 mesh 16 SWG Sieve 4.75 mm I.S. Sieve	5		5 (SPS & SSP (together)	-do-
SSP	Scorched Small Pieces	-do-	Pieces smaller than SP but not passing through a 6 mesh/ 20SWG Sieve 2.80 mm. I.S. Sieve.	5	-	5 (DSP)	-do-
		F. CASHE	W KERNELS (DESSE	RT PII	ECES)		
SPS	Scorched Pieces Seconds	Kernels may be over scorched, immature shri- velled (Pirival) speckled (Karaniram) discoloured and light blue.	Kernels broken in- to pieces but not passing through a 4 mesh/16 SWG Sieve/ 4.75mm I.S. Sieve	5	~	5 (DP & DSP together)	Kernels shall be comple- tely free from infesta- tion, insect damage, mould, rancidity, adhe- ring testa & objectio- nable extraneous matter
DΡ	Dessert Pieces	Kernels may be deep scorched deep brown, deep blue, speckled dis- coloured & black spotted	-do-	5	(DSP)	5	-do-
201	Dessert Small Pieces		Kernels broken into pieces but not pass- ing through 6 mesh 20 SWG 2.80mm. I.S. Sieve	5	 -	2 (smaller pieces)	-do-
	Dessert Butts	Kernels broken crosswise (Evenly & unevenly) na- turally attached, Kernels may be deep scorched speckled, deep brown, discoloured and deep blue and black spotted.	_	5	-	5 DP&DSP) together)	- do-
	Dessert Splits	Kernels split naturally length-wise kernels may be deep scorched deep brown, deep blue, speckled, discoloured and black spotted.	-	5	5	5 (DP&DSP together)	-do-

G. SPECIFICATIONS FOR ROASTED & SALTED CASHEW KERNELS

G.1 Raw Materials :

- G.1.1 Cashew Kernels, which shall include scorched, unscorched whole or pieces shall be used for roasting and salting.
- G.1.2 They shall be completely free from insete infestation of any kind, fungal growth, rancidity and the presence of testa.

U.L Preparation:

- G.2.1 Roasted and Salted Cashew Kernels shall be prepared by roasting the Cashew Kernels in any of the recognised cooking media and salting, or through the dry roasting and salting process.
- G.2.2 The cooking utensils used shall be of stainless steel.
 G.3 Product Requirements:
- G.3.1 The grade designations as stipulated in the contract between the buyer and the seller shall be allowed unless they make any misrepresentation of the facts.
- G.3.2 The kernels, after the preparation through roasting and salting, on chemical analysis shall be within the acceptance levels shown below:—
 - Free fatty acid—0.4 per cent (As oleic) on the weight of extracted fat.
- 2. Peroxide value—2 meg|0.02 kg. of extract fact.

 The method of estimation of free fatty acid and peroxide value in roasted and salted Cashiew Kernels shall be as per the method of determination given in the Appendix.
- G.3.3 Preservatives and flavouring agents shall be permitted as admissible under the prevention of Food Adulteration Act, 1954.

G.4 Packing:

- G.4.1 The roasted and salted Cashew Kernels shall be packed in consumer containers of the size and other requirements as may be specified by the buyer.
- G.4.2 The kernels may also be foil packed if required in the contract.
- G.4.3 The containers shall be new, clean and free from rusting or any kind of damage.
- G.4.4 The kernels shall be packed in the containers under vacuum or in the medium of inert gas.
- G.4.5 The containers shall be packed in cardboard eartons or disinfected wooden cases according to the packing requirements of the buyer.
 - G.4.6 Each carton or case shall be marked to show :-
 - (a) name of the product
 - (b) name of the manufacturer
 - (c) shipping mark
 - (d) net and gross weight in kgs.

G.5 Sealing:

G.5.1 Each consignment after packing shall be suitably scaled as may be specified by the Council.

APPENDIX

1. Procedure for estimation of peroxide value in Roasted and Salted Cashew Kernels—Weight 50 gms. of Cashew Kernels and nowder in a Grinder.

Take the powdered material in 250 ml. stoppered conical flask and add 150 ml. of chloroform, keep the flask in shaker over night. Next day the slurry is filtered in a Buchaner flask under suction. The residue again mixed with 100 ml. of chloroform and kept in a shaker for two hours and filtered. The volume of the combined chloroform extracts is then made upto 250 ml.

10 ml. each of the extracts or suitable aliquot portion containing about 0.5 gm. fat is pipetted out into two previously dried and weighted smaller beakers (25 ml. capacity, chloroform is evaporated off by keeping the dishes on water bath. Then the dishes are transferred to a vacuum oven main-

tained at 70 C. Evaporation under vacuum is carried out for one hour. Dishes are taken out, cooled in a despicator and weighed. The dishes are again kept in the oven for 30 minutes, then taken out cooked and weighed. This process is repeated until the difference between the two consecutives weighings is not more than 5 mg.

Aliquot of the choloroform extract containing about 4 gm. of fat is taken in a 500 ml. stoppered conical flask and required quantity of glacial acetic acid is added to get 1: 2 ratio of chloroform acetic acid 0.5 ml. of saturated potassium iodide solution is pipetted out into this and the solution is allowed to stand with occasional shaking for exactly 1 minute and then 50 ml. distilled water is added. Titrate this with 0.1 N. Sodium thiosulphate adding it gradually and with constant and vigorous shaking. Titration is continued until the yellow colour has almost disappeared, 0.5 ml. of 1% starch indicator is added and the titration continued until the blue colour just disappears.

NOTE

- (1) Conduct blank determination of the reagent daily Blank titration should not exceed 0.1 ml. of 0.1 N. Sodium Thiosulphate.
- (2) If the colour of the solution is light yellow before the start of titration, starch indicator may be added at that stage.
- (3) If the titration is less than 0.5 ml, of 0.1 N. Sodium Thiosulphate solution, repeat the determination using 0.01 N. Sodium Thiosulphate solution.

The peroxide value may be calculated as under:

Peroxide value as milli equivalents of peroxide per 1000 g

where A = Titration of samples

B - Blank

N = normality of thiosulphate

W = weight of fat taken for test.

2. Procedure for estimation of Free Fatty Acid.—An aliquot of the chloroform containing about 5 gm. of fat is taken in a weighed conical flask, Chloroform is evaporated off on a water bath. Traces of chloroform is removed under vacuum in the vacuum oven, Flask is weighed with chloroform free fat.

Absolute alchohol (Distilled) is neutralised with dilute sodium hydroxide solution using phenolphthalein as indiator. To the fat 50 ml. of hot, neutralised alchohol is added and the flask is shaken well. Titrate with 0.1 N. Sodium Hydroxide till a pink colour which is stable for 30 seconds appeared.

NOTE: If the titration is less tha 0.5 ml. of 0.1 N. Sodium Hydroxide solution, repeat the determination using 0.02 N. Sodium Hydroxide solution.

The free fatty acid may be calculated as under:

Free fatty acid as oleic, percentage $= A \times N \times 28.2$

W

Where A=ml. of the sodium hydroxide solution

N=normality of the sodium hydroxide solution and

V=Weight in gms. of fat taken for test.

ANNEXURE I

PROCEDURE FOR CONSIGNMENTWISE INSPECTION

- 1. Basis of inspection:—(1) Inspection of Cashew Kernels shall be carried out with a view to steing that the same conforms to the specification recognised by the Central Government under Section 5 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) and that the proper grade designation lebel has been affixed.
- (2) Any person desiring to export cashew kernels shall prepare a consignment of cashew kernels by roastnig, peeling, drying and grading in hygienic premises so as to make the

consignment conform to any one of the recognised grade specifications.

- (3) After preparing the cashew kernels in the manner specified in sub-rule (2) above, the exporter shall pack the same in new, clean, dry and leak-proof tin container conforming to I.S. 916 (latest version). Each tin shall be securely closed and sealed in such manner as may be specified by the Agency from time to time.
- (4) The tin shall thereafter be marked with grade designation label and packed in corrugated fibre board cartons. The corrugated fibre board used for packing sealed tins shall be of double wall corrugated fibre board suitable for a mass content of 25 kgs. as per IS: 2771 Part I (latest version).
- (5) Exporters intending to use grade designation labels shall obtain their requirements of such labels from the nearest office of the Agency.
- (6) Cashew kernels of only one grade shall be packed in a carton.
- 2. Procedure for inspection .—(1) Any exporter intending to export Cashew Kernels shall submit an application to the Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.
- (2) An application under sub-rule (1) shall be made out not less than seven days (15 days in the case of Roasted & Salted Cashew Kernels) before the date of commencement of loading for export.
- (3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2) the Agency shall inspect the consignment of Cashew Kernels as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfying itself that the consignment has been graded, labelled and packed in accordance with the rules referred to in rule 1.1 above. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.
- (4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Cashew Kernels to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in Rule 1, it shall, within seven days (15 days in the case of Roasted and Salted Cashew Kernels) of the receipt of intimation, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.
- (5) When the Agency is not so satisfied it shall, within the said period of seven days (15 days in the case of Reasted and Salted Cashew Kernels) refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons therefor.
- (6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place of storage, in transit, or at the ports before its actual shipment:
- (7) In the event of the consignment being found not conforming to the Standard Specifications at any of these stapes, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.
- 3. Place of Inspection.—Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provide adequate facilities exist therein for inspection.

ANNEXURE II

CONTROL LEVELS FOR INPROCESS QUALITY CONTROL TO BE ADDOPTED BY THE

PROCESSING UNITS

Quality Control.—Only processing units, approved by the Agency shall be eligible for processing Cashew Kernels for export and submit to qualify for such approval, shall have the following minimum facilities:—

1. Feeder Units:

General: Only feeder units approved by the Agency shall process raw cashewnuts for export. In order to adjudge the sanitary and bygienic conditions with special reference to entomological aspects prevailing in the unit and assess the adequacy of the minimum facilities available to process Cashew Keinels for export, the feeder units branch factories shall be subjected to an evaluation by the Agency. A feeder unit shall have the minimum facilities as specified below:—

1.1 Surroundings and construction:

- (1) The surroundings of units, which are under the physical control of the processor, shall be such as not to pose any sanitary problems.
- (2) The building shed shall be maintained satisfactorily.
 (3) The Working rooms shall be maintained in good repair to prevent any risk of infestation.

1.2 Processing Areas:

- (1) The rawnut godowns and the processing rooms shall be such as to permit effective anti-infestation, and dis-infestation operation.
- (2) Arrangements shall be available to prevent entry of rodents, birds and the like into the processing room.
- (3) All the working areas shall be well lighted.
- (4) Areas or compartments and the containers used for the storage of edible products shall be separated and distinct from those used for inedible materials.
- (5) All the utensile, trays and table surface which come into contact with the material shall be cleaned before, after and during intervals of use as often as necessary.

1.3 Toilet Facility:

Adequate toilet facilities as required under the law shall be provided in the unit, Soap, plentiful supply of water shall be provided at the toilet.

1.4 Personnel health and hygiene:

- (1) Plant management shall take care to ensure that no person while known to be affected with a communicable disease is permitted to work in any area of the unit.
- (2) All persons working in the processing areas shall maintain a high degree of personal cleanliness while on duty.
- (3) The workers shall wash their hands before entering the processing room after each absence.
- (4) Chewing, spitting and use of tobacco in any form shall be prohibited in the processing rooms.

1.5 Transportation facilities:

It shall be ensured that pre-processed and finished products are transported to the packing centres only in polythene lam nated/non-rusting metalic containers.

1.6 Procedure of inspection:

- For the purpose of assessment of feeder units, the exporter shall inform the Agency in writing. in the proforma prescribed by the Council, the details of the feeder units.
- (2) On receipt of such information, the Agency Officers shall visit the feeder units in order to adjudge the sanitary and hydenic conditions and facilities for processing available in the unit.
- (3) If the unit is found to have the minimum facilities as specified in these rules and the hydienic and sanitary conditions are satisfactory and no infestation problems noticed, the Agency shall approve the unit and permit it to carry out processing of Cashew Kernels for export.

- (4) If the unit is found not to have the minimum sanitary and hygienic conditions, the processor shall not be allowed to process Cashew Kernels for export in that unit.
- (5) A unit which is not approved or whose approval has been withdrawn may after rectifying the defects, make fresh application to the Agency for getting fresh approval.
- (6) If, at any time, there is any difficulty in maintaining, the conformity of the product to the specifications for any reason or is so directed by the Agency, Production for export shall be suspended under intimation to the Agency provided, however, that the Agency shall give a notice period of 2 months for recaffication of defects.
- (7) The processing for export shall be resumed only after the same is approved by the Agency in writing.
- (8) The processing operations such as roasting, drying, peeling, grading, storage etc, shall be carried out in hygienic conditions under the supervision of experienced personnel of the unit.
- (9) The processing operations shall be subjected to check
 by the Agency officers as often as found necessary.
 1.7 Processing:

It shall be ensured that necessary anti-infestation and dis-infestation measured are carried out periodically and as and when suggested by the Agency Officers.

2.0 Packing Centre:

General: Only packing centres approved by the Agency shall be eligible for packing Cashew Kernels for export.

2.1 Such approved packing centres shall obtain kernals for packing for export from approved feeder units only. A packing centre to qualify for approval shall have minimum facilities as specified below:

2.2 Surroundings, constructions and layout:

- (1) The buildings shall be of permanent|semi-permanent construction and kept in good repair.
- (2) The surroundings which are under the physical control of the processor shall not have any swamps. dumps or animal housing nearby which might pose any sanitary problems.
- (3) The working premises shall be kept in good repair to prevent any risk of infestation.

2.3 Processing areas:

- Measures shall be adopted to protect against entry of insects rodents, birds and the like into the processing rooms.
- (2) All the working areas shall be well lighted.
- (3) Areas or compartments used for the storage of edible products shall be separate and distinct from those used for inedible materials.
- (4) Waste material shall be frequently removed from the working areas during processing operations.
- (5) All the utensils, trays and table surface which come in contact with Cashew Kernels shall be cleaned before, after and during intervals of use as often as necessary.
- (6) All small receptables like trays, bowls and utensils used in filling areas shall be of non-corrodible materials other than wood, and shall also have smooth surface from crevices.
- (7) Rejected materials shall be frequently removed from the working areas during processing operations.
- (8) Hand washing facility such as wash basin and soap shall be provided at the entrance to the packing filling section.

2.4 Machinery:

- (1) The packing centre shall have a vitapack equipment in good working condition capable of drawing a vacuum of 26" Hg, the vitapack shall be fitted with a gauge to indicate the vacuum drawn from the tins during vacuumisation.
- (2) The packing centre shall be provided with a pneumatic foreign matter Segregator (PFMS) in the filling section to segregate any foreign matter that may be present with the kernels. The entire filling operations of Cashew Kernels shall be done only through PFMS.
- (3) The packing centre shall have necessary cooling facilities for conditioning the kernels, maintained under hygienic conditions.

2.5 Toilet Facility:

(1) Adequate toilet facilities of sanitary type shall be provided. Soap and plentiful supply of water shall be provided at the toilets.

2.6 Personal Health and Hygiene :

- (1) Flent management shall take care to ensure that no person while known to be affected with a communicable disease is permitted to work in any area of the unit.
- (2) All persons working in the processing area shall maintain a high degree of personal cleanliness while on duty.
- (3) The workers shall wash their hands before entering the processing rooms after each absence.
- (4) Chewing, spitting and use of tobacco in any form shall be prohibited in the processing rooms.
- (5) Lunch boxes shall not be kept in the processing rooms.
- (6) The management shall provide clean aprons and head gears to the employees working in the filling and packing section.

2.7 Approval of packing centre:

- (1) A processor intending to pack Cashew Kernels for export shall inform his intention to do so in writing in the proforma prescribed by the Agency in this behalf.
- (2) On receipt of such information, the Agency officers shall visit the packing unit in order to adjudge the facilities for processing available in the unit.
- (3) If the unit is found to have the minimum prescribed facilities, the unit shall be approved to pack Cashew Kernels for export.
- (4) If the unit is found not to have the minimum prescribed facilities the unit shall not be approved to pack Cashew Kernels for export.
- (5) The approval so accorded shall be withdrawn in respect of a unit for the following reasons, after giving a notice of minimum period of two months:—
 - (i) If the equipments and machinery are not in good working condition;
- (ii) If the sanitary and hygienic conditions of the unit are not satisfactory;
- (iii) If the sanitary and hygieme conditions of the feeder unit are not satisfactory and cases of infestation have been reported in the entomological survey by the Agency officers.
- (iv) If the processor has violated or deliberately attempted to violate the provisions of the rules issued by the Coucnil.
- (6) Such withdrawal of approval shall be intimated in writing to the processor.
- (7) No vitapacking work shall be undertaken in the unit, when the vitapack machine is not in the prescribed working condition.

- (8) A unit whose approval has been withdrawn, may, after rectifying the defects, make a fresh application to the Agency for obtaining fresh approval.
- (9) If at any time, there is any difficulty for a uni. in maintaining the conformity to the requirements for any reasons or if directed by the Agency, production for export shall be suspended under intimation to the Agency.
- (10) The processing for export shall be resumed only after the same is approved by the Agency in writing:—
- 2.8 Filling and Packing of Cashew Kernels.—(1) An exporter intending to pack Cashew Kernels for export shall after preparing the Cashew Kernels in the behalf specified in these rules exercising the levels of in-process quality control measures shalf pack the same in new, clean, dry and leak-proof tin containers conforming to IS:916 (Latest version). Each tin shall be securely closed and sealed in such manner as may be specified by the Agency from time to time.
 - (2) The tins shall thereafter, be marked with grade designation labels and packed in corrugated fibre board cartons. The corrugated fibre board used for packing seafed tins shall be of double wall corrugated fibre board suitable for a mass content of 25 kg. as per IS:2771 Part-I (Latest version).
 - (3) Exporters intending to use grade designation labels shall obtain their requirements of such labels from the nearest office of the Agency.
 - (4) Cashew Kernels of only one grade shall be packed in a carton.
- 3. Composite Unit.—(1) A composite Cashew factory have facilities for both processing and packing of facilities of the feeder unit and the packing centre to be eligible for approval. For such units a composite approval will be sufficient.
- 4. Maintenance of records.—(1) Necessary records/registers shall be maintained by the processor at the respective premises in order to ensure effective control of the processing of Cashew Kernels and these shall be made available to the Agency officers for inspection as and when required.
- 5. Procedure of inspection.—(1) An exporter intending to export a consignment of Cashew Kernels shall give intimation to the Agency in writing in the proforma prescribed in this behalf and submit along with such intimation a declaration to the effect that the consignments of Cashew Kernels have been processed adopting the levels of in-process quality control measures as prescribed by the Agency in this regard.
 - (2) Such intimation shall reach the Agency office not less than five working days (10 days in the case of Roasted and Salted Cashew Kernels) prior to the required date of receipt of certificate for shipment.
 - (3) On receipt of such intimation, the Agency shall normally draw check samples as required, and if the Agency is satisfied that the consignment to be exported complies with the specified standards, it shall issue a certificate to the exporter declaring the consignment exportworthy.
 - (4) When the Agency is not so satisfied, it shall refuse to issue such certificate and communicate such refusal in writing to the exporter alongwith the reasons therefor.
 - (5) For the purpose of inspection, the Agency Officer shall have access to relevant records and premises where processing, packing and storage of Cashew Kernels are carried out.
 - (6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place of storage, while in transit or at the ports before its actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

[F. No. 6(9)/83-EI & EP] C. B. KUKRETI, Jt. Director

FOOT-NOTE:

S.O. 1022 & 1023 dated 26-3-1966. S.O. 275 dated 28-1-1978.

(मुख्य नियंत्रक, आयात व निर्यात का कार्यालय)

(विविध लाइसेंसिंग अनुभाग) नई दिल्ली 18 जून 1985

का. आ. 3092 -- मैसर्स इंडियन टेलीफोइंडस्ट्रीज लि., राय बरेली 220010 को एक नग मिनोलटा ईपी 530 आर प्लेन पेपर कोपियर उसके अतिरिक्त पूजी एवं उपभोज्यों सहित के आयात के लिए 48765 रुपए मृल्य का जारी किए जाने की तिथि से 12 माह की वैधता के लिए एक आयात लाइसेंस सं. जी/आई एफ/1093614/सी/ ए क्स एक्स/91/एच/83/एम, एल. ए स. विनांक 12-4-1984 प्रदान किया गया था । अब पार्टी ने उक्त आयात लाइसेंस की सीमा गुल्क प्रयोजन प्रति की अन्तिपि के लिए इस आधार पर अनुरोध किया है कि उनसे लाइसेंस की सीमा गुल्क प्रयोजन प्रति गुम हो गई है। लाइसेंसधारो ने अपेक्षित शपय पत्र प्रस्तृत किया है जिसके अनुसार उक्त आयात लाइसेंस किसी भी सीमा शुल्क सदन में पंजीकृत नहीं किया गया था और उसका बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया था और उस पर 48765 है. का उपयोग करना बाकी था। गपथ पत्र में एक घोषणा इस संबंध में भी की गई है कि यदि जक्त आयात लाइसेंस सोमा गुल्कप्रयोजन प्रति बाद में भिल जाती है या ढुंढ ली जाती है तो वह जारी करने वाले प्राधिकारी को लौटा दी जाएगी। इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है, अधोहस्ताक्षरी निदेश देते हैं कि आवेदक को लाइसेंस की सीमा शुरुक प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रदान की जीए । आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 की उपधारा (घ) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं एतदृद्वारा उक्त लाइसेंस की सीमा शुरुक प्रयोजन की मूल प्रति को रह करता हूं।

> [फाइल सं. 12/546/83-84/एम. एल. एस./ 392] एन. एस. कृष्णामूर्ति, उप मुख्य नियंत्रक,

> > आयात एवं निर्यात

कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एव निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)
(M.L. Section)

Now Delhi, the 18th June, 1985

S.O. 3092.—M/s. Indian Telephone Industries Ltd., Rae Bareli-220010 were granted an Import Licence No. G/F/1093614/C/XX/91|H|83|MLS dated 12-4-1984 for import of One No. Minolta EP-530R Plain Paper Copier with spares and consumables, valued at Rs. 48,765 with a validity of

12 monhts from the date of issue. Now the party have applied for grant of a Duplicate Customs Purpose Copy of the aforesaid Import Licence on the ground that Customs Purpose Copy of the licence has been lost by them. The licence has furnished necessary affidavit according to which the aforesaid import licence was not registered with any Customs House and was not utilised at all and the balance against the licence is Rs. 48,765. A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that if the said Customs Purpose Copy of the Import Licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. On being satisfied that the original Customs Purpose Copy of the Import Licence has been lost, the underpose Copy of the Import Licence has been lost, the underpose Copy of the licence should be issued to the applicant. I also in exercise of the powers conferred in Sub-clause (d) of Clause 9 of the Imports (Control) Order 1955, hereby cancel the original Customs Purpose Copy of the above licence

[File No. 12/546/83-84/MLS/392]

N. S. KRISHNAMURTHY, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

नई दिल्ली 25 जून, 1985

आदेश

का. आ. 3093 मसर्स हिन्दुस्तान एल्पूमिनियम कारपोरे मान लि. सेन्चूरी भवन, डा. एनी बेसैंट रोड, बम्बई -25 को, आई सी आई सी आई द्वारा स्वीकृत विदेशी मुद्रा ऋण के अंतर्गत पश्चिमी जर्मनी/ स्विटरजरलैंड से केल्सिनर और इाई स्कूबिंग सिस्टम के लिये संलग्न सूची के अनुसार पूंजीगत माल का आयात करने के लिये 1,09,56,100 रुपये (ही एम 613005, स्विस फैंक 5,59,850 और ड. के. आर. 5347650) लागत बीमा भाड़ा मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं. पी/ सीजी/ 2097293 दिनांक 20.12.84 जारी किया गया था।

- 2. अब फर्म ने उपयुक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा मुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा मुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा मुल्क प्राधिकरण के साथ पंजी त कराये बिना तथा बिलकुल भी उपयोग में लाए बिना ही रास्ते में खो गई है। अब अनुलिपि की आवश्यकता पूर्ण मूल्य अर्थात 1,09,56,100 रुपये की कुल धनराणि के लिये हैं। फर्म इस बात से सहमत है और यह बचन वेती हैं कि यदि मूल सीमा मुल्क प्रयोजन प्रति बाद में मिन जायेगी तो वह इस कार्यालय को रिकाई के लिये लौटा वी जाएगी।
- 3. अपने दाबे के समर्थन में, फर्म ने आयात-नियित्त प्रिक्रिया पुस्तक 1985-88 के अध्याय-2 के पैरा 85 में यथा अपेक्षित एक णपथ पन्न दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस सं. पी/सीं/जी/2097293 दिनां रु 20.12.84 की मूल सीमा शूरू प्रयोजन प्रति खो गई है तथा निदेश देते हैं कि आयात लाइसेंस की सीमा-शुरू प्रयोजन प्रति की अनुलिप प्रति फर्म को जारी की जाए। आयात लाइसेंस की मूल सीमा शूरू प्रयोजन प्रति जाए। आयात लाइसेंस की मूल सीमा शूरू प्रयोजन प्रति रखद् अर ही गई है।

4. आयात लाइसेंस (सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति) की अनुििप प्रति अलग ते जारी की जा रही है। [फाइल सं. सी. जी: /4/1341/2/82--84]

पाल बेक

उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

ORDER

New Delhi, the 25th June, 1985

- S.O. 3093.—M/s. Hindustan Aluminium Corporation Ltd., Century Bhawan, Dr. Annie Besant Road, Bombay-25 were granted an import-licence No. P|CG|2097293 dt. 20-12-84 for import of capital goods for Calciner and Dry Scrubbing system as per list attached for c.i.f. value of Rs. 1,09,56,100 (DM 613005 Sw. Fr. 559850 and DKR 5347650) from West Germany|Switzerland under foreign exchange loan sanctioned by ICICI.
- 2. The firm has now requested for the issue of duplicate Customs purposes copy of above import licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost in transit without having been registered with any Customs Authority and not utilised at all. The total amount for which duplicate is now required is cover the full value of Rs. 1.09,56,100. The firm agrees and undertakes to return the original Customs Purposes copy of import licence, if traced later to this office for record.
- 3. In support of their contention the firm have filed an affidavit as required in Para 85 of Chapter II of Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88. The undersigned is satisfied that original Customs Purposes copy of import Reence No. P/CG/2097293 dt. 20-12-84 has been lost and directs that duplicate copy of Customs Purposes copy of import licence may be issued to the firm. The original Customs Purposes copy of import licence has been cancelled.
- 4. The duplicate copy of import licence (Customs Purposes Copy) is being issued separately.

[F. No. C. G. IV|1341|2|83-84]

PAUL BECK, Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

विवेश मंद्रालय

(हज सैल)

मई दिल्ली, 14जून, 1985

का. आ. 3094 . हुण समिति अधिनियम, 1959 (1959 की संख्या 51) के खंड 6 के उप-खंड (1) (4) और (5) के अनुसरण में, 27 मई, 1985 की आयोजित हुज समिति, बम्बई में, श्री मोहम्मद अमीन खंडवानी को अध्यक्ष और सबंश्री रक्षफ वली-उल्लाह, संसद सदस्य और गौकत रहमान करेंगी, विद्यान सभा सदस्य को उपाध्यक्ष चुना गया है जिसे इसके द्वारा अधिसूचित किया जाता है।

[सं. एम/हज/118-1/8/85] आरिफ क्रमरैन, संयुक्त सिचव(अफीका/हज)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(Hai Cell)

New Delhi, the 14th June 1985

S.O. 3094.—In pursuance of sub-section (1), (4) and (5) of Section 6 of the Haj Committee Act, 1959 (No. 51 of 1959), the election of Shri Mohd. Amin Khandwani as Chairman and S/Shri Raoof Vali-ullah, M.P. and Shaukat Rehman Quara'shi, M.L.A. as Vice-Chairman of the Haj Committee, Bombay at its meeting held on 27th May, 1985 is hereby notified.

[M(Haj) 118-1/8/85]

ARIF QAMARAIN, Jt. Secy. (Africa Haj)

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 14जून, 1985

का. आ. 3095 — यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस. एन. ए. ए. से एस. एस. सी. टीएफ होडर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिय पाइपलाइन तेल तथा प्राकृति गैस आयोग द्वारा विछाई जॉनी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि एसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिय एतदपाबद श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करना श्रावण्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइ न (भिम में उपयोग का श्रीधकार अर्जन) श्रीधनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों प्रयोग करते हुए केद्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रीधकार श्रीजित करने का श्रीपता श्राणय घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कीई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाष्ठप--लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेष सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस श्रिधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला व्यक्ति विनिर्दिण्ट यह भी कथन करेगा कि वह यह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसि विधि व्यवसायी की मार्फत ।

श्रन<u>ु</u>सूर्च**ः**

एस. एन. ए. ए. में एस. एस. मी. टी. एफ. ही डर तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्य: गुजरान जिला व तालुका :- मेहसाना

गांव	•लाक ने.		हे क्टें यर	ग्री	र्.	सेन्टीयर
कसलपुरा		858	0	-	03	
		857	0		80	90
		809	0		15	70
		808	0		16	6.0
		805	0		12	70
	<u>-</u> ·				 -	 _

[सं. 0-12016/79/85ओ एन जी-डी 4]

पी. के. राजगोपालन, डेस्क श्रधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 14th June, 1985

S.O. 3095.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNAA to S.S. CTF Header in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notication, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance. Division Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

Stato: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Ce n- tiare
KASALPURA	858	0	03	60
	857	0	08	90
	809	0	15	70
	808	0	16	60
	805	0	12	70

[No. O-12016/79/85 ONG-D 4] P.K. RAJAGOPAAN, Dosk officer

स्वास्थंय और परिवार कल्यांच मंतालय

नई दिल्ली, 19 जुन, 1985

का. आ. 3096.—यतः भारतीय भ्रायुविज्ञान परिषद, भ्रधि नियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) खंड (ख) के श्रनुसरण में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, प्रमृतसर के सिनेट ने डा. बलवंत सिहं तुंग को 28 मार्च, 1985 मे भारतीय आयुधिज्ञान परिषद का सदस्य निर्वाधित किया है।

श्रतः भव उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा-7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (4) के श्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार एसदबारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंद्रालय की 9 जनवरी, 1.960 की श्रिष्ठसूचना संख्या का, श्रा. 138 में श्रोगे और निम्तलिखित संशोधन करतें है श्रर्थात :-

उनत प्रधिनियम में "द्वारा—3 की उपधारा (4) (ख) अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अंतर्गत कम संख्या 45 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नतिश्वित कम संक्या और प्रविष्टियों रखी जाएं, प्रयति, :—

"45 डा. बलवन्त सिहं तुंग, डोन, फैक्लटी ग्राफ मेडिकल साइंसेज, (प्रिंमिपल मैडिकल कालेज, ग्रमृतसर)" । [सं.बी. 11013/8/85—एम.ई. (पी.)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE New Delhi, the 19th June, 1985

S.O. 3095—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act. 1956 (102 of 1956) Dr. Balwant Singh Tung, has been elected by the Senate of Guru Nanak Dev University, Amr tsår to be a member of the Medical Council of India with effect from the 28th March, 1985.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (i) of section 3, read with sub-section (4) of section 7, of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the late Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said Notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 45 and the entries relating thereto the following serial number and entries shall be submitted namely:—

"45 Dr. Balwant Singh Tung,

Dean, Faculty of Medical Sciences,

(Principal, Medical College, Amritsar)".

[No. V. 11013]8[85-ME(P)]

का. आ. 3096:— भारतीय श्रायुविकान परिषव् श्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की द्वारा 14 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय श्रायुविकान परिषद से परामर्स करने के बाद एतद्वारा निर्देश देती है कि परपंचुक्रल हैल्प कालेज श्राफ मेडिसिन. फिलीपाइन्स द्वारा प्रदत्त "एम. डी." चिकित्सा श्रहंता उक्त श्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा श्रहंता होगी।

[सं. वी. 11016/6/85--एम. ई. (पी.)]

S.O. 3096.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the medical qualification "M.D." granted by Perpetual Help College of Medicine, Philippines, shall be a recognised medical qualification for the purposes of that Act.

[No. V. 11016[6[85-ME(P)]

श्रावेश

का. श्रा. 3097:—यतः भारत सरकार के स्वास्थ्य मंद्रालय की 23 जुलाई, 1962 की श्रिष्ठसूचना संख्या एक. 16-5/62 एम. श्राई. सी. (एस. ओ. 579) के द्वारा केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है कि जार्ज टाऊन यूनिविसिटी स्कूल आफ मेडि-सिन, श्रमेरिका, वांशिगटन द्वारा प्रदत्त डाक्टर श्राफ मेडिसिन, विकृत्सा श्रहेता, भारतीय श्रायुविश्वान परिषद श्रिधिनयम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनार्थ मान्यता प्राप्त चिकृत्सा श्रहेता है;

और यत: डा॰ ऐलीन नीड फील्ड जो उक्त अहंता रखते हैं, यह फिलहाल धमार्थ कार्य के लिए होली फेमिली हास्पिटल, मन्दार, डाकघर रांची (बिहार) से सम्बद्ध रहेंगे।

भ्रतः अव उक्त श्रधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के खंड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के एनदृद्धारा यह निर्दिष्ट करती है कि :--

- (1) 31 दिसम्बर, 1986 तक, ग्रथवा
- (2) वह अविध जिसके दौरान डा॰ ऐलीन नीडफील्ड उक्त होली फीमली हिलिएटल मन्दार, डाकघर रांनी, बिहार से सम्बद्ध रहते हैं, जो भी थोड़ी हो, वह अविध होंगी जब तक उक्त डाक्टर को मेडिकल प्रेविटस सीमित होंगी।

[सं. वी. 11016/4/84--एम. ई. (पी.)]

ORDER

S.O. 3097.—Whereas by the Notification of the Government of India in the Ministry of Health No. F. 16-5/62-MI (S.O. 579) dated the 23rd July, 1962 the Central Government has directed that the medical qualification, M.D. awarded by the Georgetown University School of Medicine, United States of America, Washington, shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Eileen Niedfield, who possesses the said qualification is for the time-being attached to the Holy Family Hospital, Mandar P.O. Ranchi (Bihar) for the purposes of Charitable work.

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the priviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period upto the 31st December, 1986, or
- (ii) the period during which Dr. Eileen Niedfield is attached to the said Holy Family Hospital, Mandar, P.O. Ranchi (Bihar) whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V-11016/4/84-M.E. (P)]

आदेश

नई दिल्ली, 25 जून, 1985

का. आ. 3098: -पतः शारत सरकार के स्वास्थय और परिवार एस्पाण मंभालय की 27 मार्च, 1962 की अधिसूचना सं.एस. ओ. 1016 के द्वारा केन्द्रीय सरकार यह निवेश देती है कि दलें किया दिख्य दिखालय, (स्पेन) द्वारा प्रवस्त लामें शिकाड़ी एन मेडिमिना सिरजियल चिक्तिसा अईता भारतीय कायु- विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनार्थ मान्यता प्राप्त चिकित्सा अईता हैं;

आंर यतः हाः. ऐंजिलेम ऐतिस्ता विज्ञकारा जो उक्त अर्हता रखते हैं, वह फिलहाल धमार्थ तार्य के निये नजारेथ अस्पताल कैंट्रमखराह, हिलांग से सम्बद्ध रहेंगे।

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के खंड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एहद्दारा यह निर्विष्ट गरती है जि:

- (1) 30 अप्रेस, 1986 तदः की अवधि के लिये, अथवा
- (2) यह अबधि जिसके दौरान डा. ऐजिलेस एसिल्ला विजयारा उक्त नजारेथ अस्पताल, कैट्रमखराह, णिलांग से सम्बद्ध रहते है जो भी थोड़ी हो, यह अवधि होगी जब तथ उक्त डाक्टर की मेडियाल प्रैक्टिस सीमित होगी।

[सं. वी. 11016/13/84~ एम. ई (पी)] चन्द्र भात, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 25th June, 1985

S.O. 3098,—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. S.O. 1016 dated the 27th March, 1962, the Central Government has directed that the medical qualification, Licenciado en Medicina Citgial, granted by the University of Valencia (Spain) shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Angeles Ercilla Vizcarra who possesses the said qualification is for the time being attached to the Nazareth Hospital, Laitumkhrah, Shillong for the purposes of cheritable work.

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies:—

(i) a period up to the 30th April, 1986, or

(ii) the period during which Dr. Angeles Ercilla Vizearra is attached to the said Nazareth Hospital, Laitumkhrah, Shillong, whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V.-11016[13]84-ME(P)]

CHANDER BHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जून, 1985

का आ. ~-3099 केन्द्रीय होम्पोपैश परिषद अधिनियम, 1973 (1973 की 59) की धारा 13 की उप-धारर (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों हा प्रयोग ारते हुए केन्द्रीय सरकार एत्द्द्वारा केन्द्रीय होम्पोपैथी परिषद से परामर्श ारते के तद उपन अधिनियम की दूसरी अनुसूची में आगे और निम्नितिखित मंशोधन कारती है; अर्थात:-

दूसरी अनुसूची में "पश्चिम बंगाल" शीर्ष के अंतर्गत कम सं. 28 ओर तत्संबंधी प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित कम संस्मा और प्रविष्टियां रखी जाएं; अर्थात:--

विषयिक्षालयं बोर्ड या चिकिता संस्था ा नाम		रजिस्ट्रणन के लिए संक्षेपा- क्षर	टिप्पणो	
1	2	3	4	
"29. होम्योपैथिक		एम.बो.ए३.	1972	
चििन्स्या परिषद,	मेडिसिन एंड	(आनर्स)	Ħ	
पश्चिम बंगाल	बैचूलर आफ सर्जरी		1975"	
		121/14/85	ह्रास्थेति ।	

New Delhi, the 21 June, 1985

के. बेणगंताल.

उप-सचिव

S.O. 3099—In exercise of the powers conferred by sub-section(2) of section 13 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the Central Government, after consulting the Central Council of Homoeopathy, hereby makes the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, namely:—

In the Second Schedule, under the heading "West Benga; after social number 28 and the entries relating thereto, the

Name of University Board or Medical Institution	Recognised medical quali- fleation	Abbre- viation for regis- tration	Re- marks	
1	2	3	4	
29. The Council of Homocopathic Medicine, West Bengal.	Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery	M.B.S. (Hom)	From 1972 to 1975."	

[No. V.27021/14/85-Homoco']

k. Venu gopal Dy. Secy-

ऋषि और ग्रामीण विकास मंत्राालय (कृषि और सहकारिता विभाग) नई दिल्ली, 19 जुन, 1985

का. आ 1300 - इस विभाग की तारीख 19 नवस्थर, 1984 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में तथा पशु आयात अधिनियम, 1898 (1898 का अधिनियम 9) के खंड 3 उपखंड (1) जिसका पशु आयात (संशोधन अधिनियम, 1953 का अधिनियम 1) द्वारा संशोधन किया गया था, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से छ: महीने की अवधि के लिए यु. के., आयरलैण्ड, अमरीका, फांस, आस्ट्रलिया, जर्मन संघीय गणराज्य, वैलज्यिम, जापान, इटली, आस्ट्रीया, डेनमार्क, क्राजील, स्वीडन, युगोस्वलाविया, चैकोस्लोविकिया अथवा किसी अन्य देश से जिसका भारत. में आयात किए जाने वाला अक्बजातीय स्टाक (केबल 5 वर्ष की आयु वाले वछड़ों और सांधों तथा 4 वर्ष की आयु वाले अश्वशावकों (फीलीज), जिनका कभी मेल नहीं कराया गया है और जो प्रजनक स्टाक के सम्पर्क में नहीं रहे हैं, को छोडकर) अपर निर्विष्ट देशों में पैदा हुआ हो, अथवा पाला गया हो अथवा वे आयात किए जाने से मीझ पहले गत 12 महीनों के दौरान उन देशों में ले जाए गये हों, अश्यजातीय पण्ओं के आयात पर प्रतिबंध लगाती है, बणर्ते धित

(क) अधिनियम के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं के अतिरिक्त युवा अश्वजातीय पसुओं के साथ प्राधिकृत पशु विकित्सक का इस आगय का पशु चिकित्सा संबंधी एक स्वास्थ्य प्रमाणपत्न हो कि पशुगत एक वर्ष के धौरान प्रजनक स्टाक के सम्पर्क में नहीं रहा है और इन पशुओं के विगच्छद तथा मुखद्वार (योनि और सरविक्स) से एक की गई फुरेरी मानक संबंधनिक और सीरम संबंधी पद्धतियों द्वारा व्याधि विषयक सूक्ष्म अणुओं, विशेषकर होमोकिलियस इक्नी-वीजेनीटैलिस के लिए निर्यात हेतु पोत रोहण से पूर्व 30 दिनों के अन्दर निरन्तर तीन परीक्षण कराने के लिए पर नकारात्मक पाई गई है।

(ख) भारत में प्राप्त किए जाने पर आयातित पशुओं को सरकारी संगरोध केन्द्र अथवा कृषि मंद्रालय द्वारा विशेष रूप से स्वीकृत परिसर में 30 दिन तक अलग रखा जाएगा। संगरोध की अवधि के दौरान आयातित अश्व-जातीय पशुओं का दो मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में साप्ताहिक अंतराल पर्प निरन्तर तीन बार जीवाणु और सीरम संबंधी मंबैधानिक जांच की जाएगी और संकामक अश्वजातीय मैंद्रिईटिस (कान्टेजियेस इक्वाईज मैंद्रइटिस) रोग के लिए नकारात्मक घोषित किए जाने के बाद ही इन पशुओं को अन्य पशुओं के साथ मिलने दिया जायेगा।

[सं. 50-22/77-एल.डी.टी. (एल.एच.-एन्यू) खण्ड-2] जी. जी. नाहर, अबर समिव (पशुपालन)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

(Department of Agriculture and Co-operation)

New Delhi, the 19th June, 1985

S.O. 3100.—In continuation of this Departments' Notification of even number dated 19 November, 1984 and in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Livestock Importation Act, 1898 (Act 9 of 1898), as amended by the Livestock Importation (Amendment) Act, 1953 (Act 1 of 1953), the Government of India hereby prohib t for a period of six months from the date of issue of this notification the import into India of equine species of animals from the United Kingdom Ireland, the United States of America, France, Australia, the Federal Republic of Germany, Belgium, Japan Italy, Austria, Denmark, Brazil, Yugoslovia Czechoslogakia and Sweden or from any other country whose equine stock meant for import into India had originated from or been reared in or visited any of the above specified countries during the immediate past twelve months pror to importation except colts and stallions uptor five years and fillies up to 4 years of age which have never been mated and have not been in contact with the breeding stock, provided that:

- (a) In addition to the health requirements specified under the Act, the young equines are accompanied by a Veterinary Health Certificate from an authorised veterinarion that the animals have not been in contact with the breeding stock during the last one year and that the swabs collected from produce Urethra/Vagina Cervix of these animals were found negative for pathogenic micro-organisms specifically Haemophilus equigenitalls, by standad culture and serological methods on three consequtive testing during the 30th days immediately prior to embarkation for export.
- (b) On receipt in India such imported animals are kept in quarantine for a minimum period of 30 days at the Government Quarantine Station or the premises specially approved by the Ministry of Agriculture for that purpose. During this quarantine period the imported equines shall be subjected to bacteriological and serological examinations by two recognised laboratories each, on three consequtive occasions, conducted at weekly intervals and shall be permitted to mix with other stock only when declared negative for contegious equine metritis infection.

[No. 50-22/77- LDT (LHAQ) Part II]
D. D. NAHAR, Under Secy.

(ग्रामीण विकास विभाग) नई दिल्ली, 18 जून, 1985 **ग्**डिपत

का. 3101 — भारत के राजपत्न, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 7 अप्रैंल, 1984 के पृष्ठ 1030 से 1031 पर प्रकाणित का. आ. 1156, मिश्चित हींगे श्रेणी करण और चिन्हांकन नियम, 1984 में :--

- 1. पृष्ठ संख्यांक 1030 पर :-- (क) का. आ. 1156 के ऊपर "ग्रामीण विकास मंत्रालय" नई दिल्ली, तारीख 20-3-1984" पढ़ें।
- (स्त्र) अधिसूचना के प्रथम पैरा की पांचवी पंक्ति में, "भाग III" के स्थान पर "भाग I" तथा नवम् पंक्ति में "प्रकाशनी" के स्थान पर "प्रकाशन" को पढ़ें।
- (ग) अधिसूचना के दूसरे पैरा में, "ली' के स्थान पर "दी" पढें।
- (घ) अधिसूचना के चौथ पैरा में, ''प्रदत्त'' के स्थान पर "प्रदत्त" पढ़ें।
- (ङ) नियम 2 में "अभ्यर्थी अपेक्षि" के स्थान पर "अन्यथा अपेक्षित न" पढ़ें।
- (च) नियम 2 के उपनियम (2) में, ''संलग्नन'' के स्थान पर ''संलग्न'' पढ़ें।
- (छ) नियम 3 में "अभियात" के स्थान पर "अभिधान" पढें।
- (ज) नियम 4 में "त्येक" के स्थान पर "प्रत्येक" तथा "अभियान" के स्थान पर "अभिधान" पढ़े।
- (स) नियम 5 (1) में, "अभियान" के स्थान पर "अभिधान", "तेवल" के स्थान पर "तेबल", "Indi" के स्थान पर "India" तथा "अनुसूची II में उपवर्गित विटन के सदश्य" के स्थान पर "अनुसूची II में उपवर्गित चिहन के सदृश्य" पढ़े।
- (ट) नियम 5(2) में, "ठक्कन" के स्थान पर "ढक्कन" तथा "श्रेणो" के स्थान पर "श्रेगी" पढ़ें।
- (ठ) नियम 5(3) मे, "बीन्ट्बिस" के स्थान पर "बीः टिवल" तथा "बोधा" के स्थान पर "बाधा" पढ़ें।
- (ड) नियम 6 में "मिश्रित" के पूर्व "(I)" "बी ट्लिय" के स्थान पर "बी-टिविल" तथा "एक एक कि ग्रा." के स्थान पर "एक कि. ग्रा." पढें।
- (ढ) नियम 7(2) में "आधार" के स्थान पर "आधान" तथा "बोधा" के स्थान पर "बाधा" पढें।
- (अ) नियम 7(4) में, "प्रत्येक आधान पर मिश्रिम में प्रयुक्त खाने योग्य स्टाव या खाने योग्य अनाज का आटा भी उपदणित होगा" के स्थान पर "प्रत्येक आधान पर सम्मिश्रण में प्रयुक्त खाने योग्य स्टार्च या खाने योग्य अनाज के आटे का लगभग मिश्रण भी उपदणित होगा" पहें।

- (त) नियम ७ (5) की पहली पंक्ति में ''अनुमोदन' के स्थान पर ''अनुमोदन'' पढ़ें।
- 2. पृष्ठ सं. 1031 पर :- (क) अनुसूची- I के स्तम्भ 6 के अंतर्गत मद (2) में "कोलोपोनी राल" "अमोनिया राल" "किमी अन्य बाह्य राल" के स्थान पर "कोलोफोनी राल" "आमोनिया की राल" "किसी अन्य बाह्य राल" तथा "बाह्य" के स्थान पर "बाह्य" पहें।
- (ख) अनुभूषी I के नीचे टिप्पण में "भा. भा." के स्थान पर "भा. मा." पढ़ें।
- (ग) अनुसूची II में भारत मानचित्र के बाहर आने वाले तमिल और तलुगु शब्दों को हटा दिया जाएगा।

[सं. 11-2/81- ए एम] बी. के. बजाज, अवर सचिव

(Department of Rural Development) New Delhi, the 18th June, 1985 CORRIGENDUM

S.O. 3101.—In the Compounded Asafoetida Grading and Marking Rules. 1984 published with the Notification of the Government of India No. S.O. 1156, in the Gazette of India, part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 7th April, 1984 at pages 1032 to 1033,—

- I. At page number 1032,-
 - (a) Before the preamble, insert. "Ministry of Rural Development, New Delhi, the 20th March 1984";
 - (b) in paragraph 3 of the preamble, for "cossidered" read "considered";
 - (c) in rule 1, in heading for "commencement"; read "commencement";
 - (d) in rule 5, in sub rule (1), for " उसाद् "read उत्पाच
 - (e) in rule 6, in sub-rule (1), in first line for "shall" read "shall be";
 - (f) in rule 7, after sub rule (2) (g) for "(g) any other particular as may be specified by the dicated on each container" read "(3). The sale price of the commodity shall clearly be indicated on each container";
 - (g) in rule 7, in sub-rule (5), (i) in second line, (a) for 'mnner' read 'manner'; (b) for 'Agriculturi' read 'Agricultural';
 - (ii) in fifth line, for "quality of" read "quality or" and for "the" read 'that';
 - (h) in Schedule I,-
 - (a) the serial number 2 of columns shalt be omitted and serial numbers 3 to 7 shall be renumbered as serial number 2 to 6 respectively;
 - (b) in heading of column 2, so renumbered, for "weight per cent" read "weight";
 - (c) in heading of column 3, so renumbered, for "HCL" read "HC 1 per cent";
 - (d) in heading of column 4 so renumbered, for "(maximum)" read "(manimum)";
 - (e) in column 4 so renumbered, for "3.0" read "5.0",
- 2. At page number 1033.-
 - (a) in item (2), for "ammonicacum" read "*ammonia-cum";

- (b) footnote for 'IS: 7807 1975' read 'IS: 7807-1975';
- (c) after footnote, read

"Schedule-II

(See rule 5)

Design of the grade designation mark":

(d) in Schedule II Tamil and Telugu words shall be omitted.

[No. 11-2|81-AM]

B. K. BAJAJ, Under Secy.

पूर्ति और वस्त्र मंझालय

(वस्त्र विभाग)

नई दिल्ली, 24 जुन, 1985

का. आ. 3102—केन्द्रीय सरकार, यह अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्यों के रूप में नामनिर्देशित लोक सभा के सदस्यों की सदस्यता की अवधि समाप्त हो जाने पर, लोक सभा ने, केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम 1948 (1948 का 61) की घारा 4 की उपधारा (3) के खंड (ग) के अनुसरण में, लोक सभा के निम्नलिखित चार सदस्यों को, 12 अप्रैल, 1985 को, अधिनियम में उपबन्धों के अधीन रहते हुए, तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवा करने के लिए सम्यक रूप से निर्वाचित किया है:—

- श्री एस. अंदायकलराज
- 2 श्री आर. पी. दास
- 3. श्री श्रीनिवास प्रसाद
- 4. श्री भोला राउत

[फा. मं. 25012/11/82-रेशम अल्द 🞹]

MINISTRY OF SUPPLY AND TEXTILES

(Department of Textiles)

New Delhi, the 24th June, 1985

S.O. 3102.—The Central Government hereby notify that the Members of Lok Sabha nominated as members of Central Silk Board having expired, the Lok Sabha has, in pursuance of clause (c) of sub-section (3) of section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), duly elected the following four Members of Lok Sabha, on 12th April, 1985 to serve as members of the Central Silk Board for a period of three years subject to the provisions of Act:—

- 1. Shri L. Adaikalaraj
- 2. Shri R. P. Das
- 3. Shri V. Sreenivasa Prasad
- 4. Shri Bhola Raut.

[F. No. 25012/11/82-Silk Vol. III]

THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE

नई दिल्ली, 27 जुन, 1985

का. अ1. 3103—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्रा-धिंत अधिभीतियों का बैदखर्ला) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की मारणों के मतम (1) में उन्निष्धाः अधिवारियों को जो सरकार के राजपितत अधिकारियों की पंक्ति के समनुष्य अधिवारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये सम्पद्दा अधिवारी नियुक्त करती हैं और उक्त अधिवारी, उक्त सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट सरवारी स्थानों की अपनी अधिकारिया की स्थानीय मीमाओं के भीतर का अधिकियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिवारियों को प्रदत्त शिक्तयों या प्रयोग और उन अधिरोधित वर्त्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पदनाम सरकारी स्थानों के प्रथम ओर अधिकारिता की स्थानीन सीमाएं

1. सहामण सचिव, ऐसे परिसर जिनमें केन्द्रीय रेक्षम (प्रधासन) केन्द्रीय रेक्षम बोर्ड, बंगलीर की बंगलोर में या उसके बोर्ड, 39, एम. जी. द्वारा पट्टे कर ली गई या उसके स्थामी रोड, बंगलीर-- 560001 त्याधीन भूमि और भवन समा-- विष्ट है जिसमें स्टाफ क्यार्टर शामिल हैं।

[फा. सं. 25017/4/84-रेणम] बहम दत्त, संयुक्त विकास आयुक्त (हथफरघा)

New Delhi, the 27th June, 1985.

S.O. 3103.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupation) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below being the Officers of equivalent to the rank of gazetted officer of Government to be estate officers for the purpose of the said Act and the said officers shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act within the local limits of their jurisdiction in respect of the public premises specified in column (?) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of the public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2.)
1. Assistant Secretary, (Administration), Central Silk Board, 39, M.G. Road, Bangalore-560001.	Premises constituting of land and buildings including Staff Quarters belonging to or taken on lease or requisitioned or owned or otherwise possessed by Cent- ral Silk Board, Bangalore in Bangulore.
	tr. M. 34013/4/04 6311

[F. No. 25017/4/84-Silk]

BRAHM DUTT, Joint Development Commissioner (Handlooms)

नौवहन और परिवहन मंत्रालय (नौवहन पक्ष) नई दिल्ली, 18 जून, 1985

का. आ. 3104.—नौबहन विकास निधि समिति (सामान्य) नियम 1960 के नियम 4 के साथ पठित वाणिज्यिक नौबहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 15 की उप-धारा (1) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, विक्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के संयुक्त मिलिब श्री बंदिके दिवन को तरकाल, नौबहत विकास निधि सिनि। के संस्था नियुक्त करती है और भारत सरकार के भृतपूर्व परिवहन और संचार मंत्रालय के परिवहन विभाग (परिवहन पक्ष) की अधिमूचना संख्या का, आ. 625 दिनांक 17 मार्च, 1954 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थान:—

उक्त अधिसूचना में क्रम मंख्या 6 और इससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी, अर्थात:---

"7. श्री वी. के. सिबल, संयुक्त सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली"।

[फा. सं.एस.डब्स्यू./एम.एस.डी.-20/081-एम.डी.]

ए. एस. लाम्बा, अवर संचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (Shipping Wing)

New Delhi, the 18th June, 1985

S.O. 3104.—In exercise of the powers conferred by Subsection (1) of Section 15 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), read with rule 4 of the Shipping Development Fund Committee (General) Rules, 1960, the Central Government hereby appoints Shri V. K. Sibal, Joint Secretary, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) as a member of the Shipping Development Fund Committee with immediate effect and made the following further amendments in the Notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communication, Department of Transport (Transport Wing) No. S.O. 628, dated 17th March, 1959, namely:—

In the said Notification, after serial No. 6 and entries relating thereto, the following entry shall be substituted. namely:—

"7. Shri V. K. Sibal, Joint Secretary, Department of Economic Affairs, New Dolhi".

[F, No. SW]MSD-20[081-MD]

A. S. LAMBA, Under Secy.

रेल मंत्रालय

(रेसवे क्षोडं)

नई दिल्ली, 13 जून, 1985

का आ . 3105 —संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा रेल कर्मचारी (अनुणासन एव अपील), निवस 1968 में और आगे संगोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियस बनाते हैं, प्रथित्:—

- (1) ये नियम रेल कर्मेत्रारी (प्रनुषासन एवं प्रपील) द्विनीय संशोधन, 1985 कहनायेंगे ।
 - (2) ये सरकारी राजपन्न में प्रकाशन की लागिख से प्रथन होंगे।
- 2. रेल कर्मचारी (बनुशासन एवं प्रपीप) नियम 1968 की बनुसूची II के लिए निस्निलिखन बनुसूची को श्रनिस्वापित किया जायेगा, बर्थान् :---

भैन्नीय रेलों चितरंजन रेल इंजन कारखाना, डीजल रेल इंजन कारखाना, सवारी फिल्बा कारखाना भीर मैट्रो परियोजना (रेले) के लिये प्रधिकारियों/भराजपत्रित कर्मचारियों के वरिष्ठ पर्यवेक्कों से सम्बन्धित विभिन्न ग्रेष्ठों के प्रनुषासन सम्बन्धी प्रधिकारों ग्रीर निलस्बन ग्रिधिकारों की धनुमूची ।

वरिष्ठ पर्यंबेक्षक प्रभारों 425-700 के. (मं. वें.) भीर इसमें प्रधिक के ग्रेड में टिप्पणी:—जपर्यंक्त उद्देण्य के	(कनिष्ठ वेतनमान ग्रौर वर्ग 'ख')	वरिष्ठ वेतनमान अधिकारी श्रीर सहायक सिक्कारी (कतिष्ठ वेतनमान श्रीर वर्ग 'ख' (स्वसंत्र) प्रभार सम्भालने वाले	क्तिष्ठ प्रशासनिक प्रधिकारी प्रीर व वेतनमान प्रधिक स्वतंत्र प्रभार सम्प्र वाले संबल पर जि का प्रभारी	रिष्य गरी गसने ः	्रमधे मंजरन विश्व के सम्बन्ध में घप मंडल रेल प्रबंधक/ मंडल रेल प्रबंधक	ार सहिन घलाव	गील विभाग महाप्रबंधक ग स्तर-1 गुड्यक्ष	事
लिए पर्यवेशक प्रभारी की सूची रेस प्रशासन द्वारा धिंद्यदिन की जायेंगी।								
1	2	3	4		5		G	·
			1. निन्दा					
सभी वर्ग 'घ' भीर वर्ग 'ग' के कर्मचारी जो श्रनुझासन प्राधिकारी से तीन ग्रेड भीचे श्रौर निम्न पद पर	425-640/425-700 रु. (सं. वे.)/ 425-700 ए. (सं. वे.) ग्रेड में यगें 'घ' स्नीर वर्ग 'ग' के कर्मचारी	ग्रेह 700-900 रु. (सं. वे.) को छोडकर वर्ग 'घ' धीर वर्ग 'ग' के कर्मचारी	सर्गं 'घ' झीर स कर्मचारी	र्गिंग' के	वर्ग 'घ' ध्रौर वर्ग के कर्मचारी		ंष'श्रीर के कर्मचार	
प्रधिमुचित विभाग के सम्बन्ध में सहाप्रबन्धक	भीर ग्रपर महाप्रबन्धक/मृ	ख्य प्रणामनिक प्रक्षिकारी	रेलर्धे मो	 -				
	7		,	8				
बर्ग 'घ' धौर वर्ग 'ग' के कर्मच	ारी	— « ,	वर्ग 'च	मीर वर्ग	गंके कर्मचारी		- ,,244	
							,	
		2- पा स भयवा सु. टि इ	ा. कारोका जान	т				
1	2	3	4	5	6	7		
सभी वर्ग 'घ' और वर्ग 'ग' के कर्मचारी जो प्रनुकासन प्राधि- कारी में सीन ग्रेड नीचे भीर निम्नपद पर हैं।	425-640/125-700 ए (सं. वे.)/455-700 ए (सं. वे.) के जेड़ में ब 'घ' भीर वर्ग'ग' के कर्म चारी	. अधिकारियों भौर इससे। ग मेवा त्रामे राजपश्चित भी	रुम वर्ग'ग'के घ- कर्मच(री	वर्ग 'स' श्री वर्ग 'ग' वे कर्मचारी		वर्गे 'घ' झीर वर्गे 'ग' के कर्मचारी	वर्ग 'घ' श वर्ग 'ग' कर्मचार	फे

मीर इसमें अधिक ग्रेड के

THE GAZETTE OF INDIA	A - HULY 6 198	5/ASADHA 15 1907
Figure Over the Ot 11/01/	1 . J Q D L Q. 170.	7/7 3/312/13/13/13/

3570

[PART II—SEC. 3(ii)]

1	2	3	• 4 • • •	5	6	7	8
			कर्मॄचारियों को छोड़कर				
			वर्ग 'ग' मीर बर्ग 'व' के				
			कर्मचारी राजपत्निन ग्रधि-				
			कारी के रूप में 10 वर्ष				
			से ग्रधिक की सेवा घाले				
			ग्रधिकारियों के लिए				
			700-900 रु. (सं. वे.)				
			ने कर्मचारियों की छोड़- 🎋				
			कर वर्ग 'घ' क्रीर वर्ग 'ग'				
			कं कर्मचारी ।				

3 पदोन्नित का रोका जाना और बैतन वृद्धि का रोका जाना

	1	2	3	4	5	6	7	8
	जी वर्गक' भीर वर्गम' के		550-750 रु. (स. वे.)					
	र्भचारी भौर उससे जो भनु-		भौर उससे ऊपर के ग्रेड					वर्गमं मं क
,	ामन प्राधिकारी से तीन ग्रेड		को छोड़कर वर्ग 'व' भीर 	कमचारा	कर्मचारी	कर्मचारी	कर्मचारी	कर्मचारी
	ोजे हैं भौर उससे निस्त पद र है । जहां नियम 11	कमचारा	वर्ग 'ग' के कर्मचारी					
	 के अन्तर्गत जांच-पड़नाल 		•					
	ं पेक्षित हो कोई श्रिधिकार							
Я	योज्य नहीं हैं।							

4. लापरवाही भवता मावेश के उल्लंबन से सरकार को हुई माधिक हानि के कारण वेतन से वसूली

सभी वर्ग 'म' भीर वर्ग 'ग'	4.55 रु. (सं. वे्.) तक	550-750 रु. (सं.वे)	वर्ग 'घ' भौर	वर्ग 'घ' झौर	वर्ग'घ' भ्रौर	वर्ग 'घ' भीर	वर्ग 'घ' भीर
कं कर्मचारी जो मनुशासन	के जेतन मान वाले वर्ग 'घ'	भौर उससे ऊपर के ग्रेड	वर्ग 'ग' के	अपर्गं 'गं के	बर्ग 'ग' के	वर्ग 'ग' के	वर्ग 'ग' क
प्राधिकारी से शीम ग्रेंड नीचे	भौर वर्ग ['] घ'के कर्मचा	री को छोड़ कर वर्ग 'ष' और	कर्मचारी	कर्मवारी	कर्मचारी	कर्मचारी	कांचारी
हैं भौर निम्न पद पर हैं।		वर्गं 'ग' के कर्मचारी					

5(क) निवले पद पर पदावनयन या निम्न समय वेतनमान

कुछ नहीं	बर्गे 'घ' कर्मचारी	550-750 ह. (सं. वे.)	वर्ग 'घ' भ्रोर	वर्ग 'घ' ग्रौर	वर्ग 'ष' ग्रौर	वर्ग 'घ' भौर	वर्ग 'घ' ग्रौर
•		ग्रौर उससे श्रधिक को छोड़-	वर्ग 'ग' के	बर्ग 'ग' के	वर्ग 'गं को	वर्ग 'ग' के	वर्ग 'ग' के
		कर वर्ग 'व' झौर वर्ग 'ग'	कर्मचारी	कर्मचारी	कर्म चा री	क <mark>र्मच</mark> ारी	कर्मचारी
		के कर्मचारी	•				
							

কুত বৰ্গা

जाए।

5. (बा) निचले समय देतनमान में निचले स्तर पर पदानवयन

455 रु. (सं. थे.) तक 550-750 रु. (स.वे.) वर्ष घोष्ठीर वर्ष घोषार वर्ष घोष्ठीर वर्ष घोषार वर्ष घोषार के बेतनमान वाले वर्ष घोषा श्रीर उसमे श्रधिक ग्रेड का वर्ष पि के के फर्मचारी छोड़कर वर्ष घोषायों कर्मचारी कर्मचारी कर्मचारी कर्मचारी कर्मचारी पि वे कर्मचारी

- ग्रनिकार्य सेवा निवित्त
- 7. मेवा ने हटाया जाना
- सेवा में बरखास्तगी

नियोक्त प्राधिकारी अथवा उसके समकक्ष मोहदे का प्राधिकारी प्रथवा कोई उससे उच्च प्राधिकारी

9. निमम्बन (यह दंड नहीं है)

वर्ग 'घ' श्रीर वर्ज 'गं के 430 405 क. (स. वे.) श्रीर 550-750 क. (सं. वे.) / वर्ग 'घ' श्रीर वर्ग 'घ' के वर्ग 'ग' के के वर्ग 'ग' के के वर्ग 'ग' के कर्ग 'ग' के कर्ग 'ग

- हिष्यणी:--- 1. इस धनुसूची में विणित प्राधिकारी के भामले में प्रपीलीय प्राधिकारी को टूसरे कालम में दिखाया आयेगा अयकि मस्तिम कालम में दिखाये गये प्राधिकारी के मानले में श्रपीलीय प्राधिकारी राष्ट्रपति होगे यशतें कि, यदि श्रोहदे का सद दिखाये गये किसी भी कालम में नहीं झाता है। इसले कालम में दिखाया गया अधिकारों श्रपीलीय प्राधिकारी होगा ।
 - 2. प्रपीलीय प्राधिकारी प्रथम उसके समकक्ष प्राधिकारी या कोई उससे उच्च प्राधिकारी जो दंड देने या अस्वास्तगी, निलम्बन या भनिवार्य सेत्रा निवृत्ति, के लिए सक्षम है, भी कोई भी निस्त दंड दे सकता है।

पाद टिप्पणी — मुख्य नियम भागत के राजपत में दिनांक 22-8-1968 के का. आ. 319 द्वारा प्रकाणित किये गये थे परवर्ती

तदन्तर अतुसूची 11 दिनांक 31-12-79 का. मा. 143 हारा मंघोधित

[सं. ई (डी एण्ड ए)/83-न्नार जी 6-45] ए. एन बांच्, सचित्र, रेलवे बीर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)

New Delhi, the 13th June, 1985

S.O. 3105.—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President thereby makes the following rules further to amend the Railway Servants (Discipine and Appeal) Rules, 1968, namely:—373 GI/85—7

- (1) These rules may be called the Railway Servants (Discipline and Appeal) Second Amendment Rules, 1985.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. For Schedule II to the Railway Servants (Discipline and Appeal) Rules, 1968, the following schedule shall be substituted, namely:—

Schedule of disciplinary powers and powers of suspension or different grades of Railway Officers/Senior Superviso, s in respect of non-gazetted staff of Zonal Railways, Chittaranjan Locomotive Works, Diesel Locomotive Works, Integral Coach Factory and Metro Projects (Railways)

1	2	3	4	5	b	7	8
Sr. Supervisors on charge in Grade Rs. 425-700 (RS) and abbee Note: The Rly. A iministration will notify lists of Supervisors incharge for the above purpose	Assistant Officers (Junior scale and Group 'B')	Sr. Scale Offers and Assistant Officers (Junior Scale and Group 'B') holding independent charge	Junior Adminis- native Grade Officers and Senior Scale Officers holding independent charge/ incharge of a Department oa the Division	Additional Divisional Railway Managers in relation to the Departments attached to them' Divisional Railway Managers	Head of the Department in level-I other than General Manager including the functional Head of the Department	Additional General Managers to relation to Departments netified/ Chief Acminis- trative Officer/ General Manager	Raifway B: ard

1. 'CENSURE'

<u> </u>	2		4		6	7	8
All Group 'D' and Group 'C' staff who are 3 grades below and lower than the Disciplinary Authority	Group 'D' and Group 'C' staff in grades upto Rs. 425-640/ 425-700(RS)/ 455-700(RS)	Group 'D' and Group 'C' staff except m Grade Rs. 700-900 (RS)	statt Gronb ,C, aud Gronb ,D,	Group 'D' and Group 'C' staff	Grcup 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff

2. WITHHOLDING OF PRIVILEGE PASSES AND/OR PTOS

	2	3	4	5	6	7	8
Group 'D' and Group 'C' staff wh s are 3 grades below	Group 'D' and Group 'C' staff in grades upto	For Offi ers with 10 years service and less as	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Greep 'C' staff			
and lower than the	Rs 425-640/	Gazetted					
Di ciplinary	425-700/455-	Officers-					
Authority	700 (RS)	Group 'C'					
		and					
		Group 'D'					
		staff except					
		in grade Rs. 550-750					
		(RS) and					
		above.					
		For officers					
		with more					
*		than 10 years					
		smvice as					
		G 12 atted					
		Group 'D'					
		and					

1	2	3	4	5	6	7	8
		Group 'C'					
		staff					
		except in					
		grade					
		Rs. 700-900					
		(RS)					

3. WITHHOLDING OF PROMOTIONS & WITHHOLDING OF INCREMENTS

1	2	3	4	5	6	7	8
Group 'D'	Group 'D'	Group 'D'	Group 'D'	G roup 'D' and	Group 'D'	Group 'D'	Group 'D'
Group 'C'	Group 'C'	Group 'C'	Group 'C'	Gourp 'C'	Group 'C'	Group 'C'	Group 'C'
staff wko	staff except	staff except	staff	staff	staff	staff	staff
are three !	in grade	in grade					
grades below	Rs. 455-700	Rs. 550-750					
and lower than	'RS) and	(RS) and					
the Disciplinary	above.	above.					
Authority.							
No powers exercisable							
where inquiry							
under Rule 11(2)							
is required							

4. RECOVERY FROM PAY OF PECUNIARY LOSS CAUSED TO GOVERNMENT BY NEGLIGENCE OR BREACH OF ORDER

1	2	3	4	5	6	7	8
Group 'D' and Group 'C' staff who are three grades below and lower than the Disciplinary Authority	Group 'D' and Group 'C' s aff in cale of pay rising upto Rs. 455(RS)	Group 'D' a 1d Group 'C' staff except in graces Rs. 550-750 (RS) and above.	Group 'D' and Group 'C' steff	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff

5(a). REDUCTION TO A LOWER POST OR LOWER TIME SCALE

1	2	3	4	5	6	7	8 .
NIL Group 'D' staff	Group 'D' and Group 'C'	Group 'D' - and Group 'C'	Group 'D'- and Group 'C'	Group 'C' Group 'C'	Group 'G' and Group 'G'	Group 'C' and Group 'C'	
	except in grades Rs. 550-750 (RS) and above.	staff	stafî	stafî	s aff	staff	

		Δ	5	6	7	8
G.oup 'D' and Group 'C' siaff in scale of pay rising upto Rs. 455(RS)	Group 'D' and Group 'C' staff except in grade Rs. 550-750 (RS).	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff
		-		T	. '	
	and Group 'C' siaff in scale of pay rising upto	and and Group 'C' Group 'C' siaff in staff scale of except pay rising in grade upto Rs. 550-750 Rs. 455(RS) (RS).	and and and Group 'C' Group 'C' Group 'C' siaff in staff staff staff staff scale of except pay rising in grade upto Rs. 550-750 Rs. 455(RS) (RS). 6. COMPULSORY 7. REMOVAL FR	and and and and Group 'C' Group 'C' Group 'C' Group 'C' Group 'C' Group 'C' Siaff in staff	and and and and and and Group 'C' Group 'C' Group 'C' Group 'C' Group 'C' Group 'C' Siaff in staff sta	and and and and and and and Group 'C' siaff in staff sta

Appointing Authority or an Authority of equivalent rank or any higher authority

9. SUSPENSION (This is not a penalty)

1	2	3	-1	5	6	7	8
Group 'D' and Group 'C' scales of pay rising upto Rs. 430(RS) subject to report to District Officer or Assistant Officer incharge within 24 hours in the case of Group 'C' staff.	Group 'D' and Group 'C' staff drawing Rs. 495(RS) and below	Group 'D' and Gruop 'C' staff upto scales Rv. 550-750 (RS)/455-700 (RS)	Group 'D' and Group C' staff	Group'D' and Group 'C' staff	Grroup 'D' and Group 'C' staff	Greup 'D' and Greup 'C' staff	Group 'D' and Group 'C' staff

NOTE: (1) The appellate authorities in the case of authorities mentioned in this Schedule shall be a shown in the next column, wheream in the case of the authority specified in the last column, the appeallate authority shall be the President; provident that if post of the rank shown in any restriction column does not exst, the appellate authority shall be that from it the restriction mention of the rank shown in any restriction of the column does not exst, the appellate authority shall be that from it the restriction mentioned in this Schedule shall be a shown in the next column, wheream in the case of the authority specified in the last column, the appeallate authority shall be the President; provident that it is not column.

(2) The appellate authority or an a hority of equivalent rank or any higher authority who is competent to impose the penals ties or dismissal, removal or compulsory retirement, may also impose any lower penalues.

FOOT NOTE: Principed Rules were published in the Gazette of India vide S-O No. 3 81 cated 22 8-1968 Schedule II was subsequently amended vide S.O. No. 143 dated 31-12-1979.

[No. E (D&A) 83 RG 6-45]

A. N. WANCHOO, Sccy. Railway Board

श्रम मंत्रालक

नई दिल्ली, 10 जून 1985

का. आ. 3106:—-मैर्सर्स हरिहर पोलीफिबर्स प्रापः दि ग्वालियर रेयन मिल्क मैन्युफैश्चरिंग (वीविंग) लिमिटेड, डाकघर—कमारोपत्तनैन (हरिहर के पास) धारबार जिला— 581123 (कर्नाटक, 5334), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिये आयेदन किया है;

और केन्द्रीय रारकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का मंदाय किये विना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिए बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पज्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उपत अधिनियम को धारा 17 की को उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए ओर इससे उपाबड़ अनुसूची में विनिर्दिष्ट गरों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियाजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिये ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिश्ट करें।
- 2 नियानक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत निखाओं का रखा जाता विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा विभिन्न का संदाय, निखाओं को अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संज्ञाय आदि भी है, होने वाले सभो व्ययों का बहुत नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार ब्रारा अनुमीदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुंसख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।

- 5. यदि ऐसा कोई कर्मजारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का यो उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में निया जित किया जाता है, तो नियोजक सामूहिक, बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम पारतीय जीवन बीमा निगम की मंदस्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के आधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्तें हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कोम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम में कम है तो कर्मचारी को उस रक्षा में संदेय होतो, जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो कियोजक कर्मचारी के विविध बारिस/ नाम निर्देणिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बरावर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई मी संशा-धन, प्रादेशिक भिविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमीदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिंत पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संशावता हो वहां प्रादेशिक भिविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्म जारी, भारतीय जीवन बीमा निकम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश, नियोजक उस नियम तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें. प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगन हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द को जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा श्रीपियम के सदाय में किये गय किसी व्यक्तिकम का देशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधि वारिसों की जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियाजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु हीने पर उसके

المنطابي والإستاديا بداما

ह्कदार नाम निर्दशिनियां/ विधिक वारिसों को बीमाक्कत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाक्कत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/160/85-एसएस-4]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 10th June, 1985

S.O. 3106.—Whereas Messrs. Harihar Polylibers Prop: The Gwalior Rayon Siik Manufacturing (Weaving) Limited, P.O. Kumaropatnain (Near Harihar) Dharwar District-581123 (KN/5334) (hereinafter referred to us the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoys ent of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercises of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme;

- 7. Notwithstanding anything containd in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the henefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(160)]85-SS-IVI

का. अ. 31 07:— मैसर्स तिमेण इंजीनियरिंग बक्स लिमिटेंड 1,2,3, इण्डस्ट्रियल एरिया, के आर एस. रोड, मैटागली पोस्ट मैसूर (कर्नाटक/ 6956), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनिय, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मकारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रिमियम का संदाय किये बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के निये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) हारा प्रवत्न मिनिविष्ट मती के अधीन रहते हुए, उनत स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के निये उक्त स्कीम के सभी उपवंधों के प्रवर्षन से छूट देती हैं।

अनुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा लथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरोक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुन निर्गाजन द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्न अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्न करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ायें जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचित रुप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिय सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्चेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम के किसी बात के होते हुए भी. यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उम रकम से कम है तो कर्मचारी की उस दक्षा में संदेय हीती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिम/नाम निर्वेशिसी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक के पूर्व अनुमादन के बिना नहीं किया जिएगा और जहां किसी संशोधन से

- कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पष्टने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमंदिन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जातें है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जातें हैं, तो यह रत्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख़ के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम को दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिमों को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के न बंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदर, को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बोमाछत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक देशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाछत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/159/85-एस एस-4]

S.O. 3107.—Whereas Messrs. Triveni Engineering Works Limited, 1.2.3. Industrial Area, KRS Road, Metagalli Post Mysore (kN|6956) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Contral Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premua, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salen! features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately entrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding any thing contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineellegil heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(159)]85-SS4]

का. आ. 3108 मैंसर्ग केलवीनेटर आफ इंडिया लिमिटेड, रेफरीजरेशन डिबीजन, 28, एन. आई. टी., फरीदाबाद (हरियाणा) पीएन/1891, (जिमे इसमें इसके पण्चात् उक्ष्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये अविवन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीनियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामू-हिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजोय हैं;

अत केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविध के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन में छूए देती है।

अन् यूची

- उन्त स्थानन के संबद्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त हरियाणा को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी मुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, वित्रर्राणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजन द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी, उनयें संशोधन किया जाए तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्म बारी जो कर्म बारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संधात करेगा।

- 6. यदि उनत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिय सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनक्रेय हैं।
- 7. सामूहिश बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में सदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के अंतर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भिष्ट्य निधि आयुक्त, हरियाणा के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव एड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भिविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम कोउस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अभीन नहीं रह सकते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से क्म हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमिय का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसो की व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियं जदा द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गए दिसी व्यक्ति कम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दे-शितियों या विधिक बारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती नो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के मंदाय का उत्सरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रक्षम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के एक महि के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संस्या एस-35014/157/85-एस एस-4]

S.O. 3108.—Whereas Messrs. Kelvinator of India Limited Refrigeration Division, 28, N.I.T. Faridabad (Haryana) (PN 1891) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellanous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinafter referred to as the said Ssheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Haryana and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineel Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014(157)|85-SS-IV]

हा. आ. 3109.—मैंसर्स नेप्रानल टैक्सटाईल धारपोरेणन (मध्य प्रदेश) निमिटेड एन. टी. सो. हाउस; — 27—यणवन्त निष्ठास रोड, इन्दौर-452003 म. प्र. (म. प्र./2027) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन छहा गया है) ने धर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबध अधिनिषम-1952 (1952 हा 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम रहा गया है) की धारा 17 को उपधारा (2क) के जबीन छूट दिये जाने के लिये आबेदन िया है;

और केन्द्रीय सरकार हा समस्यात हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम दा संदाय िये किया ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामू— हिक्त बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे दर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिदा अनुकूल हैं जो दर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उकत स्कीम दहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्रेय हैं;

अतः वेन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (२६) द्वारा प्रदत्त शक्तियों हा प्रयोग करते. हुए और इसमें उपादद अनुमूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुषुची

- 1. उनतः स्थापन ने संबंध में नियाजः प्रादेशियः भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा आर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो बेन्द्रीय सरहार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजद, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक यास के समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय

- सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट घरें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गतं लेखाचों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहत नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामूहिए बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब दक्षी उनमें संशोधन वियाजाए, तब तक समोधन की प्रति तथा कर्म-चारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों छा अनुवाद, संस्थान के मूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो धर्मचारी भिक्षण निधि का या उन्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिक्षण्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियं।- जित किया जाता है, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यण प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदस्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन जर्मचारियों को उपजब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जान की ब्यवस्था करेगा जितने कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अमूजो हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में िसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेम रहम उस रकम से कम है तो धर्मवारी की उस दक्षा में सदेम होती, जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोज है कर्मचारों के विविक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिश्र के रूप में दोनों रामों के अनर के बरावर रहम है। सदाय हरेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगो-ध , प्रावेशिक भिवष्य निधि आपुन्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिका नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगो-धन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभा-बना हों, वहां प्रादेशिंग भिवष्य निधि आपुन्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि िसी बारणवण, स्थापन के बर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाता

हैं था इस स्कीस **के अधीत** ार्म आरियों को प्राप्त होने वाले फायदे विस्ती रीति से व**म हो ज**िते हैं, तो यह रह की जा सकती है।

- 10 यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियत तारीख़ के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है ती छूट रख्द की जा सकती है।
- 11. नियानिक बारा श्रीमियम के संदाय में किये गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दे-शितियों या विविक वारिसों को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गृत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजन पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हं होने दार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाधत रकम का संदाय तत्परत। से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाधत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीवर सुनियचत करेगा।

[संख्या एस-35014/158/85-एस एस-4]

S.O. 3109.—Whereas Messrs. National Textile Corporation (Madhya Pradesh) Limited, N.T.C. House, 27, Yeshwant Niwas Road, Indore-452003, Madhya Pradesh (MP)2021), thereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the I-mployees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Lite Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct form time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3Λ) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premin, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member or the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enror him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme approriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nomines of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014(158) | 85-SS-IV]

का०आ०31100-मैंसर्स जिन्दल स्ट्रिप्स लिमिटेड, दिल्ली रोड, हिसार (पी० एन०/2885), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है; और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उन्तर स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिद्धिष्ट शर्ती के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, हरियाणा को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिये ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियाजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार, द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधित किया जाये, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदिश्ति करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचिन रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के

- लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों. जो उदत स्कीम के अधीन अनुझेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी वात के होते हुए भी, बिंद्ध किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दणामें मंदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विश्विक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराब्र रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, हरियाणा के पूर्व अनुमौदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमौदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अयसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिमें स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश, नियोजक उस नियत तारीख़ के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहना है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाना है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियांगक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विविक्त वारिसों की जो यदि यह छूट न दो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा.।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निष्चित करेंगा ।

[संख्या एस-35014/155/85-एम एस-4]

S.O. 3110.—Whereas Messrs. Jindal Strips Limited, Delhi Road, Hissar (PN|2885), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas the Central Gor ernment is satisfied that the employees of the said establish mut are, without making any separate contribution or payor ent of premium, in enjoyment of benefits under the Grow p Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance Corporation of India such employees than the yees' Deposit Linked referred to as the sair Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of station 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the organization of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. I'ne employer in relation to the said establishment shall submit t such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana and maintain such accounts and provide such fact after for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
 - 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
 - 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, authorission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
 - 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
 - 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corpotation of India.
 - 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
 - 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employeed the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the wid Scheme, the employer shall pay the difference to the tegal heir nominee of the employee as compensation.
 - 8. No amendment of the provisions of the Grot p Insurance Scheme, shall be made without the prior app toval of the Regional Provident Fund Commissioner, Harya ta and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commit usioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
 - 9. Where, for any reason, the employees of the said e tablishment do not remain covered under the Group Insura nec Scheme of the Life Insurance Corporation of India as alrea why adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, to be exemption shall be liable to be cancelled.
 - 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said acheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineellegal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(155)]85-SS-IV]

का०आ० 1311:—मैससं मुदुराई पंन्डियन इंजीनियरिंग कारपोरेणन लिमिटेंड, वाईपास रोड मदुराये:-625016 (टी ए न/10119) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिषण्य निधि और प्रकीणं उपबंध] अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) को धारा 17 की उपधारा (2क) के अथोन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की मामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अन्ज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट गर्नी के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को नीन वर्ष की अविधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

अनुमूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भिवष्य निधि आयुक्त, निमलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा, और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी मुबिधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर मंदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं की रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियग का संदाय, लेखाओं को अंतरण, निरीक्षण प्रभागों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियाजक बाग किया जायेगा ।

- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्म-चारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के मूचना पट्ट पर प्रदिश्ति करेगा ।
- 5. यदि कोई एंसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भिषट्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधोन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्ठिय निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृधित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्त हों जो उक्त स्कीम के अधीन
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है तो जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक, कर्मचारी के विधिक वारिम/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के च्य मे दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीन के उपवन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तिमलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यप्गत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है ।
- 11. नियोजिक द्वारा प्रीमियम के मंदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दणा में उन मृत सदस्यों के नाम

निर्देशितियों या बिधिक बारिसीं को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उन्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के संबंध में निश्रोजक, इस स्कीम के अधीन आने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक बारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एस-35014/139/85-एसएस-4]

S.O. 3111.—Whereas Messrs Madurai Pandiyan Engineering Corporation Limited, Bye Pass Road, Madurai-625016 (IN) 10119) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more tavourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (heremafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme ar approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof. In the language of the majority of the employees,
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately ented him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under

the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissionr, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of yiew.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by, the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomincel legal heirs of the deceased members entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014 139 85-SS-IV]

का. आ. 3113:—मैंसर्स वीडियो इलेक्ट्रोनिक्स प्राइ-वेट लिमिटेड, प्लाट नं. 8/2 साइट नं. 4, इंडस्ट्रियल एरिया साहिताबाद-201010 उत्तर प्रदेश (यू पी/4793) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क्) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रींमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की जपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अर्गेर इससे उपायद्ध अनुसूचीमें विनिर्दिष्ट शतों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त उत्तर प्रदेश को ऐसी विवरिणयां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदीय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक हारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोंजित थिया जाता है, तो नियोंजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक योमा रकीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से क्षम है जो कर्मचारी को उस दण, में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निर्देणिती को प्रतिकर के रूप में होनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बींसा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगो-धन, प्रादेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के जिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी मंगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को स्कित्यक्त अवसर देगा।
- यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे

स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायद किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह रह की जा सकती

- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को ध्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छट रह की जा सकती हि।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीभियम के संदाय में किए गए किसी ब्यतिकम की दशा में उन मृत सदस्वों के नाम निर्दे-णितियों या विधिक वारिसों को जो यदि वह छूट न दों गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामानिर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर मृतिक्षित्रत करेगा।

[संख्या एस .- 35014/144/85-एस . एस .- 4]

S.O. 3112.—Whereas Messrs, Video Electronics Private Limited, Plot No 8/2, Site No. 4, Industrial Area, Sahibabad-201010 Uttar Pradesh (UP/4793) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinpfter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Uttar Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of jeturns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer,

- solv dishment, a copy of the rules of the Group Insurance Sch eme as approved by the Central Government and, as av.d when amended, alongwith a translation of the salient Peatures thereof, in the language of the majoraty of the
 - 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately curol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium is respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
 - 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are nore favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme,
 - 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
 - 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of able opportunity to the employees to explain their point of
 - 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Groun Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
 - 10 Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date as fixed by the Life insurance Corporation of India, and the nolicy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
 - 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the local heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
 - 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee least heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S 35014/144785-SS-IV]

का. या. 3113:-- मैंसर्स मीता-लक्ष्मी मिल्स लिसिटेड मिल्स प्रीमिसम तिम्हनगर . मद्रगई- 625006 (टी , तम/ 2298) (जिसे इसमें इसके पश्चान्, उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि प्रकीर्ण उपबंध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19), (जिसे इसमें इसके पश्चात, उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के श्रधीन छुट दिए जाने के लिए ब्रावेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पथक अभिदाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही भारतीय जीवन बिमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के मधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारी के लिएफायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुजय हैं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायद्व श्रनुसूर्यः में विनिर्दिष्ट शतों के श्रधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट बेती है।

धनुसूषी

- 1. उन्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेणिक भिष्य निधि प्रायुक्त तिमलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर विनिद्धित करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त ग्राधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के ग्राधीन समय समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमां स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं की रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संवाय भावि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजन बारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक भीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब तक उस संगोधन की प्रति तथा कर्मजारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की मिष्य निधि का पहले ही सवस्य है, उसके स्थापन में विनियोजित किया जाता है, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका तुरन्त नाम दर्ज करेगा और उसकी बावत श्रावष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उन्त स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से श्रधिक श्रमुकूल हों, जो उन्त रूकीम के श्रधीन श्रमुक्त हों,

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संवेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबार रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त तिमलनाडु के पूर्व श्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाए और जहां किसी संगोधन से कर्म-चारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त अंपना श्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को श्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त श्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना खुका है, अधीन नहीं रह जाते या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति रिवाज से कम हो जाते है, तो यह रदद् की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कॉरणवंश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवंत निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकसी है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिकाम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वेशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायवों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वालें किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विविध वारिसों को बींमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन जीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एस-35014/145/85-एस एस-4]

S.O. 3113.—Whereas Messer. Sitalakshmi Mills Limited, Mill Premises, Tirunagar, Madural-625006 (TN/2298) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admiss-

sible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium is respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of

deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineel legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/145/85-SS-IV]

का आ. 311 में मैंसर्स फार्म प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड मेडीकल कालेज रोड थाजवुर--613000 (तिमिलनाडु) टीएन/7253) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए अबिटेन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम को किए बिना ही भारतीय जीवन बिमा निगय की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐमे कर्मचारी के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पण्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्रेय हैं;

म्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए और उससे उपाबज अनुसूची में विनिर्दिष्ट सर्तों के मधीन रहते हुए उक्त स्थापन की तीन वर्ष की मविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवंतन से छूट देती है।

श्रनुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखे रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्विष्ट करें।
- 2 नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त ग्राधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के ग्रधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत विध्या जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतर्ण, निरीक्षण प्रभारों संदाय ग्रादि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का दहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय गरकार द्वारा धनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उनमें

संगोधन किया जाए, जब तक उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की जापा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदिशत करेगा।

- 5. यदि कोई ऐसां कर्मचारों जो कर्मचारों ्विष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसो स्थापन की भविष्य िधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो ियोजक, सामूहिश बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका न म तुरन्त दर्ज करेंगा और उसकी वाबत ग्रावश्यक प्रीमियम भगरतीय जीवन बामा निगम को संदत्त करेगा ।
- 6. यदि उक्त स्कोम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फ़ायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक संमूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फ़ायदों में समुचित रूप से वृद्धि को जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फ़ायदें उन फ़ायदों में प्रधिक प्रनुकूल हों, जो उक्त स्कोम के प्रधीन अनुक्रेय हैं।
- 7 सामूहिक बोमा स्कोम में किती वात के होते हुए भी, यदि किसा कर्मचारों को मृत्यु पर इस स्कोम के प्रधान संदेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारों उस दशा में सदेय होता, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारों के विविध वारिस/नाम निर्वेशितः को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्मों के ग्रन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त तमिलनाडु के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृल प्रभाव पड़ने का संगायना हो यहां प्रावेशिक प्रविष्य निधि श्रायुक्त श्रपना श्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त श्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारो धारतीय जीवन बोमा निगम को उस सामूहिक बाम स्कीम के स्थापन जिसे पहारे अपना चुका है, अधीन नहीं रह ाते हैं, यह इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने व ज फायदे किसा राति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकता है।
- 10. यदि किसी कारणवर्ग, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में ग्रसफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रोमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दो गई होती तो उक्त स्कीन के अंतर्गत होते बोमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्काम के अधीन आने वाले कियो सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक-दार/नाम निर्देशितयों/विधिक वारिसों को बामाकृत रक्म का संदाय तत्परता से और प्रत्येष्ट दणा में भारताय जीदन बीमां निशम में बोमाकृत रक्म प्राप्त होने के एक माह के भीतर श्रीनिध्यत करेगा।

[संख्या: एस -- 35014/128/85 -- एस एस-4]

S.O. 3114.—Whereas Messrs. Pharm Products Private Limited, Medical College Road, Thangavur-613001, Tamil Nadu, (TN/7253) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, withis 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approval by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient teatures thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium is respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately. If the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Issurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithsanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that

would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

- 2. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tam I Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Issurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under the Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Lite Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in rayment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it any case within one month from the receipt of claim complete in all respect."

[No. S-35014(128)/85-SS-IV]

का. अ1.3115.--मैंसर्स काली म. ह. स. प्राइवेट लिमिटेड 42/6-बी, मद्रास रोड, मेलाकोवरी-612002, कुम्बाकोनम (टी एन/17020) (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए अविदम किया हैं;

और केन्द्रीय सरकार क' समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कम चारा किसी पृथक अभिदाय या प्रोमियम का संदाय किए खिना हो भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फ़ायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फ़ायदे उन फ़ायदों से आधक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बोमा स्कीम 1976 (िसे इसके पण्चाल् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्षेय हैं:

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इससे उप बद्ध अनुसूचा में विभिद्धित्व शती के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तिमलनाष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और

- ऐसे लेखा रखेगा तथा भिराक्षण के सिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजन ऐस निरोक्षण प्रभारों ए प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भातर मंदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में िसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवर्णयों का प्रस्तुत किया जाना, बोमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों, संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और अब कभी उनमें संशोधन किया आए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमंख्या की भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुसाद, संस्थान के मूचना पट्ट पर प्रयोगित धरेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारां, जो कर्मचारां भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोगित किया जाता है, तो नियोगक, सामृहित बोमा स्कीम के सदस्य के घप में उसका बाम खुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आंबरयक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगस को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उनते स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फ़ायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजन सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फ़ायदों में समुचित हम सै बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फ़ायदे उन फ़ायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृष हैं।
- 7. साभूहिस बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, याँव किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेथ रकम उस रक्षम से कम है तो कर्मचारी को उस दक्षा में संदेथ होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्वेणिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के अन्तर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बोमां स्कोम के उपवंधों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, समिलनाडु के पूर्व अनुसोवन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभाजन हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदनदेने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को गुक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यदि विसी गारणवंश, स्थापन के कर्मचारी, भारती जीवन बीमा निगम को उस सामुहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति के एम हो जाते है, तो यह रद्द की जा उकती है।
- 10. यदि िसी शारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम शासंदाय शरने में असफल रहता है, और पालिसी की व्ययगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निर्दे-शिवियों या विधिध वारिसों की जी यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय शा उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितीयों/विविध वारिस्प्रों की बीमाकृत रकम का संदाय उप्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्रास्त होने के एक माह के भीवर मुनिशाचत करोगा।

[संख्या-एस 35014/128/85-एसएस 4]

S.O. 3115.—Whereas Messis Kali MHS Private Limited, 42|6-B, Madras Road, Melakhaveri-612002, Kumbakonam (TN/17020), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said A:t and subject to the conditions specified in the Schedule agnexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts,

- submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspect on charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium is respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance cheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it any case within one month from the receipt of claim complete in all respect"

[No. S-35014(129)/85-SS-IVJ

हा.आ. 3116 — सैंसर्स विमास्तट हम्पनी (इंडिया) प्राइनेट लिमिटेड, खाण्डसा रोड, गुडगांना—122001 (पीए / 4120) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्थापन रहा गया है) ने पार्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध श्रिधिनिम, 1952 (1952 मा 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रिधिनियम घहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2हा) के श्रिधीन छूट दिए जाने के लिए श्राबेदन हिया है;

आंर केन्द्रीय तरकार का समावान हो गना है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, िसी पृथ्य ग्रिभिश्चय निगम की या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा सामूहिक बीमा स्कीम के ग्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं और ऐसे वर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से ग्रधिर ग्रनुकूल हैं, जो श्रीवारी नि क्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्रीय हैं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में विनिदिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवंधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

ग्रन्सूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रावेशिश भविष्य निधि श्रायुक्त, हरियाणा को ऐसी विवरणियां शेजेगओं ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सर गर, समय समय पर निविध्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रश्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय समय पर निविद्ध करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथ। कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छुट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उस स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसकी नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत ग्रावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम

- के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुजित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामुहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभेय हैं।
- 7. सामुहिक बीमा स्कीम में किसी यात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु और इस स्कीम के सदय रक्तम उस रक्तम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में सदेय होती, जब वह उकत स्कीम के प्रधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विश्विध वारिस / नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमों के प्रक्रतर के बराबर रक्तम का सदाय करेगा।
- 8. सामुहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, हरियाणा के पूर्व श्रनुमोदन के बिना नही किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकुल प्रभाव गडने की संभायना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त अपना श्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को श्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त श्रवसर देगा।
- 9. यदि िंसी कारणवंश, स्थापन के धर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रदद् की जा सकती है।
- 10. यदि िसी कारणवंश, नियां जक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का सदाय करने में मसफल रहा है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रदद की जा पकती है।
- 11. नियातिक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए िसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दे-शितियों या विकिध वारिसों को जो पदि यह लूट न दो गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, वीमा फायदों के संवाय उस्तरदायिस्य नियाजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन, इस स्कीम के मधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्षवार नाम निर्वेणितियों/विविध वारिसो को बीमा जत रूक्षम हा संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमा जित रूक्षम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित होरेगा।

[संख्या एस--35014/146/85-एस्एस-4]

S.O. 3116.—Whereas Messrs. The Malt (ompany (India) Private Limited, Khandsa Road, Gurgaon-122001 (PN/4120) (hereinafter referred to as the said establishment) have appled for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 thereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspect on charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary eremium is respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arange to enhance the benefits available to the employees under the Groun Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Haryana and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exc. ption is liable to be capcelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/Legal heirs of the deceased member entitled for it any case within one month from the receipt of claim complete in all respect"

[No. S-35014(146)/85-S\$-IV]

का. आ. 3117: — मैंसर्स काली सिक्योरिटी सिम्टम 42/6- बी, सद्वास रोड मेलाकावेरी-612002, कुम्बाकोतम (टीएन/17019) (जिसे इसमें उसके पंकास उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मवारी मिट्टम निश्चित्रीर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पंकास उकता अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आयेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारों, किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम को संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदें उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारों निक्षेप सहबद्ध बोमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुत्रेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उन्नत अधिनियम की घारा 17 की उपधारा (१क) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमे उपायञ्च अनुसूची में विनिर्दिष्ट णतों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन मे छूट देती है।

अनुसूची

- ग. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक श्रविष्य निधि आयुक्त, तिमलनाडु को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा एखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोशक, ऐसे निरीक्षण प्रमारों का प्रत्येक मास की समान्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर किर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्काम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीसियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरोक्षण प्रमारों संदाय जादि माँ हैं, होने वाले सभी क्ययों का बहुन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. निश्रोजक. केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोवित सामूहिक बीमा स्कीम के निथमों की एक प्रति और जब कभी उनमें समोधन किया आए, सब

नक उस मंजोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदेशिन करेगा।

- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी मिवद्य निधि का या उपने अधि। त्यम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की मिवद्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, नो नियोजित सम्माहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रांमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबल करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे कहाये जाते हैं सो नियोजक मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदें में समृचित रूप से बिद्ध की जाने की व्यवस्था करेगी जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदों में अधिक अनुकृत हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।
- 7. तामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते दूए भी, यदि किसी कर्मचारी की मत्यु पर इ.स. स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दणा में संदेय होती, अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिम/नाम निर्देणिती को प्रतिकर के रूप में टोनों रकमों के अन्तर के बरावर रकम का मंदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई मी संशीधन, प्रादेशिक भिक्तिया निधि आयुक्त, समिलनाषु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा और वहाँ किमी संशोधन के कर्मनारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभा पक्ष्ते की संभावना हो, वहाँ प्रावेशिक भिक्ष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मकारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्ति-युक्त अवसर देशा।
- 9. यदि किसी कारणवधा, स्थापन के कर्मचारी, मारतीय जीवन वीम निगम को उमें सामृहिक बामा स्कीम के, जिमें स्थापन पहले अपना चुका। है, अधीन नहीं रह जीते हैं, या दम स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले फायवे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह रह की जासकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीक के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जोने दिया जाता है तो छूट रह की जा मकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में विष गए किसी व्यक्तिश्रम की देशा में उन मृत स्दस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिसों की जो यदि यह पूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 अनत स्थापन के संंग्र में नियोक्षक, इस स्काम के अधीम आने बाले किसी अदस्य की मत्यु होने पर अमके हक्षवार नाम निर्देशितियों/ विविध बारिसों को बीमाक्कत रक्षम नी संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमाक्कत रक्षम प्राप्त होने के एक माह् के भीतर सुनिश्यित करेगा।

संख्या एन- 35014/131/85- एस एस-4]

S.O. 3117.—Whereas Messrs Kali Security System, 42[6-B, Mndras Road, Melakaveri-612002, Kumbakonam (TI[17019]) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admiss'ble under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium is respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available under the Group Insurance appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Issurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premum the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal beirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heits of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(131)/85-SS-IV]

का. आ. 3118: — मैसमें मेटल बाक्स इंडिया लिसिटेंड, वी-48 हाईड रोड एक्सटेंगन कलकता-700088 (डड्यूबी/247) (जिसे धरमें इगके पण्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने करंबार: मिदिय निधि और अकार्य जपबंध अधिनियम, 1952, (1952 का 19) (किसे इसमें इसके पण्चान जुका अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 नो उपबार (3क) के अप्रेन कृट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और फेन्द्रोथ सरकार का समाधान हो गया है कि उस्त स्थापत के कर्मचारी, किसी पूथक अभिदाय या प्रामिथम का संदाय किए बिना हो भारतीय जीवन बाना निनम को सामृहित बीमा स्काम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायरे उन फायरों में जिया अनुकूत हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बामा स्काम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्काम कहा गया है) के अवीन उन्हें अनुजेप है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदन लिक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपाधद्ध अनुसूचा में निनिद्दिय गतीं के अधीन रहने हुए, उन्त स्थापन की नीन नर्प का अधि के लिए उन्त स्थाम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसू ची

- 1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक मिष्ठिय निधि आयुक्त, कलकत्ता को ऐसा विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरांक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रांग सरकार, समय-समय पर निविष्ट करें।
- अनियंजिक, ऐसे निरोक्षण प्रसारों का प्रत्येक माम का मालिक के 15 दिन के भीतर मदाय मरेगा जो केन्द्रीय गरकार, उना अधिनियम की धारा 17 की उपवारा (3क) के खंड (क) के अधीन समयन्समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्काम के प्रणासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का, रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया काता, बोमा प्रोमियम का संदाद लेखाओं का अन्तरण, निराक्षण प्रभारों संदाद आदि भी हैं, होने वाले सभा क्यों का वहन नियोक्षक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोक्त केन्द्रीय सरकार हारा अन् विदा सामृहित बामा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उभी संगोधन किया जाए, तब तक उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारिकों को बहुसंक्षा की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुयाद, सम्यान के सूचना पट्ट पर प्रविशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा क्यांनारी, जो कर्मचारा भविष्य निधि का या उक्त अक्षितियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित कियाजाता है, तो रियोजित सामूहिक वीमा स्कीम के मदस्य के रूप में उनका नाम नुरन्त दर्ज करा। और उसका बाबन आवश्यक प्रामियम भारताय जावत वासा नियमका संदन करेगा।
- 373 GI/85-10

- 6. यदि उनन स्कीम के अधीन कर्मवारियों को उपलब्ध कायदे वहाये जाते हैं तो नियोजक गामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मवारियों की उपलब्ध कायदों में ममृजित रूप से वृद्धि कर जाने को व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामृहिक बोमा स्काम के अधीन उपलब्ध कायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उपन स्कीम के अधीन अभिन अभीन
- 7. सामूहिक वं.सा ना मा में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचार की मृत्यु पर का स्काम के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम से कम है जो कर्मचार को एस दशा में संदेय होती, अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोगक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के कप में दोनों रक्षमों के अस्तर के बराबर रक्षम का संदाय कर्मा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपशंधों में कोई भी संगोधन, प्रावेशिक भिवल्य निधि आयुक्त, कनकत्ता के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां कियों संशोधन के कर्मंबारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभायना हो, वहाँ प्रावेशिक मिवल्य निधि आपुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मंबारियों को अपना दुन्टिकोण स्पष्ट करने की युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसा कारणवण स्थापन के कर्तवारी भारसीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्काम के जिसे स्थापन पहने अपना चुका है अधान नहीं रह जाने हैं या इस स्काम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किया रोति से कम हो जाते हैं तो यह रहु की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण नियोजक उस नियत तारीख के शीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें प्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता है और पालिमी को व्ययपन्न हो जाने विया जाता है तो छट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिकम को दणा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वेणितियों या विविध वारिसों को जो याद यह छूट न वा गई होतो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते वीम फायदों के मंदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर श्लीगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने बाले किमी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/ विविध वारिसों को बीमाकुन रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दणा में शारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक भाह के भीतर मुनिस्थित करेगा।

[संख्या एस-35014/137/85-एस एस-4]

S.O. 3118.—Whereas Messrs Metal Box India Limited, P-48, Hide Road Extension, Calcutta-700088 (WB|247), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (heerinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said

Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as when amended, alongwith a translation of the salient teatures thereof in the language of the majority of the employees.
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Imployees' Provident Fund or the Provident Fund of an estalishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on he death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Schme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the I ife Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who fould have been covered under the said Scheme but for grunt of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure from the nament of the sum assured to the nominee! tend heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all tessents.

[No. S-35014(137)[85-SS.IV]

का. आ 3119: — मैमर्स एम. यें. हंडस्ट्रीज फैक्टरी 34-ए, 35-वी, इडिस्ट्रियल एरिया, आगरा बस्बई रोड, देवास, मध्य प्रवेण (एम पी/4821) (फिसे इसमें इसके पश्चात उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबध अधिनियम, 1952 (1952 का 10) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है:

और केन्द्रीय मरक र का समधान हो सया है कि उक्त स्थापन के कर्मच के किसी पूथक अधिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो। शारतीय जंबन बीमा निगम की सम्मूहित बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के हम में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मवाशियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत है, जो कर्मवाशि निकीम सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्याम उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुशेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार जन्म अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारः प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपज्यस्र अनुसूनों में विनिर्दिष्ट मतौं के अर्धान रहने हुए उपन स्थापन को नीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्काम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अत् सूची

- 1. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि अध्युक्त मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा नथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केर्न्द्राय मरकार, समय-प्रभय पर निदिद्ध करें।
- 2 नियाजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक सभा की समाणि के 15 दिन के मीतर संदाय करेगा जो केस्त्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में जिसके अनर्गन लेखाओं का रखा जान, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, कीमा प्रीमियम का संवय, लेखाओं का अंतरण, निर्मक्षण भागो संवय आदि भी हैं, होने बाले सभी कथयों को बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 1. नियोजक, केन्द्रं य गरक र द्वारा अनुमीदित मामूहिक वे मा स्कीम के नियमी की एक प्रति और जब कमी उनमें मंगोधन किया जाए वि नक उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचरियों की बहुमंड्या की भाषा में उसकी मुख्य बानों का अनुषद संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी जो कर्मकारी भविष्य निधि क. या उबन अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हैं: सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक समृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबम आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्य करेगा।
- 6. यदि उनन स्कीम के अर्धान कर्मशारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ायें आते हैं तो नियोजक स.मृहिक बीमा स्काम के अर्धन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदों में समूचिन रूप में शृक्षि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मन रियों के लिए स.मृहिक बीमा स्कीम के अर्धन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अर्धान अनुक्रेय है।
- 7. शाम् क्रिक कीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्म ति का मृत्यु पर इस स्कीम के अधीत संदेश रकम उस रकम से कम है को कर्म नारी को उस दक्षा म संदेश होती जब यह उक्त स्कीम

के अधीन हों तो नियोजका कर्मकारी के विविध व रिस नाम निर्देशिती को प्रतिकार के रूप में दोनों रक्तमों के अन्तर के अरु अर रक्तमों का संदेय करेगा।

- 8. स मूहिक श्रीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि अप्युक्त, सध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं किया जाएगा और जहां किमी संशोधन के कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने को सनावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि अप्युक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मच रियों को अपन दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण स्थापन के कर्मचारी भारतीय जाउन बीमा निगम को उस समृहिक अ.मा स्काम के, जिसे स्थापन पहले अपने चुक है, अर्थान नहीं रह जाने हैं, या इस स्काम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसा राति से कम हो जाने है, तो यह रह का जा सकता है
- 10. यदि किसी करणवण नियोजक उस नियत नरीख के भीतर जो भारताय जीवन बीमा नियम नियम करें, प्रामियम का मंदाय करने में असकल रहता है और पालियों को ध्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रांभियम के संदय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दगा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशिनियों प्र निविध वरिसीं की जो यदि यह छूट न द। गई होता तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों की संदाय का उत्तरद यिख्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक इस स्कीम के अक्षेत जाने वित्ते किस सदस्य की मृत्यु हाने पर उसके हकदार न म निर्देशिनिया/ विविध यारियों की बाम कुन रक्तम की सदाय तत्परता में आर प्रत्येक दता में भारताय जावन काम: निराम से बाम/कृत रक्तम प्राप्त हाने के एक महाके भानर मुनिश्चित करेगा।

[संख्यः एस-35014/147/85- एन एस-4]

S.O. 3119.—Whereas Messrs S. V. Industries Fact. 34-A, 35-B, Industrial Area, Agra, Bombay Road, Dewas, (M.P.) (MP.4821) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the 1.mployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India,
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the um assured to the nominee/legal heire of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014|147|85-SS-IV]

का. आ. 31.20 मैसर्स भागत धर्य भूवर्स लिभिटेक, जे. में गेंड, यूनिट विल्पिंग बंगलीय- 2 (के एन/2416) (जिसे क्ष्ममें प्रमके पण्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचार भविष्य निधि और पकीण उपवंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उपन प्रधिनियम कहा गया है) की धारों 17 क उपधारों (2क) के अधीन छूट दिने जाने ने लिये आविदन किया है:

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचार, किसं पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सदाय किये बिना हुं, भारतीय जंबन बीमा निगम को सामूहिक बामा स्काम के घ्रधान जवन बामा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भौर ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायद उन फायदों से ग्रिधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निकीप सहयद्ध बामा — स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्काम कहा गया है) के प्रधान उन्हें अनुजेय हैं;

श्रतः भेन्द्रं य सरकार, उन्तं प्रधिनियमं को धारा 17 का उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर इससे उपावद्ध धनुभूष में विनिर्दिष्ट प्रतौं के श्रधान रहते हुए, उक्त स्थापन को तन वर्ष का प्रविध के लिये उक्त स्थाप के सभा उपवंधों के प्रवर्तन में छूट देता है।

ध्रनुसूचं,

- उन्हें स्थापन के संबंध में नियंजिक प्रावंशिक भविष्य निधि श्रायुन क्त कर्नटक की ऐसा विवरणियों भेजेजा श्रीर ऐसे लेखा रखेला तथा निरान्ध क्षण के लिये ऐसा सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरक्षण प्रभारों का प्रश्येक मास की समाध्यि के 15 दिन के भारा संदाय करेगा जो केन्द्र,य सरकार, उक्त श्रधिनियम का धारों 17 क. उपधारा (3क) के खंड (क) के श्रधान समय-समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामूहिक ब मा स्क.म के प्रशासन में, जिसके घनर्गरा नेस्प्राप्तों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रभिन्नम का संदाय, नेखाओं का मंतरण, निराक्षण प्रमारों संदाय प्रादि भ है, होने वाले सभा व्ययों का बहुत निर्धातक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित मानृहिक बता स्कीम के नियमों के एक प्रति भीर जब कम. उनमे संगोधन किया जाए, तब तक उस संगोधन का प्रति तथा कर्मचारियों क. बहुनंबरा क भाषा में उसक. मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सुखना पट्ट पर प्रदिशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारा, जो कर्मचारा भविष्य निधि का या उक्त मिनियम के मधान छूट प्राप्त किस. स्थापन का भविष्य निधि का पहले ह सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजिय किया जाता है, तो नियोजिक सामूहित वामा को से सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रामियम भारत य जावन बामा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्क म के श्रश्नंत कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाने हैं तो नियोजक सामूहिक ब.मा स्क म के श्रधःन कर्मवारियों की उपलब्ध फायदों में समुचिन रूप से युद्धि क जाने के व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मबारियों के लिये सामूहिक ब.मा स्क म के श्रधान उपलब्ध फायदे उन फायदों से श्रधिक ग्रत्कुल हों, जो उन्न स्क म के श्रधान 'श्रत्जीय है।
- 7. सामूहिक बं.मा स्क म में फिस बात के होंने हुए भ , यदि किसी कर्मचारी का मृत्यु पर इस स्क म के अधान संदेम रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारा को उस दशा में सदेय होता , जब वह उकत का म के अधान होता तो नियोजक कर्मचारा के जिल्लिश बारिस/नाम निर्वेशिता को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमों के अन्तर के बराबर रकण का संदाय करेगा।
- हः सामूहिक बामा स्कीम के उपबंधों में काई भी प्रकाशन प्रादेशिक भित्रप्य निश्च आयुक्त, जनिष्ठक के पूर्व अनुमोदन के बाना नहीं किया आयेगा भीर जहां किया संशोधन से कमीचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने का संभावना हो, वहां प्रादेशिक भिषय निश्च थायुक्त ध्रपना भनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को ध्रपना वृष्टिकीण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- प्रदि किसा कारणवरा, स्थापन के कर्मबारा, भारताय जावन बामा निगम को उस सामृहिक बोमा स्काम के, जिसे स्थापन पहले बाना चुका

- है, प्रधान नहीं यह जाने हैं, या इस स्क.म के प्रधान कर्मचारियों का प्राप्त हाने वाले फायदे किन रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द क. जा सकता है।
- 10. यदि किसः कारणयण, नियाजक उस नियन ताराख के भातर, जो भारताय जावन बामा नियम नियम करं, प्रामियम का संदाय करने में श्रमकत रहता है, और पालिया को व्यपन हो जाने दिया जाना है तो छूट रहुद का जा सकता है।
- 11. नियोजक हारा प्रामित्रम के संबाध में किये गर्य किता ध्यातिकन का देशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या बिशिध वास्सिं की जो यदि यह छूट न दा गई होता तो उक्त स्काम के प्रतगंत हाने, बाम। फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियाजक पर हागा।
- 12. उक्त स्थान के सबंब में नियानक, इन रकाम के श्रवन यान वाल किम, सबस्व का मृत्यु होने पर उसक हुकदार नाम निर्दाणितयां / विश्विध थारियों को बामाकृत रकम का स्थाय नत्यरना से श्रार प्रत्येक देशा म भारताय जावन बामा नियम स बामाकृत रकन प्राप्त हान के एक गांधु के भातर मुलाक्ष्वित करना।

[संदश एस- 35014/152/85-एस एस-4]

5.O. 3120.—Whereas Messrs Bharat Earth Movers Limited, J. C. Road, Unity Building, Bangalore-2. (KN[2416) (hereinarter referred to as the said establishment) have applied to exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976(rereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall such inspection charges as the Cent-Government may, from time to time, direct under clause (a' of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, trasfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the citablishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees'Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India,

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Rigional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim compete in all respects.

[No. S. 35014/152[85-SS. IV]

का. श्रा. 3121 मैंसर्म सेनापर्थ श्रह टले लिमिटेफ. 11, राजभवन रोड, बंगलीर- 1 (फेएन / 3519) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मचार- भविष्य निश्चि श्रीर प्रकाण उपबंध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त श्रधिनियम कहा गया है) क धारा 17 क उपधारा (2क) के श्रधन छूट दिए जाने के लिये श्राबदेन निया है;

प्रीर नेन्द्रेय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचार, किय पृथक अभिदाय या प्रसिव्यम का संदाय किये बिना है, भारत य ज बन ब मा निगम के सामृहिक ब मा स्क म के अर्धन जेवन ब मा कि सप में कारदे उटा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के निष्ये ये फायदे उन पार्का से अधिक अनुकृत है, जो कर्मचारे निक्षेप सहबद्ध ब मा स्क.म. 1976 (जिसे इसके परचान् उन्ता स्क म कहा गया है) के अधिन उन्तें यनुचेय है;

शतः फेस्ट्रंग सरकार, उक्त प्रधितियम क धारा 17 क उपधारा (अक) द्वारा प्रवतः शक्तियों का प्रयाग करते हुए ध्रीर इपने उपाश्रद्ध धन् सूच मे विलिदिष्ट शर्तों के ध्रधन रहते हुए, उक्त स्थापन को तान वर्ष क ग्रवधि के निये उक्त स्क्रम के सभा उपगंधों के प्रवर्तन से छूट देस हैं।

प्रतम्ब.

 उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, कर्नाटक को ऐसः विवरणियों भेजेगा प्रार ऐसे खेखा रखेगा तथा निरीक्षण

- के निये ऐस सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार, समा-प्रमा पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियाजक, ऐसे निरक्षण प्रभारों का प्रत्येक मान का के 15 दिन के भानर सदाय करेगा जो केन्द्र य सरकार, उक्क परिवर्तिस्त के धारा 17 के उपधारा (3क) के खड़ (क) के ग्रंथ न समय-पन्न पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बागा स्काम के उन्हासन में, जिसके आही विश्वात्रा कर रखा जाना, विश्वरणियों का प्रान्ता किया जाना, बामा प्रसिवम का सहाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षण प्रपारी संदाय आदि भ है, होते वाते सभा व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया आयेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्र य सरकार प्राय प्रतृतीदित भानूहिक व तः महार के नियमी क एक प्रति प्रोर अब कतः उत्तर मंगीवर किया जाये, तर तक उस संगोधन क प्रति तथा कर्मवारियों क खड़ुपंख्या क भागा में उनक मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदीगत करेगा।
- 5. यदि कोई ़ैरा। कर्मवार, जो कर्नचार भिष्य तिथि का या उक्त प्रधिनियम के भ्रवन छूट प्राप्त किस स्थानन के भिर्मण तिथि का पा पहले हे सदस्य है, उनके स्थापन में नियोजि। किया जाता है, तो निरोजक सामृहिक सभा स्कम के सदस्य के रूप में उनका नाम नुस्त दर्ज करेया भ्रीर उसक बाबन शावश्यक प्रमिथम भारतीय जवन बामा नियम की संदत्न करेया।
- 6. यदि उक्त रूकम के प्रश्न कर्मजातियों को उनन्थ्य फानदे अवस्ये जाति हैं तो नियोजक सामृहिक बामा रक्तम के अश्चन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदी में समृज्ञिन का से वृद्धि क्र आने का व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मजातियों के निये सामृहिक बाभा रक्तम के प्रश्ना उपनव्ध फायदे उन फायदों से अधिक प्रवृक्ष्य हों, जो उना रक्तम के प्रश्ना प्रमृज्ञेय हैं।
- 7. सामृहिक ब मा स्काम में किस बात के होते हुए भा, यदि किया कर्मचार क मृष्यु पर इस स्काम के अधान संदेव रकम उस रकम में कम है तो कर्मचार को उस दशा में संदेव होता, उब बढ़ उसते स्काम के अधान होता तो नियोजक कर्मचार के विविध वास्मि/ नाम निर्देशित को पातिकर के रुप में दोनों एकसों के अंतर के वस्वार रक्त का समय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगोबन, प्रादेणिक भविष्य निश्चि स्रायुक्त कर्नटक के यूर्ग अनुभोदन के दिना नहीं किया जापूना स्मीर जहां किस संगोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पहने कि संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निश्चि स्वार्धि प्राप्त स्वार्ध के संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निश्चि स्वार्ध क्या प्रमुशीवन देने से पूर्व कर्मचारियों का स्वार्ध है। देवाग साउद हरते हा तुर्धिक स्वार्ध हैगा।
- 9. यदि किसा कारणवण, स्थापन के कर्तवार, भारत्य जो बन बामा निगम को उस सान्हिक बामा स्काम के, जिसे स्थापन पहने प्रयता चुका है, प्रधान नहीं रह जाते हैं, या इस स्काम के प्रधान कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसा राशि में कम ही जाते हैं, तो पह रहूद का जा सकता है।
- 10. यदि किमः। कारणवरा, नियोजक उम नियन तार.या के भानर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन करें, प्रभियम का संदाय करने में असफल रहता है, ग्रीर पालिमः को व्यवसात हो जाने विया जाता है तो छूट रहुद क. जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रोमियम के संदाय में किये गये किए। व्यक्तिक मिन क्षी कमा में उक्त मून सदस्यों के नाम निर्देशितयों या विविध वाश्यिमों को जो यदि वह छूट न द। गई होता तो उक्त स्काम के प्रतर्गत होते, बामा काथवां के सदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के मबध में नियान 6, इस स्कीन के ग्रधान ग्रान वाले किमा मदस्य के मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों / विविध वारिसों को बीमाइन रकम का सदाय मत्नरना से ग्रीर प्रत्येक दशा में भारताय जीवन वामा नियम से बामाइन रकम प्राप्त होते के एक माह के भारता स्तिराचित्र करेगा।

[संख्या एस- 35014/153/85- एस एस-4]

S.O. 3121.—Whereas Messrs Senapathy Whiteley Limited, 11, Raj Bhavan Road, Bangatore-1 (KN|3519) thereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (14 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establisment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in Telation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 5. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a memebr of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirlnominee of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employeer under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Schenic the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee|legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014|153|85-SS.IV]

का. आ. 3122 मेमर्स परमाल बेलेम लि., सेंट्रल इंडिया फुलोर मिल्ज के पास, पो. बा. 38, भोपाल- 462008 (मध्य प्रदेश) (एम०पी०/ 770) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापन कहा गया है) से कमंचार भिंकच्य निधि और प्रकृषे उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) का धारा 17 क. उपधार। (2क) के प्रधान छूट दिये जाने के लिये प्रावेदन किया है;

और केन्द्रं य सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कमचार, किस पृथक अभिवाय या अभियम का संदाय किये बिना हु, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अशीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के सिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृष है, जो कर्मचारी निश्चेष सहबद्ध बामा स्क.म, 1976 (जिसे इसके पण्डाम उक्त स्क म कहा गया है) के अधिन उन्हें अनुक्रेय है;

श्रतः केन्द्र य भरकार, उक्त श्रधिनियम का धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदन्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुमूच में जिनिदिष्ट शर्तों के श्रधान रहते हुए, उक्त स्थापन को नान वर्ण क श्रवधि के जिस उक्त स्काम के सभा उपबंधी के प्रवर्तन से छूट देता है।

भ्रन्मूच

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निश्चि श्रायु-क्त, मध्य प्रवेश को ऐसी विविर्णियां भेजगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षण के लिये ऐस सुविधाएं प्रदान करेगा को केन्द्र य सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 2. नियोजक ऐसे निरक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास क समाप्ति के 15 दिन के भागर संदाय करेगा जो केन्द्र य संकार, उमन प्रक्षिनियम क धारा 17 क उपधारा (3क) के खंड (क) कि प्रधान समय-समय पर निविद्ध करें।

- 3. सामृहिक बीभा स्कीम के प्रशासन में, जिसके द्यंतर्रंत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाता, व मा प्रमियम का संदाय, लेखाओं का द्यंतरण, तिरक्षण प्रभारो संवाय द्यादि भ हैं, होते व.ले गभ व्ययों का वहन तियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्र य सरकार हारा धनुमोदिन सामृतिक बीमा स्कीम के नियमों क एक पनि श्रीर जब कभ उत्तर्भ संशोधन किया जाये, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों क बहुसच्या की भाषा में उसक मुख्य बातों का श्रनुबाद संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदिशित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचार, जो कमेचार भविष्य निधि का या उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसक बाबत श्रावण्यक प्रसियम भारत य ज वन श्रीमा निगम की संदर्ज करेगा।
- त यदि उन्तर स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक ब मा स्काम के प्रधान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि के जाने की त्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामृहिक बीमा स्काम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृष्ठ हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अमुजेय हैं।
- 7. सामृहिक व मा स्क म में किस बात के होंने हुए भा, यदि किस कर्मचार, के मृत्यु पर इस स्क म के अधान संदेय रकम उस रकम में कम है तो कर्मचारी को उस उका में सबेय होता, जब यह उकन रकीम के अधान होता तो नियोजक कर्मचार के विविध बारिस/ नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रतिर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक कीम. स्कीम के उपबंधों में कोई भ संगोधन, प्रादेणिक भिष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेण के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किस. संगोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के सभावना हो, वहां प्रादेणिक भविष्य निधि आयुक्त प्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अथसर देगा।
- 9. यदि किस कारणवा, स्थापन के कर्मचार, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बामा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधान नहीं रह जाते है या इस स्काम के प्रधान कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किस रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द का जा सकतं है।
- 10. यदि किस. कारणवण, नियोजक उस नियत सारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्र मियम का मंदाय करने में ग्रमफल रहता है, भीर पालिस को व्यवगत हो जाने दिया जाता है, तो छुट रदद के जा सकते हैं।
- 11 नियोजक ब्राग प्रीमियम के संदाय में किये गये किस व्यक्तिकम क दणा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दा गई होती तो उक्त स्कीम के झंतर्गन होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीस के श्रश्नीन श्राने वाले किस सदस्य क मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम किर्दीणतियां/विविध वारिसों को ब माइल रकम का संदाय तत्परता से श्रीर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिण्यात करेगा।

[सन्या एस-35014/149/85- एस एस- 43]

S.O. 3122.—Whereas Messrs Permali Wallace Limited, Near Central India Flour Mills, Post Box No. 38, Bhopal-462008 (Madhya Pradesh) (MP|770) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of reutrns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees,
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available

to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Netwithstanding 'anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this sheeme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince legal heirs of the deceased member en titled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014]149[85-SS-IV]

का. ग्रा. 3123 मैसर्स जनधारा समान ट्रन्स प्राष्ट्रवेट निमिटेड, 416, इंडस्ट्रियल ए॰ियाए, लुधियाना (प एन 19761) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमचार भविष्य निधि धौर प्रकंर्ण उपबंध ग्रधिनियम, 1952 (1952 को 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उभत श्रिधिनियम, कहा गया है) के धारा 17 के उपधारा (2क) के ग्राधन छट विये जाने के लिये आयेवन किया है ;

ग्रीर केन्द्र य सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचार, किस पथक प्रभिदाय या प्रीमियम का सदाय किये बिना ह, भारतय जयन बंधा निगम क सामृहिक बंभा स्कम के अधन जबन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं और ऐसे कर्मवारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से धिधक धनुकृत हैं, जो कमंचार निक्षेप महबद्ध व मा स्क म.

1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कम कहा गया है) के प्रधान उन्हें ग्रनशेय हैं ;

चनः केन्द्रय सरकार, उक्त क्रिक्षिनियम क धारा 17 क अपधारा (এक) द्वारा प्रदत्त गाविनयों का प्रयोग करने हुए प्रीर इसने उपायद्व भनुसूच में विनिदिष्ट गर्तों के ब्रध न रहते हुए, उक्त स्थापन को त न वर्ष क प्रविध के लिये उक्त रक्त म के सभ उपपंधों के प्रवर्तन से छुट देत 青日

भन्यूच

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि यापकत, पंजाब को ऐस त्रिवरणियां मेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐस सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समध-रामप्र पर निदिग्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाज्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3क) के खंद (क) के प्रधान समय सभाव पर निदिष्ट करें।
- 3 सामृहिक ब मा स्कंम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना जीमा प्रसियम का संदाय, लेखामी का मतरण, निरक्षण प्रभारीका संयाय मादिम 🕠 होने वाल सभी ब्ययो का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- नियोजक, केन्द्रय सरकार द्वारा ध्रनुमोदित नामृहिक बीमा स्कीम के नियमों क एक प्रति और जब कम उनमें संशोधन किया जाये, तब तक उस संबोधन क प्रति तथा कर्मजारियों क बहुसंख्या क भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- यवि कोई ऐसा कर्मचार, क्वो कर्मचार। पिबच्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के भ्रम्य न छूट प्राप्त किसः स्थापन को। भनिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है, तो नियोजक सामृहिक बामा स्काम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा क्रीर उसक बाबन बावस्यक प्रसियम भारतय जवन बमा निगम की
- यदि उक्त स्कम के ग्रधन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे क्हाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक सीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बृद्धि क जाने क व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामृहिक बीमा के प्रधीत उपलब्ध कायवे उन फायदों से मधिक धनुकूल हों, जो उक्त रक म के घर न घन्छेय हैं।
- 7 सामहिक न मा स्कम में किस, बात के होते हुं: भा, यदि किसी कर्मजारी की मृत्युपर इस स्कम के अधीन देय रकम उस अस अस किस है तो कमजार को उस दशा में सदेय होता, जब यह उक्त रक म के प्रधीन होता तो नियोजक कमचार के विविध वारिस/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के भ्रतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक ब.मा स्कम के उपबंधों में कोई भ संगोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक्त, पंजाब के पूर्व भनुमोदन के विना नहीं किया जायेगा ग्रीर जहां किसः संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सभावना हो, बहां प्रादेणिक भविष्य निधि प्रायुक्त प्रापना अनुभोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को ग्रपना देख्टिकोण स्पष्ट करने की युक्तियुक्त भवसर देगा।
- यदि किस. कारणवण, स्थापन के कर्मचार भारत य जीवन व मा निगम को उस मामूहिक संसा स्काम के, जिसे स्थापन पहले अपना कुका है, प्रधान नहीं रह जाते हैं, या इस स्काम के प्रधान कर्मकारियों को प्राप्त

होने वाले फ यदे किस रीहिन में कम हो जाते है तो यह रब्द की जा सकती है।

- 10 यदि किस कारणवण, नियोजक उस नियन तार ख के भानर, जो भारत य जवन बामा नियम नियत करें, प्रमियम का संदाय करेने में भामका रहता है, भीर पालिस का व्यवस्थात हो जाते दिया जाता है तो छट रद्द क जा सकत है।
- 11. नियोजक हारा प्रमियम के संदाय में किये गये किस. व्यक्तिकम क देणा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्दणितियों या विविध वास्मित की जो यदि यह छूट न देः गई होती तो उक्त स्कीम के भनगेन होते, बामा कायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीत के श्रधन श्राने बाले किस सदस्य क मृत्यू होने पर उनके हरदार नाम निद्याणितयों/ विविध वारिसों को बीमाइन रक्तम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक वणा में भारत य जीवन व्यामा निकास में बीमाइन रक्तम प्राप्त होने के एक माह के भीक्षर मृतिश्वित करेगा।

[सन्ध्या एस- 35014/148/85- एस एस- 4]

S.O. 3123.—Whereas Messrs Jaldhara Small Tools Private Limited, 416, Industrial Area A, Ludhiana, (PN|9761) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Groun Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The comployer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance 373 GI/85-11

- of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are cohanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails topay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of that sum assured to the nominee legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014|148|85-SS-IV]

का. भा 3124. — मैसर्म मध्य प्रदेश लघू उद्योग निगम लि., 23, भाषिंग सैंटर, त्यू भाकिट, टी. टी. भगर, भोषाल— 462003(एम प / 1262) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उसत स्वापन कहा गया है) ने कर्मचार भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपसंघ भवित्यम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्वित्यम, कहा गया है) के द्यारा 17 की उपसारा (2क) के संभीन कुट दिये जाने के लिये झावेदन किया है;

मौर केन्द्रिय सरकार का समाक्षान हो यया है कि उक्त स्वापन के कर्मचारी किस पृथक प्रक्षिदाय या प्रीमियम का संदाय किसे बिना ह, भारतीय जीवन बीमा निगम की जावन बीमा रूक म का सामृहिक बीमा स्क्रीम के बाब न बामा के रूप में जो कायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधिन उन्हें बनुक्षेय हैं;

मतः केन्द्रं स सरकार, उक्त प्रवितिसम का बारा 17 के उपधारा (2क) द्वारा प्रदल्त शक्तिमों का प्रयोग करते हुए श्रीर भारत सरकार के अस संवालय के प्रविद्युलना लंक्सा का. भा. 3034 तारी 28.8.8.8 के सनुसरण में भीर इससे उपाबद्ध भनुसूच में बिनिर्दिष्ट शतों के भवीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 28 भगस्त, 1985 में तान बर्ष का प्रविधि के लियें जिसमें 27 भगस्त, 1988 में कम्मिलिन है, उक्त स्कृप के सभ उपबंधों के प्रवर्तन से कुट देता है।

अनुसूची

- 1. जरून स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निश्चि प्रायुक्त मध्य प्रवेस की ऐसः विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा नथा निर क्षण के लिये ऐसः मुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरक्षण प्रमारों का प्रत्येक मास क' समाप्ति के 15 दिन के भानर संदाय करेगा जो केन्द्रय सरकार, उक्त प्रधिनियम का धारा 17 क उनधारा (उक्) के खड़ (क) के भ्रवान समय-समय पर निविष्ट करे।
- 3. सामृहिक ब.मा स्कम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गन लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वंतम स्कोभ प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षण प्रभारों का सवाय भावि भ हैं, होने वाले सभ व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक केर्न्नय सरकार द्वारा यचा अनुमोदत सामूहिक वे मा स्कंम के नियमों कः एक प्रति चौर जब कथा उनमें मंत्रोधन किया आये, तब उस संगोधन के प्रति तथा कर्मचारियों के बहुसंख्या का भाषा में उसक मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुखना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐमा कर्मेचार., जो कर्मचार. प्रविष्य निधि या जन्त प्रधि-निधम के प्रधान छूट प्राप्त किस स्वापन का पविष्य निधि का पहले हैं। सवस्य हैं, उसके स्वापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक मामू — हिंक बंमा स्कम ने सवस्य के रूप में उसका नाम तुरुण वर्ष करेगा थों। उसकी बाबत प्रावश्यक प्रमियम भारत्य जवन बंमा निगम को संवत्न करेगा।

- 6 यदि सामृहिक असा स्कम के ग्रधंन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहाये जाने हैं तो नियोजक उक्त स्कम के ग्रधंन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृधिन कप से वृद्धि की जाने के व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामृहिक बंगा स्कम के अधंन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कम के ग्रधंन अनुक्रिय है।
- 7. सामृहिक बीमा स्काम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के भ्रधान संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्काम के भ्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचार के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के इस में दोनों रकमों के भ्रांतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक अपा स्क्रीम के उपबंधों में कोई भी संगोधन प्रादेणिक भविष्य निधि भायुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व भनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा भीर जहां किसा संशोधन से कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने का समावना हो बहां प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक्त, भपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मवारियों को भ्रयना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवसर देगा।
- 9. यदि किमा कारणवश, स्थापन के कर्मवार, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक व मा स्कम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अखान नहीं रह जाने हैं, या इस स्कम के झर्छान कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फामदे किसे। रंति से कम हो जाते हैं, वो यह रहेव का जा सकते हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियन नाराख के भानर, जो भारताय जानन बामा नियम नियम करें, प्रामियम का संदाय करते में असफल रहता है, और पालिसा को ध्यपनत हो जाने दिया जाता है तो खूट रवृद का जा सकता है।
- 11. नियोजक हारा प्रामियम के मंदाय में किये गये कितः व्यक्तिकम क दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निर्देशिनियों या निनिय : बारिमों को जो यदि यह छूट न दें गई होतः तो उक्त स्कःम के मनर्गन होते, सीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियाजक पर होगा।
- 12 उनन स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्काम के अधान झाने बाले किसा सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों/ विविध वारिसों को बामाइक रकम का मंदाय तत्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जावन बामा निगम से बामाइक रकम प्राप्त होने के एक माह के भारर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/27/85-एस एस-4]

S.O. 3124.—Whereas Messrs Madhya Pradesh Laghu Udyog Nigam Limited, 23, Shopping Centre, New Market, T. T. Nagar, Bhopal-462003 (MP|1262), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of Life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in con-

tinuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3034 dated the 28-8-82 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 28th August, 1985 upto and inclusive of the 27th August, 1988.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects."

[No. S-35014|27|82-PF-II-SS.IV]

को. मा. 3125 — मैमर्स भारत फिट्ज बेतर्र भा. लि ,प स्या, यशबन्त- पुर, बंगलौर (कर्नाटक/2346) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उका स्थान कहा गया है) ने कर्मचारं भविष्य तिथि भौर प्रकृण उपजंध प्रशिविष्म, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रशिविषम कहा गया है) की धारा 17 क उपधारा (2क) के प्रशीत छूट दिये जाने के लिये प्रावेदन किया है;

भीर केन्द्र य सरकार का समाजान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मचार. किस पृथक भिष्ठाय का प्रसियम का संवाय किसे बिना ही, सारत य जीवन बीमा निगम का बीवन बेमा स्कं.म का सावृहिक बीमा स्क म के भिष्ठीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों में अधिक अनुकृत हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्षण स्कीम कहा गया है) के भक्षीन अनुक्षेय हैं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिवयम का धारा 17 का उत्थारा (2क) द्वारा प्रवन्त सिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रीर भारत सरकार ंके श्रम मसालय क श्रीधसुषता संख्या का. श्रा. 3050, तारीखा 17-5-32 के श्रनुसरण में श्रीर इसने उपावक श्रनुसूचां में वितिशिष्ट सर्सों के श्रात न रहते हुए, उक्त स्थापन को 28 श्रगस्त, 1985 में तीन वर्ष का श्रवधि के सिये जिसमें 27 श्रगस्त, 1988 था। सस्मिलित है, उक्त स्काम के सभी अध्यक्षीं के श्रवतंत से खूट देती है।

वन सकी

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में तिरोजन प्रावेशिक भविष्य तिथि प्रायुक्त कर्नाटक को ऐस जिबरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण, के लिये. ऐस सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रश्नेक मास क समाध्यि के 15 विस के मानर संबाध करेगा जो केन्द्र य सरकार, उन्हें अधिनियम क मारा 12 का उपछारा (3क) के बांब (क) के अप्रोत समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामूहिक बागा स्कंम के प्रशासन में, जिएके प्रतीन लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रभिन्न का संदान, लेखायां का संदरण, निरीक्षण प्रमारों का सदाय प्रादि मो हैं. होने वाले सभी क्यां का वहत नियोजक द्वारा किया जाएना।
- 4. तिमोजक, केन्द्रम सरकार द्वारा सका अनुमोदित सामूहिक सामा स्कीम के तियमों का एक प्रति सीर जब कमी उनमें संबोधन किया जाये, तब उस संबोधन का प्रति तथा कर्मचारियों की बहुर्यकरा की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रतुवाद, स्थापन के मुखना पट्ट पर प्रविकात करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारं, जो कर्मचारी अविष्य निधि या उक्त अधिनियम के श्रेष्ठ म छूट प्राप्त किसं स्थापन क भविष्य निधि का पहले हैं। सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक

सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसक बाइत आवश्यक प्रमियम भारतेय जनन बामा निगम को संबद्ध करेगा।

- 6. यदि सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्काम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि क जाते के ध्यवस्या करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन, उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रतुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन भनु— जेय हैं।
- 7. सामूहिक सं मा रूकंम में किसी बात के होते हुए भा यदि कियां। कर्मचार क मृत्यु पर इस रूकंम के अक्षंत्र संदेय रकम उस रूकम में कम है, जो कर्मचारे। को उस दणा में सदेय होता, जब यह उकत रक में के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारं, के विधिक बारिस नाम / निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के अपसर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक व मा स्कंम के उपबंधों में कोई भा स्वाजन प्रावेणिक भिक्ष निधि भाग्कन, फर्नाटक के पूर्व प्रमुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किमा सवाधन में कर्तवारियों के हिन पर प्रतिकृष प्रभाव पढ़ने की संभावना हों वहां प्रावेशिक भिवष्य निधि प्रायुक्त, भ्रपना अनुमादन देने से पूर्व कर्मचारियों को भ्रयना दृष्टिकांग स्वष्ट करने की प्रक्तियुक्त शवसर देगा।
- 9. यदि किसं कारणवरा, स्थापन के कर्मचार, भारत य ज वत व मा निगम को उस सामृहिक व मा स्कंम के, जिसे स्थापन पहने श्रपता चुका है, श्रधान नहीं रह जाते है, या इस स्कम के ग्रधान कर्मचा में को गाया होने बाल फायदे किसं. राति से कमाहो जाने है, तो यह रद्ध क जा सकत है।
- 10. यदि किसं कारणवण, नियाजक उस नियन नार ख के भानर जो भारत य ज वन बंमा नियम नियम करें, प्रामियम का सदाय करते में असफल रहता है, और पालिस को व्ययशन हो जाने दिया जाता है तो छूट यद की जा सकती है।
- 11- नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसं व्यतिक्रम के दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशिनियों या विधिक वारिसी की जो यदियह छूट न दे। गई होत तो उक्त कि म के ध्रतर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरवायित्व नियोजक प्रर होगा।
- 12. उक्स स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्क म के अक्ष न आने बाले किस. सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशिनयों/ विधिक बारिसों को ब माकृत रकम का संदाय तलग्ला से और प्रत्येक दशा में भारताय जीवन कीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के अंतर मुनिण्यत करेगा।

[सब्बा एस-35014/133/85- एस एस-4]

S.O. 3125.—Whereas Messers Bhaiat Fritz Werner Private Limited, Peenya, Yeshwanthpur, Bangalore (KN/2346) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of ection 17 of the Employees Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more fabourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linker Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3050 dated the 17th August, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 28th August, 1985 upto and inclusive of the 27th August, 1988.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Issurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be lable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the recept of claim complete in all respects."

[No. S. 35014/133/82-PF. II(SS. IV)]

का. प्रा. 31,6.—मैसर्स प्रेमिशन ट्रिंग मिस्टम लिमिटेड, सन्तृर, धार-वार (कर्नाटक 4349) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उन्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचार भविष्य निधि और प्रकर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चास् उन्त प्रधिनियम कहा गया है) के धारा 17 के उपधारा (2क) के बधीन छूट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

घौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचार किस पृथक प्रभिदाय का प्रमियम का संवाय किए बिना ह, आरक्षिय जीवन बीमा निएम के जबन बास स्काम के सामृहिक बाम स्कीम के प्रधान जबन बाम के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचार निक्षेप सहबद्ध बीमा स्काम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधान अनुक्रेय हैं;

धत: केन्द्र य सरकार, उकत धिवित्यम क धारा 17 का उपधारा (2क) छ रा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग भरते हुए और भारत सरकार के श्रम भंजालय क श्रिष्ट्रचना संख्या का. भा. 3396 तार ख 9-0-82 के अनुसरण में और इसमे उपायद्ध अनुसूच में विनिर्दिष्ट गर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 25 सितम्बर, 1985 में त न वर्ष क धवि के लिए जिसमें 24 सितम्बर, 1988 भा सिम्मलित है, उक्त स्कीम के सभ उपबंधों के प्रवर्तन से छुट देता है।

ग्रनसूची

- 1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निश्चि प्रायुक्त, कर्नाटक को ऐमा विवरणियां भेजना ग्रीप ऐसे लेखा रखें। तथा सिर अत के लिए ऐस सुविधाएं प्रवान करेना जो केन्द्र य सरकार समय-ममय पर निवर्धिट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास क. समाध्य के 15 दिन के भातर संक्षाय करेगा जो केन्द्राय सरकार, उक्ष्त प्रधिनियम क धारा 17 क. उपधारा (3क) के खंड (क) के ध्रधःन समय-समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामूहिक व मा स्क म के प्रशासन में, जिसके घंडां ते लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुन किया जाना, व मा प्र मियम का संदाय, लेखाओं का घंतरण, निर क्षण प्रभारों का संदाय घादि म, हैं, हांने वाले स्थ ब्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया आएना।
- 4. नियोजक, कंर्म्बाय सरकार द्वारा यथा प्रन्मोदित सामूहिक कोमा सक म के नियमों क एक प्रति भीर जब कथा उनने संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन क प्रति तथा कर्मचारियों क बहुसंख्या क भाषा मे उसकी मुख्य खातों का प्रतुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि को ऐसा कर्मधार, जो कर्मजार भिष्ठिय निधि का या उजत श्रिधिनियम के श्रधंन छुट प्राप्त किस, स्थापन का भविष्य निधि का पहले हं। सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के इस में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा

- भीर उसक बाबन आवश्यक प्रांसियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि सामूहिक ब मां स्कम के अधन कर्मवास्थिं क उपलब्ध फायदे बढाए जाते हैं, तो नियोजक उक्त स्कम के अधान कर्मवास्थिं को उपलब्ध फायदों में समुचिन रूप से वृद्धि क आने क व्यवस्था करेगा जिससे कि वर्जचास्यों के लिए सामूहिक ब मां स्कम के अधान उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्क.म के अधीन अनुजीय हैं।
- 7. स.मृहिक बामा स्काम में किस. वात के होने हुए था, यदि कित कर्मचार का मृत्यु पर इस स्काम के घात्रन संदेय रक्तम उस रक्तम से काम है, जो कर्मचारा को उस दशा में सदेय होगी, अब वह उसत स्काम के खबत होता तो, निर्दाणक कर्मचारा के विश्विक वास्मि/राम निर्देणितो को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के बंगर के बगावर रकत का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक ब मा स्क म के उन्बंधों में कार्र भ गर्गाप्त प्रांशिक भिवण निधि भ्रायुक्त, कर्नाटक के पूर्व भ्रमुमोदन के बिना नहीं किया जाएना आर जहां किसा संगोधन से कर्मबारियों के हिन पर भ्रातेकूल भ्रमाय पड़ने का समायना हो बहां प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, श्रपता श्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भ्रमा दृष्टिनोग स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भ्रयसर देना।
- 9. यदि किस. कारणवण, स्थापन के कर्नचारो, भारत य जीवन बोमा निनम को उप सामूहिक ब.मा स्क.म के, जिसे स्थापन पहुंचे श्रवाा चुका है क्षयीन नहीं नह जासे तैं, या दा म्कीम के अधीर कर्नचारीयों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी भीति से कम हो आते हैं, तो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किस. कारणवश, नियाजक उस तिया तार ख के भातर, जो भारत य जवन ब मा निगम नियल करे, प्रसियम का संदाय करने मे इसफिन रहता है, झीर पालिसा की व्ययगत हो जाने रिया जाता है सो छूट रह् की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रभित्रम के संदाय में किए गए किस। व्यतिकम की दशा में उन मृत मक्स्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों की जो यदि यह छूट न दी गई होत को उक्त स्क.म के भ्रतगत होते, बीमा फायबों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनन स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्क.म के अधान आने बाले किसी सदस्य की मृत्यु हाने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों / विविध बारिसों को ब.माकृत रकम का संदाय मरपरता से और प्रत्येक दशा में भारत य ज.बन ब मा निगम के ब.माकृत रकम प्राप्त होने के एक माह् के भ.नर सुनिश्चित करींगा ।

[स. एम 35014/88/82-एम एस-4]

S.O. 3126.—Whereas Messrs Precision Tooling Systems Limited Sattur, Dharwar (KN|4349) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3396 dated the 9-9-82 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 25th September, 1985 upto and inclusive of the 24th September, 1988

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempled under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal helr nominee of the employee as compensation.
- 8. No antendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manuer, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure

prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal hears of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014[88]82-PF-II(SS,IV)]

का. आ. 3127. — मैसर्स (I) दा डायमंड माइनिंग प्रोजेक्ट, प्राप्तेक्ट, प्राप्तेक्ट, प्राप्तेक्ट, प्राप्तेक्ट, प्राप्तेक्ट, (एम पी/1444) (II) दा बैलाडिला आयरन और प्रोजेक्ट, डिपीजिट नं. 5, बचेल (एम पी/32278) और (III) दा बैलाडिला आयरन और प्रोजेक्ट, किरस्तुल (एम पा 2279), बिलाडिण ट्रमैसर्स नैणनल मिनरल इचलपमेंट कारपोरेशन लि., हैदराबाद, (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमंबार भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त अधिनियम कहा गया है) के धारा 17 का उपधारा (2क) के प्रधीन छूट विए जाने के लिए धानेबन किया है;

भीर केलां य सरकार का समाधान हों गया है कि उका स्यापन के कर्मांचार किस पूथक भ्रभिदाय का प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, प्रारतीय जीवन बीमा निगम को जीवन बीमा न्कीम को नामृहिक बीमा स्कीम के अर्थन ज बन ब मा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्माचारियों को उन फायदों से भ्रधिक भ्रनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चात् उका स्कम कहा गया है) के अर्थन भन्नोय हैं;

भतः केन्द्र य सरकार, उक्त श्रक्षित्यम क धारा 17 का उपधारा (2क) द्वारा प्रवन्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए भीर भारत मरकार के श्रम मंद्रालय कं श्रिधसूचना संख्या का. श्रा. 3037 तार ख 23-8-82 के श्रनुसरण में श्रीर इससे उपायद श्रनुस्वा में वितिद्विष्ट एतों के धर्म रहते हुए, उक्त स्थापन को 28 श्रगस्त, 1985 से तान वर्ष का श्रविध के लिए जिसमें 27 श्रगस्त, 1988 भा सिम्मितित है, उक्त स्काम के सभ. उपबंधों के प्रयस्त से छूट देती है।

धनुभूचः

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियाजन प्रावेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त, मध्य प्रदेश की ऐसः विवरणियां भेजेंगा और ऐपे लेखा रखेंगा तथा निरीत्रा के लिए ऐसे सुविधाएं प्रदान करेंगा जो केन्द्रिय सरकार समय-गनय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास का समाप्ति के 15 दिन के भातर संदाय करेगा कि जो केन्द्रय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा 17 का उपधारा (3क) के खंड (क) के अधान समा-साग्य पर निरिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बामा स्काम के प्रणासन में, जिसके भतर्गत लेखामों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बामा प्रमियम का संवाय, लेखामों का मंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय मादि में हैं, हाने वाले स्था क्यों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाए।।
- 4. नियोक्तक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक भीमा स्काम के नियमों क एक प्रति और जम कम उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन के प्रति सथा कर्मचारियों क. बहुसंख्या क भाषा में उसकी मुख्य दातों का अनुमद, स्थान के सूचना पट्टूपर प्रदेशित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मवारों, जो कर्मवार। भविष्य निधि या उक्त भिधिनयम के अधंन छूट प्राप्त किए स्थापन के भविष्य निधि का पहले ह सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक सामू-हिक ब मा स्कीम सदस्य के रूप में उसका नाम नुरूत दर्ज करेगा आर और उसका बाबत आवश्यक प्रीसियम भारतीय जवन विसा निगम को संदक्त करेगा।

6 यहि सामृहित बीमा स्कीम के प्रधान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदै बढ़ाये जाने हैं, तो नियोजक उक्त स्काम के प्रधान कर्मचारियों का उपलब्ध फायदों में समुचित क्य में बृद्धि की जाने का व्यवस्था करेगा जिसके कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बांमा स्काम के प्रधीन उपलब्ध फायदें उन फायदों से प्रधिक धनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रनुजेय हैं।

- 7. सामूहिक बंगा स्क्रम में किस बात के होते हुए भ , यदि किम कर्मबारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय रक्षम उस रक्षम में कम है. जो कर्मबारो को उस दशा में संदेय होते , जब वह उक्त स्क्रम के भ्रधीन होता तो, नियोजक कर्मबार। के विधिक वारिस/नाम निर्देशिय को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के मंतर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक वं मा स्कीम के उपबंधों में कोई भं, संशोधन प्रादेशिक भिविष्य निधि श्रीयुक्त, मध्य प्रवेण के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किस संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भिविष्य निधि श्रीयुक्त, अपना मनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रयत्ना वृष्टिटकोण स्पष्ट करने का युक्ति- युक्त श्रवसर देशा।
- 9. यदि किसं. कारणवण, स्थापन के कर्मवारी भारतीय ज वन बं.मा निगम को उस सामूहिक बं.मा स्क.म के, जिमे स्थापन पहले अपना भुका है, अधीन नहीं वह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मवावियों को प्राप्त होने वाले फायदे किस। रीति से कम हो जाने हैं, तो यह रह् की जा सकते हैं।
- 10. यदि किसः कारणंवा, नियोजक उस नियत तार ल के भीतर, जो भारतीय जवन बंमा निगम नियत करें, प्रमियम का मंदाय करने में प्रसक्तल रहता है, धौर पालिस को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रह की जा सकता है ।
- 11. नियोजक द्वारा प्रमिथम के मंदाय में किए गए किसी व्यक्तिम क. दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह खुट न वी गई होती तो उकत स्कीम के झंतर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय 'का उत्तरदायिन्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के घान प्राने वाले किसो सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों/ विधिकवारियों की बीमाकृत रक्षम का संदाय सत्परता से घौर प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से ब माकृत रक्षम प्राप्त होने के एक माह के भारत सुनिश्चित करेगा।

[सं. एम • 35014/65/82 पी एफ II एस एम-4]

S.O. 3127.—Whereas Messrs (i) The Diamond Mining Project, Panna (MP|1444), (ii) The Bailadila Iron Ore Project, Deposit No. 5, Bacheli (MP|2278) and (iii) The Bailadila Iron Ore Project, Kirandul (MP|2279) belonging to M|s. National Mineral Development Corporation Limited, Hyderabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees' Provillent Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more

favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3037 dated the 28-8-82 and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 28th August, 1985 upto and inclusive of the 27th August, 1988.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section 3A of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arronge to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Func Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is hat to be cancelled.
- 11. In case of dafault, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure promot payment of the sum assured to the nomince or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S-35014]65[82-PF-II (SS. IV]

का. प्रा. 3.12.8 - - मैसर्स मेटल लैक्पस कैपस (इण्डिया) लिमिटेड, 2.4फी रोड, पो. बाक्स नं. 876, उन्सूर, बंगलौर-8 (कर्नाटक 2756). (जिसे इससे इसके पश्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचार भविष्य निश्वि और प्रकृण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चार उक्त प्रधिनियम, कहा गया है) के धारा 17 के उपधारा (2क) के प्रधंन छूट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रं य सरैकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारों किया पृथक श्रीभदाय या प्रसिथम का संदाय किए बिना है, भारत्य जवन य मा निगम के जंबन य मा स्क्रम की मामृहिरु बीमा स्क्रीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों की उन फायदों से श्रधिक श्रनुकल हैं जो उन्हें कर्मचार निक्षेप सहस्रक सीमा स्क्रीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चान उक्त स्क्रम कहा गया है) के श्रधन श्रनुक्षेय है ;

धतः, केन्द्रय सरकार, उक्त धिवियम के धारा 17 के उपधारा (2क) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंक्षालय के अधिसूचना संख्या का. 3041 तर ख 17-8-82 के भनुसरण में भौर प्रसले उपायद्ध अनुसूध में विनिदिष्ट शर्तों के प्रधान रहते हुए, उक्त स्थापन को, 28 धगस्स, 1985 में तीत वर्ष के भविध के लिए जिसमें 27 धगस्त, 1988 भा समिमलित है, उक्त स्कीम के सम उपश्रद्धों के प्रवर्तन से छुट देत हैं।

ग्रनमुर्चः

- 1 उनम स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेणिक मिवष्य निधि ग्रायम्य कर्नाटक को ऐसा विवरणियां भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा नथा निरोक्षण के लिए ऐस मुत्रिवाएं प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार समय-समय पर निदिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरंक्षण प्रभारों का प्रत्येक भास के समाध्य के 15 दिन के भागर संदाय करेगा जो केन्द्र य सरकार, उक्षत ग्राधि-नियम क धारा 17 के उपधारा (3क) के खण्ड (क) के ग्राधिन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 सामृहिक बीमा स्काम के प्रणासन में, जिसके प्रत्योग लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुम किया जाता, वीमा प्रीमियम का मंदाय, लेखाओं का धन्तरण, निरक्षण प्रभारों का संदाय श्रादि भी है, होने बाक्षे समी ब्यायों का भटत िरोक्क द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रिय सरकार द्वारा यथा घनुमोदिन सामूहिक बामा स्कम के नियमों क एक प्रति, भौर जब कमा उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संगोधन क प्रति तथा कर्मचारियों के बहुसंख्या क भाषा में उसक मुख्य बानों का घनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शिन करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारं, जो कर्मचारं, भविष्य निधि का या उक्त श्रक्षित्यम के भ्रमंत्र छूट प्राप्त किसं स्थापन के भविष्य निधि का पहले ह सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामृद्धिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम मुरन्त कर्ज करेगा और उनकी बाजन श्रावश्यक ग्रीमियम भारतीय जोशन बामा निगम की संबन्त करेगा।
- 6 यदि सामृहिक बंमा स्कीम के घर्षन कर्मचारियों को उप-लब्ध फायदे बहाए जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कम के प्रक्षन कर्म-चारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित क्यां से वृद्धि को जाते कः व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहित बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदें उन फायदों में धिक अनुकृत हों, तो उक्त स्कम के ध्रधन धन्त्रीय हैं।
- 7 सामृहिक ब मा स्क म में किम बात के होते हुए भा, यदि किस कर्मबार क मृत्यु पर इस स्क म के प्रधान रादेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मबार को उस दया में संदेय होता, जब बह उक्त स्क म के प्रधान होता हो, नियोजक कर्मबार के विधिक बारिस। नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के प्रस्तर के बरा र रकम का संदाय करेगा।
- 8 सामृहिक ब मा स्क म के उन्नवस्थों में कोई भ सनोधन, प्रावेशिक भिष्य निधि प्रायुक्त कर्नाटक के पूर्व प्रतृनोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अहा किसा संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने क संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, घपना श्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मभारियों को अपना दृष्टिकोण स्रष्ट करने का युक्तियक्त अवसर देगा।
- 9 यदि किसन कारणवण, स्थापन के कर्मचार, भारतंय अवन बमा निगम को उस सामूहिक बमा स्कीम के, जिं। स्थापन पहले अपना चुना है, प्रधन नहीं रह जों। हैं, या इस स्क्रम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होंने याने करण्यदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किस कारणवा, नियांजक भारत य जवन बामा निगम द्वारा नियत तार ख के भानर प्रमियम का संदाय करने में ग्रामकल रहता है, तो पालिस को व्यवस्थत हो जाने दिया जाता है तो छूट यह की जा सकत हैं।

the property of the property o 11 नियोजक द्वारा प्रानाम के संदाय में किए गए किया व्यक्ति-का का बगा में, उन मृत गुबस्यों के नामनिर्देशितियों या मिविक भारिको को जो यदि यह, छुटन द गई होत' तो उपन स्थाम के ग्रन्तर्गत होते, व मा कायदों के संदाय का उत्तरदायिक्**य नियोज**क पर ा मध्ये

12 इस स्क.म के प्रधान धाने वाले किसा सदस्य को मृत्यू होने पर भारत य जवन जमा निगम, समाप्रत राशि के हकदार नामनिर्देकिता/ विधिया बारिसों को उस राणि का मनाय तन्परता से भीर प्रश्येक वका में हर प्रकार से पूर्ण दाने का ब्राप्ति के सात दिन के भातर सूर्तिक्रियत भारेगा ।

[सस्या एस- 35014/93/82-4.एफ-1[एस- 4]

5.O. 3128.—Whereas Messrs Metal Lamp Caps (India) Limited, 2, Murphy Road, P.B. No. 876, Ulsoor, Bangalore-8 (KN12756), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for (2A) of ection 17 exemption under sub-section of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3041 dated the 17-8-82 and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 26th Aurust, 1985 upto and inclusive of the 27th August, 1988.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnat ka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time,
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time. direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premin, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notico Board of the establishments, a copy of the rules of 373 GI 85—12.

- the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees,
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir! nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the *aid establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of dafault, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer,
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitlted for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

शा. 31.79.— मैंससें कोरोमण्डल फरिलाईजर्स लिमिटेड, 126 सरोजिन देव रोड, सिकन्दराजाद (भांध्र प्रदेश/2760) (जिसे ए.उंग इसके पण्डात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमेंचार भविष्य िधि भौर प्रकर्ण उपजन्य प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्डात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपक्षारा (2क) के ग्रधन छूट दिए जाने के लिए आधेदन किया है;

भौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मखारी किस पृथक भिषाय या भ्रामियम का संवाय किए बिना ह, भारतीय जीवन ब मा निगम के जंबन ब मा स्क म के सामूहिक ब मा स्क म के भर्मन जवन ब मा के रूप में जो भायदा उठा रहे हैं थे ऐसे कर्मखारियों को उन फायवों से भ्रधिक भनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचार निक्षेप सहस्रद्ध ब मा स्क म, 1978 (जिमे इसमें इसके पश्चात् उकत स्क म कहा गया है) के भ्रधन भनुजेय है ;

घतः, केन्द्रं य सरकार, जनत भिधिनियम के धारा 17 के जपधारा (2क) द्वारा प्रवेत शिन्तयों का प्रयोग करते हुए भीर भारत सरकार के श्रम मंतालय के। भिधिनुवना संख्या का भा. 3379 तार ख 30-9-1982 के भनुसरण में धीर इससे जपायद्व भनुसूवें में निनिदिष्ट धतौं के स्थान रहते हुए, जनत स्थापन को, 25 सितम्बर, 1985 से तीन वर्ष के भविष्ठ के लिए जिसमें 24 सितम्बर, 1988 भ सिम्मलित है, जनत स्थाम के सम जपजन्थों के प्रवर्तन से छूट देता है।

पन्सूच

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रावेशिक भविष्य निश्चि धायुक्त श्रीध्र प्रदेश को ऐसः त्रिवरणियां भेजेगा धौर ऐसे लेखा रखेगा तथा निर शक्त के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरंक्षण प्रभारों का प्रत्येक साम कं समाध्त के 15 दिन के भातर संवाय करेगा जो केन्द्रय सरकार, उक्त ग्रधि-नियम कं धारा 17 के उपधारा (3क) के खण्ड (क) के धाधान समय-समय पर गिर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक ब मा स्क म के प्रशासन में, जिसके ध्रम्तर्गत लेखाओं, का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, ब मा प्रमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरक्षक प्रभारों का संवाय आणि भ है, होने वाले सभ व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्र य सरकार हारा यथा अनुमोदित सामृहिक समा स्क म के नियमों क एक प्रति, स्पीर जब कम उनमें संशोधन किया जाए, तम उस संशोधन क प्रति तथा कर्मचारियों के सहसंख्या क भाषा में उसक मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मजार, जो कर्मजार, भविष्य निधि का या उकत अधिनियम के अत्रीन छूट प्राप्त किस स्थापन क भविष्य निधि का पहले हां सवस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक ब मा स्कीम के सदस्य के रूप भे उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रीमियभ भारत य ज कन ब मा निगम को संदस्त करेगा।
- 6. यदि सामृहिक ब मा स्क म के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाने हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अशोन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृजित रूप से वृद्धि क जाने क व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक ब मा स्क म के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधन अनुकेष हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कम में किस बात के होते हुए म, मधि विस कर्मचार क मृत्यु पर इस स्कम के अञ्चन संदेय रकम उस एकम से कम हैं जो कर्मचार को उस दशा में संदेय होता, जात्र बहु उकत स्कम के अञ्चन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशित: को प्रति कर के रूप में दोनों रकमों के अल्लर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बंभा स्कम के उपवन्धों में कोई कां संगोधन, प्रावेशिक भविष्य निाध आयुक्त, अन्ध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोक्त के विता नहीं किया जाएगा और जहां किस संगोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़िन का संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त, अपना अनुमोवन देने से पूर्व कर्नचारियों को अपना दुव्डिकोण स्मध्य करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किस. कारणवरा, स्थापन के कमंबारं, भारतेय जंबन वं मा निगम को उस सामूहित वं मा स्कम के, जिसे स्थापन पहले अपना पुका है, अग्रान नहीं रह जाते हैं, या इस स्काम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किस। र ति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट, रख्य के. जा सकत है।
- 10. यदि किस' कारणवर्गा, नियोजक भारतंथ जवन यभा निगम द्वारा नियत तार ख के मतर प्र. मियम का संग्रय करने में असकृत रहता है, सो पालिस. को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रश्य क: जा सकत है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रमियम के संदाय में किए गए किस व्यक्तिकम के दशा में, उन मृत सदस्यों के नामितिईशितियों या विश्विक वारिसों को जोयदि यह छूट न द: गई होत: तो उनत स्काम के अन्तर्गत होते, बंध्या फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 इस स्क्र.म के अर्थान जाने वाले कितं सदस्य को मृत्यू होने पर भारताय जीवन बामा निगम, बीताक्वत राशि के हकशार नामनिवें-शित /विधिक वाण्सों को उस राशि का संदाय तत्परता से भौर प्रत्येक दश, में हर प्रकार से पूर्ण वावे का प्राप्ति के सात दिन के भातर सनिश्चित करेगा।

[संख्या एस- 35014/168/82 पा . एफ-XI (एकएस-4)]

S.O. 3129.—Whereas Messrs Coromandel Fertilisers Limited, 126, Sarojini Devi Road, Secunderabad (AP|2760) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3379 dated the 30-8-1982 and subject

to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 25th September, 1985 upto and inclusive of the 24th September, 1988.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andbra Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Schemes, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Schemand pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exchaption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of dafault, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomines or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered un 'ci the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceared member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in al' respects".

[No. S. 35014|168|82-PF-II (SS. IV)]

कः आठ 1 110 — सि कि दिना ले बीटरीज, मणिन पर, पोठ शक्स तंठ 9004, अहम समाव — 8, (गुजरात/1357) (जिसे इसमें इसके प्रयास उनते स्थानन कहा गरा है) ने कर्मे बारो पित्रिय निधि और प्रतीण उपवस्त्र अधिनिस्त, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधान छूट दिए जाने के निए आवेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीत सरहार हा समाधान हो गया कि उक्त स्थापन के कर्मवारी किमी पूर्वक अभिशाप था गिनियन हा संदाय किए धिना ही, आरहीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐने कर्मवारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मवारी निशेष सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इतने इतके प्रवात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुक्षेय हैं;

जतः केन्द्रीय सरकार उक्त अविशिवम की धारा 17 की उनधर (2क) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर मारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिमूचना संख्या का आ. 3394 तारीख 2-9-1982 के अनुमरण में भीर इससे उनाबक अनुसूची में विनिर्दिष्ट णती के अविन रहते हुए, उक्त स्थानन की, 25 सिनम्बर, 1985 से तीन वर्ष ने अविव के निर्मे 54 सिनम्बर, 1988 मा मन्मिनित है, उक्त स्कोम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केद्रोय सरकार सगय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों की प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाः करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपवारा (3) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्देश्य करें।

- 3 नामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत ने काओं का रखा जाना, विश्वरिणवीं ना प्रस्कृत किया खाना, वीपा प्रीमियन का नदान लेखाओं का अस्परण, निरीक्षण प्रभारों का संदास अ।दि नी है, होने वाले सभी स्थान का बहुत निरीक्षण द्वारा किया खाएगा।
- 4 नियाजका, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोधित लामूहिक बीजा स्कीम के नियमों की एक प्रति, चीर जब कभी उनमें मंशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मधारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मुख्य बाडीं का अनुवाद, स्वापन के सूचना पहु बर प्रतिकृत करेगा।
- 5. बिंद कोई ऐसा कर्मकारी जो कर्मकारी निश्चिका का उक्त शर्कि-निश्चन के अधीन छूट प्राप्त किसी स्कापन की श्रविका विश्विका पहुलें ही तबस्य है, उसके स्वापन में नियोजित किया जाता है हो, निबोजक, नामृतिक वंश्ना स्कीम के सबस्य के क्व में जसका भाम तुरस्त देशें करेगा भीर उसकी बाबत शावश्यक प्रीसियंग भारतीय कीकन बीका निग्च को बंदरन करेगा।
- 6. बदि नामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारिकों की उप-लब्ध कायदे बढाएं जाते हैं हो, निजंजक उक्स स्कीम के अधीन कर्म-बारिका को उपलब्ध कायदे में समुचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन अपलब्ध कायदे उन कायदों से अविक अनुकूल हीं, को उदस स्कीज के अधीन अनुवेस हैं।
- गृ. सामूहित दीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, बदि किसी कर्मचारी की मूस्यु पर इस स्कीम के मधीन संदेय रकम चस रकम से कन है जो कर्मचारी को उस दया में संदेव होती, जब यह उसत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारित/नाम निर्देशित की प्रतिकर के कप में दीनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का तवाब करेगा।
- श्राम्हिक बीमा स्कीम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेधिक अविका निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पक्ने की अंभावना हो वहां. प्रोवेशिक भविष्य निधि आयुक्त अवना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिवृक्त अवना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिवृक्त अवन्त देगा ।
- 9. बाद किसी कारणबाल, स्वापन के कर्मचारी, जारतीय जीवन कीमा निगम की उस मामुद्रिक बीमा स्कीम के, जिसे स्वापम पहले अपना चुका है, अबीन नहीं रह जाते हैं, मा इस स्कीम के अवीन कर्मचारिका की जारत होने बादी फायदे किसी रीति से एन को जाते हैं, तो बहु कुट एक्ट् की का सकती है!
- 10. यदि किसी कारणसक, निमोक्क भारतीय श्रीकम बीका निगन द्वारा निजन तारील के भोतर प्रीमियम का संदाय करने में अमफल रहता है, जो पालिसी को न्यवस्त हो जाने दिया जाता है तो छूद रहत् की जा ककती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमिक्स के संदाय में किए गए किसी न्यतिक की दशा में, उन मृत सबस्यों के नामविक्तिनियों या विक्रिक बारिसों को जां विद यह, छूट न दी गई होती दो बस्त स्कीम के अस्तर्गत होंदे, बीका कावदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजन पर होगा।
- 12. इस स्कांस के अधीन आने वाले किसी सबस्य को मृश्मु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम बीमाकृत राश्चि के हुकधार नामनिवेंसिली/ विधिक वारिमी की उस राश्चि का सबाब तत्परता से भीर प्रस्मेक दक्षा में हर प्रकार ने पूर्ण दावे की प्राप्ति के मात दिनु के पीतर बुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एस-35014/145/82-पीएफ-Il(एस एस-4)]

S.O. 3130.—Whereas Messis Cadila Laboratories, Maninagar, P.B. No. 9004, Ahmedabad-8 (GJ) 1357) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits uncer the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinalter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3394 dated the 2-9-1982 and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 25th September, 1985 upto and inclusive of the 24th September, 1988.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of dafault, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014|145|82-PF-II (SS. IV)]

का. आ. 3131.:— मैंसर्स एच. एम. टी. लिमिटेड बाख फैक्टबी एच. एम. टी. डाकघर बंगलीर—560031 (कर्नाटक/873ए) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उपन अधिनियम कहा गया है) बी धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट के लिए आवेदन किया है

और फेन्द्रीय गरकार का ममाधान हो गया है कि उपन स्थापन के कर्मभारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमिश्रम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की बामूहिक बीमा स्काम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहें है ये ऐसे कर्मक,ियों का उन फायदों से अधिक अनुकृत है जो उन्हें कर्मवारी निक्षेष सहबद्ध बीमा स्कीम 1976, (जिसे इसमें इसके गण्यान चक्त स्कीन कहा गया है) के अधीन अन्त्रोम है:

अत. केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदेश प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत खरकार के धम मंत्रालय की अधिमूचना संख्या का आ. 3036 तारी का 17-8-1982 के अनुसरण में और इसमें उपायद अनुसूची में बिनिर्दिष्ट बती के कार्य के रहते हुए उन्त स्थापन को 28 अगस्त 1985 में तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 27 अगस्त 1988 भी मस्मिलित है उन्त स्कीम के मंत्री व्यवंधों के प्रवंतन में छूट देती है।

अन्सूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियाजक प्राचेशिक भविष्य निधि आबुकत कर्नाटक की ऐसी (अवरांण्या भेजेंगा और ऐसे लेखा ख्खेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुनिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार सक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खड़ (क) के अधीय समय-समद पर निर्दित्य करें ।
- 3. सामूहिक सीमा रकीम के प्रणासन में जिसके अंतर्गत लेकाओं का रक्षा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, सीमा प्रीमियम का संदाय, लेकाओं का अंतरण, निर्शाकक प्रभागों का सदाय आदि भी है, होते भागे गत्नी क्यायों का वहरे निर्शाकक द्वारा किया साग्ना ।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार झारा सथा अनुमोदित भामूहिक भीमा रकीम के नियमों की एक प्रति भीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कमँचारियों की बहुतंक्या की भाषा में उसकी मुख्य दालों के अनुवाद स्थापन के सूचना पटट पर प्रदेशित करेगा।
- 5. बाँद कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी अविष्म निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की सिविध्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजित सम्मूहिक बीमा स्वीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्य दर्भ करेंगा और उसकी बाबत आयरयक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदर्भ करेंगा।
- 6. यदि गुःस्ट्रिक बीम रकीम के अधीन फर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जात हैं तो नियोजक उकत रकीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की स्वयस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कमैवारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उम रकम में कम है जो वर्मचारी की उस दणा में मंदेय होती जब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देणिती के प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।
- इ. साम्हिक बीमा स्कीम के उपवंधों से कोई भी सभोधन प्रादेशिक भिविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया भागमा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की सभावना हो यहा प्रादेशिक भिविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा

- 9. ब्रिट किसी कारणबण स्थापन के कर्मभाषी भारतीय जीवन जीमा निगम को उस मामृद्धिक कीमा स्वीम के जिसे स्थापन पहले अपना भुका है, अधीन महीं एह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मभारियों को प्राप्त होते बाले फाबदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रदद् की का सकती है।
- 10. अदि किसी कारणकण नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा निश्चल तारीख के भीतर प्रीमियम का संवाय करने में बसफल रहता है, को पालिसी को व्यपगत हो जाने विया आता है तो छूट रव्द की जासकती हैं।
- 11. नियोशक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिश्रम की यक्षा में उन मृत सवस्यों के नाम निर्देशितयों या विधिक नारिसों को जो यदि यह कूट न वी गई होती ती उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते श्रीयन कावयों के संवाय का उक्तरवाशिक्ष नियोगक पर होगा।
- 1.2. इसए स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर का स्तीय खीवन सीमा निगम बीमाकृत राणि के हकदार नामनिर्देशियो/विधिक बारिसों को छस राखि का सेदाम तत्यरता से और प्रत्येक धना में हर प्रकार से पूर्ण धावे की माप्ति के सास दिन के भीतर मुनिम्लित करेगा।

[संब एस-35014/53/82-पी एफ-II एस एस ~4]

S.O. 3131.—Whereas Messrs H.M.T. Limited, Watch Factory, H.M.T. P.O. Bangalore-560031 (KN|873-A) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the natification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 3036 dated the 17-8-1982 and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 28th August, 1985 upto and inclusive of the 27th August, 1988.

- 2. The employer shall pay such inspection charges ment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time,

- direct under clause (a) of sub-section 3A of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrel him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, it on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his at proval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the sald Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of Ind a shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014|53|82-PF-II (SS. IV)]

का. आ. 3132:— मैंसर्स प्लाज्मा लेखोटरीक 37-इंडिस्ट्रियल एस्टेंट पोलोगाउण्ड इन्दौर-452003, मध्य प्रदेश (म. प्र./2471) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमैंबारी भविष्य मिधि भीर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952का 19) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात उक्त अधिनियम कहा गया है) का धारा 17 ही उपभारा (2का) के अधीन छूट विए जाने के लिए आवेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्वापन के कर्मचारी किसी पृथक व्यक्तियाय या प्रीमियम का संदाय किए बिनाई ही. भारतीय जीवन बीमा निगम की सत्मृहिक बीमा क्लीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं थे ऐसे कर्मचारियों की उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा क्लीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुक्षिय है;

शतः केश्वीय सरकार उक्त श्रीवित्यम की द्यारा 17 की उपद्यारा (2 क) द्वारा प्रदक्त कित्रयों का करते हुए धीर भारत सरकार के श्रम मंद्रालय की अधिसूचना संख्या का० अ०० 2809 तारीख 13-7-1982 के अनुसरण में भीर ईससे उपाबद अनुसूची में विनिर्दिष्ट गतों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को 31 जुलाई 1985 से तीन वर्ष की अधिक्ष के लिए जिसमें 30 जुलाई 1988 भी सम्मिलित है उक्त स्थीम के सभी उपबंधों के प्रवंतन से छूट देशी है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सैबंध में नियोजन प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रवेश को ऐसी विवर्णियां भेजेगा और ऐसे लेखे ग्लेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवास करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाध्य के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निविच्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके भंतर्गत लेखाओं का रखा जानः विधरणियां का प्रस्तुत किया जानः, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का भंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजन केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोबित सामृहिक बीमा स्क्रीम के नियमों की एक प्रति धौर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुबंडया की भाषा में उसकी मुक्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचनापट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जा कर्मचारी श्रीवच्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्ठिष्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरक्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को खंक्त करेगा।

- 6. यदि सम्मूहिक बीमा स्कीस के सधीन कर्मचारियों को उपखब्ध फायदे बढ़ाये प्राप्त है को नियोजक उक्त स्कीस के खढ़ीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे में समुनित कप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्पचारियों के लिए सामूहिक बीमा क्कीस के अधीन उपलब्ध कारवे उन फायदों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. सामूहिक बीना स्कीम में किसी बात के शित हुए भी यदि किसी कमेंवारी की मृत्यू पर इन्न स्कीम के अधीन मदेय रकम उस रकम से कम है जो कमेंवारी को उस दणा में मंदेय होती, जब बहु उक्क स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कमेंवारी के विविध/वारिस/बंग्म निर्देषिती को प्रतिकर के दल में दोनों रकमों के बन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामृद्धिक बोमा स्क म के उपबन्धों में कोई भी समोप्रम, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त मध्य प्रदेस के पूर्व प्रतुमोवन के बिना सहीं किया जाएगा थीर जाने किसी संगोधन से कमकारियों के दित पर प्रतिकृत प्रधाय पढ़ने को समावना हो बजो, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रपत्ना प्रायुक्त के समावना हो बजो, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रपत्ना प्रायुक्त के स्वयं प्रदेश करें का प्रावेशिक स्वयं देशा ।
- 9. यदि किसे कारलबंध, स्थापन के कमें बारं, भारतीय जीवन बीसन निगम को उस सामृहिक बंभा स्कंभ के, जिसे स्थापन पहले प्रपत्न पूका है, प्रश्लेभ नहीं रह जाते हैं, या इस स्कोम के प्रश्लेभ क्येबारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसे रोति से कम हो जाते हैं, हो सम् कृष रह की जा सकतो है।
- 10- यवि किसी कारणक्य, नियोजन मारतीय जंग बीमा निवस द्वारा नियन तारीख के भीतर प्रीमियम का संयाय करने में ससफल रहसा है, तो पालिखी को व्यवसाद दी जाने विभा जाता है तो छूट रहू की बा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रामिथम के संदाव में किए यए किसो व्यक्तिकम को द्वारा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विश्विक वारिसों को, जो यदि यह, छूट न वा गई होता तो उनत स्काम के खन्तगैत होते वामा कायदों के संदाय का उत्तरतायित नियोजक पर होगा।
- 12 इस स्कोम के घर्षान घाने वाने किसी सवस्य की मृत्यु होने पर भारताय जावन बं.मा निगम, बं.माइत राणि के हकवार नामनिविधितो / विधिक वारिसों को उम राणि का संदाय तस्परता से भीर प्रत्येक वणा में हर प्रकार में पूर्ण वाने की प्राप्ति के सात विन के भागर सुनिधिवत करेगा 1

[संस्था एस-35014/178/82नः एक -[[एस एस-4]

S.O. 3132.—Whereas Messrs Plazma Laboratories, 37, Industrial Estate, Pologround, Indore-452003 Madhya Pradesh (MP/2471) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2.A) of section 17 of the said Act and in continuation of the natification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 2809 dated the 13-7-1982 and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 31st July, 1985 upto and inclusive of the 30th July, 1988.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section 3A of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Schemes, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amend-

- ment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
 - 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
 - 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
 - 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
 - 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure promot payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014[178¹82-PF-II (SS. IV)]

का. था. 31.33 - भीमकं कालं इलेक्ट्रो-टक्तिक्त, 42,6-ए, मद्रास रोड, मालाकायेरी-612002, कुम्बाकोनम (टी एन/11819) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारो मिक्ट्य निश्चि और प्रकोणं उरवांश्व प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त मधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के घश्चेन दिए धानेन के लिए धानेन किया है;

घोर केन्द्राय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मभारी, किसी पृथक प्रभिद्राय या प्रांसियम का संदाय किए जिता हो, भारतीय जीवन बोमा निगम का सामुद्रिक बामा स्काम के प्रधान जीवन बोमा के रूप मे कायदे उठा रहे हैं घौर ऐसे कर्मचारियों के लिए वे कायदे उन फायदों से श्रीजिक श्रित्कृत है, जो कर्मवारा निक्षेण सह्यक बामा स्काम, 1976 (जिसे इसके पश्चान जक्त स्काम कहा गया है) के प्रधान उन्हें बनुक्रेय हैं ;

श्रात केन्द्रोय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को अपकारा (2क) हारा प्रयत्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपाव ड अनुसूचा में विनिधिष्ट णर्ती के अर्थान रहते हुए, उक्त स्थापन को तम वर्ध का प्रविधि के लिए उक्त स्कम के सभा उपवधीं के प्रथान में कृट देखें। हैं।

पन्सू च

 छक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि धायुक्त, निम्मनाष्ट्र को ऐसा विवरणियां भेजेगा धौर ऐसे लेखा रखेगा तवा निरंक्षण के लिए ऐसं सुविधाएं प्रदान करेगा जो मेल्द्रेय सरकार, समय-सपय पर निविध्ट कोरें।

- 2. नियोजक, ऐसे निरक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेग, जो केन्द्रंथ सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. मामूहिक बंगा सर्कम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवर्णियों का प्रस्तुत किया जाना, बंगा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षण प्रभारों का संदाय ग्रावि भं, हैं, होने वाले सभा व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएग, ।
- 4. नियोजक, केन्द्रिय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कंम के नियमों क. एक प्रति और जब कमा उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन क. प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या का भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रविशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कमचारं, जो कर्मचारं भविष्य निश्चि का या उक्त मिश्चिनयम के प्रधान छूट प्राप्त किसः स्थापन कः भविष्य निश्चि का पहले हों सवस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जातः है, तो नियोजक, सःमृहिक व मा स्कम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसका बाबत बाबप्रयक प्रामियम भारतःय ज.वन ब.मा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त सर्क म के प्रघं न कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहुए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बंमा स्काम के प्रघान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि का जाने का व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बामा स्काम के प्रधान उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हों, जो उक्त स्काम के प्रधान प्रमुक्त हों, जो उक्त स्काम के प्रधान प्रमुक्त हों,
- 7. सामूहिक बंमा स्कंम में किसा बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचार क मृत्यु पर ६स स्कंम के प्रधान संदेय रक्तम उस रक्तम से कम है सो कर्मचार को उस दक्षा में संदेय होती, जब वह उमत स्कंम के प्रधान होता तो नियोजक कर्मचारा के विविध वारिस/नाम निर्देणिता को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमों के प्रन्तर के बराबर रक्तम का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बंमा स्कंम के उपबंधों में कोई भें 'संगोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि ब्रायुक्त, तिमलनाडु के पूर्व ब्रनुमोबन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसं: संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने के सभावन हो, वहां प्रादेशिक भावष्य निधि ब्रायुक्त अपना ब्रनुमोवन देने से पूर्व कर्मचारियों को ब्रयना बुष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त प्रवसर देगा ।
- 9. यदि किस कारणवण, स्थापन के कर्मजारं, भारतंय जंबन बंमा निगम को उस सामूहिक बमा स्कम के, जिसे स्थापन पहले झपना जुका है, अध म नहीं रह ज.ते हैं, या इस स्कम के अध न कर्मजारियों को प्राप्त होने बाले फायडे किस। र ति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है ।
- 10. यदि किसः कारणवण, नियोजक उस नियत तारंख के भंतर, जो भारत य जंबन बामा निगम नियत करें, प्रमियम का संदाय करने में असफल रहतः है, और पालिकः को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह का जा मकतः है।
- 11. नियोजक हारा प्रेमियम के संदाय में किए गए किसं व्यक्तिकम क. दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधि वारिसों को जो यदि यह छूट न दे गई होत. तो उक्त स्कीम के झंतर्गत होते, ब मा फायदों के संवाय का उक्तरदायिक्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्काम के प्रधीन प्राने बाले किसा सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों 373 GI/85---13

विविध पारिसों को सःमाकृत रकम का संवाय तहारता से श्रीर प्रत्येक दशा ये भारत यं जवन ब मा निगम से ब माकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भारर सुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एस-35014/126/85-एस एस -4]

S.O. 3133.—Whereas Mesrs. Kali Electro-Technics, 42|6-A, Madras Road, Melacanveri-612002, Kumba Konam (TN|11819). (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol bim as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees undr the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding any thing contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees. the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the claim complete in all respects".

[No. S. 35014|(126)|85-SS IVI

न**ई दि**ल्ली, 11 जून, 1985

कां. आं. 3134:-- मैससै हिन्दुस्तान भिषयाई लिमिटेड गांधेग्राम, विशास्त्रापटनम- 5 (आन्ध्र प्रवेश/13) (जिसे इसमें इसके पण्डात उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिवज्य निधि और प्रकेण उपबाध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्डान् उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की अधीरा (2क) के अधीरा छूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्मेचार किसे प्यक अभिवाय या प्रीमियम का संवाय किए बिका भारतीय जीवन बीमा निगम को जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अर्घन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठारडे हैं. वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायबों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारा निक्षेप सहस्रक बामा स्काम 1976 (जिसी इसमें इसके पश्चात उक्त स्काम कहा गया है) के अधीन अनुकोय हैं;

अतः केन्द्रिय सरकार उक्त अधिनियम को घारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए भौर भारत सरकार के अम मन्नालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2808 तार ख 13 जुलाई, 1982 की अनुसरण में और इससे उपावक अनुसूची में जिनिबिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को 31 जुलाई 1985 से तान वर्ष का अवधि के लिए जिसमें 30 जुलाई 1988 भी सम्मलित है उक्त स्काम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छुट देत. है।

अनुसूचः

- गुन्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त आन्द्र प्रवेश को ऐस विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा तथा निरक्षण के लिए ऐसी सृक्षिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्राय सरकार समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अंतरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा थया अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति भौर जब कभी संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मजारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पटट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मनारी को कर्मनारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निवि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा श्रीर उसकी आवश्यक श्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि सहायक बीमा स्कीम के अधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदां से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमास्कीम में किसी बात के होते हुए थी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के भंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।
- 8. सम्मृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त आन्ध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा और खहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हों वह प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर केगा।
- 9. यवि किसी कारणवण स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन श्रीमा निगम को उस सामूहिक श्रीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह गांते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की

प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह ह्यूट रद्व की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक भारतीय जीवन श्रीमा निगम द्वारा नियत तारीक्ष के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है तो पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है सो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितीयों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भंतंगत होते बीमा फायवों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सवस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिती/ विधिक बारिसों को उस राशिका सदाय तत्परता से भीर प्रत्येक दशा में हरप्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के सात दिन के भीतर सुनिध्चित करेगा

[संख्या एस-35014/132/82-पी. एफ. 2 (एस एस -4)]

New Delhi, the 11th June, 1985

S.O. 3134.—Whereas Messrs Hindustan Shipyard Limited, Gandhigram, Visakhapatnam-5 (AP|13) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 2808 dated the 13th July, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 31st July, 1985 upto and inclusive of the 30th July, 1988.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintanance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charge etc. shall be born by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payble under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S. 35014|132|82-PF-II(SS.IV)]

का. आ. 3135:---मैसर्म घीपक बूबन्स प्रा. लि. 80-8, इं. स्ट्रियल एरिया ए-धीरोड. देवास-455001(एमपी/3530) जिसे इसमें इसके प्रकास उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके प्रकान उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छट दिए जाने के लिए आये देन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिवाय का प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे है वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध कीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इमके पश्चान उक्त स्कीम कहा गया के अधीन अनुक्रेय है);

अतः केन्द्रीय सरकार जन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2729 तारीख 9-7-1982 के अनुसरण में और इससे उपायक अनुमूची में जिनिविष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उन्त स्थापन को 24 जुलाई 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23 जुलाई 1988 भी सम्मिलित है उन्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संदूष्य में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भजेगा स्नीन् ऐसे लेखा रखेमा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके धंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संवीय लेखाओं का धंतरंब निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं होने याले सभी व्ययों का बहन नियीजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोबित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति भौर जब कभी उनमें संणोधन किया जाए तब उस संणोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पटट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्म बारी जो कर्मचारी भिवष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवण्यक प्रमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।
- 6. यदि सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध कायदे बहाये जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्माचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध

फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के उप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगोधन प्रादेशिक शविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रवेश के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया आएगा श्रीर जहां किसो संगोधन से कर्मचारियों के हिंत प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्किगेण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के, अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वासे फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10 यदि भिसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भातीय जीवन बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो खूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी वयतिश्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशिती या विश्वक वारिसों को जो यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के मंतर्गत होते बीमा फायदों के संदाय उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवेशितियों विविध वालिसों को बीमाधृत रकम का संदाय तत्परता से भीर प्रत्यैक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह क भीतर सुनिध्वित करेगा।

[संख्या एस-35014/59/82-एसएस-4]

S.O. 3135.—Whereas Messrs. Deepak Woollens Private Limited, 80-8 Industrial Area, A-B Road, Dewas-455001 (MP/3530), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 2729 dated the 9-7-82 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect rom 24th July, 1985 upto and inclusive of the 23rd July, 1988.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All exepnses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the mjority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhva Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable

opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium 'the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014|59|82-PF-II (SS-IV)]

का.आ. 3136.—-मैसर्स सैन्ट्रल मशोन टूल्स इंस्टीट्यूट सुमक्रुर रोड, बंगलीर-20 (केएन/5672) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मेचारी भविष्य निधि और अकीर्ण उपश्चंच अधि-नियम 1952(1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि-नियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट विए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय का प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायके उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायकों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निकीप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमे इसके पश्वात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीम अमुजेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क्ष) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए और शरत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2730 तारीख 9-7-82 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को 24 जुलाई, 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23 जुलाई 1988 भी सम्मिनित है उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- उन्हत स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।
- नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्त के
 विन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम

को धारा 17 को उपधारा (3क) के आरथ्य (क) के अञ्चान समय सभय पर निर्दिष्ट करें।

- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदीय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदीय आदि भी हैं होने वाले मधी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा
- 4. तियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचन:-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यवि कोई ऐसा कर्मकारी जो कर्मकारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हो सबस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीम। निगम को सदल करेगा।
- 6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुश्रित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के सिए सामृहिक कीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कम के अधीन अनुभेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मवारी का मृत्यु पर इस स्कीम के अवीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस बमा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्वेशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन प्रादेणिक भविष्य निधि आयुक्त कर्लाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुसोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर वेगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्में वारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मेवारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीयन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छट रह की जा सकती है।
- 1.1. नियोजक द्वारा प्रं.मियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायिस्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने जाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/ विविध वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के कीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/123/81-एसएस-4]

S.O. 3136.—Whereas Messrs Central Machine Tools Institute, Tumkur Road, Bangalore-22 (KN/5672) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoymen of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 2730 dated the 9-7-82 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24th July, 1985 upto and inclusive of the 23rd July, 1988.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All exepnses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the mjority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits avail-

able to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomine or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/123/81-PF-JI (SS-JV)]

का. आ. 3137.---केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स सुपेणा ट्रेडिंग एफेन्सी, 22, बिपलाबी राम बिहारी बोम नोड (चौथी मंजिल, कमरा नं. 39) कलकला-1 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मकारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्म-चारी भविष्य निथि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लग् किए जाने चाहिएं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्षम अधिनियम का धारा-। की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त गक्षितयों का प्रयोग करते हुए उक्षम अधिनियम के उपबन्ध उक्षम स्थापन को लागू करती है

[सं. एस-35017/73/85-एस एस .-2]

S.O. 3137.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suparna Trading Agency, 22, Biplabi Rash Behari Bose Road, (4th Floor Room No. 39), Calcutta-I have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(73)|85-S.S.-II]

का. अ. 3138.—केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स एम. जी. ट्रेडर्स 4, सिनागोग्यु स्ट्रीट, कलकत्ता 1, जनका हैड आफिस, 113, मनोहर दाम कटरा, कलकत्ता-7 और कोर्सपोडिंग यूनिट 75/79, ओल्ड हुनुमान लेन, बम्बई-2 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्म चारियों की बहुराख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मबारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपवन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध जनन स्थापन को लागू किए जाने बाहिए।

अतः केन्द्रीय गरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उप धारा-4 द्वारा प्रदत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग् करते हैं।

[स. एस-35017/74/85-एस.एस.-2]

S.O. 3138.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M. G. Traders 4, Synagogue Street Calcutta-1 including its Head Office at 113. Manohardas Katra, Calcutta-7 and Corresponding Unit at 75|79 old Hanuman Lane, Bombay-2 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S 35017(74)]85-SS-III

का आ. 3139.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल दीनार, 17, पराफुल्ला सरकार स्ट्रीट, कलक्सा-72 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लगू किए जाने चाहिएं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करकी है।

[मं. एम-35017/75/85-एस.एस.-II]

S.O. 3139.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Dinar 17, Prafulla Sarkar Street,

Calcutta-72 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 19.2), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(75)|85-SS-II]

का. आ. 3140.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इपलेट्स इलेक्ट्रोनिक्स प्रा. लि., डब्ल्यू-46, एम. आई. डी. मीं. ए रिया, डोम्बीवली-203 और आफिम 6/221, एम.बी., रोड अन्धेरी (वैस्ट) बम्बई-58 में स्थित नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की धहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उप-धारा-4 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापने की लागू करता है।

[सं. एस-35018/9/85-एमण्स-2]

S.O. 3140.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Duplets Electronics Private Limited W-46, M.I.D.C. Area, Dimbivli-421203 and it office at 6|221, 5 * Road, Andheri (West), Bombay-53 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishmest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(9)|85-S.S.-II]

का. अ1. 3141.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं समें सूरज पैकिंग प्रा. लि., ई-18, मारियमालए नगर इंडस्ट्रीयल कम्पलैंक्स आटकोल बूर, पो.आ. चिंगलपुट कस्वा और इसके 18 दूसरा फीफालवडी भुलेश्वर बम्बई-2 और 43, मैंडले स्ट्रीट, टी. तगर, मद्राय-17 स्थित पंजीकृत कार्यालय नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंच्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उप-धारा-4 द्वारा प्रवत्त पाक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019/269/85-एसएस -2]

S.O. 3141.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suraj Packaging Private Ltd., E-18, Maraimalai Nagar Industrial Complex, Kattankolathur P.O Chingleput District including its registered office at 18, 2nd Phophalwadi, Bhulshwar,

Bombay-2 and 43, Madley 1 Street T. Nagar, Madras-17 have agreed that the provisions of the Employee_s Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(269)[84-SS-JI]

का. ग्रा. 3143.— केल्बीय सरकार को यह प्रस्तित होता है कि मैसर्स है जियार को-आपरेटिय मिल्क सप्ताई सोसाइट िलिमिटेड, से-1606, तिकविटीपुरम एण्ड पोस्ट जियार सालुक, उत्तरं आरकाट, जिला, पिन नं. 604407 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचार। भविष्य निधि और प्रकर्ण उपबन्ध श्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध प्रकर्म स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

श्रन: केन्द्रय सरकार, उक्त श्रिधिनियम को धारा-1 कः उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तिमों का प्रयोग करने हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करता है।

[सं. एस-35019/270/85-एम .एम-2]

S.O. 3142.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mess₁₈ The Cheyyar Co-operative Milk Supply Society Ltd., C-1606, Thiruvettipuram and Post, Cheyyar Taluk, North Arcot, Distt. Pin. Code-604407 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019|270|85-S.S.-II]

का. अा. 314% — फेन्द्रिय सरकार को यह प्रतीत होता है कि नैर्ता इंडस्ट्रीयल सिस्टम एण्ड इंक्ष्विपमेंट प्रा. लि., नं. 4, थिठवेंगदा स्टो. एक्सटेंगल, धार. के. नगर, मंडावैतो मदास 18 धीर इंसकी शाखा इंडस्ट्रियल सिस्टम्स एण्ड इंक्ष्रिक्षमेंट प्रा. लि., धीरित्रम, योरापवववन मद्राम 76 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक धीर कर्मवारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारा भविष्य निधि और प्रकर्ण उपवन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

भ्रतः केन्द्रयं सरकार, उक्त श्रिष्ठानयम् कः धारा-1 कः उप-धारा-4 द्वारा प्राप्तः शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त श्रिष्ठिनियम् के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागू करतः है।

[सं. एस-35019/271/85-एस.एस-2]

S.O. 3143.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Industrial System and Equipments Private Limited, No. 4 Thriuvengada St. Extn. R. K. Nagar, Mandaveli, Madras-28 including its branch at

Industrial Systems and Equipments Private Limited, Oggium, Thoraipakkam, Madras-96 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(271)]85-S.S.-III]

का द्या. 3144.—केन्द्रिय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें सेवा समाजम बेकर, जिल्ह आफ सर्विस सेन्द्रिन, 236, आजो, राधमुनम सलाए, मद्रास-86 नामक स्थापन के मंबद्ध नियीजक और कर्म-चारियों की बहुसंक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रण जारक अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उन्त स्थापन की नामू थिए आने चाहिए।

धतः केन्द्रंय सरकार, उना अधिनियम को धारा-1 को उप धारा-4 हारा प्राप्त किनसर्गे को प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उबस्य उन्ह सन्तम्य को लाग करती है।

[सं. एस-35019/272/85-एस एस.~2]

S.O. 3144.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Seria Samalam Bakery, Guild of Service Central, 236, Avvai Shanmugam Salai, Madras-86 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-scalen (4) of Section 1 of the said Act, the Central Comment hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(272)[85-S.S.-II]

का. भा. 3145.—दोर्स्ट्रीय गुन्कार को यह प्रतीप होता है कि नैसर्स करला करण को-आपरेटिव णूगर मिल्स एम्प्लाईज को-आपरेटिव केडिट सोमाइट लिसिटेड, काक्ष्मर मुंगिलथुराईपाट, साउथ आरक्ट डिस्ट्रिक्ट नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुमंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारे अविषय निधि और प्रकर्ण उपजन्ध अधिन्त्रिम, 1952 (1952 का 19) के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चहिए।

श्रतः येन्द्रं ग सरकार, उक्त प्रधिनियम की आरा 1 की उपधारा (4) ट्राम प्राप्त प्रक्तियों को प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उप-बन्ध उक्त स्थापन का लागू करनः है ।

[संख्या एस/ 35019/ 273/ 85 एस एस- 2]

S.O. 3145.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kallakurichi Cooperative Sugar Mills Employees Co-operative Credit Society Limited, Post Office Mungilthuraipattu, South Arcot District have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provi-

sions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[S-35019(273)|85-SS-II]

का. थ्रा. 3146.—केन्द्राय सरकार की यह प्रतीत हीता है कि मैसर्स श्रे वेक्टाचलापती ट्रोसगोर्टेस, 16, साउथ मेत स्ट्रीट, वेदारितयभ 614810 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक थ्रीए कर्नशरियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचार अविका िश्रि भीर प्रकाण उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उनवस्य उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

भतः केन्द्रय सरकार, उक्त प्रधिनियम कः धारा 1 की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त प्रक्षितयों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

सि. एम 35019/274/85**-**एन.एन.-2]

S.O. 3146.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Venkatachalapathy Transports, 16, South Main Street, Vedaranyam-614810 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(274)|85-SS-II]

का. मा. 3147.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे भोरकम सिवस प्राईवेट लिमिटेड, 31, सरोजिती देवो रोड, जिल्दरा-बाद 500003 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मवारियों का बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि और प्रकर्ण उपबन्ध प्रक्षितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

घतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपयन्य उक्त स्थापन की लागू करता है ।

[सं. ए र-35019/275/85-एसएस.-2]

S.O. 3147.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhorucom Services Pvt. Ltd., 31, Sarojni Devi Road, Secunderabad-500003 have agreed that the provisions of the Employees provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(275) |85-SS. II]

का० या० 3148--केद्र य सरकार को यह प्रत त होता है कि मैससी बालाजी है जिंग एंटरप्राइ जिज प्रा॰ लि॰, नरकुद्दम और इसका प्रणासक य कार्यालय है- ट नगर मद्राम नामक स्यापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों के बहुं-संख्य। इस बात पर सहमत हो नई है कि कर्मचार, भविष्य निधि भौर प्रक ण उपबंध भविन्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रय, सरकार, उक्त प्रधिनियम क धारा-1 क उपधारा-(4) द्वारा प्रदेश्त सक्तियों का प्रयोग करते हुग् उक्त प्रधिनियम के उपबंध चक्त स्थापन को छागु करता है।

[संख्या एस-35019(276)/85-एस. एस-]]

S.O. 3148.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Balaji Trading Enterprises Private Limited, Nerkundrum including its Adm. Office at T. Nagar, Madras have agreed that the provisions of the Employees provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(276) | 85-SS. II]

कार होता है कि भैसर्स कस्या-भूमा : जिला ट चरम फोध्रापरेटिय ध्रिफट एंड केडिट सोसायटें, डम सन गल , नगर कोए स-629001.

नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुंसस्या इस दास पर सहमत हो गई है कि कर्मवार भिविध्य निधि और प्रकर्ण अपबंध ाधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उदत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रय सरकाः प्रधिनियम की ब्राह्म-1 का उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त मधिनियम के उपधंद्य उक्त स्थापन को लागू करता है।

[संख्या एस-35019/(277)/85-एस. एस-]]

S.O. 3149.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kanyakumari District Teachers Cooperative Thrift and Credit Society, Dennison Street, Nagercoil-629001 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(277)|85-SS. III

कां भां 3150.— 1 द्रीय सरकार को यह प्रतंत होता है कि मैससे भें धनलक्ष्म एन्टर प्रोइजिज 20, द्री. भी स $^{\prime}$. नगर, थारजावर-7. नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कर्मवारियों के बहुयंख्या इस बात पर सहसत

हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निाध भोर प्रकर्ण उपबंध ग्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए।

धतः केन्द्राय सरकार, उक्त प्रधिनियम के धारा-1 के उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सिक्तयों का प्रयोग करते क्षुए उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करतः है ।

[संख्या एस-35019/(278)/85 एस. एस-II]

S.O. 3150.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Dhanalakshmi Enterprises, 20, V.O.C., Nagar, Thanjavur-7, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(278) |85-SS. II]

कां आं 3151.—केन्द्रिय सरकार की यह प्रतित होता है कि मैससं स्पक्टा कम्युटर कम्सलटेंसीं 14 अध्य नगर, कोब्राप्रीटिब हाउसिंग सोसायटी कोडवा, बडौबा-16 नामक स्थापन के सर्बद्ध नियोजक और कमैचारियों कः बहुसंख्या हम बात पर सहमत हो गई है कि कांबारी मिविध्य निधि और प्रकृषं उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रं य सरकार, उक्त प्रधिनिय कः धारा-। के उपधारा (4) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करतः है।

[संख्या एस-35019(279)/85-एस.एस.H]

S.O. 3151.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Spectra Computer Consultancy, 14-Abhay Nagar, Co-operative Housing Society, Crowa, Baroda-16, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(279)|85-SS. II]

कार धार 3152—केर्न्स परकार वो यह प्रतंत होता है कि मैसर्स धन्ययुथोपान रोडबेज (प्राडवेट) लिर 72 ए गिल रोड गोबीचेती-लायाम पिन-638452. नामक स्थापन के मंबद नियोजक भौर कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहुमा हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकृषे उपबंध धिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए:

भनः केन्द्रोत सरकार, उक्त प्रधिनियत की धाश-1 के उपवास (4) द्वास प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उपवंध उक्त स्थापन को लागू करतं है।

[संख्या एस-35019/(280)/85 एस. एस]-[[]

S.O. 3152.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dhandayuthopani Roadways (P) Ltd., 72-A, Mill Road, Gobichettipalayam—638452, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the establishment.

[No. S-35019(280)85-SS. II]

काठ प्राठ 3153:-- केन्द्र य सरकार को यह प्रत त होता है कि मैसर्स प्राल इंडिया है के एंड इस्व सोमायट 79, कमला मार्किट प्रासक्ष्रल रोड़, नई दिहल - 2 भीर उसक गाखायें (i) है के एंड उस्व स्कृल, गाहदश विल्लं- 32 (ii) फिल्नर्स नर्सर, स्कूल फार द. हे के नेलं वाड़ा, दिहल - 6 मानक स्थापन के संबद्ध नियोजक प्रोर कमें वारियों क बहुसंख्या एस बात पर सहमत हो गई है कि कमंबार। भविष्य निधि भ्रार प्रकर्ण उपवंध भिन्नम, 1952 (1952 का 19) के उपवश्य उपत स्थापन को लागू किए चाहिए।

श्रतः केन्द्र य सरकार, उक्त अधिनियम कं धारा-1 कं उपधारा- (4) द्वारा प्रवत्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए उपस प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करत है।

[मंख्या एस-35019/(281) 85 एम- एस -[[]

S.O. 3153.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and themajority of the employees in relation to the establishment known as Messrs All India Deaf and Dumb Society 79, Kamla Market, Asaf Ali Road, New Delhi-2 including its branches (i) Deaf & Dumb School, Shahadra, Delhi-32 (ii) Finner's Nursery School for the Deaf, Teliwara, Delhi-6, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the establishment.

[No. S-35019(281)]85-SS. [I]

का॰ आ॰ 3354.—केन्द्रिय सरकार, उपदान संदाप प्रतिनियन, 1972 (1972 का 39) कः धारा 7-क द्वारा प्रदस्त प्रक्रियों का गाँ। धीर पारत के राजपत , भाग2, खण्ड3, उपखण्ड (ii) में ताराख 15 विसम्बर, 1984 को प्रकाशित भारत सरकार के तरकाल न क्षम प्रीर पुनर्वान मंत्रालय संख्या छा॰ 4443, तार ख 29 नवम्बर, 1984 का प्रधिनियम करते हुए केन्द्रिय सरकार उपन प्रधिनियम के प्रयोगनार्थ निम्नलिखित प्रधि-कारियों को निरंक्षकों के रूप में निष्कृत करता है:-

- 1. मुख्य श्रम मायुक्त (केन्द्रय)
- 2. सयुक्त मुख्य श्रम श्रायुक्त (केन्द्रय)
- 3. समी उप मुख्य श्रम-प्रायुक्त (केन्द्रीय)
- 4. सभी श्रम प्रवर्तन प्रधिकारः (केन्द्रय)

[सक्या एस-70025/1/84-एक पीजी]

- S.O. 3154.—In exercise of the powers conferred by section 7A of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation. No. S.O. 4443, dated the 29th November, 1984, published in the Gazette of India Part II Section 3 Sub-section (ii), dated the 15th December, 1984, the Central Government hereby appoints the following officers to be the Inspectors for the purposes of the said Act, namely:—
 - 1. Chief Labour Commissioner (Central)
 - 2. Joint Chief Labour Commissioner (Central)
 - 3. All Deputy Chief Labour Commissioners (Central)
 - 4. All Labour Enforcement Officer (Central). [No. S-70025]1[84-FPG]

नई विल्लं, 12 जून, 1985

का०आ० 3155:-- मैसर्स हेर आइसकेम एड फ़ोजन फ़ुट्स प्राइबेट लि० 5-9-38/। बसार वाग, हैदरासाव-500020 (ए॰ पी०/6319) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचार सिष्ठ्य निधि और प्रकोण उपबंध ग्रिकिंगमा, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त प्रधिनियम कहा गया है) का धारा 17 का उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए ग्राबेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मनारं, किसा पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ह, भारताय जीवन गमा निगम के सामृहित गमा स्काम के प्रधान जीवन वीमा के स्थान जीवन वीमा के स्थान जीवन वीमा के स्थान जीवन वीमा के स्थान जीवन के स्थान जीवन वीमा के स्थान जीवन के लिए ये फायदे उन फायदों मे अधिक अनुभूत हैं, जो कर्मजारी निक्षेप सहस्र हो जा स्कीम, 1976 (जिसे दानके पश्चात् उकत स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुनीय हैं;

धतः केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रश्त सिन्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में विनिर्दिष्ट गतौँ के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष को अवधि के लिए उक्त स्कोम के सभा उगबंधों के प्रवर्तन वेती हैं।

अनु सूची

- 1. उक्त स्थापन के गंबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि जागुक्त, आंद्रा प्रवेश को विवर्णियां भेजना ओर ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐशी सुविधाएं प्रदान करेगा तो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर जिनिर्देश्य करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की द्यारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (फ) के अधीन समय समय पर निदिब्द करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, हाने वाले समी व्ययों का बहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय संस्कार द्वारा अनुमांबित सामृहित बोमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कमी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस मंत्रोधन की प्रति तथा कर्मवारियों की बहुसंख्या की भाषा में

उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट गर ६ दक्षिक करेगा ।

- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्स अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निष्ठि ता पहले हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित निजा जाना है, तो नियोजित सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रामियम भारतीय जावन बीमा निगम की संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अर्धान कर्मनारियों की उपलब्ध कायदे बढाये जाते हैं तो वियोजक सामूहिक भीमा स्काम के अर्धान कर्मचारियों का उपबन्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जीने की व्यवस्था करेग जिससे कि कर्मवारियों के लिए सागूहिक भीमा स्काम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल ही, जी उक्त स्कीम के अधीन अवक्षेत्र ।
- 7. सामृहिक बीमा स्कोम में किसी बात के होते हुए, भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम से कव्य है तो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती, जब नह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध जरिस नाम निर्देशितों को प्रतिभार के रूप में दीनों रक्षमों के अन्तर के बराबर रक्षम का सदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई की संगोधन, प्रादेशिक भिविष्य निधि आयुक्त, आध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन के कर्मजारियों के हित पर प्राकृत प्रभाग पड़ने की संभावना हो, यहां प्रादेशिक भिव्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मजारियों को अपना दृष्टिकरण स्पष्ट कर को युक्तियुक्त अवसर देना ।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन शंभा निशम की उस कामूहिक यीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले उसका चुका है, अयान नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अकीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की चा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवम, नियोजक उस नियत हारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन कीमा निगम नियत करें, श्रीस्थम का संवाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है सो खूट रहे की जा सकती है।
- 1 1 नियोजन द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिश्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधि वारिसों को जो यदि यह छूट न दो गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीत आंत वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेशितियो/ विविध बारिसी को बीमाकृत रकम का मंदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मह भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एस-35014/112/85-एसएस-4]

New Delhi, the 12th June, 1985

S.O. 3155.—Whereas Messrs Dairy Icecream and Frozen Foods Private Limited, 5-9-38 1, Bashir Bagh, Hyderabad-500020 (AP/6319) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Pro-

visions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1975 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereo, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years,

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the mjority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- o. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount pavable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer

shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of Cefault, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S-35014/112/85-SS-IV]

का. आ. 3156 :---फर्मेचारी भविष्य निश्चित्रौर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत समित्रयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत के राजपन्न, भाग 2, खण्ड 3(ii) में तारीख 2 जून, 1984 को प्रकाणिन, भारत सरकार के तरकालीन श्रम और पुनर्जीन मंत्रालय (श्रम विभाग) की अधिसूचना संड्या का. क्षा. 1772, नारीख 17 मर्ड, 1984 में निम्नलिखित संशोधन करेती हैं :--

उत्तर अधिसूचना में, अनुसूची में, विधमान गतें संख्या 10, के स्थान पर निम्निसिनिन गतें प्रतिम्यापित की आएगी, अर्थातु:--

"10. जातन बीमा योजना के अंतर्गत बीमा लाओं के संदाय के प्रयोजनाय नियोजक भारतीय स्टेट बैंक में मान लाख रुपए बी रकम ययोचित शीर्षक के अधीन (जिंगे जीवन बीमा निधि कहा जाएगा) जमा करेगा बीर समय-पमय पर कभी की आपूर्ति द्वारा यह सुनिध्यित करेगा किमो भी समय जीउन बीमा निधि में रक्षम सात लाख रुपए से कम नहीं होगी ! यबि किसी कारण से नियोजक जीवन बीमा निधि की आपूर्ति करने में अनकल रहेता है और उसकी रक्षम सात लाख रुपए से कम हो भारी है, सो छुट रह की जा सकती है।"

S.O. 3156.—In exercise of the power conferred by sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 1772 dated the 17th May, 1984 published in Part II section 3(ii) of the Gazette of India dated the 2nd June, 1984.

In the said notification, in the schedule, for the existing condition No. 10, the following condition shall be substituted, namely:—

"10. For the purpose of payment of assurance benefits under the Lite Cover Scheme, the employer shall deposit a sum of Rupees Seven lakhs in the State Bank of India under suitable entitlements (to be called Life Cover Fund) and the employer shall ensure by replenishment of the shortfall from time to time so that at no time the amount in the Life Cover Fund is less than rupees seven lakhs and where for any reason, the employer fails to replenish the Life Cover Fund and the amount thereof is less than rupees seven lakhs, the exemption is liable to be cancelled".

[No. S. 35014|120|81-PF-II(SS.IV)]

का. अ.3157 :--कर्मवारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की घारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा 16 जून, 1985 की उस तारीख के रूप में नियन करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिकाय जो पहले ही प्रजूरत की जा चुकी है) (और अध्याय 5 और 6(धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 सिवाय जो पह ले हो प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध पंजाब राज्य के निम्नतिखान कीज में प्रवृत्त होंगे, अथांन :--

李、सं	ं. ग्रामकानाम	हद बस्त संख्या
1.	लि धे रन	318
2.	न ांगली निद्यस	324
3.	विधि पुर	323
4.	विरियाना	315
	जालन्धर क्रिले में।"	

[पंख्या एस-38013/11/85-एस एस-1]

S.O. 3157.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th June, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Punjab namely:

SI. No.	Name of the village	Had Bast No.		
1. Lidher	an	318		
Nangli	Biran	324		
3. Bidhip	ur	323		
4. Wirian	ıa	315		
in the Distri	ct of Jalandhar."	•		

का॰ अा॰ 3158 :-- कंमें वार्रा राज्य बीमा असिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की धारा (3) द्वारा प्रवस्त मिनवारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्शारा 16 जून, 1985 की उस सारीख के रूप में नियत करती है, जिसकी उक्त अधिनियम के अध्याय 4(धारा 44 और 45 के सियाय जो पहले ही प्रयुक्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उप-धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रयुक्त की जा चुकी है) के उपबंध गुजरात राज्य के निम्नलित्तित क्षेत्र में प्रयुक्त होंगे, अर्थात् :--

"जिला वजनाद ग्राम निसिरपुर की राजस्व सोमाएं और ग्रुजरात औद्योगिक विकास निगम ओद्योगिक एस्टेट सहित ग्राम सिसोदरा-गणेश की राजस्व सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र ।"

[मंख्या एस 238013/14/85एस. एस.-I]

S.O. 3158—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th June, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Gujarat, neamly:—

"Areas within Revenue limits of village Sisodara-Ganesh, including Gujarat Industrial Development Corporation Industrial Estate and the revenue limits of village Nisirpur, District Valsad."

[No. S-38013|14|85-SS-I]

का. आ. 3159 :--कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 1की जप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा 16 जून, 1985 को उस सारीख के 'रूप में नियन करती है, जिसको जबत अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पेहले ही प्रवृत की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उप-धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध उरतर प्रवेश राज्य के निम्नालिसित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :--

"परगना, तहसील तथा जिला युलन्यगहर में युलन्यगहर की म्युनिसिपल सीमा तथा युलन्यगहर और सहकारी नगर के राजस्य ग्राम के अन्गंत जाने वाले क्षेत्र ।"

[संख्या एस-38013/13/85एस एस-I]

S.O. 3159.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby apoints the 16th June, 1985, as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh, namely:—

"The are as falling within the Municipal limit of Bulandshahar and revenue village of Bulandshahar and Sahkarinagar in the Paragana, Tahsil and District Bulandshahar."

[No. S-38013|13|85-CS-I]

नई विल्ल , 14 जून, 1985

का. आ. 3160 केन्द्र'य सरकार. कर्मकार, राज्य बामा अधिनियम 1948 (1948 का 34) का घारा 91क के साथ पिठा प्रारा 88 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए, इसने उत्तानद्व अनुसूचन में विनिर्दिष्ट इंडियन आयल कार्योरेशन नियस्टिक मुन्दर्द, के कारखानों के नियसित कर्मवास्यों को 1 जनगर, 1984 स 30 सितम्बर, 1985 तक, जिसमें यह दिन भाग सम्मिनित है, की अवधि को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छुट देता है।

- 2. उक्त छूट निम्नलिखित गती के अर्धन है, अर्थात् :--
- (1) पूर्वीक्त कारखाना, जिल्लमें कर्मचारः नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम भीर पदाशिधान दिशित किए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भा, कर्मजार उक्त अधिनियम के ... कर्ंसः प्रसुविधाएँ प्राप्त करते रहें।, जिनको पाने के निष् अधिसूचना द्वारा व: गई छूट के प्रगृतन होने का तार खा से पूर्व संवेदत अभिशामां के आबार पर हकतार हो जाते;
- (3) छूट-प्राप्त अविधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले हो संदत्त किए जा चुके हैं तो ये यापस नही किये जाएंगे ;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अबिध का बाबत जिनके दीरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त अविध कहा गया है) ऐसा बिवरणियां ऐसे प्रका में भौर ऐसा विशिष्टियों सिहत देना जो कर्मजार राज्य बामा (साधारण) जिनियन, 1950 के अवान उसे उक्त अविध की बाबत देना था;
- - (i) घारा 44 का उपधारा (1) के अधान, उक्त अवधि की बाबत दा गई किया विजरणों को विशिष्टियों को सत्यापित करन के प्रयोजनों के लिए; या
 - (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मबारा राज्य बामा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रिजस्टर भीर अभिनेख उक्त अविधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या
 - (iii) यह अभिनिधिचत करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचार: तियोजक द्वारा दी गई उा प्रमुखिनाओं को, जो ऐसी प्रमुखिनाएं हैं जितके गिंत फनस्थरा इस अधिमूचना के अखन खूटवा जा रहीं हैं, नगद भीर वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
 - (iv) यत्र अभिनिधिकत करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, अब उक्त कारखाने के सम्बंध में अधिनियम के उपअंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपअन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्मलिखिन कार्यं करने के लिए सगक्त होगा, ---;

- (क) प्रधान नियोजक या अध्यविहत नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसः जानकारः वे जो वह अवश्यक समझे; या
- (ख) ऐसे प्रधान निरोजिक या अव्यवित नियोजिक के अधिक्षोग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसं। में। उचित समय पर प्रवेश करना भीर उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्ष करना कि बहु व्यक्तियों के नियोजन धौर मजदूर। के संदाय से संबंधित

		_	विर्जे, ऐसे निरीक्षक या अन्य	1 2	3	4
		-	ीर जनको परक्षा करने दे जो बद अवश्यक समझे. या	8. केरल	कोचीन	इंडियन आइल कारपो
(ম).	या वह उसे ऐसं। जानकार। दे जो वह अवश्यक समझे, या . प्रधान नियोजक या अब्ययहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता					रेशन सिमिटेड (विप
,		_	ो ऐसे कारखाने, स्थापन			णन प्रभाग) कोचीन
			या ऐसे किसी व्यक्ति क।			परिष्करकरण प्रति
			प्राअन्य पदधारी के पास			प्ठान, पोस्ट बाक्स
	यष्ठ विश्वास	। करनेका युक्तियुक्त	कारण है कि वह कर्मचारो			सं 8, स्निपुनं∶त
	है, परका	करना; या				वाया कोचान ।
(ঘ)	ऐसे कारखा	ने, स्थापन कार्यालय ः	या कन्य परिसर में रखेगए	9. केरल	कोचं न	इंडियन आइल कारपोरेशा
	किसः रजिस	टर, लेखाबहा या अन्य	वस्तावेज कः नकल करमा या			लिमिटेड (विपणन
	उससे उद्ध	रण लेना।				प्रभाग), कोचन पोस
		अ न् सूच [्]				बाक्स र्स. 535
कम राज्य	या संघ/राज्य	य क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम			विलींगंटन द्वंप, हारव
प्ती, क्षेत्रज्ञान	-					रोड, कोचीन —
1 :	2	3	4	10. केरल	कोच्नःन	इंडियन आइल कारपो रेशन लिमिटेड (बिप
1. आन्ध्र	प्रदेश	विशाखापत्तनम 1	इंडियन आइल कारपोरेशन			पन प्रभाग), माश्राव
			लिमिटेड (विपणन			मार्ग, पोस्ट बे
			प्रभाग) पोस्ट बाक्स			1759, एर्नाकुलम,
			सं. 54, मल्कापुरम			कोच ,न −13
			इन्स्टालेशन विशाखा-	१४ व्यक्तिकार		÷6
		_	पत्तनम- 1	11. समिलनाहु	मद्रास	इंडियन आइल कारप रेशन लिमिटेड,) (वि
2. आन्ध्र	प्रदेश	सिकस्यराज्ञाव	इंडियन आइस कारपी-			रशनालाम <i>०७,)</i> (ाव णन प्रभाग), एस
			रेशन लिमिटेड (विप -			यस असारा <i>),</i> एर वहाई रोध, मद्रा
			णन प्रभाग), पोस्ट	,		·
			बाक्स सं. 1634, और जार सं [?] ग्राउंड,	12. तमिलनाड्	भद्रास	इंडियन आइल कारप
			लार जार स. प्राउड, सिकन्दराबाद <i>।</i>			रेशन लिमिटेड (वि
3. आन्ध्र	- धटेन	विजयवादा	इंडियन आइल कार			णन प्रभाग) कोय
3. MIN	444	(जजनवात्)	राज्यन आहल कार पोरेशन लिमिटेड			$\mathbf{v}_{\mathbf{y}}$ पेट, मद्रास -2
			(विपणन प्रभाग)	13. तमिलनाडु	मद्रास	इंडियन आइल का
			स्टेशन रोड, विजयवाडा			पोरेशन लिमिटेड, (वि
4 आन्ध्र	प्रदेश	सिकन्दराबाद- 1 4	इंडियन आइल कारपो-			णन प्रभाग), उस
			रेशन लिमिटेड, विमानन			रेल टर्मिनल रो
			ईंधन स्टेशन, डाकघर			रोवापुरम, मद्रास
			हामिमवेट वागुसेवा	14. तमिलनाड्	मद्रास	इंडियन आइस कारपं
			स्टेशन, सिकन्दराबाद- 1 4	a de didde de		रेशन लिमिटेड विभाग
5. विस्ल	1	विल्ल:	इंडियन आइल कारपो-			ई धन स्टेशन, मीनाम
			रेशन लिमिटेड (विपणन			बक्कम विमान
			प्रभाग) एस. पः. जंः.			पस्तनम, मद्रास ।
			बाटींलग प्लांट,			
_		,	शकूरबस्तः, विल्लं – 26	15. तमिलनाडु	म द्रास	इंडियन आयल ,कारप
 दिल्लः 	ī	विल्लं <i>।</i>	इंडियन आइल कारपो-			रेशन किमिटेड, ट्यू
			रेशन लिमिटेड (विप-			क्लेडींग पलोट, एरे हा
			णन प्रभाग) झिवाजः पार्कके सामने,	-		रोड, लेनियारप
			पाक क सामन, शक्रूर बस्ता, विस्सः–			तिरुवेथिपार डाकधर, सहस्य
			26			मइास−81 ।
7. विल्ले		दिल्ल	र्डंडियन आइल कारपो-	16. महाराष्ट्र	नुम्बर्ध	इंडियन भ्राइल कारपो-
- '			रेशन विमानन ईंधन			रेशन लिमिटेड (बिप
			स्टेगन, सवर बाजार			णन प्रभाग), सरकारी
			रोड, मोर लाइन के	-		खाद्यान्त गोदामीं के
			निकट पालम, दिल्ली			निकट, वडालक,
			छावनः - 10			मुम्बर्ग-31

1 2	3	4	1 2 3	4
17. महाराष्ट्रः	मुम्बई .	इंडियन झाइल कारपो- रेशन, लिसिटेड (विप- णन प्रभाग), टाट। ताप विश्वुत सयंत्र के पास ट्रास्के, कोरीडोर मुस्काई:-74	28 महाराष्ट्र नागपुर 29 पश्चिमी वंगाल कलकरता	इंडियन ग्राइल कार- पोरेणन सिमिन्डे, (थिएणन उक्ताग), मोर्तिबाग, रापुर । इंडियन साइल कार पोरेणन लिमिर्ड,
18. महाराष्ट्र	मुम्बर्ध	इंडियम ग्राइल कारपो- रेमन लिमिटेड (पिंप- णन प्रभाग), राज- बहादुर मोतीलाण रोड,	, 30. पॉप्रचमी वगाल प्र≭क्षुर	परिचान जिल्ला है, (निषणत प्रभाग), देश- दम- विमानन ई वन स्टेशन, दम-दम विमान- पस्तम, कलकत्ता । इंडियन भाइल कार
19. महाराष्ट्र	.मुम्ब र्ड	पुणे । इंडियम आइल कारपो- रेणन लिमिटेड, (विष- णन प्रभाग), सेवारी रेल स्टेशन के सामने,	Ç	पोरेशम सिमिटेड, (विष णन प्रकार), पहाड्युर प्रक्तिस्टार, पश्चिमी डंगाल :
20. महाराष्ट्र	मुस्बर्ष	सुम्बई15 इंडियन भ्राइल कारपो- रेशन लिमिटेड, विमानन ईंधन स्टेशन, सान्ता- कुल विमानपतन, सुम्बई29	31. पश्चिमी वंगास कलशहता	इंडियन घाडल कार- पोरेशन क्षिमिटेड, विप- णन प्रभाग) मोरी ग्राम प्रतिष्ठान डाफ⊣र राधादासी, जिला हावडा ।
21. कर्नाटक	बंगलौ र	भुष्यक्ष- श्रीहल कार- पीरेशन लिप्निटेड (बपणन प्र.ाग), नागदी रोड, पोस्ट बाक्स सं. 3, बंग- लीर - 23	32 विषेचीनी घंगाल 24-परंगता	इंडियन आइल कार- पोरेशन लिमिटेड, (विप- णन प्रभाग), बज्बज प्रतिष्ठान डाकघर बज यज 24 परगना, पण्चिसी संयाल ।
22. कर्नाटक	बंग लौ र	इंडियन ग्राइस कारपो रेशन निमिटेड, त्रिमा- नन ईंघन स्टेशन, बंगलौर विमान पत्तन	33. भ्रसम गोहाटी	इंडियन श्राहल कार- पोरेशन लिमिटेड, विषणन प्रभाग गोहाटी प्रतिष्ठान, गोहाटी ।
23. धान्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	बंगलोर । इंडिथम आइल कार- पोरेशन लिमिटेड, विमानन ईभ्रन स्टेशन, विमाननपत्तन, हैदराबाद ।	34 बिहार पटना	इंडियन आइल कारपो- रेशन लिमिटेड, (विपणन प्रक्षांग) पटना प्रतिष्ठान, पटना ।
24. पंजास	आलं ध र	इंडियन श्राइल कार- पोरेशन सिमिटेड, (बिप- णन श्रभाग), रेल भृडस शेंड रोड, जालंधर ।	35. उस्तर प्रदेश भागरा	इंडियन भ्राइल कार- पोरंशन लिमिटेड, (किपणन प्रभाग)., खेरिया यिमान क्षेत्र, भ्रागरा-3
25 हरियाणा	भम्बाला फ्रावनी	इंडियन घाइस कार- पोरेशन लिमिटेड, (बिप- णन प्रभाग), बल्क सेंटर, घम्बासा छा <i>ब</i> नी	36. केरल — तृतीकोरिम	इंडियन प्राटल कारपो- रेणन लिमिटेड (विप- णन प्रभाग), लूसी- कोरिम प्रतिष्टान
26. हरियाणा	हिसार	इंडियन म्राइल कार- पोरेशन लिमिटेड, /थिप- णन प्रभाग), हिसार।	०० स्थ ीया क्यक	बंदरगाह पश्चिभाजन परिसंग, हुतीयोगिम- 4 दंडियन भ्राष्ट्रल कारपो-
27. उत्तर प्रवेश	क्शनपुर	इंडिथन झाइल कार- पोरेशन लिमिटेड (विप- णन प्रमाग) ग्ररभापुर, कानपुर ।	3.7. उडीसा कटक	दाठवम आहरण नारपा रेशान लिमिटेड (विप- णन प्रभाग) णिकाण्प्र, डा⊈घर, चौसीगंज कटक ।

1	2	3	4
38.	गोवा	वास्कोई/-गामा	इंग्रियन श्राइल ब्यारपी- रेजन लिमिटेड (विप- णम प्रभाग), वारकी- डीगामा, गोवा
39	कर्नाटक	क्त ज्येक	इडियन ब्राइस्त वरण्यो- रेणन लिमिटेड (विप- णन प्र ःग) संग्लूर प्रतिष्टान, संग्लूर
1()	उत्तर प्रदेग	बगचपु <i>ं</i>	ाडियन द्याइल कारपो- रेजन तिमिटेड (परि- प्करणी और पाइप लाइन्स प्रभाग), कानपुर स्टेणन क्रारसपुर, कानपुर ।
41	र रज् ≖ ंस	# Stall 2	डडियन प्राइल कारपो- प्रशान निमिटेड. (विग- णन प्रभाग). मंडल कायालय, चोम हाउस रेजीडेमी के सामने पोस्टबाक्स मं. 811 प्रयपुर-302001
42.	. राजग्यान	जयपु ^र	∉डियने ग्राप्डल काप्प्पे- रेजन लिमिटेडे, (बिप- णन प्रभाग), जयपुर डिपो. जयपुर दक्षिण अयपुर ।
	-	<u>[</u> म.	एस ३१७१4/28/84 -गंबग्राई]

मार्टकारक ज्ञापन

इस मामने में छूट को भृतलक्षी प्रभाव देना श्रावज्यक हो गया है दयीकि छूट को आवेषन संबंधी प्राक्षेत्रमा में नम्य लग गया था। किन्तु, यह प्रभावित किया गया पना कि छूट को भृतलका प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हिन पर प्रतिभूत प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

New Delhi, 14th June, 1985

S.O. 3160.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the factories, specified in the schedule annexed hereto belonging to the Indian Oil Corporation Limited, Bombay, from the operation of the said Act for a period with effect from 1st January, 1984 upto and inclusive of the 30th September, 1985.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the name and designations of the exempted employees;
- (2) Not withstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from

- which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such informations as he may consider necessary;
 or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to exammine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

371 GI 35 -- 15

(d) make	copies of o	r take extracts from, any	1	2	3	1
register, account book or other document maintained in such factory establishment, office or other premises. SCHEDULE State of the Name of Name of factory No. State or Union Area Territory.			15.	Tamil Nodu	Madras	Indian Oil Corporation Ltd., Ture Blending Plant, Finnero High Road, Teniarpet, Tiru venthiyar Post, Madras-81
			16.	Maharashtia	Bombay	Indian Oil Corporation Ltd (Marketing Division) New Government Food Grain Godowns Wadala, Bombay-3:
1 2 1. Andhra Pradesh	3 Visakhapat- nam-I	Indian Oil Corpn. Ltd. (Mar- keting Divn.) Post Box No.54, Malkapuram Installation Visakhapatnam-I	17.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division) near Tata Thermal Power Plant Trombay, Corridor Road Bombay-74.
2. Andhra Pradesh	Secunderabad	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division) Post Box No.1634, RRC Ground,	18.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Ltd (Marketing Division) Rajba- hadur Motilal Road, Poon
3. Andhra Pradesh	Vijayawada	Secunderabad Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division) Station Road, Vijayawada.	19.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Ltd (Marketing Division) Opposi Sewarce Railway Station Bombuy,-15.
4. Andhra Pradesh	Secunderabad- -14	Indian Oil Corporation Ltd., Aviation Fuel Station, Post Office Hakimpet Air Force Station, Secunderabad-14.	20.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Ltd Aviation Fuel Station Santa Cruz Airport, Bombay-29.
5. Delhi	Delhi	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division) L.P.G. Bottling Plant, Shakurbasti, Delhi-26.	21.	Karnataka *	Bangalore	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division) Nagad Road, Post Bag No. 3 Bangalore-23.
6- Delhi	Delhi	Indian Oi! Corporation Ltd., (Marketing Division), Oppo- site Sivaji Park, Shakurbasti,	22.	Karnataka	Bangalore	Indian Oil Corporation Ltd Aviation Fuel Station, Banga lore Airport, Bangalore
7. Delhi	Delhi	Delhi-26. Indian Oil Corporation Ltd., Aviation Fuel Station, Sadar	-	Andhra Pradesh	Hyderabad	Indian Oil Corporation Ltd Aviation Fuel Station, Air port, Hyderahad.
8. Keralu	Cochin	Bazar Road, Near More Line, Palam, Delhi Cantt10 Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division), Cochin	24.	Punjab	Jullunder	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division) Railway Good Shed Road, Jullunder
O. Wanala	Cochin	Refinery Installation, Post Box No. 8, Tripunith Via Cochin	25	Haryana	Ambala Cantonment	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division), Bulk Centre, Ambala Cantonment.
9. Kerala	Cocnin	Indian Oil Corpordtion Ltd. (Marketing Division), Cochin Post Box No. 535, Willington Island Harbour Road,		Haryana Uttar	Hissar Kanpur	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division), Hissar Indian Oil Corporation Ltd.
). Kerala	Cochin	Cochin-3. Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division) Mashaka Road, Post Bag 1759, Fraa-	28.	Pradesh Maharashtra	Nagpur	(Marketing Division), Arma- pore, Kanpur. Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division), Mot
1. Tamil Nadu	Madras	kulam, Cochin-16. Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division) Frnove	29.	West Bengal	Calputta	Bagh, Nagpur. Incian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division), Dum-
2. Tamil Nadu	Madras	High Road, Madras. Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division) Koru- kupet Madras-21.	20	Wast Ponest	Deharm :	Dum Aviation Fuel Station, Dum-Dum Airport, Calcutta
3. Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Ltd (Marketing Division) North Railway Terminue Rose Royaruram, Madras.	10.	West Bengal	r «լոգուք ի ն	Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division), Paharpur Installations, West Bengal.
4. Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Ltd, Aviation Fuel Station, Meeru- nbakkam Airport, Madras.	31.	West Bengal	Calcutta	Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division), Mourig- ram Installations Post Offic Radh-dasi, Distt. Howrah.

1 2	3	4
32. West Beng	24- Parganas	Indian Oil Corporation Ltd. (Murketing Division), Budge Budge Installations Post Office Budge Budge, 24 Parganas, West Bengal.
33. Assam	Gaühati	Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division), Gauhati Installation, Gauhati,
34. Bihar	Patna	Indian Gil Corporation Ltd., (Marketing Division), Patna Installation, Patna
35. Uttar Pradesh	Agra	Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division), Kheria Air Field, Agra-3.
36. Kerala	Tuticorin	Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division), Tuticorin Installations, Harbour Project Premises, Tuticorin-4.
37. Orissa	Cuttack	1 - lian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division), Shikar pore, P.O., Chauligan, Cuttack.
38. Goa	Vasco-d e - Gama	Indian Oil Corporation Ltd., (Marketing Division), Vasc de-Gama, Goa.
39. Karnetaka	Mangalore	Indian Oil Corporation Ltd (Marketing Division), Mangalore Installations Mangalore.
40. Uttar • Pradesh	Kappur	In him Oil Corporation Ltd. (Refineries and Pipe Line Division), Kanpur Station Armapur, Kanpur.
41. Rajasthen	Jaipur	Indian Oil Corporation Ltd (Marketing Division), Divisional Office, Chome ¡House, Opposite Residency, P.O. Box No.811, Jaipur-302 001.
42. Rajasthan	Jaipur	Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division), Jaipur Depot, Jaipur South, Jaipur

[No. S-38014/28/84-H

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the proposal for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

न है दिल्ल , 17 जून, 1985

- पूर्वोक्त छूट क शर्ने निम्नलिखित है, प्रथात् :-
- (1) पुर्वेक्त कारखानाः जिसमें कर्मचारः नियोजित है, एक रिजस्टर रखेनाः जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम ग्रीर पदाभिधान दिखारे ता (गे:
- (2) इस छूट के हाते हुए भ, कर्मवारं उक्त श्रधानयम के अधःन ऐस. अमुविधाए प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए बै इस अधिपूबना वारा द १६ छूट के खूत होने क. तार ख से पूर्व मश्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि काई अभिदाय पहले हो किए जा चुके हों तो वे वापस नहीं किए जाएंगे,
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस प्रविध को बाहत जिसके वीरान उस कारखाने पर उक्त प्रधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इममें इसके परवात् "उक्त प्रविध" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐने प्रारूप में ग्रीर ऐता विविधिटयों सहित देगा जी कर्मजार राज्य वीमा (साधारण) विनियम, 1959 के अज उसे उभा प्रविध की वाहत देन थीं:
- (5) निगम द्वारा उक्क अधिनियन की धारा 45 की उप-धारा(1) के अधिन नियुक्त किया गया कोई निरोक्षक, या निगम का इस निभिक्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधरी :--
 - (1) धारा 44 क उप-धारा (1) के अधेन, उक्त अवधि को बाबत दः गई किमा विवरणे को विशिष्टियों को संस्थापित करने के प्रयोजनार्थ.
 - (2) यह श्रभिनिश्चित करने के प्रयोधनार्थ कि कर्मचारा राज्य ब.मा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा प्रपेक्षित राजन्दर श्रीर श्रभिनेख उक्त श्रवधि के निए रखें गये थे या नहीं, या
 - (3) यह अभिनिष्ठित करने के प्रयोजनार्थ कि कमंचारं, नियोजक द्वारा दिने गए उन फायदों को. जिसके प्रतिफल स्वरूप इस अध्यक्षता के अधीन छूट दी जा रही है, नकर ने पौर व कप में पाने का हकदण्र बना हुआ है या नहीं या
 - (4) यह अभिनिधित करने के प्रयोजनार्थ कि इस अवधि के दौरान, जब उच्च कारखाने के संबंध में अधिनियम के उस्से प्रवृत्त थे, में किन्ही उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्निनिया कार्य करने के लिए प्राप्त होगा --

- (त) प्रधान या अप्राविहित नियोजक से अनेला करना कि वह उसे ऐस जनकारी दे जिते उपरोक्त निर्माकक या अन्य पदधारी अवस्थिक समझने हैं; या
- (य) ऐंग्रे प्रधान या प्रव्यविहित नियोणक के ब्रिधिभोनाधान किस. जारधाने, स्थापन, कार्यालय या ग्रस्य परिमर में किसे: भ। उचित नमय पर प्रवेश करना मौर उसके प्रभार। से यह ग्रपेका करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन ग्रौर मजबूरी के संदाय

- में मब्बधित ऐसे लेखा, बहिता झाँर श्रन्य दस्ताबेज, ऐसे निरक्षक या श्रन्य पदक्षार के तरका प्रस्तुत करें झाँर उनका परक्षा, करने दे, या उन्हें ऐसे, जानकार दें, जिसे वे श्रावण्यक समझे,
- (ग) प्रधान या प्रव्यवहित नियोजक कं, उसके अधिकतो या सेवक क, या ऐसे किस- व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या प्रत्य परिसर में पाये जाए, या ऐपे किस- व्यक्ति के जिसके बार में उतत निरक्षक या प्रत्य पदधार- के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचार है, पर क्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखान, स्थापन, कार्यालय या घ्रत्य परिसर में रखे गए किंग रिकस्टर, लेखाबह, या घ्रत्य दस्तावेष क नकल तथार करना था उससे उजरण लेना ।

मनु सूच

وور المنافق المنافق المنافق المواجدة المنافق ا

कम संख्या

णक्का का नाम

- রিঘणন श्रीर বিক্ষম স্পাদ, নই বিল্ল
- 2. ट्रान्सकार्मर संबंह, झास ,
- बाल्य ट्वाइन विनिर्माण एकक, हरिद्वार, श्रीर
- इंच दाव वायलर संयंद्ध, तिरूच।

[संख्या एस/ 38014/ 15/84-एस : भाई]

स्पष्ट करण जापन

इस मामले में छुट को भूतनका प्रभाव देता आवश्यक हो गया है, क्योंकि छूट के लिए आवेदन देर से प्राप्त हुआ था। किन्तु, यह प्रमाणित किया जाना है कि छूट को भूतनका प्रभाव देने से किया भा व्यक्ति के हिन पर प्रतिकल प्रभाव नहीं पहेगा।

New Delhi, the 17th June, 1985

S.O. 3161.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 4325 dated the 26th November, 1984 the Central Government hereby exempts the regular employees of the units of Bharat Heavy Flectricals Limited specified in the schedule annexed hereto from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st Oct. 1984 upto and inclusive of the 30th September, 1985.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hercinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any
 return submitted under sub-section (1)
 of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to :--
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary, or
 - (b) enter any factory, establishment, or other premises occupied by office such principal or immediate employer at affy reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

THE SCHEDULE

S.No. Name of the Unit

- 1. Marketing and Sales Division, New Delhi.
- 2. Transformer Plant, Jhacsi.
- Steam Turbine Manufacturing Unit, Hardwar; and
- 4. High Pressure Boiler Plant. Tiruchy.

[No. S-380]14/15/85-HU

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. आ. 3162 — केन्द्रय सरकार, कर्मचार राज्य बसा अधि-नियम, 1948 (1948 का २4) क धारा 91-क के साथ पठित आरा 88 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अस मंज्ञालय क प्रशिमुचना संख्या का. आ. 165, तरिख 4 जनकरा, 1982 के कम में मार्जेरिटा वर्कणाप , तार्थ ईस्टर्न कोलफल्डस, कोल इंडिया नि., मार्जेरिटा, असम के नियमित कर्मचारियों को उक्त प्रधि-नियम के प्रवर्तन से 1 अक्तूबर, 1982 से 30 सितम्बर, 1985 तक का अवधि के लिए जिसमें यह तार ख भी सम्मिलत है, जुट वेश है।

- 2. उक्त छुट निम्नलिखित शतीं के प्रधान है, भ्रथीत् :---
- (1) पूर्वाकन कारखाना, जिसमे कर्मचारः नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदासिधान वर्षान किए जाएंगे,
- (2) इस छूट के होते हुए मं। कर्मचार। उक्त प्रधितेयम के प्रधान ऐस प्रमुखिआएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस प्रधिमूचना द्वारा दो गई छूट के प्रकृत होते का ताराख से पूर्व मंदन प्रभिद्वायों के आधार पर हकदार हो जाते.
- (3) छूट प्राप्ट जबबि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही संदत्त किए जा चुको है तो वे अपन नहीं किए जाएंगे,
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि क बाबन जिसके बीरात उस कारखाने पर उक्त श्रिधिनियम, प्रवृत्त, था। (जिसे इसमें इसके परवाल उक्त श्रवधि कहा गया है) ऐसी विधरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसे, विणिष्टियों सहित देगा जो कर्मचार राज्य य मा (साधारण) विनियम, 1950 के अध न उसे उक्त श्रवधि क बाबत देन, थ,
- (5) निगम क्षारा उक्त प्रधिनियम का धारा 45 क उपधारा 1 के प्रधान नियुक्त किया गया कोई निरक्षक या उस निमिन्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारः :
 - (i) धारा 44 क उपधारा (1) के प्रधीन उपन प्रविध्य क बाबत द गई किस. विषयण की विणिष्टियों का सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या
 - (ii) यह अभिनिष्यित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य ब.मा (मधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा यपेक्षित राजम्हर और अभिनेख उकत भवधि के लिए रखे गए थे पान हैं, पा

- (iii) यह श्राभितिक्वित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मेचारी, नियोजक द्वारा दे, गई उन प्रसुविधाओं की, जो ऐसा प्रभुविधाए है जिनको प्रतिकलस्वरूप इस श्रीधसूचना के ग्राव न छ्ट दे, जा रहा है, नकद ग्रीर बस्तु रूप में पाने का हकदार यना हुन्ना है, या नहीं या
- (vi) यह प्रश्नितिष्वत करने के प्रयोजनों के लिए कि उस प्रयोज के दौरान जब उक्त कारणाते के संबंध में अधि उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्ही उपबंधों का श्रमुपाल हैं ा ा नहीं, निस्नलिखित कार्य करने के लिए गा:--

ान नियोजक या श्रव्यवहित नियोजक से यह रे 'आ करना कि वह उसे ऐस. जानकाश दे जो स्थायण्यक समझे, या

ा प्रधान नियोजक या श्रव्यविष्ट्रत नियोजक के धेशोग में कारखाने, स्थापन, कार्यालय या श्रव्य रेसर में किस, भा उलित समय पर प्रवेणकरना र उसके भारसाधक द्यक्ति से यह श्रपेक्षा रता कि वह व्यक्तियों के नियोजन श्रीर मजदूरी संदाय से संबंधित ऐसे लेखी, बहियां श्रीर श्रन्य तावेजी, ऐसे निरीक्षक या श्रव्य पदधारी के क्षा प्रस्तुत करों श्रीर अनको परेक्षा करने दे खह उसे ऐसा जानकार, दे जो वह श्राव्यवक्ष मक्षे, या

शत नियोज स्या अव्यवहित नियोज क को, उसके भिकर्ता या सेवक को या ऐसे किस, व्यक्ति । जो ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य रेसर में पाया जाए या ऐसे किस, व्यक्ति को । सके बारे से उक्त निरक्षिक या अन्य पदधार के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचार है, परका करना, या

(भ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या ग्रास्य परिसर में रखे गए किसी रिजिस्टर, लेखाबहः, या ग्रास्य दस्ताक्षेत्र कः, नकत्र करना या/उसमें उद्धरण नेना।

> [सं. एस.-38014/3/81-एच : प्रार्ष.] ए. के. भश्टाराई, धवर समित

माध्य कारक आपन

दम मानते में छूट का भूतलका प्रभाव देना प्रावण्यक हो गया है क्योंकि छूट के लिए प्रावेदन देर में प्राप्त हुप्रा था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलका प्रभाव देन से किसा था व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 3162.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 165, dated the 4th January, 1982, the Central Government hereby exempts the regular employees of Margherita Workshop, North Eastern Coalfields, Coal India Limited, Margherita, Assam from the operation of the said Act for a period with effect from 1st October, 1982 up to and inclusive of the 30th September, 1985.

- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—
 - (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
 - (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
 - (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
 - (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinatter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
 - (5) Any Inspector appointed by the Cerporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of:—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to :—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, officer other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages of to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S.-38014|3|81-HI]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 19 जून, 1985

का. आ. 3163.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार हैसालांग कोलियरी, मैसर्स सैण्ट्रल कोलफील्डज लिमिटेड के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मवारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2 धनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-3-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th June, 1985

S.O. 3163.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hesalong Colliery, Central Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th June, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 19 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Hesslong Colliery of M/s. Central Coallields Ltd. and their workmen.

APPEAR ANCES:

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate On behalf of the workmen—None.

STATE: Bihar · INDUSTRY: Coal

Dated, the 11th June, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the L. D. Act. 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012(15) 84-D.IV (B) dated, the 28th February, 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Hesolong Colliery of M/s. Central Conflicteds Ltd. in dismissing Shri Dina Ganihi. Loader. w.e.f. 12-4-83 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

The union raising the dispute did not file the statement of claim documents and list of witnesses during the relevant period and as such the Court issued notices for filling the same. After two adjournments the Secretary of the United Coal Workers Union, who had raised the dispute on behalf of the workmen, filed a petition that the dispute in question no longer survives and as such no dispute award may be passed in the reference. It is further stated that there has been emicable settlement between the management and the concerned workmen and that the settlement arrived at between them has already been implemented. A copy of the terms of settlement has also been attached along with the petition filed by the Secretary of the Union. The management also has filed a petition that the matter was actually settled and the represent workman has been given employment on humanitarian consideration. In view of the fact that the parties have actually settled the dispute and the settlement has been given effect to there is no need to proceed further in the reference.

I. N. SINHA, Presiding Officer [No. L-24012(16) /81-D.IV (B)] R. K. GUPTA, Desk Officer

नई दिल्ली 21 जन 1985.

का. आ 3164.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में चेन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध निगोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनबंध में निर्दिष्ट औद्योगिर विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14 जून 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 21st June, 1985

S.O. 3164.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th June. 85.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT, INDUSTRIAL, TRIBUNAL, NEW DELHI

ID. No. 43/83

In the matter of dispute between:
Shri Babu Lal s/o Late Shri Nanga Ram,
r/o H. No. 3954. Sadar Bazar.

Versus

The Insurance Corporation of India, Erran trakish Building, 25. Kasturba Gundhi Marg, New Delhi.

APPEARANCES:

Mis. Ashok fian-for the workman.

Shri Ravinder Sethi-for the Munagement.

with Sh. C. P. Sharma & Sh. K. K. Sharma.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour on 29th September, 1982 vide Under No. L-17012/22/81-D.H.(A) made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India in relation to its Divisional Office at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, in retiring from services, Shri Babu Lal, Peon, with effect from the 28th December, 1980, is justified?

 If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. Mr. Baby Lal was retired by the Life Insurance Corporation of India by letter dated 2/4-4-80 w.e.f. 28-12-80 on the ground that he reached the age of superantuation at 40 years in December, 1980 on the basis of his date of birth incorpted by them as 28-12-20.
- 3. The workman asserts that he was infact born on 29-5-30 and he submit diff possible proofs in support of for que fire a action of he date of birth but the Management diff not do not requests the Tribunal to direct the Management to rejustat. This is service with continuity of the continuity was sufficient to 28-5-90.
- 4. The Management of Life Insurance Corporation of India contested the workman's claim and asserted that the wor man had himself earen his date of birth as 3/Pous 1977 Villenmi corresponding to 28-12-1920 in the erstwhile insurance or Lid" which he joined on 14 August 1957 March he mentioned that he had earlier served another insurance company Indian Life Insurance company for a 1-8-46 to 3-11-54 is Office Peon,
- 5. The Lift Insurance Corporation of India is said to have verified his date of birth and the workman had also taken out an assurance Policy in 1957 where he declared his date of birth a. 28-12-80 and the same was verified on the basis of a ce tificute is at to the workman with the same date of birth. The Manicipal certificate of date of birth file, by him was said to be not applicable to him at all and the workman's claim w, said to be false about his having been born in 1930 when his father died in 1924 according to the family bistory given by him in his proposal form for insurance. He did not submit any credible listed document for correction of his date of birth.
- 6. The matter has been tried and I have heard the parties representatives.
- 7. The representative of the workman urged that the workman studied in a school which was no longer in existence and could not submit a school leaving certificate and that he was partially literate having studied upto 4th class and did not know the documents where he signed and the documents were not correct and that he submitted birth certificate also particulars of the family but the Management was unresponsive. The workman had in fact even offered to be medically examined in relation to his age, but the Management did not accept that offer.
- 8. In my opinion the workman has no case. The workman has himself filed the certificate dated 8th November, 1954 from Brinch Manager of Indian Life Insurance Company Limited, where it is certified that Babu Lal served under him for shout 9 years as Office Peon. This confirms the information contained in M-18 form of the Aryasthan Insurance Company Limited about the workman working as office-peon with Indian Life Insurance Company from

1-8-46 to 30-11-54 M. 18 is admittedly signed by the workman and this mentions his date of birth as 3rd Pous 1977 VIKRAMI. The workman, in his proposal for Life Insurance document M-24, mentioned his age as 33 in 1957, and further mentioned that his father died in 1924 and he also gave original Horoscope in respect of his date of birth being in the year 1920. He also got the certificate M-21 issued from the Sr. Divisional Manager of LIC certifying his date of birth as 28-12-20 on the basis of horoscope, and the Life Insurance Corporation accepted his proposal of life insurance and date of birth of Babu Lai as 28-12-20.

- 9. In this situation, it is impossible to believe that the workman was born in 1930, when he himself mentions that his father died in 1924 and he also filed horoscope with the Management claiming the year of birth as 1920. He could not have been taken in service of Indian Life Insurance Company in 1946, when he was only a atinor of 16 years of age, if he was born in 1930.
- 10. The birth entry relied upon by the workman is one where no name of the child is mentioned and, on its face, the document produced does not refer to the workman.
- 11. The workman has no evidence worthwhile to connect the alleged birth-entry to his own birth, and there is weighty evidence, to the knowledge of the workman, against the date of birth, now claimed by him. The workman has afready withdrawn from the LIC his Provident Fund and Gratuity without objection.
- 12. It appears to me that the LIC Management is right. They verified his date of birth in 70-71 and again in 1975 as December, 1920, and they also accepted his proposal for insurance on his year of birth as 1920, from Original horoscope filed by him. In this situation, for Babu Lal to claim date of birth in 1920 is nothing short of attempt to prolong his service on false representations. The Management has a list of documents on which they can rely for changing the date of birth, and 10 documents are there in that schedule. The workman produced only an extract of Register of births and deaths, which has not been proved to relate to him, and other record with the Management is against him, including the original horoscope that he filed for the purpose of verification of date of birth in respect of proposal for insurance made in 1957.
- 13. The plea set-up by the workman Babu Lal is wholly without any substance, and the workman is not entitled to any relief. The action of the Management does not call for any interference. and he was properly retired on reaching the age of superannuation, in accordance with the workman's own submissions and records to his knowledge, and the attempt by the workman to increase his working-life, a year before his retirement seems to have been prompted by misinformation or worse. He is not entitled to any relief. Award is made accordingly.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer
[No. L-17012/22/81-D. II(A)/D. IV(A)]
K. J. DYVA PRASAD, Deck Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 1985

का. आ. 3165.--औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. चउगले एंड कंपनी प्राइत्रेट लिमिटेड के प्रबंधतंद्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में विनिद्धित्व औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय संकार औद्योगिक अधिकरण-II धनवाद के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th June, 1985

S.O. 3165.—In pursuance of section '7 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. II. Bombay, as shown in the Annexure. In the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Chowgule & Co. Private Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th June, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRUSENT:

Shri M. A. Deshpande, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/2 of 1985

PARTIES:

Employers in relation to the Management of M/s. Chowgule & Co. Pvt. Ltd.

AND

Their Workman,

APPEARANCES:

For the Fmployers.—Shri D. P. Sinha, Manager Industrial Relations,

For the Workman.-No appearance.

INDUSTRY: Mining STATE: Goa, Daman and Diu.

Bombay, the 27th May, 1985

AWARD

By their order No. L-29012|52|84-D. III. B dated 7-1-1985 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act by the Central Government on receipt of the failure report from the Conciliation Officer:—

- "Whether the management of MIs. Chowgue & Co. Pvt. Ltd., are justified in terminating the services of Shr. Arjun Baswant Sawant, watchman, with effect from 6-9-1983. If not, to what relief is the workman concerned entitled?"
- 2. Although notices were issued to the parties including the workman no regular statement of claim was filed as required under Rule 10B of the Industrial Disputes Central Rules. By his writing received on 11-2-1985 the workman merely informed to have sent a copy of statement and documents to the management but the said fact has been denied by the management in their say dated 23-5-1985. What the workman had sent was a copy of Photograph and phorocopy of Cash payment voucher but by themselves they are not going to advance his case. There is also a copy of letter dated 12-7-1983 addressed to Mr. Parshuram D. Bhergaonkar but it has no relevance to the matter on hand.
- 3. Against this there is the written statement filed by the management who have denied the relationship of employer-employer between the parties and further stated that the applicant was serving under the contractors and was never in the service of M|s. Chowgule & Co. Pvt. I td.,
- 4. Since neither the workman filed any statement of claim nor was he present on the dates of hearing although the date was fixed at Goa for his convenience, nor adduced any evidence in support of his contention the reference fails and has to be rejected.

Award accordingly.

Dated: 28-5-85.

Sdi-

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer
No. L-29012|52|84-D. HI(B)]
HARI SINGH, Desk Officer